مفتاح التنكرو

مرتبه احمدطا برمرزارشخ نصیراحمد زرگرانی سید عبدالحیی

| | الهامات |
|------|----------------------|
| 1 | عر بي |
| 9٣ | فارسی |
| 1•• | اردو |
| 12 | انگریزی |
| IFA | پنجابی ودیگرز با نیں |
| 189 | رؤيا و کشوف |
| IAT" | تعبيرالرؤيا |
| ١٨۵ | اسماء |
| 197 | مقامات |

| 1 | |
|---|------------------------------|
| الهامات | عربي |
| 195 اراد الله ان يبعثك مقاماً محموداً 528، 558 | السن عالية |
| ارض الله لينة و ملك لين | 158 |
| اصلح الله امرى كله | نيتم من علمه الا قليلا |
| اطال الله بقاء ك | 465 (313 |
| افاتخذتم عند الله عهدًا فلن يخلف الله عهده425 | ت المسيح ابن مريم |
| اكمل الله كل مقصدى | 297 |
| اليس الله بكاف عبده 48، 72، 200، 373، 547،399، | وهو ارحم الراحمين84، 609،297 |
| 691 • 582 • 550 | شىء553 853 858 |
| اليس الله عليمًا بالشاكرين | 630 |
| امر من الله العزيز الاكرم | ب وانه يوصله الى جهنم573 |
| امّره الله على خلاف التوقع | امره |
| آمنا من الله الرحيم | كل شئى502 |
| ان الذين يبايعونك انما يبايعون اللَّه 176، 196، 545 | و كره الكافرون 301 |
| ان الله حافظ كل شيء | نتم تكتمون416 |
| ان الله رؤف رحيم | لكافرين |
| ان اللَّه عزيز ذوانتقام | ىلم القرآن |
| ان الله على كل شيء قدير | .ک |
| ان الله قد منّ علينا | ک انعامه |
| ان الله لا يضر | لالکلالک. |
| ان اللَّه لا يغير ما بقوم حتىٰ يغير وا ما بانفسهم260، | ٢ تعلمون٢ |
| 409 • 261 | لميٰ |
| ان الله مع الابرار | ن لولم ينصرك الناس 179 |
| ان اللَّه مع الذين اتقوا والذين هم محسنون395، 398، | لله ليحب حبا جما |
| 569 ،558 ،552 ،547 ،499 ،441 ،418 ،417 ،406 | مع الخائفين269 |
| ان اللَّه مع الذين اتقوا | وحده |
| ان الله مع الذين هم يتقون | نت مسمرً |

| الله الجرت |
|---|
| الله اعلم وما او تيتم من علمه الا قليلا |
| الله اكبر |
| الله الذي جعلك المسيح ابن مريم 308 |
| الله حافظه297 |
| اللَّه خير حافظا وهو ارحم الراحمين84، 297،609 |
| الله خير من كل شيء |
| اللَّه خير و ابقىٰ |
| الله عدو الكاذب وانه يوصله الى جهنم573 |
| الله غالب على امره |
| الله غالب على كل شئى |
| الله متم نوره ولو كره الكافرون301 |
| الله مخرج ما كنتم تكتمون |
| الله موهن كيد الكافرين |
| الله ولي حنان علم القرآن |
| الله وليک و ربک |
| الله يريد ان ير يک انعامه |
| الله يعطيك جلا لك |
| الله يعلم وانتم لا تعلمون |
| الله يعلينا ولا نعليٰ |
| الله ينصرك من لولم ينصرك الناس179 |
| الا انها فتنة من الله ليحب حبا جما69 |
| اتق الله ان الله مع الخائفين |
| اخذهم الله بقي وحده |
| اخره الله الى وقت مسمعً |
| اذا نصر الله المؤمن جعل له الحاسدين في الارض65، |

| رحمك الله | ان الله مع الصادقين |
|--|--|
| رد الله الى | ان الله مع عباده يواسيك |
| رفعه الله حجة الاسلام | ان الله معك. ان الله يقوم اينما قمت 241 |
| زاد الله عمرك | ان الله معي في كل حال620 |
| سبحان الله تبارك وتعالى زاد مجدك53 | ان الله من عليكم واعطيك ما اعطيك 578 |
| سبحان الله وبحمده سبحان الله العظيم 25 | ان الله يجزى المتصدقين570 |
| سبحك الله ورافاك 412، 554 | انا الله ذو المنن |
| سمع الله انه سميع الدعاء | انا الله لا اله الا انا |
| شكر الله سعيه | انت محدث الله |
| صدق الله ورسوله | انما يريد الله لكم اليسر |
| صلى الله عليك وعلى محمد | اني انا الله ذوالجود والعطاء |
| صلى الله على محمد وعليك661 | اني انا الله ذو السلطان |
| ضرب الله اشد من ضرب الناس | اني انا الله فاخترني |
| طول الله عمركطول الله عمرك | اني انا الله فاعبدني ولا تستعن من غيري306 |
| عفا الله عنك لم اذنت لهم | اني انا الله فاعبدني ولا تنسني |
| عمره الله على خلاف التوقع609 | اني انا الله لا اله الا انا |
| عنايت الله حافظك48 | اني مع الله العزيز الاكبر 254، 658 |
| فبراه الله مما قالوا وكان عند الله وجيها . 48، 72، 221 | اني مع الله الكريم |
| فسيكفيكهم الله ويردها اليك | اني مع الله في كل حال |
| فقبل الله عبده و براه مما قالوا | اني مع الله |
| فوقاهم اللَّه من شر ذالك اليوم | اوفي الله اجرك |
| قاتلهم الله اني يؤفكون | اهذا الذي بعث الله |
| قد سمع الله | تاللُّه لقد اثرك اللُّه علينا وان كنا لخاطئين605،522 |
| قل الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون 399،295، 538، | تفصيل ما صنع الله في هذا الباس |
| 618 • 597 • 545 | تنزيل من الله العزيز الرحيم |
| قل الله ثم ذر في غيه يتمطى 287، 307 | جرى الله في حلل الانبياء63، 239، 296، 315، 544 |
| قل الله حافظه84 | جري الله في حلل المرسلين |
| قل ان الله عزيز ذو الاقتدار افلا تؤمنون482 | حبا من الله العزيز الاكرم |
| قل ان كنتم تحبون الله فاتبعوني. 142، 177، 178، 179 | حكم الله الرحمن لخليفة الله السلطان 196، 682 |
| 547 • 545 • 407 • 198 | حماك الله |
| قل هو الله احد | الذين يبايعونك انما يبايعون الله134 |
| | |

| والله شديد العقاب. انهم لا يحسنون 361 | قل هو الله اعجب العجيبين |
|--|--|
| والله غالب على امره53،302،308،5317 | قل هو الله عجيب48، 65، 85، 169، 172، 195، 408، |
| والله لولا الاكرام لهلك المقام | 559 •544 |
| والله متم نوره ولو كره الكافرون301 | 554 ، 554 قل ياخذك الله |
| والله مخرج ما كنتم تكتمون | كتب الله لاغلبن انا ورسلى 84، 399، 539 |
| والله موهن كيد الكافرين | كمل الله اعزازك |
| والله وليک و ربک 325 | كن لله جميعا ومع الله جميعا |
| واللّٰه يريد ان يريك انعامه325 | لا تخف ان الله معنا |
| والله يعصمك من عنده و لولم يعصمك الناس179 | لا عاصم اليوم الا الله |
| والله يعلم وانتم لا تعلمون | لا يعافيك الله |
| والله ينصرك من لولم ينصرك الناس179 | لا يوافيك الله |
| وان الله مع الابرار | لن نؤمن لک حتى نرى الله جهرة |
| وان لم يعصمك الناس فيعصمك الله68 | لن يخز يهم الله |
| وان يردك بخير فلاراد لفضله | لو اقسم على الله لابره |
| وما اصابك فمن الله | الم تعلم ان الله على كل شء قدير 69، 524 |
| وما رميت اذرميت ولكن الله رمي 35، 104، 538 | ما اهلک الله اهلک |
| وما كان الله ليتركك حتى يميز الخبيث من الطيب | ما رميت اذرميت ولكن الله رمي |
| 53 | 538 (194(104) (35) |
| وما كان الله ليعذبهم وانت فيهم | ما لهم من الله من عاصم |
| ومكروا ومكر الله والله خير الماكرين219 | متع الله المسلمين ببركاتهم |
| ومن كان لله كان الله له | مظهر الحق والعلى كان الله نزل من السماء 110، |
| ويمكرون ويمكر الله والله خير الماكرين150، 194، | 588 ،319 ،149 ،144 |
| 408 | من كان في نصرة الله كان الله في نصرته618 |
| يا احمد بارك الله فيك 35، 178، 194، 294، 538 | نصر من الله و فتح قريب521 |
| يا مسيح الله عدوانا 635 | نصوك الله |
| ياايها الناس اتقوا ربكم الله خلقكم591 | نصركم الله نصرًا مؤزرًا633 |
| يحمدك الله من عرشه 203، 239، 294 | لمن الملك اليوم لله الواحد القهار475 |
| يحمدك الله ويمشى اليك543 | للَّه الامر من قبل ومن بعد |
| يرفع الله ذكرك | والله اني غالب و سيظهر شوكتي602 |
| / | , t |
| يرى الله بك سبيله | والله خير حافظًا وهو ارحم الراحمين608 |
| يرى الله بك سبيله | والله خير حافظًا وهو ارحم الراحمين |

| آتيناهم بالحق فهم للحق كا رهون 407 | 409،385 |
|---|--|
| انا آتيناك الدنيا وخزائن رحمة ربك301 | يريكم الله زلزلة الساعة550، 552 |
| اني مع الاسباب آتيك بغتةً | يسر الله وجهك وينير برهانك172 |
| اني مع الافواج آتيك بغتةً 242، 256، 257، | يصلح الله جماعتي ان شاء الله تعالىٰ651 |
| ، 559 ، 537 ، 514 ، 463 ، 454 ، 451 ، 425 ، 378 ، 333 | يظهرك الله ويثني عليك556 |
| 614 (604 | :يعصمك الله من العدا ويسطو بكل من سطا369، |
| انى مع الامراء آتيك بغتة | 558 - 550 |
| اني مع الجيش آتيك بغتة | يعصمك الله من عنده وهو الولى الرحمٰن371 |
| اني مع الرحمٰن آتيك بغتة | يغفر لک الله ما تقدم من ذنبک و ما تاخر657 |
| اني مع الروح آتيك بغتة | يكرمك الله اكرامًا عجيبًا |
| اني مع الغفار اتيك بغتة | ينصرك الله من عنده |
| آثر : تالله لقد آثرك الله علينا وان كنا لخاطئين522 | ينصركم الله في دينه |
| آثرك الله على كل شئى 372، 441، 498، 549 | ينصركم الله في وقت عزيز551 |
| لقدآثرك الله علينا | اللُّهم :اللهم ارحم |
| آثار :فانظروا الى اثاررحمة الله | اللهم اصرف سوء هذا الرؤيا عني |
| آخو :آخر دعوانا ان الحمد لله رب العالمين494 | اللهم ان اهلكت هذه العصابة فلن تعبد في الارض 352 |
| اعانه عليه قوم آخرون539 | سبحان الله وبحمده سبحان الله العظيم. اللُّهم صل |
| امثال الرحمة اول الذكر وآخر الذكر 636 | على محمد وال محمد25 |
| امثال الرحمة في اول الذكر وآخر الذكر637 | |
| انت مبارك في الدنيا والآخرة 75، 547 | ~ |
| اني ساخبره في آخر الوقت انكلست على الحق558 | Ĩ |
| اني معك في الدنيا والآخرة635 | |
| اني معك في الدنيا والآخرة635 | الآفاق: سنر يهم آياتنا في الآفاق و في انفسهم 551، |
| ثلة من الاولين وثلة من الآخرين 212، 216، 296، 548 | 630 |
| دخلتم الجنة وما علمتم ما الجنة ذالك اليوم الآخر | ونريهم آياتنا في الآفاق |
| 630 | آئل :جاء نبي آئل واختار |
| ساخبره في آخرالوقت انكلست على الحق 388 | |
| العيد الآخر تنال منه فتحا عظيما | آت:ان فضل الله لآت |
| يقولون ان هذا الا قول البشر واعانه عليه قوم آخرون . | ان وعد الله لآت |
| 406 | آتى :و آتاني مالم يؤت احد من العالمين562 |
| نحن اولياء كم في الحيوة الدنيا و في الآخرة521 | آتیک غدًا |
| | |

| رب ارنى آية من السماء | واعانه عليه قوم آخرون |
|--|---|
| ساريهم آية من انفسهم | وجيها في الدنيا والاخرة |
| فلا شك انه آية من الايات | ولتدعو قوما آخرين |
| كذالك ليكون آية للمؤمنين | آدم :اردت ان استخلف فخلقت آدم خليفة اللَّه |
| ليكون آية للمؤمنين | السلطان |
| ليكون آية للناظرين | اردت ان استخلف فخلقت آدم |
| ما ننسخ من آية او ننسها نات بخير منها576 | 563 6562 6542 408 198 172 167 |
| وان يروا آية يعرضوا ويقولوا سحر مستمر 59، 590 | ان مثل عيسىٰ عند الله كمثل آدم683 |
| ولنجعله آية للناس و رحمة منا | خلق آدم فاكرمه |
| | صل على محمد وآل محمد سيد ولد آدم60 |
| | ولقد كرمنا بنيي آدم وفضلنا |
| 1 | يا آدم اسكن انت و زوجك الجنة55 |
| | آمن :آمناً من الله الرحيم |
| ااندرت : سواء عليهم أانذرتهم ام لم تنذر هم515 | ان الله يدافع عن الذين آمنوا |
| اثمة :يخوفونك من دونه ائمة الكفر83، 297 | واذا قيل لهم آمنوا كما آمن الناس66 |
| اانت لا تعرفين القدير | والذين آمنوا ولم يلبسوا ايمانهم بظلم84 |
| الابتر :ان شانئك هو الابتر | ومن دخله كان آمنا |
| الابتلاء: ظلمات الابتلاء | آوى :انه آوى القرية 261، 344، 409، 553 |
| الابراء157 | آيات :آيات للسائلين |
| الابرار :ان الله مع الابرار 450، 585، 999 | بلجت آياتي |
| انت من الابرار | تلك آيات الكتاب المبين |
| ابدال :يدعون لك ابدال الشام وعباد الله من العرب | ساريكم آياتي فلا تستعجلون606 |
| 100 | فانظروا آياتي حتى حين |
| يصلون عليك صلحاء العرب وابدال الشام129 | فانتظروا آياتي حتى حين |
| أَبُوُّ :رب اشعث اغبر لو اقسم على الله لابره 581 | فيه آيات للسائلين |
| لو اقسم على الله لابره | لک نری آیات و نهدم ما یعمرون 451 |
| ابراهيم :انا اخرجنا لك زروعا يا ابراهيم 283 | نريد ان ننزل عليك آيات من السماء196 |
| سلام على ابراهيم | نزلت لک ولک نری آیات553 |
| سلام يا ابر اهيم | يا عيسىٰ سأريك آياتي الكبراى |
| فاتخذوا من مقام ابراهيم مصلي85 | آية :انا سنريهم آيه من آياتنا |
| قل بل ملة ابراهيم حنيفا | انني ساجعل بنتا من بناتهم آية لهم |

| هذه تذكرة من شاء اتخذ الى ربه سبيلا217 | وقلنا یا نار کونی بردا و سلاما علی ابراهیم39 |
|---|---|
| وهذه تذكرة من شاء اتخذ الى ربه سبيلا212 | واتخذوا من مقام ابراهيم مصلى67 |
| يا ليتنى اتخذت مع الرسول سبيلا | و انت معی یا ابراهیم |
| افاتخذتم عند الله عهدا فلن يخلف الله عهده425 | ياابراهيم اعرض عن هذا |
| فاتخذوا من مقام ابراهيم مصلي 65،85، 297، 549 | ابقى اصلوتك خيرو ابقىٰ630 |
| ارید ان اتخلص | ابلعي :قلنا يا ارض ابلعي ماءك وياسماء اقلعي388 |
| أتعجب لامرىلامرى | يا ارض ابلعي ماءك غيض الماء و قضي الامر 275 |
| أتعجبون من فعل الله | ابن :انا جعلناك المسيح ابن مريم لاتم حجتي176 |
| أتفرون مني وانا من المجرمين منتقمون | انت اشد مناسبة بعيسيٰ ابن مريم و اشبه الناس143 |
| اتقنط من رحمة الله الذي يربيكم في الارحام 575 | انكانت مني المسيح ابن مريم |
| اتق الله ان الله مع الخائفين | اني جاعلک عيسيٰ ابن مريم |
| اتقوا :ان الله مع الذين اتقوا | انى معك يا ابن رسول الله |
| ·395·379·325·320·307·287·275·271·249·215·177 | الحمد لله الذي جعلك المسيح ابن مريم |
| ، 558 ، 552 ، 547 ، 499 ، 441 ، 418 ، 417 ، 406 ، 398 | 549 ،498 ،408 ،318 ،303 |
| 622,569 | ابناء: اني اجعل نساء هم ارامل و ابناء هم يتاميٰ123 |
| ياايها الناس اتقوا ربكم الله خلقكم | ترىٰ نسلاً بعيدًا ابناء القمر |
| فاتقوا النار التي وقودها الناس و الحجارة357 | خذوا التوحيد التوحيد يا ابناء الفارس197 |
| اتل عليهم ما اوحي اليك من ربك | قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونسائكم 176 |
| اتوا :ان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنا فاتوا بكتاب | لناله رجل اورجال من ابناء الفارس198 |
| من مثله | ابواب :انا فتحنا عليك ابواب الدنيا395 |
| اني امرت من الرحمٰن فاتوني | فتحنا عليك ابواب الدنيا |
| لا تثريب عليكم اليوم فاتونى باهلكم421 | تفتح لهم ابواب السماء |
| وان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنا فاتوا بشفاء 26، | ابى لهب :تبت يدا ابى لهب و تب ما كان له 68، 198 |
| 529 426 | اتاني :الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن واتاني مالم |
| اتوب :الذين تابوا واصلحوا اولئك اتوب عليهم. 150 | يوت احد من العالمين |
| اتعيٰ :ان وعد الله اتيٰ | اتبعوا :قل ان كنتم تحبون الله فاتبعوني37، 48، 62، |
| قل اتى امر الله فلا تستعجلوا | 407 ، 294 ، 292 ، 198 ، 179 ، 177 ، 158 ، 142 ، 159 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 ، 179 |
| اتى امر الله فلا تستعجلوه 441 | 547 |
| قل اتى امر الله فلاتكن من المستعجلين200 | اني جاعل الذين اتبعوك فوق الذين كفروا301 |
| اثار :فارتدا على اثارهما و وهب له الجنة23 | يا ايها العوام اتبعوا الامام |
| فانظروا الى اثاررحمة الله | اتخاد:لا اله الا انا فاتخذني وكيلا |
| | |

| واجعل لك انوار القدوم واعطيك ما يدوم 379، 559 | اثرتک :ها انی اثرتک512 |
|---|--|
| واجعل لي غلبة في الدنيا و الدين662 | اثرتک واخترتک |
| و اجعل لي نافعا هذه التجارة | اني اثرتك واخترتك597 |
| انني ساجعل بنتا من بناتهم آية لهم | الرك :تالله لقد اثرك الله علينا وان كنا لخاطئين |
| ساجعل لك سهولة في كل امر | 522 |
| اني انا الرحمٰن ساجعل لك سهولة في امرك432 | اثرك الله على كل شئى 372، 441، 498، 549 |
| اجل :انما يؤخرهم الى اجل مسمى189، 287 | لقد اثرك الله علينا |
| انما نؤخرهم الى اجل مسمى اجل قريب305 | القال:واخرجت الارض اثقالها527 |
| قرب اجلك المقدر | النين :يوم الاثنين و فتح الحنين 382، 396 |
| اجلي :اني ساوتيک بركة و اجلي انوارها194 | اليم :اجر الاثيم واريه الجحيم597 |
| الاجماع :وقادر على الاجتماع والاجماع والجمع | اجئ من حضرة الوتر |
| 659 | اجتبيناهم واصطفيناهم |
| اجهز :اني اجهز الجيش | اجد :اني اجد ريح يوسف لولا ان تفندون419 |
| اجيب:اجيب دعوتك | لعلى آتيكم منها بقبس او اجد على النار هدى422 |
| اجيب دعوة الداع اذا دعان | اجرك قائم و ذكرك دائم |
| اجيب دعوة الداع | اجر الاثيم واريه الجحيم |
| اجيب كل دعائك الا في شركائك21 | ان الصابرين يوفيٰ اجرهم بغير حساب130 |
| اجيبت دعوتک | اوفى الله اجرك |
| اجيبت دعوتكما | شانک عجيب و اجرک قريبو اجرک |
| اني مع الرسول اجيب | اجرت من النار |
| يا احمد اجيب كل دعائك الا في شركائك 21 | اجرام :قل ان افتريته فعلى اجرام شديد |
| اجيح: اربحك ولا اجيحك | 538 •62 |
| احافظ: انى احافظ كل من فى الدار 348، 349، 350، | اجرامي :قل ان افتريته فعلى اجرامي38،37، 194، 547 |
| \$\cdot 563 \cdot 562 \cdot 552 \cdot 540 \cdot 529 \cdot 433 \cdot 409 \cdot 405 \cdot 355 | اجعل لك انوار القدوم |
| 638 •637 •619 •567 | اجعل نساء هم ارامل و ابناء هم يتاميٰ |
| واحافظك خاصة | رب اجعلنی مبارکا حیثما کنت |
| احب: احباء ک کانبیاء | رب اجعلني غالبا على غيرى |
| اني معک ومع اهلک ومع کل من احبک467 | رب اشف زوجتي هذه واجعل لها بركات في السماء |
| رب السجن احب الي مما يدعونني اليه | 509 |
| ا حببت ان اعرف | رب اشف زوجتي هذه واجعل لها بركات509 |
| كنت كنزا مخفيا فاحببت ان اعرف | و اجعل افئدة كثيرة من الناس تهوى الى660 |
| | |

| 558-388 | 541 44/0 316 296 (199 7/0 |
|---|--|
| المحتوت :اخترت لک ما اخترت | وكلما احببتَ احببتُ 498، 498 |
| اثرتک واخترتک | احباب: واحسن الى احبابكم |
| اخترتک لنفسی | احد :قل هو الله احد |
| انت وجيه في حضرتي اخترتك لنفسي 52، | احرام الدعاء |
| 407 (197 (179 (162 | احسان :انه صنيعة احسان الحضرة ومطية 291 |
| انوتک واخترتک | هل نرى جزاء الاحسان الا الاحسان600 |
| اني انرتک و اخترتک558، 858 | يا داود عامل بالناس رفقا وّ احسانا91 |
| قل رب انی اخترتک علی کل شیء319 | احسب: احسب الناس ان يتركواان يقولوا آمنا |
| اخترطنا سيفه | 130،357 |
| اختلاف :قل لو كان الامر من عند غير الله لوجدتم | احسن :ادفع بالتي هي احسن |
| فيه اختلافا كثيرا | واحسن الى احبابكم |
| قل لوكان من عند غير الله لو جدوا فيه اختلافا305 | احسن و دادک |
| اختلاق:وقالوا ان هذا الا اختلاق65،33، 195، 538، | احفظ: احفظني فان القوم يتخذونني سخرة578 |
| 561 ، 554 ، 545 | رب كل شئى خادمك رب فاحفظنى 363، 556 |
| يقولون ان هذا الا اختلاق | احق: احق الله امري ولا تنفكا من هذه المرحلة600 |
| اخل :انا اخذناك بعذاب اليم | احل له الطيبات599 |
| انا اخذناه بعذاب اليم | احمد :انا ارسلنا احمد الى قومه فاعرضوا287 |
| اخذهم الله بقي وحده | بوركت يا احمد وكان مابارك الله فيك 52، |
| اخر :رب اخر وقت هذا | 197 |
| اخره الله الي وقت مسمى 475، 559، 561، 566، 561 | يا احمد اجيب كل دعائك الا في شركائك21، 240 |
| اخريين :الرحمة على الثلاث، العين وعلى اخريين 554 | يا احمد اسكن انت و زوجك الجنة55 |
| اخرج :اخرج منه اليزيديون | يا احمد بارك الله فيك 35، 178، 194، 294، 538 |
| رب اخرجني من النار | يا احمد جعلت مرسلا |
| اذا زلزلت الارض زلزالها واخرجت الارض اثقالها | يا احمد فاضت الرحمة على شفتيك 39، 73، 264 |
| 527 | يا احمديتم اسمك ولايتم اسمى 39، 197 |
| اريحك ولا اجيحك واخرج منك قوما530 | يا احمدي انت مرادي ومعي 179، 239، 295، |
| كزرع اخرج شطئه فاستغلظ | 498 ،408 |
| هوالذي اخرج مرغميك فخضر دعواك660 | احمل اوزارک630 |
| اخطى واصيب | الاحيان: وبشرني بخامس في حين من الاحيان 378 |
| اخلص :ارید ان اخلص | اخبر :ساخبره في آخر الوقت انّك لست على الحق. |
| | |

| انما امرك اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون | اخوتی :اصلح بینی و بین اخوتی605 |
|--|--|
| 164 | ادار اصبعه واشار |
| واذا سالك عبادي عنى فانى قريب64 | ادور :اني مع الرحمٰن ادور |
| واذا قيل لهم لا تفسدوا في الارض65 | ادع عبادي الى الحق |
| الاذقان :خروا على الاذقان سجدا605 | ادعوني استجب لكم 175، 556، 557 |
| يخرون على الاذقان | ادفع بالتي هي احسن189 |
| اذلة :لقد نصر كم الله ببدر وانتم اذلة561،432 | اذ اذ قال ربك اني جاعل في الارض خليفة304 |
| اذكر :اذكر عليك نعمتي غرست لك بيدي رحمتي | اذ كففت عن بني اسرائيل 484، 509 ، 518 |
| 428 | اذيمكربك الذي كفر 296، 317، 546 |
| اذكر نعمتى | اذا:اجيب دعوة الداع اذا دعان64 |
| اذكر نعمتي التي انعمت عليك | اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون164 |
| اذكر نعمتي رئيت خديجتي | انما امرنااذا اردنا لشيء ان نقول له كن فيكون |
| اذن :يسبح له من في السموات ومن في الارض من | 305-271 |
| ذاالذي يشفع عنده الا باذنه | اذا التقى الفئتان |
| ماكان لنفس ان تموت الا باذن الله 426، 476 | اذا جاء افواج و سم من السماء478 |
| عفا الله عنک لم اذنت لهم | اذا جاء نصر الله الست بربكم قالوا بلي74 |
| اذهب :الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن 217 | اذا جاء نصر الله والفتح و تمت كلمة ربك54، 407، |
| رب اذهب عنى الرجس و طهرني تطهيرا23 | 542 |
| قل الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن واعطاني176 | اذا جاء نصر الله والفتح ورائيت الناس يدخلون422 |
| اذیب :انی اذیب من یریب | اذا جاء نصر الله والفتح |
| اراد :اراد الله ان يبعثك ربك مقاما محمو دا 521، | اذا جاء نصر الله والفتح وانتهى امرالزمان |
| 558 | 541 ،294 ،199 ،38 |
| ان القوم يقتلونني اي ارادوا قتلي657 | اذا جاء نصر الله وتوجهت لفصل الخطاب305 |
| لا يرى الله الا من نفي عن ارادات الدنيا كلها654 | اذا زلزلت الارض زلزالها552، 552 |
| ارامل :اني اجعل نساء هم ارامل و ابناء هم يتاميٰ123 | اذا عزمت فتوكل على الله واصنع الفلك باعيننا.134 |
| نجعل دارهم مملوة من الارامل والثيبات107 | اذا غضبتَ غضبتُ 371، 407، 441، 498، 549 |
| اربعة : اربعة عشر دوابا | اذا مرضتُ فهو يشفى 281 |
| انا امتنا اربعة عشر دوابا | اذا نزلنابساحة قوم فساء صباح المنذرين306 |
| ارجعوا :قيل ارجعوا الى الله66 | اذا نصر الله المؤمن جعل له الحاسدين في الارض65، |
| ارجعي :يا ايتها النفس المطمئنة ارجعي الى ربك | 545 ‹295 ·195 |
| راضية مرضية | اذا هلك الدجال فلا دجال بعده الى يو م القيامة .310 |
| | |

| :اللهم ارتحم | ارحم: اللهم ارحم |
|---|--|
| من لدنك وارحمني 523 ان السموات والارض | اشفني من لدنك وارحمني 523 ان السموات والارض |
| حمني ان فضلك و رحمتك ينجي من انا نرث الارض ناكله | رب ارحمني ان فضلک و رحمتک ينجي من انا نوث الارض ناكله |
| | العذابادى الرحمان حل |
| يفر وارحم من السماء 37، 71، 79، 196، 199، اني جاعل في الارض | رب اغفر وارحم من السماء 37، 71، 79، 196، 199، اني جاعل في الارض |
| اني رافعک اليّ | انی رافعک الیّ |
| :الله خير حافظا وهو ارحم الراحمين84، 609 💮 حل غضبه على الارض | اَرَحَمُ :الله خير حافظا وهو ارحم الراحمين84، 609 |
| ب عليكم اليوم يغفر الله لكم وهو ارحم ضاقت الارض بما رح | لا تثريب عليكم اليوم يغفر الله لكم وهو ارحم ضاقت الارض بما ر |
| مين 169، 172، 200، 550، 557، 605 | الراحمين |
| عير حافظا وهو ارحم الراحمين 608 واماما ينفع الناس فيمًا | والله خير حافظا وهو ارحم الراحمين 608 |
| حم الراحمين | وهو ارحم الراحمين الارض غير |
| نما امره اذا اراد شيئا ان يقول له كن فيكون ارفع :وعلمت ان الص | اراد: انما امره اذا اراد شيئا ان يقول له كن فيكون ارفع : وعلمت ان الص |
| ا رملة: انى اجعل نساء 406 | 176 ، 176 ا رملة: انى اجعل نسا |
| :اردت ان استخلف فخلقت آدم 54 نجعل دارهم مملوة م | اردت ان استخلف فخلقت آدم 54 نجعل دارهم مملوة ه |
| 167، 172، 198، 251، 295، 205، 309، 315، ارنی :رب ارنی آیة مز | 154، 167، 172، 198، 251، 295، 302، 309، 315، ا رنى :رب ارنى آية م |
| 408، 542، 562، 563 وب ارنى كيف تحى ا | رب ارنى كيف تحى رب ارنى كيف تحى |
| ان تستفتحالني زلزلة الساء | اردت ان تستفتح الله الساء |
| زمان الزلزلة | اردت زمان الزلزلة |
| رك اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون كړى:ارى رضوانه | انما امرک اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون كرى:ارى رضوانه |
| 643، 444، 560 انى ارى الملائكة الش | 164، 434، 443، 560 انى ارى الملائكة الش |
| :ارسلنا اليك شواظا من نار 306 انى ارى بعض المصائ | ارسل : ارسلنا اليك شواظا من نار |
| اليكم رسولا شاهدا عليكم 522 انى ارى | ارسلنا اليكم رسولا شاهدا عليكم |
| لمناه شاهدًا و مبشرًا و نذيرًا 119 اني معک اسمع وارع | انا ارسلناه شاهدًا و مبشرًا و نذيرًا الله الله الله عك اسمع وار |
| ملتک على العالمين.قل ارسلت اليكم جميعا اني معكم اسمع و ارى | اني فضلتك على العالمين.قل ارسلت اليكم جميعا اني معكم اسمع و ار |
| اني معكما اسمع وارع | 99 انبي معكما اسمع وار |
| قد ارسلنا الى امم من قبلك فزين لهم62 واني ارى بعض المص | تالله لقد ارسلنا الى امم من قبلك فزين لهم62 واني ارى بعض المص |
| سلناك الارحمة للعالمين 64 يا عبد القادر اني معك | وما ارسلناك الا رحمة للعالمين 64 يا عبد القادر اني معكم |
| | |
| .392،301، 372، 409، 520، 521، 538 اريك بركات من كل | 302،301، 294،231 ، 307، 409، 520، 521، 538 ، 521 من ک |
| اريك زلزلة الساعة. | اريك زلزلة الساعة |
| :الارض والسماء معک کما هو معي. 249، 542 اريک ما اريک ومن | ارض : الارض و السماء معك كما هو معى. 249، 542 اريك ما اريك و مر |
| | |

| نريد ان ننزل عليك اسرارً من السماء306 | اريک ما يرضيک |
|---|---|
| ننزل عليك اسرارً من السماء | ساريكم آياتي فلا تستعجلون 606، 606 |
| اسرى :سبحان الذي اسرى بعبده ليلا63،543 | ساريهم آية من انفسهم127 |
| اسقط من الله و اصيبه | يا عيسىٰ سأريك آياتي الكبراى |
| الاسلام :اوحي الى ان الدين هو الاسلام وان الرسول | اريح :اريحک ولا اجيحک |
| هو المصطفىٰ | اريحك ولا اجيحك واخرج منك قوما530 |
| انت منى بمنزلة رحى الاسلام | ارید اارید الخیر |
| ومن يبتغ غير الاسلام دينا لن يقبل منه | اريد ان اتخلص |
| اسم: اسمه عمانوایل | اريد ان اخلص |
| انا نبشرك بغلام اسمه يحييٰ | اريد ما تريدون |
| انت اسمى الأعلى | ازهى :امدوا ليلة ازهى الليالي |
| ويرضى عنك ربك ويتم اسمك | الاسباب: انى مع الاسباب آتيك بغتة 381 |
| يا احمد يتم اسمك ولا يتم اسمى 39، 197، 295 | استجار:ان احد من المشركين استجارك فاجره |
| بسم الله البر الكريم | 515 |
| بسم الله الشافي | استجب :ادعوني استجب لكم |
| بسم الله الغفور الرحيم | 556 •537 •175 •152 |
| بسم الله الكافي | استجيب في هذه الليلة كل ما دعوت517 |
| قلنا يا ارض ابلعي ماء ك وياسماء اقلعي | استحوذوا :قيل استحوذوا فلا تستحوذون234،66 |
| اسمع :اننی معکما اسمع و اری | استخلف :اردت ان استخلف فخلقت آدم |
| انی معک اسمع و اری | 408.54 |
| انی معکم اسمع و اری | استعينوا: واستعينوا بالصبر والصلوة67 |
| اني معكما اسمع واري | واستغفر لهم |
| يا عبد القادر اني معک اسمع و ارى | استغلظ :كزرع اخرج شطئه فاستغلظ199،72 |
| اسكن بيا آدم اسكن انت و زوجك الجنة55 | استغيث:يا حيُّ يا قيّوم برحمتك استغيث279 |
| يا احمد اسكن انت و زوجك الجنة55 | استقم: فاستقم كما امرت |
| يا مريم اسكن انت و زوجك الجنة55 | استوت على الجو دى595 |
| , | _ |
| اسهر وانام | استيقنتها :واستيقنتها انفسهم |
| | |
| اسهر وانام | استيقنتها :واستيقنتها انفسهم |
| اسهر وانام | استيقنتها :واستيقنتها انفسهم |
| اسهر وانام | استيقنتها :واستيقنتها انفسهم |

| اصرف: اصرف عنك سوء الاقدار584 | اشجع الناس |
|---|---|
| اللهم اصرف سوء هذا الرؤيا عني | اشداء :محمد رسول الله والذين معه اشداء على |
| اصطفينا :اجتبيناهم واصطفيناهم | الكفار |
| اصل :اصلها ثابت و فرعها في السماء | اشراق العارض بعد اصلاح العارض437 |
| اصلاح :اشراق العارض بعد اصلاح العارض437 | اشرقت الارض بنورربها |
| ولا يصلح شئي قبل اصلاحه | اشعث :رب اشعث اغبر لو اقسم على الله لابره581 |
| اصلح: رب اصلِح امة محمد | اشف:اشفني من لدنك وارحمني523 |
| ربّ اصلِح بيني و بين اخوتي | رب اشف زوجتي هذه واجعل لها بركات509 |
| اصلَح الله امرى كله202 | يا ولمي اشفني |
| اصلحوا :الذين تابوا واصلحوا اولئك اتوب عليهم | اشكر :اشكر نعمتي رئيت خديجتي29، 82 |
| 150 | اصاب :وما اصابك فمن الله |
| توبوا واصلحواوالي الله توجهوا63 | اصبحوا :فاصبحوا في دارهم جاثمين345 |
| اصلی و اصوم 377، 378، 379 | اصبو :اصبر سنفرغ يا مرزا |
| اصنع ااصنع الفلك باعيننا ووحينا | والصبر على ما يقولون66 |
| اصنع الفلك باعيننا ووحينا و قم و انذر175 | اصبر مليا ساهب لک غلاما زكيا |
| اصول على اصوله القديم | فاصبر حتى ياتى اللُّه بامره |
| اصوم :اصلى و اصوم 377، 378، 379 | فاصبر حتى ياتيك امرنا |
| افطر واصوم | فاصبر على جور الجائرين |
| اصيب: اخطى واصيب | فاصبركما صبر اولوا العزم318، 318 |
| اطال الله بقاء ك 417، 420، 441، 555 | الفتنة ههنا فاصبركما صبر اولوا العزم 546,82،69 |
| اطلب :انا الرحمٰن فاطلبني تجدني | اصبعه :وادار اصبعه واشار |
| اطلع الله على همه و غمه | اصح زوجتی |
| اطلع الله على همه و غمه ولن تجد لسنة الله تبديلا | اصحاب :اصحاب الصفة |
| 217 - 211 | اصحاب الصفة وما ادراك ما اصحاب الصفة197، |
| اطعموا :ياايها النبي اطعموا الجائع والمعتر631 | 541 |
| الاعادى :فسبحان الذي اخزى الاعادى338 | الم تركيف فعل ربك باصحاب الفيل 399، 401، |
| اعانه عليه قوم آخرون539 | 653 |
| يقولون ان هذا الا قول البشر واعانه عليه406 | ام حسبتم ان اصحاب الكهف والرقيم كانوا من |
| اعبد:اني انا الله فاعبدني ولا تنسني | آياتناعجبا |
| اني انا الله فاعبدني ولا تستعن من غيري306 | اصدع :فاصدع بما تؤمر و اعرض عن الجاهلين62، |
| اعجاز المسيح | 240 |
| | |

| الاعمى انهم كلهم كالاعمى | اعجب :قل هو الله اعجب العجيبين176 |
|---|--|
| اعود :قل اعوذ برب الفلق من شر ما خلق65 | اعجبني موتكم |
| اعين :انّک باعيننا | اعجبتم ان تموتوا |
| اذا عزمت فتوكل على الله واصنع الفلك باعيننا | اعداء: ومزق اعدائک و اعدائي |
| ووحينا | لا تنقطع الاعداء الا بموت احد منهم 614 |
| اصنع الفلك باعيننا ووحينا | الفوق معك والتحت مع اعدائك |
| انّک باعیننا سمیتک المتوکل | ا عرض :فاصدع بما تؤمر و اعرض عن الجاهلين62، |
| ترى اعينهم تفيض من الدمع 40، 197، 154 | 240 |
| ذالك فضل الله وفي اعينكم عجيب. 306، 551، 682 | ياابراهيم اعرض عن هذا |
| فتوكل على الله واصنع الفلك باعيننا ووحينا196 | اعرضوا :فاعرضوا وقالوا كذاب اشر 320،307 |
| اعییناک | ا عزاز اعزاز |
| ا غرقت سفينة الاذل | كمل الله اعزازك |
| اغفر :رب اغفر وارحم من السماء، 37، 79،71 | اعطى:اعطيتك كل النعيم |
| ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين | اعطيتكم كل النعيم |
| اغيظ:ما وقفت موقفا اغيظ من هذا578 | اعطيتم كل النعيم |
| افئدة :واجعل افئدة كثيرة من الناس تهوى الى660 | اعطیک ما یدوم |
| افانین ایات | ان الله من عليكم واعطيك ما اعطيك578 |
| افاک :تنزل على كل افاك اثيم | انا اعطيناك الكوثر |
| افتاتون السحر و انتم تبصرون 303، 539 | اني الوم من يلوم واعطيك ما يدوم487 |
| افتح :انا الفتاح افتح لك | واجعل لك انوار القدوم واعطيك ما يدوم379 |
| ربنا افتح بيننا و بين قومنا بالحق | اعلم :اعلم ان العاقبة للمتقين |
| افتخار:كنتم خير امة اخرجت للناس و افتخار | واعلموا ان الله يحي الارض بعد موتها62 |
| للمؤمنين | اعلى الله الت الاعلى الله الاعلى الله الله الله الله الله الله الله ال |
| افترى :ومن اظلم ممن افترى على الله كذبا38 | لا تحزن انّک انت الاعلیٰ |
| افتريته :قل ان افتريته فعلى اجرام شديد 638،62 | لا تخف انّك انت الاعلىٰ 84، 549، 11 |
| قل ان افتريته فعلى اجرامي | نزل ملك من الملائكة وهو اعلى الملائكة657 |
| افر: انى افر مع اهلى اليك | الاعمال: مقام لا تترقى العبد فيه بسعى الاعمال82 |
| افطر :اني مع الرسول اقوم و افطر و اصوم559،410 | اعمل :اعمل ما شئت فاني قد غفرت لک |
| افطر واصوم | 297-84 |
| افعلوا :قل اني امرت لكم فافعلوا ما تؤمرون 623 | اعملوا ماشئتم اني غفرت لكم |
| الافلاك : لو لاك لما خلقت الافلاك 525، 556 | وقل اعملوا على مكانتكم |
| | |

| اكرام مع الانعام 513 | افلا :افلا يتدبرون امرك93 |
|---|---|
| سننجیک سنعلیک سنکر مک اکر اما عجبا550 | ان اللَّه عزيز ذوالاقتدار افلاتؤمنون482 |
| شرفنا باكرام منا | لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون،199،70، |
| يكرمك الله اكراما عجيبا | 547 (539 (302 |
| اكمل الله كل مقصدى | افمن يجيب المضطر اذا دعاه |
| اكملت :اليوم اكملت لكم دينكم | ا فواج :اني مع الافواج آتيك بغتة 242، 256، |
| الا :الا ان اولياء الله لا خوف عليهم ولاهم يحزنون | 614 |
| 75 | اذا جاء افواج و سم من السماء478 |
| الا ان حزب الله هم الغالبون | اذا جاء نصر الله والفتح ورائيت الناس يدخلون في |
| الا ان روح الله قريب | دين الله افواجا422 |
| الا ان نصر الله قريب39، 42، 63، 195، 295، 301، | افواههم :يريدون ان يطفئوا نور الله بافواههم38 |
| 540 | افوض :ستذكرون ما اقول لكم وافوض امري الي الله |
| الا انها فتنة من الله ليحب حبا جما 69، 296، 318 | 263 |
| الحقني : رب تو فني مسلما والحقني بالصالحين 563 | افك :وقالوا ان هو الا افك افترى 85، 295، 316 |
| الذى :الحمد لله الذى ايد الحق باياته | ويل لك ولإفكك594 |
| اذيمكربك الذي كفر 392، 317، 546 | اقبال :انظر اليٰ يوسف و اقباله 163، 172، 198 |
| الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن | اقتل :ذروني اقتل موسيٰ |
| الله الذي جعلك المسيح ابن مريم | اقدر :اني انا الرحمٰن اقدر ما اشاء |
| امشاكم :هو الذي امشاكم في كل حال | اقصد :اقصدك واروم559 |
| ان الذين يبايعونك انما يبايعون الله | اني مع الرسول اقوم و اقصدك واروم417 |
| 545 (196 (176 | اقلعي :قلنا يا ارض ابلعي ماءك وياسماء اقلعي388 |
| انت الذي طار الى روحه | اقم :اقم الصلوة لذكري |
| انت الشيخ المسيح الذي لا يضاع وقته 318، 550 | اقوم :اني مع الرسول اقوم .378، 440، 604، 604، 639 |
| انت الشيخ المسيح و اني معك ومع انصارك304 | أكان للناس عجبا 65، 195، 295، 544 |
| انت القائم على نفسه | اكرم :امر من الله العزيز الاكرم |
| انت المسيح الذي لا يضاع وقته | اُكرِمُ:اكرمك بعد توهينك554 |
| انت عيسىٰ الذي لا يضاع وقته | ساكومك اكواما حسنا |
| اهذا الذي بعث الله | ساكرمك اكراما عجبا 400،378،376 |
| أتقنط من رحمة الله الذي يربيكم في الارحام 575 | ساكومك اكواما عجيبا |
| من هذه المرض الذي هو ساري | اِكَرَمَ: خلق آدم فاكرمه |
| و تمت كلمة ربك هذا الذي كنتم به تستعجلون 302 | إكرام :اكرام تسمع به الموتى |
| | |

| نتو فينک38، 295، |
|---------------------|
| |
| عواك660 |
| ن الحق37، 194، |
| 538 ،521 ،520 |
| قكم 672،592 |
| 543،63 |
| انهم84 |
| 317 ،306،305 |
| 601 |
| ، عليهم 150، 304 |
| 304 :134 |
| 601 |
| م غضب |
| كم قالوا بلى74 |
| 240 |
| 686 |
| 296 ،199،،72 |
| على عينى7 |
| 197 |
| سارة قبل وجودهم |
| 99 |
| الالهام580 |
| ىيك و رؤياك |
| |
| ىت حصة291 |
| ى الله موسىٰ68 |
| ما الهكم اله واحد . |
| |
| 409 |
| 82 |
| |

واما نوينك بعض الذي نعدهم او 633 ،496 ،489 هو الذي اخرج مرغميک فخضر د هو الذي ارسل رسوله بالهدي و دير 409 317 302 301 294 231 يا ايها الناس اعبدو ا ربكم الذي خلة :سبحان الذي اسرى بعبده ليلا **الذين** :والذين آمنوا ولم يلبسوا ايم الذين آمنوا ولم يلبسوا ايمانهم بظل الذين اعتدوا منكم في السبت الذين تابو ا و اصلحو ا او لئک اتو ب الذين يبايعو نك انما يبايعو ن اللُّه .. الذين يذكرون الله قياما و قعو دا.... الذين يصدو ن عن سبيل الله سينالهـ اكست : اذا جاء نصر الله الست برب **السِنَة**: و لا تخف السنة الجاهلين .. **القي**: ولو القي معاذيره..... **ٱلْقَيتُ** :و القيت عليك محبة مني . و القيت عليك محبة مني ولتصنع انا اخترتك والقيت محبة مني..... الالهام : ان الله بشرني في ابنائي بش بالالهام فقلت اني ارى الصواب في تعظيم ا **الهام** :بارك الله في الهامك ووح 569 **الهمت**: هذا هو الكتاب الذي الهم **الله** :اوقد لي يا هامان لعلى اطلع على قل انما انا بشر مثلكم يوحي الي اند قل يوحي الى انما الهكم اله واحد الم :الم نشرح لک صدرک.....

| قل ما ازید لکم من امری | 633 ،496 ،489 ،295 |
|---|---|
| أُمِوت ُ: امرت من الله وانااول المؤمنين176 | اما ترین احدا منهم |
| امرت نافذا | اما نرينك بعض الذي نعدهم للسلسلة السماوية 357 |
| انی امرت لکم | امتازوا :وامتازوا اليوم ايها المجرمون276، 410، 443، |
| اني امرت من الرحمٰن فاتوني | 561 (558 (550 (499 |
| كَمَّوَ :امره الله على خلاف التوقع | امت: انا امتنا اربعة عشر دوابا560،389 |
| الامراض :ينجى الناس من الامراض | امتني في المحبة والوداد وكن في هذه لي والمعاد 663 |
| الامراض تشاع والنفوس تضاع289، 308، 345،409، | امثال: امثال الرحمة اول الذكر وآخر الذكر 636 |
| 559 (553 (521 | امثال الرحمة في اول الذكر وآخر الذكر63 |
| امراض الناس وبركاته | ا مدوا ليلة ازهى الليالي656 |
| امشاكم :هو الذي امشاكم في كل حال | الامرأة :ايتها المرءة توبي توبي فان البلاء |
| املوا41 | 128-108 |
| امم :تالله لقد ارسلنا الى امم من قبلك فزين لهم | ويل لهذه الامرأة و بعلها522 |
| الشيطان | تكفيك هذه الامرأة |
| امم حق عليهم العذاب 150، 196، 303، 551 | الامراء: انى مع الامراء آتيك بغتة310 |
| امم يسرنا لهم الهدئ 150، 303، 551 | الامر :قل لو كان الامر من عند غير الله لوجدتم فيه |
| | |
| | 142 |
| امنا :لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | |
| امنا :لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 |
| امنا :لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا :لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 لله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 الله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 الله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 الله الامر من قبل ومن بعد |
| امنا: لنبدلنكم من بعد خوفكم امنا | 142 الله الامر من قبل ومن بعد |

| ان اللَّه مع الصادقين595 | ان الذين كفروا وصدوا عن سبيل الله 57، 296، 543 |
|--------------------------------------|--|
| ان الله مع عباده يواسيك | ان الذين لا يلتفتون عليك لا يلتفتون الى الله578 |
| ان الله معك ان الله يقوم اينما قمت | ان الذين يبايعونك انما يبايعون الله 196،176، 545 |
| ان اللّٰه معنا | ان الذين يصدون عن سبيل الله 271، 616 |
| ان الله معي في كل حال | ان الرسول هو المصطفىٰ |
| ان الله من عليكم واعطيك ما اعطيك578 | ان السماوات والارض كانتا رتقا ففتقنه مما70، 199، |
| ان الله موهن كيد الكافرين | 562 |
| ان الله يجزي المتصدقين | ان الصابرين يوفيٰ اجرهم بغير حساب130 |
| ان الله يحمل كل حمل | ان الصديق اعظم شانا و ارفع مكانا210 |
| ان الله يدافع عن الذين آمنوا | ان الصديق والفاروق وعثمان كانوامن اهل الصلاح |
| ان بطش ربك لشديد | 209 |
| ان حبى قريب انه قريب مستتر 307 ، 307 | ان الصفا والمروة من شعائر الله 653، 634 |
| ان حبى قريب مستتر | ان القوم يقتلونني اي ارادوا قتلي |
| ان خبر رسول الله واقع | ان الله حافظ كل شيء |
| ان ذاالعرش يدعوك | ان الله رؤف رحيم |
| ان ربك فعال لما يريد | ان الله عزيز ذوالاقتدار افلاتؤمنون482 |
| | |
| 408 •305 •174 •128 •126 •75 | ان الله عزيز ذوانتقام421 |
| | |
| ان ربك لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630 ان الله قد من علينا |
| ان ربك لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630 ان الله قد من علينا |
| ان ربك لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630 |
| ان ربك لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630 520 ان الله قد من علينا |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630 630 الله على كل شيء قدير 190، 540، 598، 630 520 ان الله لا يضر |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630 520 ان الله قد من علينا |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630، 520 ان الله قد من علينا 190 ان الله لا يضر 148 ان الله لا يغير ما بقوم حتى يغيروا 260، 161، 209 ان الله لا يهدى من هو مسرف كذاب |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 588، 630 520 ان الله قد من علينا |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 588، 580، 520 ان الله قد من علينا 190 ان الله قد من علينا |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 588، 630، 520 ان الله قد من علينا 190 ان الله لا يضر 148 ان الله لا يغير ما بقوم حتى يغيروا 260، 162، 261، 501 ان الله لا يهدى من هو مسرف كذاب 551 ان الله مع الذين اتقوا والذين هم محسنون 398، 395، 100، 551، 552، 553، 653، 654، 655، 655، 655، 655، 655، 655، 655 |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 588، 630، 520 ان الله قد من علينا |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 564، 598، 630، 520 ان الله قد من علينا |
| ان ربک لبالمرصاد | ان الله على كل شيء قدير 190، 554، 598، 630، 520 ان الله قد من علينا |

| ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه319 | ان كيدكن عظيم |
|--|--|
| ماكان لنفس ان تموت الا باذن الله 426، 476 | ان مثل عيسلى عند الله كمثل آدم683 |
| إن أ: ان احد من المشركين استجارك فاجره515 | ان معى ربى سيهدين37، 79، 139، 196، 216، 222، |
| ان افتريته فعلى اجرامي | 683 |
| ان تولىٰ تُولىٰ | ان المسيح الموعود الذي يرقبونه والمهدى 209 |
| ان شكرتم لازدينكم | ان المنايا قد تطيش سهامها |
| ان عدتم عدنا | ان المنايا لا تطيش سهامها 478، 573، 672 |
| ان كنتم في ريب مما ايدنا عبدنا فاتوا بكتاب 204 | ان الناس كانوا باياتنا يجحدون215 |
| ان كنتم في ريب مما نزلنا عبدنا 426، 440 | ان النصاري حولواالامر221 |
| ان من شيء ِ الا عنده خزائنه | ان نورى قريب 172،164،163 |
| ان هذا الا سحر يؤثر | ان وعد الله اتىٰ |
| ان هذا الا قول البشر | ان وعد الله حق |
| ان هذا لمكر مكرتموه في المدينة62، 547 | ان وعد الله لآت |
| ان هذان لساحران يريدان ان يخرجاكم | ان هدى الله هو الهداي وان معى ربى سيهدين199 |
| ان يتخذونك الا هزوا196، 296، 303، 317، 407 | ان هذا الرجل يجوح الدين |
| ان یک کاذبا فعلیه کذبه وان یک صادقا یصبکم | ان هذا القرآن عرض على اقوام فما دخل فيهم656 |
| | |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| | ان يومي لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومي لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| بعض الذي يعدكم | ان يومى لفصل عظيم |
| 682 بعض الذي يعدكم 89 ان يمسسك بضر فلا كاشف له الا هو انفقوا في سبيل الله ان كنتم مسلمين 75 وإنُ تعدوا نعمة الله لا تحصوها 75 انا الرحمٰن فاطلبني تجدني 156 انا الله الما الله الله الله الله الا انا 156 انا الله لا اله الا انا 156 انا الله لا اله الا انا 156 انا الله لا اله الا انا 156 انا الودود الكريم 150 انا اختر تك والقيت محبة مني 150 انا ربك الاعلی 160 انا كفيناك المستهزئين 160 | ان يومى لفصل عظيم |

| إنّا :اتفرون مني وانا من المجرمين منتقمون406 | 172 |
|--|---|
| انا آتيناك الدنيا وخزائن رحمة ربك301 | انت معى وانا معك 74، 126، 200 |
| انا آتيناك الكوثر فصل لربك وانحر306 | اني انا التواب من جاء ک جاء ني 432، 553 |
| انا اخذناك بعذاب اليم | انی انا ربک93 |
| انا اخذناه بعذاب اليم | اني انا الرحمٰن اقدر ما اشاء |
| انا اخرجنا لك زروعا يا ابراهيم 283، 320 | اني انا الرحمٰن ثم اني انا الرحمٰن416 |
| انا اذا نزلنابساحة قوم فساء صباح المنذرين306 | اني اري الرحمٰن حل غضبه على الارض398 |
| انا ارسلنا احمد الى قومه فاعرضوا 287، 307، 320 | اني انا فان دافع الأذي |
| انا ارسلنا اليك شواظا من نار | اني انا الرحمٰن ذوالمجد والعليٰ256، 257، 271، |
| انا ارسلنا اليكم رسولا شاهدا عليكم 522، 524، 558 | 382 ‹309 |
| انا ارسلناه شاهدًا و مبشرًا و نذيرًا119 | اني انا الرحمٰن ذواللطف والنديٰ 382، 410 |
| انا اعتدنا للكافرين سلاسل و اغلالا و سعيرا683 | اني انا الرحمٰن ساجعل لك سهولة في امرك432 |
| انا اعطيناك الكوثر 73، 334، 395، 449، 440، 514، | اني انا الرحمٰن لا يخاف لدي المرسلون481 |
| 558 | اني انا الرحمٰن لا يخزي عبدي ولا يهان621 |
| انا النالك الحديد | اني انا الرحمٰن 275، 305، 320، 554، 584، 624، 624 |
| انا امتنا اربعة عشر دوابا | اني انا الصاعقة |
| انا انزلناك برهانا وكان الله قديرا306 | اني انا الله ذو الجود و العطاء594 |
| انا انزلناك وكان الله قديرا | اني انا الله ذو السلطان |
| انا انزلناه في ليلة القدر | اني انا الله فاخترني |
| انا انزلناه قريبا من القاديان 549،302، 549،302 | اني انا الله فاعبدني ولا تستعن من غيري306 |
| انا انزلناه للمسيح الموعود435 | اني انا الله فاعبدني ولا تنسني |
| انا تجالدنا فانقطع العدو و اسبابه 276، 276 | اني انا الله لا اله الا انا |
| انا جعلناك المسيح ابن مريم 176، 179 | اني انا الودود الكريم |
| انا خلقنا الانسان في يوم موعود172 | انی انا ربک93 |
| انا رادوها اليك1، 634 | اني انا ربك الاعلىٰ630 |
| انا رادوها اليك لا تبديل لكلمات الله128 | اني انا ربك الرحمٰن ذو العزو السلطان 620، 623 |
| انا زوجنا كها | انى انا ربك القدير لامبدل لكلماتي353 |
| انا سنريهم آية من آياتنا198 | تموت وانا راض منک |
| انا سننذر العالم كله | كتب الله لاغلبن انا ورسلى |
| انا سننزل | واني انا الرحمٰن ناصر حزبه |
| انا عفونا عنك | يا قمر يا شمس انت مني وانا منك541 |
| | |

| ربنا اغفر لنا ذنوبنا انا كنا خاطئين550،305 | انا فتحنا عليك ابواب الدنيا |
|---|--|
| انار :انار الله برهانه 39، 295، 541 | انا فتحنا لك فتحا مبينا39، 72، 199، 220، 295، |
| ا نام :اسهر وانام | 638 ‹553 ·541 ·432 |
| البئونى : وانبئونى من مثل هؤلاء ان كنتم صادقين73 | انا كذالك نجزي المحسنين |
| انبياء: احباء ک كانبياء | انا كفيناك المستهزئين37، 194، 294، 303، 308، |
| جرى الله في حلل الانبياء 63، 239، 296، 315، 544 | 407 •316 |
| ياتي قمر الانبياء و امرك يتاتي 168، 172، 174، 561 | انا لله وانا اليه راجعون 289، 473، 475، 646 |
| ياتيك قمر الانبياء و امرك يتاتي 165، 200 | انا لنعلم الامر و انا عالمون |
| البتنا فيها من كل زوج بهيج | انا محييک |
| ا نت :انت اسمى الإعلى | انا مقتدرون وانا قادرون |
| انت اشد مناسبة بعيسي ابن مريم و اشبه الناس143 | انا من الظالمين منتقمون |
| انت الذي طار الى روحه | انا مهلكو بعلها كما اهلكنا اباها |
| انت الشيخ المسيح و اني معك ومع انصارك 304 | انا ناتي الارض ننقصها من اطرافها345 |
| انت الشيخ المسيح الذي لا يضاع وقته 318، 550 | انا نبشرك بغلام214 |
| انت القائم على نفسه | انا نبشرك بغلام اسمه يحييٰ626 |
| انت المسيح الذي لا يضاع وقته | انا نبشرك بغلام حسين29 |
| انت امام مبارک | انا نبشرك بغلام حليم |
| انت برهان وانت فرقان | انا نبشرك بغلام مظهر الحق والعليٰ554 |
| انت بنا ملحق | انا نبشرك بغلام نافلة لك |
| انت تربى في حجر النبي | انا نبشرك بغلام نافلة لك نافلة من عندى500 |
| انت ترى كل مصلح و صادق532، 556 | انا نجد الوارثين في كل عام يتزايدون391 |
| انت تسكن في قنن الجبال و اني معك في كل حال | انا نوث الارض ناكلها من اطرافها |
| 320 | 559،408 ،389 ،385 |
| انت سلمان ومنى يا ذا البركات 516، 516 | انا نرده اليك تفضلا عليك |
| انت على بينة من ربك | انا نرى تقلب وجهك في السماء188 |
| انت عيسيٰ الذي لا يضاع وقته | انا نرید ان نعزک ونحفظک |
| انت فيهم بمنزلة موسىٰ 66، 195، 545، 557 | انا نرينك بعض الذي نعدهم |
| انت قابل ياتيك وابل | انا نعلم الامر وانا لعالمون |
| انت مبارك في الدنيا والاخرة 547، 547 | انا نكشف السر عن ساقه |
| انت محدث الله | تالله لقد اثرك الله علينا وان كنا لخاطئين605،522 |
| انت مخلوق من مائنا القديم و هم من الفشل165 | ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين 172، 172 |
| | |

| انت منى وانا منك345، 432، 469، 592، 594 | انت مدينة العلم |
|---|---|
| انت منى يا ابراهيم | انت مرادى و معى 63، 315، 544 |
| انت وجيه في حضرتي اخترتك لنفسي | انت مع الذين اتقوا |
| 441 ،407 ،371 ،315 ،295 ،197 ،179 ،162 ،52 | انت معي وانا معك ولا يعلمهاالا المسترشدون168، |
| 542 ،498 ،442 | 172 |
| انت وقاره فكيف يتركك | انت معي وانا معك ياابراهيم |
| انما انت مذكر وما انت عليهم بمسيطر67 | انت معى وانا معك 74، 84، 126، 200، 220، 287، |
| سبحان الله انت وقاره | 441 |
| فبشر وما انت بنعمة ربك بمجنون37 | انت معي يا ابراهيم |
| لا تخف انّک انت الاعلىلا تخف انّک انت | انت من الابرار |
| ما كان الله ان يعذبهم وانت فيهم | انت من مائنا وهم من فشل 164، 309، 320، 408 |
| ما كان الله ليعذبهم وانت فيهم | انت منى المسيح ابن مريم |
| يا احمدي انت مرادي ومعي 179، 239، 408 | انت منى بمنزلة النجم الثاقب |
| يا آدم اسكن انت و زوجك الجنة55 | انت منى بمنزلة اولادى 325، 326، 345 |
| ولا تعجبوا ولا تحزنوا وانتم الاعلون 211، 216 | انت منى بمنزلة بروزى516 |
| انتصر :رب انى مظلوم فانتصر | انت مني بمنزلة توحيدي و تفريدي 53، 164، 179، |
| رب انى مغلوب فانتصر71 | 498 |
| ا نتظر :انی موجو د فانتظر 623، 623 | انت منى بمنزلة رحى الاسلام |
| فانتظروا آياتي حتى حين | انت مني بمنزلة روحي |
| فانتظروا الايات حتىٰ حين304 | انت منى بمنزلة سمعى |
| الغي: ليس الذكر كا لا نشي | انت منى بمنزلة عرشى427، 441، 442، 469، 548، |
| اللر :انذر عشيرتك الاقربين 198، 305 | 620 |
| انذر قومک | انت منى بمنزلة لا يعلم الخلق 161، 165 |
| انذر قومك وقل اني نذير مبين 305 | انت منى بمنزلة لا يعلمها الخلق،، 302، 315، 371، |
| انرت مكانك662 | 498 · 469 · 442 · 441 · 427 · 407 |
| انرتک واخترتک | انت مني بمنزلة محبوبين |
| اني انرتک و اخترتک | انت مني بمنزلة موسيٰ603 |
| انزل :انا انزلناک برهانا وکان الله قديرا306 | انت منى بمنزلة ولدى548، 842 |
| انا انزلناک و کان الله قديرا | انت منى بمنزلة هارون620 |
| انا انزلناه في ليلة القدر | انت منى مبدء الامر |
| انا انزلناه قريبا من القاديان 54، 296، 302، 549، 549، | انت منی و سرک سری وانت مرادی و معی162 |
| | |

| انگ اليوم لدوحظ عظيم | انزل الرحمة على من اشاء |
|---|---|
| انّک انت الاعلیٰ | انزل فيها كل رحمة |
| انّك انت المجاز | انزلناه على رقيمة من موسى |
| انَّك انت هو في حلل البروز | اني انزلت معك الجنة615 |
| انّك انت منى المسيح ابن مريم | وبالحق انزلناه و بالحق نزل 65، 408 |
| انّك باعيننا سميتك المتوكل | سانزل وان يومي لفصل عظيم |
| انّک باعیننا 37، 39، 203، 294، 295 | الانسان :انا خلقنا الانسان في يوم موعود172 |
| انّک علی صراط مستقیم 63، 74، 302، 321 | هل اتى على الانسان حين من الدهر لم يكن |
| انّک لا تقدر على هذا النضال | شيئامذكورا53، |
| انَّك اليوم لدينا مكين امين. 62، 82، 179، 296، 302 | ا نصر :انی سانصرک419 |
| انّك لمن المنصورين | رب كل شئي خادمك رب فاحفظني وانصرني 363، |
| انّک معی و اهلک | 556 |
| انك من المامورين لتنذر قوما ما انذر ابائهم 209 | انظر :انظر الى يوسف و اقباله 163، 172، 198 |
| انك من المنصورين | فانظروا الى آثار رحمة الله |
| انّک میت وانهم میتون189 | انعام : اكرام مع الانعام |
| و بعزتي وجلالي انّک انت الاعليٰ | الانعامات المتواترة |
| اَنَّک :انی ساخبره فی آخر الوقت انّک لست علی | و الله يريد ان يريك انعامه |
| الحق | انعمت :اذكر نعمتي التي انعمت عليك75 |
| ساخبره في آخر الوقت انّك لست على الحق388 | شر الذين انعمت عليهم |
| انما انت مذكر وما انت عليهم بمسيطر67 | الفس :واستيقنتها انفسهم |
| انما امر نااذا اردنا شيئًا ان نقول له كن فيكون 256، 271 | سنر يهم آياتنا في الآفاق و في انفسهم 551، 630 |
| انما امرنااذا اردنا لشيء ان نقول له كن فيكون 271، | ظن المؤمنون بانفسهم خيرا |
| 305 | وجحدوابها واستيقنتها انفسهم85 |
| انما امرك اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون | وما كان الله ليغير ما بقوم حتىٰ يغيروا ما بانفسم553 |
| 560 ، 443 ، 434 ، 164 | انفضوا :ولوكنت فظا غليظ القلب لانفضوا من |
| انما امره اذا اراد شيئا ان يقول له كن فيكون 176، 406 | حولک59 |
| انما صنعوا هو كيد ساحر | انفقوا في سبيل الله ان كنتم مسلمين492 |
| انما نؤ خرهم الي اجل مسمى | ا نقلب على عقبيه598 |
| انما يؤخرهم الي اجل مسمى189، 287 | انك : انّك اليوم لدينا مكين امين ،315،195،82، |
| ان الذين يبايعونك انما يبايعون الله176 | 543 |
| انما يريد الله لكم اليسر | انّک لدينا مکين امين |
| | |

| انه قریب مستتر | انما يريد الله ليذهب عنكم الرجس اهل البيت584، |
|---|--|
| انه قوى عزيز406 | 595 ، 591 ، 585 |
| انه معذبهم لو لم يكونوا تائبين | اننا :ربنااننا سمعنا مناديا ينادي للايمان40 |
| انه معك وانه يعلم السر وما اخفى287، 307 | انني :قل لعبادي انني امرت وانا اول المؤمنين175 |
| انه من آية الله وانه فتح عظيم | انني ساجعل بنتا من بناتهم آية لهم |
| انه من يتق الله و يصبر496 | انني في الكتاب مسطور |
| انه نازل من السماء ما يرضيك534، 534 | انني معكما اسمع و اري |
| انه نازل من السماء ما يغنيك | انهم :انّک میت وانهم میتون189 |
| انه هو العلى العظيم | انهم قوم ورثوه |
| انه كريم تمشى امامك 366، 408، 441، 554 | انهم كلهم كالاعمى |
| انه يرى الاوقات ويعلم مصالحها176 | انهم كانوا يكذبون باياتي و كانوا بي من المستهزئين . |
| انه ينجى اهل السعادة | 198 |
| الله عدو الكاذب وانه يوصله الى جهنم573 | انهم ما صنعوا هو كيد ساحر |
| اً نَّى او قالوا انى لک هذا | انهم ينادون من مكان بعيد |
| قاتلهم الله اني يؤفكون | حرام على قرية اهلكناها انهم لا يرجعون672 |
| ويل لهم اني يوفكون | والله شديد العقاب. انهم لا يحسنون 361 |
| يقولون اني لک هذا | ولا تخاطبني في الذين ظلموا انهم مغرقون408 |
| اِلِّي: اني اثرتك واخترتك597 | انوار :ترد عليك انوار الشباب 529، 554 |
| اني لاجد ريح يوسف لولا ان تفندون . 442، 560، 657 | رب ارنى انوارك الكلية |
| اني اجد ريح يوسف لولا ان تفندون419 | واجعل لك انوار القدوم 379، 410، 559، 410 |
| اني اجرد نفسي من ضروب الخطاب 176، 196 | أنور :اني انور كل من في الدار |
| اني اجعل نساء هم ارامل و ابناء هم يتاميٰ123 | انه آوى القرية 161، 344، 409، 553 |
| اني اجهز الجيش | انه سيجعل الولدان شيبا |
| | |
| اني احافظ كل من في الدار 349، 350، 355، 405، | انه سينصرني حتى يبلغ امري مشارق الارض260 |
| اني احافظ كل من في الدار 349، 350، 355، 405، | انه سينصرني حتى يبلغ امرى مشارق الارض260 انه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس291 |
| انى احافظ كل من فى الدار 349، 350، 355، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 563، 563، 563، 563، 563، 619، 613، 637، 638، | |
| انى احافظ كل من فى الدار 349، 350، 355، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 563، 563، 563، 563، 563، 563، 563، | انه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس 291 |
| انى احافظ كل من فى الدار 349، 350، 355، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 562، 563، 562، 563، 563، 563، 563، 619 | انه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس291 انه طيب مقبول الرحمٰن |
| انى احافظ كل من فى الدار 349، 350، 355، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 4 | انه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس291 انه طيب مقبول الرحمٰن |
| انى احافظ كل من فى الدار 349، 350، 355، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 4 | انه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس 291 انه طيب مقبول الرحمٰن |
| انى احافظ كل من فى الدار 349، 350، 355، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 405، 4 | انه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس 269 انه طيب مقبول الرحمٰن |

| اني انا ربك الرحمٰن ذو العزو السلطان 620، 623 | اني اسقط من الله و اصيبه |
|---|---|
| اني انا ربك القدير لامبدل لكلماتي 353 | انی اعززت و اکرمت و یسرنی قولک انی علمت |
| انی انا ربک | 662 |
| اني انجي الصادقين | اني اعلم مالا تعلمون |
| اني انرت مكانك تنزيل من الله العزيز الرحيم320 | اني افر مع اهلي اليك |
| اني انرتک و اخترتک 63،، 408، 534، 558 | اني الوم من يلوم واعطيك ما يدوم487 |
| انى انزلت معك الجنة615 | انی امرت لکم |
| اني انور كل من في الدار412 | اني امرت من الرحمٰن فاتوني560 |
| اني بايعتک بايعني ربي | اني امرت وانا اول المؤمنين |
| اني بدك الازم | اني اموج موج البحر |
| اني براء من ذالك | اني انا التواب من جاء ک جاء ني 432، 553 |
| انی تعلقت باهدابکم | اني انا الرحمٰن اقدر ما اشاء |
| اني جاعل الذين اتبعوك فوق الذين كفروا 301 | اني انا الرحمٰن ثم اني انا الرحمٰن |
| اني جاعل في الارض54 | اني ارى الرحمٰن حل غضبه على الارض398 |
| اني جاعلک عيسيٰ ابن مريم | اني انا الرحمٰن دافع الأذي 334، 331 |
| انى جاعلك للناس اماما 63، 239، 295، 544 | اني انا الرحمٰن ذوالمجد والعلى256، 257، 271، |
| | |
| اني حاشر كل قوم ياتونك جنبا320 | 382 - 309 |
| انی حاشر کل قوم یاتو نک جنبا | 382، 382 انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى 382، 410 |
| | |
| انی حافظک544، 307،65 | اني انا الرحمٰن ذواللطف والندي 382، 410 |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذو اللطف و الندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن فواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انى حافظك | انى انا الرحمٰن ذواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن فواللطف والندى |
| انی حافظک | انى انا الرحمٰن فواللطف والندى |

| اني مع الرسول اقوم والوم من يلوم 485، 498 | انی غالب و سیظهر شوکتی602 |
|--|---|
| انى مع الرسول اقوم ولن ابرح الارض الى الوقت. 381 | اني فضلتك على العالمين قل ارسلت اليكم جميعا99 |
| انى مع الرسول اقوم 321، 328، 344، 377، 378، 440، | اني لا يخاف لدى المرسلون331، 344، 407، 498، |
| 639 | 549 • 539 |
| انى مع الرسول فقط | انى لاجد ريح يوسف لولا ان تفندون . 442، 560، 657 |
| اني مع الرسول محيط | انى لاظنه من الكاذبين |
| اني مع الروح اتيك بغتة | انی مبارک |
| اني مع الروح معك و مع اهلك550 | انی مبشر615 |
| اني مع العشاق | اني متو فيك ورافعك الى وجاعل الذين48، 75 |
| اني مع الغفار اتيك بغتة | اني مرسل اليكم هدية |
| اني مع الله العزيز الاكبر | اني مرسلک الي قوم مفسدين239 |
| اني مع الله الكريم | اني مستخلفک اكواما كما جرت سنتي239 |
| اني مع الله في كل حال | انى مع الاسباب آتيك بغتة |
| اني مع الله | اني مع الافواج آتي |
| اني مع كثرة رزقك | اني مع الافواج آتيك بغتة 242، 256، 257، 320،،320، |
| اني معک اسمع واري48 | ،501 ،463 ،457 ،454 ،451 ،441 ،425 ،378 ،333 |
| اني معک اينما تذهب و تسير | 614 604 537 528 514 |
| اني معک حيث ما کنت واني ناصرک177 | انى مع الافواج آتيك |
| اني معک ذکرتک فاذکرني | انى مع الأكرام |
| انی معک فکن معی | انى مع الامراء آتيك بغتة |
| اني معك في الدنيا والآخرة635 | اني مع الجيش آتيك بغتة |
| اني معك في السماء و الارض635 | اني مع الذين هم يهتدون |
| اني معک في کل حال | اني مع الرحمٰن اتيك بغتة |
| انی معک فی کل موطن | اني مع الرحمٰن ادور |
| اني معک و کن معي اينما کنت 39، 194 | اني مع الرحمٰن في كل حالة |
| اني معک ومع اهلک ومع کل من احبک 467 | اني مع الرسول اجيب |
| اني معک ومع اهلک هذه | اني مع الرسول اقوم و افطر و اصوم 410، 559 |
| اني معک و مع اهلک357، 378، 393، 431، 486، | اني مع الرسول اقوم و اقصدك واروم417 |
| 632 | اني مع الرسول اقوم واروم ما يروم 487، 613 |
| اني معك يا ابراهيم 616، 620، 624، 630، 633، 634 | اني مع الرسول اقوم والوم من يلوم 549، 589، 601، |
| اني معک يا ابن رسول الله | 612 |

| اوزارک :احمل اوزارک | انى معك يا امام رفيع القدر |
|--|---|
| اوشك عند ذالك اوشك الرداى | اني معک يا مسرور |
| اوصل : الحمد لله الذي اوصلني صحيحا 494 | انی معکم اسمع و اری |
| اوفي :اوفي الله اجرك | انی معکما اسمع و اری |
| اوقد اوقد لى يا هامان لعلى اطلع الى اله موسىٰ68 | انی معین من اراد اعانتک 161، 371، 407، 441، 614 |
| اوقد لي يا هامان 63، 996، 317، 546 | انى مغلوب فانتصر |
| اول :امثال الرحمة اول الذكر وآخر الذكر 637،636 | اني ملكت الشرق و الغرب |
| قل اني امرت وانا اول المومنين 179، 194، 276، 294، | انى من الصادقين |
| 538 (409 | انى من الناظرين |
| قل لعبادي انني امرت وانا اول المؤمنين175 | اني منجيك من الغم |
| وامرت من الله وانااول المؤمنين | انى موجود فانتظر |
| قل اني امرت وانا اول المومنين | انى مهين من اراد اهانتك 27، 158، 161، 173، 173، |
| اولين :ثلة من الاولين وثلة من الآخرين81، 212، 216، | 485 ،479 ،441 ،407 ،371 ،319 ،194 ،194 ،189 |
| 548 (296 | 614 ،606 ،539 ،498 |
| وما سمعنا بهذا في ابائنا الاولين85 | انی ناصرک |
| ويقولون انا سمعنا بهذا من الاولين682 | انی نعیت595 |
| اولئك: اولئك قوم لا يشقى جليسهم587 | رب انى مظلوم فانتصر |
| اولئك لهم الامن وهم مهتدون | قل اعملوا على مكانتكم اني عامل 294، 551، 551 |
| الذين تابوا واصلحوا اولئك اتوب عليهم 150، 304 | قل تربصوا الاجل واني معكم من المتربصين181 |
| مكر اولئك يبور | قل رب اني اخترتک علي کل شيء319 |
| والذين تابو او اصلحوا اولئك اتوب عليهم304 | قل لضيفك اني متوفيك.قل لاخيك اني متوفيك |
| ومكر اولئك هو يبور | 89 |
| الاولاد :للاتباع والاولاد | واذ قال ربك انى جاعل فى الارض خليفة304 |
| اولادى :انت منى بمنزلة اولادى 325، 326، 345 | واني اموج موج البحر |
| اولواالعزم :الفتنة ههنا فاصبر كما صبر اولوا العزم38، | واني فضلتك على العالمين |
| 195469 | ولا تقولن لشء انى فاعل ذالك غدا37 |
| اولى؛ خذها ولا تخف سنعيدها سيرتها الاولى 219 | يا عبد القادر اني معک اسمع و ار <i>ي</i> 199 |
| اولِي :و ذرني والمكذبين اولى النعمة | يا عيسىٰ انى متوفيك و رافعك الى179 |
| اولياء : الا ان اولياء الله لا خوف عليهم ولاهم يحزنون | اوبي :يا جبال اوبي معه والطير |
| 75 | اوحیت :بل هی حقائق اوحیت الی من رب الکائنات. |
| نحن اولياء كم في الحيوة الدنيا و في الآخرة 521 | 291 |
| | |

| 317 | اهب : اصبر مليا ساهب لک غلاما زكيا 277 |
|---|---|
| ربنااننا سمعنا مناديا ينادى للايمان 40، 197، 541 | ساهب لک غلام زکیا |
| لوكان الايمان معلقا بالثريا لناله رجل39،78 | اهداب :انی تعلقت باهدابکم |
| والذين آمنوا ولم يلبسوا ايمانهم | أهذا :اهذا الذي بعث الله 70، 296، 303، 317، 407، |
| ايام غضب الله | 546 |
| بشرهم بايام الله و ذكرهم تذكيرا | واذا جاء وعد الحق اهذا الذي كذبتم181 |
| بشرى لك في هذه الايام | اهتدوا :ان الله مع الذين اهتدوا وهم صادقون558 |
| بشرى لكم في هذا الايام | اهل :انما يريد الله ليذهب عنكم الرجس اهل البيت . |
| بشرهم بايام الله و ذكرهم تذكيرا | 591 ‹585 ‹584 |
| ايتها المرءة توبي توبي فان البلاء على عقبك | سلمان منا اهل البيت |
| 128:108 | انه ينجى اهل السعادة |
| ايد :الحمد لله الذي ايد الحق باياته | يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 |
| اين :يضربون وجوهم اين المفر | لم يكن الذين كفروا من اهل الكتاب والمشركين64 |
| اينما :اينما تولوا فثم وجه الله39، 194، 295 ، 308، | اهُلُک َ :انی مع الروح معک و مع اهلک550 |
| 513 | انى معك ومع اهلك378، 392، 431، 555، 561 |
| اينما ثقفوا اخذوا و قتلوا تقتيلا | ما اهلک الله اهلک |
| ان الله يقوم اينما قمت | إى :اي و ربى انه لحق لا يتبدل و لا يخفيٰ 521،287 |
| اني معک اينما تذهب و تسير632 | ويسئلونك احق هو قل اي و ربي انه لحق128 |
| ملعونين اينما ثقفوا اخذوا | اَي ُ :اي ياتون الى الله حنيفا509 |
| | وسيعلم الذين ظلموا اي منقلب ينقلبون407 |
| · · | اَي ّ: اي يهلک بعد و جو دها و تجسمها |
| | فبأىّ حديث بعده تؤمنون |
| | بأيّ عزيز بعده تعلمون |
| باخع :لعلك باخع نفسك الايكونوا مومنين 545،67 | فبأى حديث بعده تحكمون |
| بارزت :ومن عادي وليا فقد بارزته للحرب683 | ایات :افانین ایات |
| بارك :بوركت يا احمد وكان مابارك الله فيك .52 | جاء وقتك و نبقى لك الايات باهرات495، 496، |
| يا احمد بارك الله فيك 194، 194 | 563 |
| بارك الله في الهامك ووحيك و رؤياك569 | جاء وقتك و نبقى لك الايات بينات 496، 563 |
| باهداب: انی تعلقت باهدابکم | قرب وقتك و نبقى لك الايات بينات495 |
| باهرات :جاء وقتك و نبقى لك الايات باهرات 495 | فانتظروا الايات حتىٰ حين |
| بايعتك :اني بايعتك بايعني ربي | ايمان:الذين آمنوا ولم يلبسوا ايمانهم بظلم 305، 306، |

| رب اشف زوجتي هذه واجعل لها بركات في السماء | بايعنى :انى بايعتك بايعنى ربى |
|---|---|
| 509 | البحر :قل لو كان البحر مدادا لكلمات ربي لنفد |
| عليك بركات وسلام | البحر142 |
| امراض الناس وبركاته | بدر :طلع البدر علينا من ثنية الوداع481 |
| برکة :انی ساوتیک برکة و اجلی انوارها | السهيل البدرى |
| بركة زائدة على هذا الرجل | لقد نصركم الله ببدر وانتم اذلة561 |
| فيه خير و بركة | ولقد نصركم الله ببدر وانتم اذلة432 |
| كل بركة في هذا | بدك :انا بدك اللازم |
| كل بركة من محمد ?فتبارك من علم و تعلم | انى بدك الازم |
| 555 6538 6194635 | البر :لن تنالوا البر حتىٰ تنفقوا مما تحبون434 |
| بسم الله :بسم الله البر الكريم | بسم الله البر الكريم |
| بسم الله الشافي | بوا :اني براء من ذالك |
| بسم الله الغفور الرحيم | فبراه الله مما قالوا وكان عند الله وجيها48 |
| بسم الله الكافي | فقبل الله عبده و براه مما قالوا |
| بشارة :بشارة تلقاها النبيون | برّاه : فبراه الله مما قالوا وكان عند الله وجيها48، 72، |
| 540،498 ،441 ،406 ،368 | 221 |
| | |
| , | بردا :قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 | |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام | بردا :قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 | بردا :قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 بشر :بشر الذين آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا يا نار كونى بردا و سلاما |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 بشر :بشر الذين آمنوا ان لهم فتح | بردا :قلنا يا نار كونى بردا و سلاما |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 بشر :بشر الذين آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا يا نار كونى بردا و سلاما |
| ان الله بشرني في ابنائي بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 پشر :بشر الذين آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا یا نار کونی بردا و سلاما 326 کونی بردا وسلاما برزما عندهم من الرماح برق :یکاد البرق یخطف ابصارهم فیه ظلمات ورعد و برق برق طفلی بشیر 308 برهان :انت برهان وانت فرقان |
| ان الله بشرنى فى ابنائى بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 مشر :بشر الذين آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرنی فی ابنائی بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 99 99 571 سر الذین آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرنى فى ابنائى بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 مشر :بشر الذين آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرنى فى ابنائى بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 99 99 97 97 97 97 97 97 97 97 97 | بردا: قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ان الله بشرنى فى ابنائى بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 99 99 97 97 97 97 97 97 97 97 97 | المردا: قلنا يا نار كونى بردا و سلاما المردا: قلنا يا نار كونى بردا و سلاما المرزما عندهم من الرماح المرق: يكاد البرق يخطف ابصارهم المية ظلمات ورعد و برق المية بشير المية بشير المال المال برهان وانت فرقان المال الله برهانه المال الله وجهك وينير برهانك المال الزلناك برهانا و كان الله قديرا |
| ان الله بشرنی فی ابنائی بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 مسر :بشر الذین آمنوا ان لهم فتح | بردا: قلنا یا نار کونی بردا و سلاما 326 کونی بردا وسلاما برزما عندهم من الرماح 558 (379 برق ایکاد البرق یخطف ابصارهم فیه ظلمات ورعد و برق برق طفلی بشیر برق طفلی بشیر 308 قل هاتوا برهان وانت فرقان 308 قل هاتوا برهانکم ان کنتم صادقین 101 انار الله برهانه 102 برهان و کان الله قدیرا 306 انا انزلناک برهانا و کان الله قدیرا 306 انا انزلناک برهانا و کان الله قدیرا 306 انا انزلناک برهانا و کان الله قدیرا |
| ان الله بشرنی فی ابنائی بشارة قبل وجودهم بالالهام 99 99 957 96 97 97 97 97 97 97 97 97 97 97 97 97 97 | بردا: قلنا يا نار كونى بردا و سلاما |

| بل هي حقائق اوحيت الي من رب الكائنات 291 | فبشرى للمؤمنين |
|--|---|
| بل ياتيهم بغتة | فبشرى لك في النكاح |
| بلاء :ايتها المرء ة توبي توبي فان البلاء على عقبك | بصائر للناس84 |
| 128 (108 | بضاعة :ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة |
| بلاء و انوار | مز جاة570 |
| وفي ذالك بلاء من ربكم عظيم215 | بطش :ان بطش ربك لشديد 578، 578 |
| بلجت :بلجت آياتي256، 257، 320،303، 571، 596، | واذا بطشتم بطشتم جبارين |
| 597 | بعث :اهذا الذي بعث الله 70، 407، 546 |
| بلغ :بلغ الامر الى حده | بعد :بعد العسر يسر |
| بلغت قدم الرسول598 | اكرمك بعد توهينك |
| بلية مالية | بعد سنة واحدة |
| بمنزلة :انت فيهم بمنزلة موسىٰ 195، 557 | بصر :فبصرك اليوم حديد 470، 555 |
| انت منى بمنزلة النجم الثاقب | بعلها :انا مهلكوا بعلها كما اهلكنا اباها181 |
| انت منى بمنزلة او لادى326، 345 | بعيداً :ترىٰ نسلاً بعيداً5 |
| انت منی بمنزلة بروزی516 | بغتة :انى مع الاسباب آتيك بغتة 381 |
| انت منی بمنزلة توحیدی و تفریدی | اني مع الافواج آتيك بغتة 242، 256، 257، 333 |
| | |
| 408 • 371 • 197 • 179 • 164 | |
| | 604 ·559 ·537 · ·514 ·463 ·454 ·451 ·425 ·378 |
| 408 •371 •197 •179 •164 | ،604 ،559 ،537 ، ،514 ،463 ،454 ،451 ،425 ،378 |
| | 604 ·559 ·537 · ·514 ·463 ·454 ·451 ·425 ·378 |
| انت منى بمنزلة رحى الاسلام | 378، 425، 451، 454، 463، 463، 537، 537، 604، 455، 604، 604، 604، 604، 605، 605، 605، 604، 605، 605، 605، 605، 605، 605، 605، 605 |
| 408 ، 371 ، 197 ، 179 ، 164 ، 176 ، 371 | 604 ، 559 ، 537 ، 614 ، 463 ، 454 ، 451 ، 425 ، 978 ، 604 ، 614 310 انى مع الامراء آتيك بغتة |
| انت منى بمنزلة رحى الاسلام | 378، 425، 451، 451، 463، 463، 537، 537، 603، 604، 604، 604، 659، 653، 604، 604، 604، 604، 604، 604، 604، 604 |
| 408 ، 371 ، 197 ، 179 ، 164 ، 170 ، 371 | 378، 425، 421، 421، 463، 463، 573، 573، 673، 604، 614 310 |
| 408، 371، 197، 179، 164، 160، 371، 170، 408، 620 | 604، 425، 425، 451، 463، 454، 576، 576، 676، 604، 614 310 |
| 408، 371، 197، 179، 164، 160، 371، 371، 408، 620. انت منى بمنزلة رحى الاسلام | 604، 425، 425، 451، 463، 454، 455، 637، 608، 608، 614 310 |
| 408 ، 371 ، 197 ، 179 ، 164 ، 170 ، 371 | 604، 559، 537، 614، 463، 454، 451، 675، 675، 675، 664 614 310 |
| 408 ، 371 ، 197 ، 179 ، 164 | 604، 425، 425، 461، 463، 454، 455، 637، 603، 604، 614 310 |
| 408، 371، 197، 179، 164، 620، 170، 371، 620، 170، 620، 170، 634، 120، 634، | 604، 559، 537، 614، 463، 454، 451، 675، 675، 675، 664 310 |
| 408، 371، 197، 179، 164، 620، 107، 371، 620، 102، 103، 634، 102، 103، 103، 103، 103، 103، 103، 103، 103 | 604 ، 559 ، 537 ، 614 ، 463 ، 454 ، 451 ، 425 ، 378 614 614 310 |
| 408 ، 371 ، 197 ، 179 ، 164 | 604 ، 559 ، 537 ، 614 ، 463 ، 454 ، 425 ، 378 614 616 ، 614 614 615 ، 615 ، 615 ، 615 ، 614 615 ، 614 615 ، |

| تبارك : كل بركة من محمد الطبيطة فتبارك من علم و |
|--|
| تعلم194 |
| سبحان الله تبارك وتعالى زاد مجدك 295، 301، |
| 542 |
| تبدل الارض غير الارض |
| تبديلا: الن تجد لسنة الله تبديلا |
| تبليغ :وانه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ الناس |
| 291 |
| تبعها الرادفة |
| تترقى :مقام لا تترقى العبد فيه بسعى الاعمال82 |
| تتنزل :ان الذين قالوا ربنا الله ثم استقاموا تتنزل عليهم |
| الملائكة |
| تشريب :لا تثريب عليكم اليوم فاتوني باهلكم 421 |
| لا تثريب عليكم اليوم يغفر الله لكم وهو ارحم |
| الراحمين |
| تجارة :رجال لا تلهيهم تجارة ولا بيع عن ذكر الله .73 |
| و اجعل لى نافعا هذه التجارة |
| تجالد: اناتجالدنا فانقطع العدو و اسبابه 276،275 |
| تجلى :فلما تجلى ربه للجبل جعله دكا73، 82 |
| تحائف :ياتيك تحائف كثيرة |
| تحبوا :وعسىٰ ان تحبوا شيئًا وهو شرلكم70 |
| تحبون :لن تنالوا البر حتىٰ تنفقوا مما تحبون434 |
| قل ان كنتم تحبون الله فاتبعوني |
| تحت :ترزقون من فوقكم ومن تحت ارجلكم429 |
| الفوق معك والتحت مع اعدائك |
| وضعنا الناس تحت اقدامك |
| تحفة الملوك |
| تحويل الموت |
| تحكمون :فباي حديث بعده تحكمون321 |
| تحي :تقيم الشريعة و تحي الدين |
| تخاطبني :ولا تخاطبني في الذين ظلموا67 |

| ي حولها | بورک :بور ک من فیها و مز |
|----------------------|-------------------------------------|
| | بورک من معک ومن حولک |
| ك الله فيك 52، 197، | بورگت یا احمد و کان مابار ک |
| | 542 ، 315 ، 295 |
| ين بركات165 | بيت :البيت المحوّفة ملئت ه |
| 82 | بيت الفكرو بيت الذكر |
| لا بيع عن ذكر الله73 | بيع :رجال لا تلهيهم تجارة و |
| ن الناس 48، 524 | بين :وتلك الايام نداولها بير |
| 203 ،37 | بینة :انت على بینة من ربك |

ت

| تؤثرون: تؤثرون الحيوة الدنيا و في الدين تقصرون |
|---|
| 485،476 |
| تؤمو :فاصدع بما تؤمر و اعرض عن الجاهلين6 |
| تۇمنون :فباى حديث بعده تؤمنون |
| قل عندي شهادة من الله فهل انتم تؤمنون407 |
| تاثبين :انه معذبهم لو لم يكونوا تائبين |
| تاتى السماء بدخان مبين 504، 554، 619 |
| تاتيك الغاشية يوم تنجو كل نفس بما كسبت 261 |
| تاتیک نصرتی |
| تاتيک وانا منک |
| تارك:ليست الحكومة تارك المجرمين580 |
| تالله :تالله تفتئوا تذكر يوسف حتى تكون حرضا130 |
| تالله لقد اثرك الله علينا وان كنا لخاطئين 522، 605 |
| تالله لقد ارسلنا الى امم من قبلك فزين لهم الشيطان. |
| 62 |
| تاويل :هذا تاويل رؤياي من قبل قد جعلها ربّي حقا .38 |
| تب :تبت يدا ابي لهب و تب68، 198، 296، 317، |

| ولن ترضي عنک اليهو د ولاالنصاري38، 203 | تخرج :فاخفها حتى تخرج507 |
|---|--|
| تريدون :اريد ما تريدون 464، 562 | تخرج الصدور الى القبور |
| تسئل :ام تسئلهم من خرج66 | تخف: الاتخف انّک انت الاعلى |
| ام تسئلهم من خرج فهم من مغرم مثقلون545 | تدعو : لتدعو قوما آخرين |
| تستحوذون :قيل استحوذوا فلا تستحوذون66،234 | تدهنون :يحبون ان تدهنون66 |
| تستعجلون :هذا الذي كنتم به تستعجلون54، 407، | تذبحان :شاتان تذبحان |
| 561 < 558 | تذكر :ستذكرون ما اقول لكم وافوض امرى الى الله . |
| و تمت كلمة ربك هذا الذي كنتم به تستعجلون 302 | 263 |
| تستفتح :اردت ان تستفتح | قالوا تالله تفتئوا تذكر يوسف حتىٰ تكون حرضا130 |
| تسحيقا :فسحقهم تسحيقا | تذكرة :هذه تذكرة من شاء اتخذ الى ربه سبيلا212، |
| قد بعدوا من ماء الحياة فسحقهم تسحيقا | 217 |
| تشاع :الامراض تشاع والنفوس تضاع289،، 409، | تلهب :اني معک اينما تذهب و تسير632 |
| 553 (521 | الترب: هذا هو الترب الذي لا يعلمون146 |
| تشرق :وتفتح على يده الخزائن وتشرق الارض | تربصوا الاجل واني معكم من المتربصين181 |
| بنورربها | ترحم :تلطف بين الناس وترحم عليهم 66، 545، 557 |
| تصبؤن :لا تصبؤن الى الوطن فيه تهان و تمتحن652 | ترد عليك انوار الشباب |
| تصلى :تصلى عليك الارض والسماء129 | ترزقون من فوقكم ومن تحت ارجلكم429 |
| تصنع :والقيت عليك محبة مني ولتصنع على عيني | الترقيم :من غير مدد الترقيم و التدوين 291 |
| 72 | ترهقهم ذلة |
| تضاع :الامراض تشاع والنفوس تضاع،، 409، 553 | تري انت تري كل مصلح و صادق532 |
| تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم176 | ترىٰ الارض يومئذ خامدة مصفرة 504، 554 |
| تعان :فحان ان تعان و تعرف بين الناس53، 179 | ترىٰ الغافلين يخرون على المساجد200 |
| تعبدون :قل ياايها الكافرون لا اعبد ما تعبدون66 | ترئ فخذا اليما |
| تعجب :تعجب لامرى | ترئ نصرا من عند الله 441، 418، 441 |
| تعجبون من فعل الله | ترىٰ اعينهم تفيض من الدمع 40، 197، 541 |
| قل اتعجبون من فعل اللهقل اتعجبون من فعل الله | ترىٰ نسلاً بعيداً 149، 301، 319، 554 |
| ولا تعجبوا ولا تحزنوا وانتم الاعلون 211، 216 | ترىٰ نسلاً بعيداً ابناء القمر |
| ينزل ما تعجب منه | ترىٰ نسلاً بعيداً بعدى5 |
| تعجبيين: لا تعجبيين من امرى | ترىٰ نصرا عجيبا |
| تعرف:حان ان تعان و تعرف بين الناس624 | ترضى :وسوف يعطيك ربك فترضى408 |
| فحان ان تعان و تعرف بين الناس 53، 179، 197، 295، | ولسوف يعطيك فترضى |
| | |

| 476 | 315 |
|---|---|
| تقف : لا تقف ما ليس لك به علم | وبشرني ربى وقال مبشرا ستعرف يوم العيد والعيد |
| التقوى : لا يقبل عمل مثقال ذرة من غير التقوى 547 | 201 |
| تقيم الشريعة و تحي الدين | أانت لا تعرفين القدير |
| تكتمون :والله مخرج ما كنتم تكتمون416 | تعظيم :فقلت اني ارى الصواب في تعظيم الالهام580 |
| تكرهوا :وعسى ان تكرهوا شيئًا وهو شرلكم 70 | تعلق :قطعوا تعلقهم منهم |
| تكفيك هذه الامرأة | تعلقت :انی تعلقت باهدابکم |
| تلزم: وتلزمك المصائب ملازمة الغريم | تعلقت بالاهداب |
| تلطف :تلطف بين الناس وترحم عليهم 66، 195، 545، | تعلم :وان يردك بخير فلا راد لفضله |
| 557 | كل بركة من محمد السلام فتبارك من علم و تعلم35، |
| تلك :تلك آيات الكتاب المبين515 | 555 ، 538 ، 194 |
| تلك آيات ظهرت بعضها خلف بعض | تعلمون :بای عزیز بعده تعلمون |
| حم تلك آيات الكتاب المبين 601، 636، 637 | وعلمكم ما لم تكونوا تعلمون |
| وتلك الايام نداولها بين الناس 48، 65، | تعهد و تمكن في السماء |
| 545 (524 (195 | تغلبه :ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه319 |
| تمت :تمت كلمة الله | تفاوت :ما ترى في خلق الرحمٰن من تفاوت401 |
| تمت كلمة ربك هذا الذي كنتم به تستعجلون302 | تفتح :تفتح على يده الخزائن وتشرق الارض306 |
| تمتحن : لا تصبون الى الوطن فيه تهان و تمتحن 652 | تفتح لهم ابواب السماء |
| تمترون :قول الحق الذي فيه تمترون | تفردنا بذالك |
| تمشى :انه كريم تمشى امامك 366، 408، 441، 554 | تفریدی :انت منی بمنزلة توحیدی و تفریدی53، 164، |
| تمكن :تعهد و تمكن في السماء | ،442 ،441 ،408 ،371 ،319 ،304 ،295 ،197 ،179 |
| تموت :اعجبتم ان تموتوا | 498 |
| تموت وانا راض منك 75، 295، 496 | هو منی بمنزلة توحیدی و تفریدی12 |
| ما كان ل نفس ان تموت الا باذن الله. 349، 425، 476 | التفسير :قالوا ان التفسير ليس بشيء329 |
| تنال: العيد الاخر تنال منه فتحا عظيما | تفصيل ما صنع الله في هذا الباس |
| لن تنالوا البر حتىٰ تنفقوا مما تحبون434 | تفضلا: انا نرده اليك تفضلا عليك131 |
| التناوش: وانى لهم التناوش من مكان بعيد657 | تفندون :اني لاجد ريح يوسف لولا ان تفندون442، |
| تنجو : تاتيك الغاشية يوم تنجو كل نفس بما كسبت | 657 - 560 |
| 261 | تفيض :تري اعينهم تفيض من الدمع 40، 197، 541 |
| تندم :من قام للجواب وتنمر فسوف يري انه تندم و | تقابل: كل مقابر الارض لا تقابل هذه الارض600 |
| تذمر | تقصرون :تؤثرون الحيوة الدنيا و في الدين تقصرون |
| | |

| توفني :رب توفني مسلما والحقني بالصالحين 563 | تنلر :انّك من المامورين لتنذر قوما ما انذر ابائهم209 |
|--|---|
| تولى اان تولىٰ تُولىٰ | سواء عليهم ء انذرتهم ام لم تنذرهم لا يؤمنون515 |
| توهینک :ساکرمک بعد توهینک | لتنذر قوما ما انذر ابائهم 35، 175، 178، 194، 194، |
| توكل :اذا عزمت فتوكل على الله واصنع الفلك 134 | 409 |
| فتوكل على الله واصنع الفلك باعيننا و وحينا196 | تنزل الرحمة على ثلاث، العين وعلى الاخريين. |
| ولم يبق الهموم لنا فانا توكلنا على رب العباد 663 | 306 |
| توكلوا عليه ان كنتم مؤمنين | 306 تنزل على كل افاك اثيم37 |
| توكلنا :ولم يبق الهموم لنا فانا توكلنا على رب العباد | وانى ارى بعض المصائب تنزل |
| 663 | هل انبئكم على من تنزل الشياطين540،37 |
| تيئس: لا تيئس من روح الله 39، 172، 195، 540، | تنزيل : تنزيل من الله العزيز الرحيم321 |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة الله | واني انرت مكانك تنزيل من الله العزيز الرحيم320 |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة ربي | تنشاء في الحلية |
| لا تيئسوا من روح الله.ان روح الله قريب 446،167 | تنمو :من قام للجواب وتنمر فسوف يرى330 |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة ربي | تهان :لا تصبون الى الوطن فيه تهان و تمتحن652 |
| | تهديد :ما هذا الا تهديدالحكام 257،254 |
| ث | تهذیب :هو الذي ارسل رسوله بالهدي و دين الحق |
| | وتهذيب الاخلاق |
| | تهوى :واجعل افئدة كثيرة من الناس تهوى الى660 |
| الثريا :لو كان الايمان معلقا بالثريا لنا له296، 302، 58، | التواب :اني انا التواب من جاء ك جاء ني 432، 553 |
| 451 - 295 - 198 | توبوا : توبوا واصلحواوالي الله توجهوا63 |
| ثقفوا :ملعونين اينما ثقفوا اخذوا | توبي :ايتها المرء ة توبي توبي فان البلاء على عقبك. |
| ئلاث :مثنىٰ و ثلاث و رباع 684 | 128-108 |
| ثلج :كل واحد منهم ثلج | توجهت :واذا جاء نصر الله وتوجهت لفصل الخطاب |
| ثلة :ثلة من الاولين وثلة من الاخرين81، 212، 216، | 305 |
| 548 (316 (296 | توحيد :انت مني بمنزلة توحيدي و تفريدي 53، 164، |
| ثم :قد جاء الدين من النصرة ثم سيعود من النصرة. 437 | 498 |
| ثم يرد اليك السلام | خذوا التوحيد التوحيديا ابناء الفارس197 |
| ثم يغاث الناس ويعصرون | هو منی بمنزلة توحیدی و تفریدی12 |
| ثمانين :ثمانين حولاً او قريباً من ذالك،149، 301، | توعدون :هيهات هيهات لما توعدون |
| 318 | وقالوا من ذا الذي يشفع عنده هيهات هيهات |
| ثمانیه :یموت قبل از ثمانیه | لما توعدون482 |

| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 | الثناء: هذا الثناء لي |
|---|--|
| جئت: جئت فصل الفتح | ثية :طلع البدر علينا من ثنية الوداع481 |
| لقد جئت شئيا فريا57 | ئيب :بكر و ثيب |
| جئنا :و جئنا بك على هؤ لاء شهيدا69 | |
| ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة مزجاة | |
| 570 | ج |
| جاثمين :فاصبحوا في دارهم جاثمين | |
| جارية :لا تذروه جارية | جاء: جاء الدين من النصرة ثم سيعود من النصرة 437 |
| جاعل :اني جاعل في الأرض خليفة54 | جاء كم نور من الله |
| اني جاعلک عيسيٰ ابن مريم | جاء وقتك و نبقى لك الايات باهرات495، 496، |
| انى جاعلک للناس اماما65 | 563 |
| وجاعل الذين اتبعوك فو ق الذين كفرا الى يوم | جاء وقتك و نبقى لك الايات بينات 496، 563 |
| القيامة | جاء الحق و زهق الباطل ان الباطل كا ن زهوقا35، |
| جاهل :جاهل او مجنون 303، 303، 407 | 538 (194 |
| فاصدع بما تؤمر و اعرض عن الجاهلين62 | جاء الحق و زهق الباطل 450، 540، 629 |
| ولا تخف السنة الجاهلين | جاءك الفتح |
| جبال :ولو ان قرآنا سيرت به الجبال59 | جاءك الفتح ثم جاءك الفتح |
| يا جبال اسجدي معه والطير | جاءك النور وهو افضل منك120 |
| يا جبال اوبي معه و الطير | جاء ک ربک الاعلی 164، 165 |
| جبل :عندى حسنة هي خير من جبل 524، 858 | جاء نيي آئل و اختار |
| فلما تجلى ربه للجبل جعله دكا 72، 82، 200، | اذا جاء افواج و سم من السماء |
| جبيز :نزل به جبيز | اذا جاء نصر الله الست بربكم قالوا بلي74 |
| جحدوا : وجحدوابها واستيقنتها انفسهم85 | اذا جاء نصر الله والفتح و تمت كلمة ربك54، 407، |
| جحدوابها واستيقنتها انفسهم ظلما و علوا . 303، 316 | 542 |
| الجحيم :اجر الاثيم واريه الجحيم 597 | اذا جاء نصر اللَّه والفتح ورائيت الناس يدخلون422 |
| جذع :فاجاء ها المخاض الى جذع النخلة56، 57 | اذا جاء نصر الله والفتح 302، 473 |
| جرت :وانی مستخلفک اکراما کما جرت سنتی 239 | اذا جاء نصر اللَّه والفتح وانتهى امرالزمان38، 199، |
| جرى الله: | 541 •294 |
| جرى الله في حلل الانبياء 63، 239، 296، 315، 544 · ° ° | اذا جاء نصر الله وتوجهت لفصل الخطاب305 |
| جرى الله في حلل المرسلين | اني انا التواب من جاء ك جاء ني 432، 553 |
| جزاء : ونريهم جزاء الفاسقين | كرامة جليلة قد جاء وقتها |
| | |

| يا احمد اسكن انت و زوجك الجنة55 | رب اجزه جزاء اوفيٰ |
|---|---|
| يا مريم اسكن انت و زوجك الجنة | جزاء سيئة بمثلها |
| جنات :ان الذين آمنوا و عملوا الصالحات لهم جنات. | جسد :عجل جسد له خوار186، 200 |
| 639 | جعل :جعلت مباركا |
| جنها :اني حاشر كل قوم ياتونك جنبا320 | جعلك المسيح ابن مريم |
| جند :ومعك جند السماوات والارضين197 | جعلنا جهنم للكافرين حصيرا |
| جنود :ان فرعون و هامان وجنودهما کانوا خاطئین | جعلناك المسيح ابن مريم |
| 451 | الحمد لله الذي جعل لكم الصهر والنسب30 |
| ونري فرعون و هامان و جنودهما ما كانوا يحذرون | الحمد لله الذي جعلك المسيح ابن مريم408 |
| 550 | رفعت وجعلت مباركا |
| جهنم :الله عدو الكاذب وانه يوصله الى جهنم 573 | فلما تجلى ربه للجبل جعله دكا |
| جعلنا جهنم للكافرين حصيرا | يا احمد جعلت مرسلا |
| محونا نار جهنم | جف القلم بما هو كائن |
| وانه يوصله الى جهنم | جلابيب الصدق |
| ياتي على جهنم زمان ليس فيها احد 340، 341، 345 | جلال :الله يعطيك جلالك |
| الجودي :واستوت على الجودي | جماعت :يصلح الله جماعتي ان شاء الله تعالىٰ 651 |
| جور :فاصبر على جور الجائرين | جمال |
| جوهو :اني خلقتک من جوهر عيسيٰ وانّک و عيسيٰ | الجمع :سيهزم الجمع و يولون الدبر 23، 590، 660 |
| من جوهر واحد | وقادر على الاجتماع والاجماع والجمع659 |
| الجيش :اني اجهز الجيش | جميع: ام يقولون نحن جميع منتصر 58، 320، 453 |
| اني مع الجيش آتيك بغتة | قل ارسلت اليكم جميعا99 |
| جع :فجئ بالحق فهزموا | قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا292 |
| | كن لله جميعا ومع الله جميعا |
| ح | الجنة :اني انزلت معك الجنة |
| | دخلتم الجنة وما علمتم ما الجنة ذالك اليوم الاخر |
| | 630 |
| الحاسدين: اذا نصر الله المؤمن جعل له الحاسدين | فادخلو االجنة ان شاء الله امنين |
| 545 ،65 | فارتدا على اثارهما و وهب له الجنة |
| حاصل : المراد حاصل 518 | مثل الجنة التي وعد المتقون |
| مرادتک حاصل | كرم الجنة دوحة الجنة |
| مرادك حاصل | يا آدم اسكن انت و زوجك الجنة55 |
| نگوراد ک شاخل | 33 |

| انا النالك الحديد | حافظ :ان الله حافظ كل شيء |
|---|---|
| فبصرك اليوم حديد 470، 555 | انی حافظک65 |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون 501، 672 | عنايت الله حافظك |
| عوب :حرب مهيجة | عنايت الله حافظه |
| والهمنا ان الحرب حرب روحاني بنظر روحاني 207 | قل الله حافظه84 |
| من عادي وليا فقد اذنته للحرب 549 | الله حافظه |
| ومن عادي وليا فقد بارزته للحرب 683 | اللَّه خير حافظا وهو ارحم الراحمين84، 297 |
| يضع الحرب و يصالح الناس | حامله: سليم حامد مستبشر |
| حرضا :قالوا تاللّٰه تفتئوا تذكر يوسف حتىٰ تكون | حان: حان ان تعان و تعرف بين الناس624 |
| حرضا | فحان ان تعان و تعرف بين الناس 53، 179، 197، 295، |
| حرقهما الله | 315 |
| حزب :الا ان حزب الله هم الغالبون 73، 549 | عب:حب الله |
| حسب :احسب الناس ان يتركواان يقولوا آمنا | :الا انها فتنة من الله ليحب حبا جما 69، 546 |
| 130:357 | حبا من الله العزيز الاكرم |
| ام حسبت ان اصحاب الكهف والرقيم | حتى :وماكنا معذبين حتى نبعث رسولا623 |
| ام حسبتم ان اصحاب الكهف والرقيم85، | وما كان الله ليتركك حتى يميز الخبيث من الطيب |
| | |
| حسنا :ا يزدادوا حسنا مع حسنك | 542 |
| حسنا :ليزدادوا حسنا مع حسنك | |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتىٰ حين |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتى حينفلا و ربك لايؤمنون حتى يحكموك فيما شجر |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتى حينفلا و ربك لايؤمنون حتى يحكموك فيما شجر بينهم |
| حسنت مستقرا ومقاما | فانتظروا الايات حتى حين |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتى حين |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتى حين |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتىٰ حين |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 644 فانتظروا الايات حتى حين عين |
| حسنت مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتىٰ حين |
| حسنة مستقرا ومقاما | 542 فانتظروا الايات حتىٰ حين |
| حسنة مستقرا ومقاما | المنظروا الايات حتى حين المنظروا الايات حتى حين المنظروا الايات حتى حين المنظروا الايات حتى المحكموك فيما شجر المنهم الله و ربك لايؤمنون حتى المحكموك فيما شجر وما كان الله ليغير ما بقوم حتى يغيروا ما بانفسم المنافية الله المحجة الله المحجة الله المحجة الله المحجة الله المحجة الله المحجة الاسلام المحد المحد المحدة الاسلام المحد المحدة الله المر المى حده الله عدم المحدة الامال المحدة الامال المحدة الامال المحدة الامال المحدة المحدة المحدث المحدة المحدث المحدة المحدث المحدة المحدث المحدث المحدة المحدث المحدة المحدث المحدة المحدث المحدث المحدة المحدث المحدث المحدث المحدث المحدة المحدث المحدة المحدث ا |
| حسنة مستقرا ومقاما | 542 603 604 604 605 605 606 607 608 608 609 609 609 609 600 |

| الحمد لله الذي ايد الحق باياته683 | ساخبره في آخر الوقت انك لست على الحق 388 |
|---|--|
| الحمد لله الذي جعل لكم الصهر والنسب30، 308 | قل ان وعد الله حق |
| 562 < 320 | وادع عبادي الى الحق |
| الحمد لله الذي جعلك المسيح ابن مريم | و بالحق انزلناه و بالحق نزل 63، 408 |
| 549 | هذا تاويل رؤياي من قبل وقد جعلها ربي حقا38 |
| الحمد لله الذي جعلك مسيح ابن مريم 196، 539 | يستنبئونك احق هو461 |
| الحمد لله رب العالمين | يوم يجيء الحق |
| حمى :حماك الله | زلزلت الارض فحق العذاب تدلى638 |
| اني حمى الرحمٰن | فورب السماء والارض انه لحق |
| حنيفا :اي ياتون الى الله حنيفا | قل ای و ربی انه لحق لا یتبدل ولا یخفیٰ287 |
| قل بل ملة ابراهيم حنيفا | ويسئلونك احق هو قل اي و ربي انه لحق128 |
| حولوا :ان النصارى حولواالامر | حقائق :بل هي حقائق اوحيت الى من رب الكائنات |
| الحنين :يوم الاثنين و فتح الحنين | 291 |
| حیثما :رب اجعلنی مبارکا حیثما کنت76 | رب ارنى حقائق الاشياء |
| كن مع الله حيثما كنت | حكم :حكم الله الرحمٰن لخليفة الله السلطان196، |
| حيلة :قل ما لک حيلة | 551 ‹306 |
| حين :فانتظروا الايات حتى حين304 | 306، 351 حكم الله الرحمٰن لخليفة الله المغل السلطان682 |
| فانتظروا آياتي حتى حين | الحكمة :يعقلك ربك بالكتاب والحكمة فشبه عليه |
| لات حين مناصلات حين مناص | 166 |
| نصوت وقالوا لات حين مناص | الحكومة: وليست الحكومة تارك المجرمين580 |
| وقالوا لات حين مناص | حل غضبه على الارض560، 409، 560 |
| هل اتى على الانسان حين من الدهر53، 295 | اني ارى الرحمٰن حل غضبه على الارض398 |
| وبشرني بخامس في حين من الاحيان | حلل:انّک انت هو في حلل البروز |
| حيوا: واذا حييتم بتحية فحيوا باحسن منها82 | جرى الله في حلل الانبياء 63، 239، 296، 315، 544 |
| حيوة :تؤثرون الحيوة الدنيا و في الدين تقصرون476 | جرى الله في حلل المرسلين |
| لنحيينك حيوة طيبة | حم تلك آيات الكتاب المبين 636، 636، 637 |
| تؤثرون الحيوة الدنيا | حمد :الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن 217، 562 |
| نحن اولياء كم في الحيوة الدنيا و في الآخرة 521، 549 | الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن واتاني |
| ولهم بشرى في الحيوة الدنيا | مالم يوت احد |
| حييتم :واذا حييتم بتحية فحيوا باحسن منها | الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن واعطاني ما لم 176 |
| | الحمد لله الذي او صلني صحيحا494 |

| خذوا الرفق الرفق فان الرفق راس الخيرات 323 |
|---|
| خور :من عادي وليا لي فكانما خر من السماء 623 |
| خربت :الله اكبر خربت خيبر |
| خوج :ام تسئلهم من خوج66 |
| خرطوم :سناخذه من مارن او خرطوم 304، 319 |
| سنسمه على الخرطوم606 |
| خرقوا :وخرقوا له بنين وبنات بغير علم 38 |
| خروا :خروا على الاذقان سجدا605 |
| خروا له سجدا |
| خزائن :انا آتيناك الدنيا وخزائن رحمة ربك 301 |
| خزائن رحمة ربك |
| سيؤتى له الملك العظيم و يفتح على يده الخزائن |
| 682 |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة الله |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة ربى |
| وان من شيء ٍ الا عنده خزائنه |
| وتفتح على يده الخزائن وتشرق الارض بنورربها. 306 |
| خضر :هو الذي اخرج مرغميك فخضر دعواك |
| 660 |
| خطاب: لک خطاب العزق |
| خلاف :امّره اللّٰه على خلاف التوقع609 |
| عمّره الله على خلاف التوقع |
| خلق :اردت ان استخلف فخلقت آدم54 |
| انا خلقنا الانسان في يوم موعود172 |
| انت منى بمنزلةلا يعلمها الخلق84، 407 |
| اني خلقتک من جوهر عيسيٰ وانّک و عيسيٰ من |
| جوهر واحد61 |
| خلق آدم فاكرمه |
| خلقت لک ليلا ونهارا |
| ما ترى في خلق الرحمٰن من تفاوت401 |
| ه لا تصعر لخلق اللَّه و لا تسئم من الناس |

خ

| خاتفا:اتق الله ان الله مع الخائفين269 |
|--|
| وماكان له ان يدخل فيها الا خائفا317،296 |
| خاتم النبيين: صل على محمد وآل محمد سيد ولد |
| آدم و خاتم النبيين |
| خادمک :رب کل شیء خادمک |
| رب كل شىء خادمك رب فاحفظنى 363، 556 |
| خارق :رب زد فی عمری و فی عمر زوجی |
| زيادة خارق العادة |
| خاصة :احافظک خاصة |
| خاطئين :ان فرعون و هامان وجنودهما كانوا خاطئين. |
| 451 |
| ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين 156، 172، 305، 605 |
| ربنا اغفر لنا ذنوبنا انا كنا خاطئين |
| تالله لقد اثرك الله علينا وان كنا لخاطئين 522، 605 |
| |
| |
| خافية :ولا يخفي على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية : ولا يُخفى على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية :ولا يخفى على الله خافية |
| خافية : ولا يخفى على الله خافية |
| خافية :و لا يخفى على الله خافية |
| خافية :و لا يخفى على الله خافية |

ويمكرون ويمكر الله والله خير الماكرين38، 150، 194، 203، 408

٥

دائرة : يتربصون عليك الدوائر عليهم دائرة السوء .. **دابر** : و قطع دابر القوم الذين لا يؤ منون...... 501 دار : انى احافظ كل من في الدار 348، 349، 350 \$\, 563 \, 562 \, 552 \, 540 \, \$529 \, \$433 \, \$409 \, \$405 \, \$355 638,637,619,567 اني انو ركل من في الدار نجعل دارهم مملوة من الارامل والثيبات107 **دافع** :اني انا الرحمٰن دافع الاذي.......331، 334 داؤد : يا داود عامل بالناس رفقاو احسانا الدبر :سيهزم الجمع و يولون الدبر 23، 590، 660 الدجال : و اذا هلك الدجال فلا دجال بعده310 **دخان** : تاتى السماء بدخان مبين يوم تاتي السماء بدخان مبين 554، 616، 619 دخل : ان هذا القرآن عرض على اقوام فما دخل فيهم. 656..... دخلتم الجنة و ما علمتم ما الجنة ذالك اليوم الاخر... 630..... درجة :لك درجة في السماء .. 451، 498، 539، 550 دعا: اجيب كل دعائك الا في شركائك.....21 احر ام الدعاء سمع الدعاء قد جرت عادة الله انه لا ينفع الاموات الا الدعاء . 339

خليفة: ١ردت ان استخلف فخلقت آدم خليفة اللّه 251 حكم الله الرحم: لخليفة الله السلطان 196، 306، حكم الله الرحمٰن لخليفة الله المغل السلطان...... واذقال ربك اني جاعل في الارض خليفة 304 خليل الله الخنزير :كذب عليكم الخنزير خوار: عجل جسد له خوار 186، 200 الخوارق تحت منتهى صدق الاقدام الخوان :مت ايها الخوانا601 خوض: قل الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون 399،295 618 ، 597 ، 545 ، 538 خوف :الا ان اولياء الله لا خوف عليهم و لا هم النبدلنكم من بعد خو فكم امنا خير:اريد الخير الامام خير الانام......الامام خير الانام.... الخير كله في القرآن 7 • • ،، 199، 296، 40، 40، 546 خير لهم خير لهم 612، 613، 612 رب علمني ما هو خير عندک رب لا تذرني فردا وانت خير الوارثين.......37، 196 ربنا افتح بيننا و بين قومنا بالحق وانت خير الفاتحين... 37، 196 ظن المؤ منون بانفسهم خيرا

عسى ان تكرهوا شيئًاوهو خير لكم

عندى حسنة هي خير من جبل 524، 558

كنتم خير امة اخرجت للناس و افتخار للمؤمنين 39

كنتم خير امة اخرجت للناس................... 164، 164

نثنى عليك الخير والبركة

ومكروا ومكر الله والله خير الماكرين21

| قل ما يعبؤ بكم ربي لو لا دعاءُ كم15 | دوابا :اربعة عشر دوابا |
|--|---|
| كثر الدعاء لبقاءك | دوحة :كرم الجنة دوحة الجنة |
| يا احمد اجيب كل دعائك الا في شركائك 21 | يخرج همه و غمه دوحة اسماعيل507 |
| دعني اقتل من اذاك ان العذاب مربع و مدور587 | ديار: رب لا تذرعلي الارض من الكافرين ديارا576 |
| دعوت :استجيب في هذه الليلة كل ما دعوت517 | عفت الدياركذكرى |
| دفع :غثم غثم غثم له دفع اليه من ماله دفعة 266 | عفت الديار محلها و مقامها 432، 433، 556 |
| دكا :فلما تجلى ربه للجبل جعله دكا 72، 82، 200 | دين :اذا جاء نصر الله يدخلون في دين الله افو اجا. 422 |
| دنی :دنیٰ فتدلی فکان قاب قوسین او ادنیٰ54، 296، | ان هذا الرجل يجوح الدين |
| 542 < 321 | قد جاء الدين من النصرة ثم سيعود من النصرة 437 |
| دنى منك الفضل | هو الذي ارسل رسوله بالهدي و دين الحق37، 194، |
| دنيا :ان عليك رحمتي في الدنيا و الدين195، 315، | 538 6521 6520 6409 6317 6302630162946231 |
| 543 | يحي الدين و يقيم الشريعة55 |
| انا آتيناك الدنيا وخزائن رحمة ربك301 | اليوم اكملت لكم دينكم219 |
| انا فتحنا عليك ابواب الدنيا | |
| انت مبارك في الدنيا والاخرة75، 547 | • |
| اني معك في الدنيا والآخرة635 | ذ |
| تؤثرون الحيوة الدنيا و في الدين تقصرون476 | |
| تؤثرون الحيوة الدنيا | ذالك :تفردنا بذالك |
| فتحنا عليك ابواب الدنيا | دخلتم الجنة وما علمتم ما الجنة ذالك اليوم الاخر |
| كتبت لك رحمة في الدنياو الاخرة570 | 630 |
| كن في الدنيا كانك غريب او عابر سبيل 197 | ذالك بما عصوا وكانوا يعتدون373، 380، 409، |
| لا يرى الله الا من نفى عن ارادات الدنيا كلها654 | 560 ،499 ،441 |
| نحن اولياء كم في الحيوة الدنيا و في الآخرة 521، 549 | ذالك فضل الله وفي اعينكم عجيب. 306، 551، 682 |
| واجعل لى غلبة في الدنيا و الدين662 | ذاهب : كلكم ذاهب |
| وان عليك رحمتي في الدنيا والدين62 | ذر ني والمكذبين0،، 321 |
| وجيها في الدنيا والاخرة | و ذرني والمكذبين اولى النعمة219 |
| ولهم بشري في الحيوة الدنيا | ذروني اقتل موسيٰ |
| الدهر :هل اتى على الانسان حين من الدهر لم يكن | قل الله ثم ذركل شيء502 |
| شيئًا مذكورا | قل الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون65، 195 |
| الدواء: فكلمه من كل باب ولن ينفعه الاهذا الدواء | قل الله ثم ذره في غيه يتمطىٰ |
| 339 | 626 a.b.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a.a |

| | من اعرض عن ذكري نبتليه بذرية فاسقة ملحدة362 |
|--|---|
| رءوف :ان الله رءوف رحيم | ذكر :اجرك قائم و ذكرك دائم 435 |
| كان الله بكم رء وفا رحيما | اقم الصلوة لذكري |
| رۇيا:اللهم اصرف سوء هذا الرؤ يا عنى422 | امثال الرحمة اول الذكر وآخر الذكر 636 |
| صدقت الرؤيا | انى معك ذكرتك فاذكرنى624 |
| صدقنا الرؤيا انا كذالك نجزي المتصدقين 463 | بشرهم بايام الله و ذكرهم تذكيرا582 |
| بارك الله في الهامك ووحيك و رؤياك 569 | بيت الفكرو بيت الذكر |
| يا نوح اسر رؤياك | رجال لا تلهيهم تجارة ولا بيع عن ذكر الله73 |
| هذا تاویل رؤیای من قبل وقد جعلها ربی حقا38 | عفت الديار كذكرى |
| رئیت :اذا جاء نصر الله والفتح و رئیت الناس یدخلون | لا ابقى لك في المخزيات ذكرا371 |
| في دين الله افواجا | لا تبق لي من المخزيات ذكرا568 |
| اذكر نعمتي رئيت خديجتي | لا نبقى لك من المخزيات ذكر ا452، 492، 493، |
| اشكر نعمتي رئيت خديجتي 22، 82 | 562 |
| رئيت عصيانهم وطغيانهم | ليس الذكر كالانثى |
| راد :وان يردك بخير فلا راد لفضله89 | من اعرض عن ذكري نبتليه بذرية فاسقة ملحدة362 |
| الرادفة :تتبعها الرادفة | ورفعنا لک ذکرک |
| راس :خذوا الرفق الرفق فان الرفق راس الخيرات. 323 | يرفع الله ذكرك |
| لو لا فضل الله ورحمته على لا لقى راسي في هذا | ذنب :يغفرلك الله ما تقدم من ذنبك وما تاخر657 |
| الكنيف الكنيف | ذو :ان الله عزيز ذوانتقام421 |
| راض :انی راض منک52 | انا الله فو المنن |
| تموت وانا راض منك | اني انا الرحمٰن ذوالمجد والعلى 256، 257، 271، 382 |
| راضية :يا ايتها النفس المطمئنة ارجعي الى ربك | اني انا الرحمٰن ذواللطف والندي 382، 410 |
| راضية مرضية75 | اني انا الله ذو الجود و العطاء594 |
| رافاك :سبحك الله ورافاك 412، 554 | اني انا الله ذو السلطان |
| رافعک :انی رافعک52 | اني انا ربك الرحمٰن ذو العزو السلطان623،620 |
| اني متو فيك ورافعك الى | ذو عقل متين |
| يا عبد الرافع اني رافعك الى97 | انك اليوم لذوحظ عظيم |
| يا عيسى اني متوفيك و رافعك الي80، 179 | ذوالفقار : كتاب الولى ذوالفقار على85، 198 |
| رب اجعلنی مبارکا حیثما کنت | |
| رب اجزه جزاء اوفيٰ430 | |
| رب اجعلني غالبا على غيري |) |

| رب لاترني موت احد منهم | رب احفظني فان القوم يتخذونني سخرة578 |
|--|---|
| رب نجني من غمي | رب اخر وقت هذا |
| رب هب لى ذرية طيبة | رب اخرجني من النار |
| سلام قولا من رب رحيم 276، 301، 306، 350، 410، | رب اذهب عنى الرجس و طهرني تطهيرا23 |
| 605 ، 503 ، 499 ، 463 ، 443 ، 411 | رب ارحمني ان فضلک و رحمتک ينجي من |
| فو رب السماء والارض انه لحق | العذاب |
| قل ان صلوتی و نسکی و محیای و مماتی للّٰه رب | رب ارنى انوارك الكلية534 |
| العالمين | رب ارنى آية من السماء |
| قل رب زدنی علما | رب ارنى زلزلة الساعة520، 521 |
| كلام افصحت من لدن رب كريم 290، 558، 558 | رب ارنى كيف تحى الموتى 37، 196، 339 |
| لا يهد بناؤك و تؤتيٰ من رب كريم622 | رب اشف زوجتي هذه واجعل لها بركات509 |
| و آخر دعوانا ان الحمد لله رب العالمين494 | رب اصح زوجتي هذه |
| والحمد لله رب العالمين | رب اصلح امة محمد |
| وحي من رب السموات العليٰ | رب اغفر وارحم من السماء 37، 71، 79، 196، 199، |
| ولم يبق الهموم لنا فانا توكلنا على رب العباد 663 | 339 |
| رُبَّ: رب اشعث اغبر لو اقسم على الله لابره 581 | رب انى مظلوم فانتصر 71، 199، 389، 560، 606، |
| ربک :ان ربک فعال لما يريد | رب اني مغلوب فانتصر |
| انی انا ربک | رب توفني مسلما والحقني بالصالحين563 |
| عسى ان يبعثك ربك مقاما محمودا156،126 | رب زد في عمري و في عمر زوجي331 |
| ما و دعک ربک و ما قلی82 | رب زدنی علما |
| وسوف يعطيك ربك فترضى | رب السجن احب الى مما يدعونني اليه79 |
| و کان ربک قدیرا | رب سلطني على النار518 |
| ويرضى عنك ربك ويتم اسمك | رب علمني ما هو خير عندك |
| يعقلك ربك بالكتاب والحكمة | رب فرق بين صادق و كاذب 532، 556، 625 |
| جاءك ربك الإعلى | رب كل شئى خادمك569 |
| اني انا ربك الاعلى | رب کل شئی خادمک رب فاحفظنی وانصرنی |
| اني انا ربك الرحمٰن ذوالعزوالسلطان623 | وارحمني |
| اني انا ربك القدير لامبدل لكلماتي 353 | رب لا تذرعلي الارض من الكافرين ديارا576 |
| ربكم :من ربكم عليكم | رب لا تذرني فردا وانت خير الوارثين196،37 |
| ربن ا :ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين156، 172، 305، | رب لا ترنى زلزلة الساعة513 |
| 605 - 557 | رب لا تضيع عمرى و عمرها |
| | |

| ينصرك رجال نوحي اليهم من السماء 39، 195، | ربنا اغفر لنا ذنوبنا ان كنا خاطئين550 |
|--|--|
| 623 (621 (541 (535 | ربنا اغفرلنا ان كنا خاطئين |
| لا يموت احد من رجالكم | ربنا افتح بيننا و بين قومنا بالحق |
| الرجل :ان هذا الرجل يجوح الدين | ربنا عاج |
| بركة زائدة على هذا الرجل | ربنا فاكتبنا مع الشاهدين |
| كبر عند الله موت هذا الرجل | ربنا لا تجعلنا طعمة للقوم الظالمين486 |
| ليحمله رجلليحمله رجل | ربنااننا سمعنا مناديا ينادي للايمان 40، 197، 541 |
| وقالوا لو لا نزل على رجل من قريتين عظيم62 | ان الذين قالوا ربنا الله ثم استقاموا681 |
| رد الله عليهم رجل من فارس543،57 | ربى :ان ربى رب السموات والارض279 |
| رجل کبير | ان ربی قوی قدیر |
| الرجس :رب اذهب عنى الرجس و طهرني تطهيرا .23 | انّ ربى قوى عزيز633،560 |
| انما يريد الله ليذهب عنكم الرجس اهل البيت584، | ان ربي كريم قرين616 |
| 595 (591 (585 | ان ربي لا يضل ولا ينسيٰ 287، 307 |
| الرحمٰن :انا الرحمٰن فاطلبني تجدني | ان معى ربى سيهدين37، 79، 139، 196،196، 222، |
| اني امرت من الرحمٰن فاتوني | 683 |
| اني انا الرحمٰن | ان معی ربی سیهدین |
| انى انا الرحمٰن اقدر ما اشاء | انه فضل ربى انه كان بى حفيًا |
| اني ارى الرحمٰن حل غضبه على الارض398 | انه فضل ربى انه كان بى حفيًا |
| اني انا الرحمٰن ثم اني انا الرحمٰن | انی بایعتک بایعنی ربی |
| اني انا الرحمٰن دافع الاذي | اي و ربي انه لحق لا يتبدل ولا يخفيٰ 287،287 |
| اني انا الرحمٰن ذواللطف والندي 382، 410 | بشرني ربي وقال مبشرا ستعرف يوم العيد 201 |
| اني انا الرحمٰن لا يخاف لدي المرسلون | علمه عند ربي لا يضل ربي ولا ينسي 598 |
| اني مع الرحمٰن في كل حالة | قل لو كان البحر مدادا لكلمات ربى لنفد البحر 142: |
| كتاب الله الرحمٰن | قل ما يعبؤ بكم ربى لو لا دعاءُ كم |
| يبدى لک الرحمٰن شيئا | قل هذا فضل ربى |
| الرحمٰن علم القرآن35، 178، 294، 296، 315، 538 | لا تيئسوا من خزائن رحمة ربى |
| رحم :رحم الله | ويسئلونك احق هو قل اي و ربي انه لحق128 |
| رحمك الله | رباع :مثنیٰ و ثلاث و رباع684 |
| رحماء : محمد رسول الله والذين معه اشداء على | رتقا :ان السموات والارض كانتا رتقا ففتقنهاما ا70، |
| الكفار رحماء بينهم | 562 ‹399 ‹302 ‹296 ‹199 |
| رحمة :اتقنط من رحمة الله الذي يربيكم في الارحام | رجال :رجال لا تلهيهم تجارة ولا بيع عن ذكر الله .73 |
| | ياتيك رجال نوحي اليهم من السماء574 |

| وحيم : آمنا من الله الرحيم | 575 |
|---|---|
| ان الله رؤف رحيم 378 | انزل الرحمة على من اشاء |
| اني انرت مكانك تنزيل من الله العزيز الرحيم320 | انزل فيها كل رحمة |
| بسم الله الغفور الرحيم | خزائن رحمة ربك |
| تنزيل من الله العزيز الرحيم | كتب الله على نفسه الرحمة |
| سلام قولا من رب رحيم 276، 301، 306، 350، 410، | نزلت الرحمة على الثلاث العين وعلى الاخر يين |
| 605 | 583 • 554 • 227 |
| كان الله بكم رء وفا رحيما | غرست لک بیدی رحمتی وقدرتی 72 |
| واني انرت مكانك تنزيل من الله العزيز الرحيم320 | فانظروا الى اثاررحمة الله |
| آمنا من الله الرحيم 389 | فبمارحمة من الله لنت لهم |
| رزق :ان الذين اتقوا والذين آمنوا لهم مغفرة و رزق | كتبت للذين امنوا رحمة في الدنيا و كتبت لك |
| كريم | رحمة في الدنياو الاخرة570 |
| اني مع كثرة رزقك | لا تيئسوا من خزائن رحمة الله |
| رسلى :كتب الله لاغلبن انا ورسلى 84، 399، 401 | نزلنا على هذا العبد رحمة |
| رسول:ان خبر رسول الله واقع 616، 616 | نزيد في رحمتك و صدقك ووفاء ك570 |
| انا ارسلنا اليكم رسولا شاهدا عليكم كما ارسلنا الي | وان عليك رحمتي في الدنيا والدين62 |
| فرعون رسو لا | وما ارسلناك الا رحمة للعالمين 408,64، 547 |
| اني مع الرسول اجيب | هذا من رحمة ربك |
| اني مع الرسول اقوم | فاحييناه برحمة منا |
| اني مع الرسول اقوم و افطر و اصوم | رحى :انت منى بمنزلة رحى الاسلام620 |
| اني مع الرسول اقوم و اقصدك واروم417 | الرحى تدور و ينزل القضاء |
| اني مع الرسول اقوم ولن ابرح الارض الى الوقت | الرحى يدور و ينزل القضاء |
| المعلوم | رد :ان الذين كفروا وصدوا عن سبيل الله رد الله |
| اني مع الرسول محيط | عليهم |
| بلغت قدم الرسول598 | رد الله الى |
| صدق الله ورسوله59 | رد اليها روحها وريحانها |
| قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا292 | رد عليها روحها وريحانها |
| وماكنا معذبين حتى نبعث رسولا 623، 623 | رد عليهم رجل من فارس296 |
| يا ليتني اتخذت مع الرسول سبيلا 305 | رددت اليها روحها و ريحانها 468، 464 |
| رشن الخبر | رددنا اليك الكرة الثانية |
| رضوان :اری رضوانه | الرحيل ثم الرحيل والموت قريب640 |
| رضى :الحق بشيعة موسى ورضى الله به قولا 585 | |

| الروم :غلبت الروم في ادني الارض 417، 420 | عبد القادر رضى الله عنه |
|--|--|
| ريب :وان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنا 26، ،، | رطبا :هذ اليك بجذع النخلة تساقط عليك رطبا |
| 682 | عنيا |
| ريح :اني اجد ريح يوسف لولا ان تفندون419 | الرعب :سنلقى في قلوبهم الرعب . 38، 85، 431، 431، 431 |
| اني لاجد ريح يوسف لولا ان تفندون 560، 657 | قذف في قلوبهم الرعب |
| | نصرت بالرعب53 |
| • | رعد :فيه ظلمات ورعد و برق119 |
| j | رفع :رفعت وجعلت مباركا |
| زاد الله عمرك | رفعه الله حجة الاسلام |
| الزبانية :فليدع الزبانية | ورفعنا لک ذکرک 630،624،622،463، 630 |
| رد :رب زد في عمري و في عمر زوجي | رفق :خذوا الرفق الرفق فان الرفق راس الخيرات 323 |
| رب زدنی علما | يا داود عامل بالناس رفقا وّ احسانا |
| قل رب زدنی علماقل رب زدنی | رفيع :اني معك يا امام رفيع القدر |
| زرع: كزرع اخرج شطئَه فاستغلظ | رقيم :ام حسبتم ان اصحاب الكهف والرقيم85 |
| زروع :انا اخرجنا لک زروعا يا ابراهيم | انزلناه على رقيمة من موسىٰ |
| زلزلت :زلزلت الارض فحق العذاب و تدلى638 | رکل :رکل ورکیٰ |
| زلزلة :اردت زمان الزلزلة | ركل وركىٰ فطوبىٰ لمن وجدو را ى 369، 551 |
| ارنى زلزلة الساعة | الرماح :برزما عندهم من الرماح 379، 858 |
| اريك زلزلة الساعة521، 529، 540، 552، 611 | رمى :ما رميت اذرميت ولكن الله رمى |
| رب ارنى زلزلة الساعة | 538 (194(104 (35 |
| رب لا ترنى زلزلة الساعة | روح :الا ان روح الله قريب295 |
| زلزلة الساعةزلزلة الساعة | انت منى بمنزلة روحي |
| هل اتاك حديث الزلزلة | اني رددت اليها روحها و ريحانها464 |
| يريكم الله زلزلة الساعة 520، 521، 552 | اني مع الروح اتيك بغتة |
| زمن :سياتي عليك زمن الشباب529 | اني مع الروح معک و مع اهلک550 |
| ياتيك عليك زمن كمثل زمن موسى 366، 408 | رد اليها روحها وريحانها |
| زهق :جاء الحق و زهق الباطل، 450، 629 | رددت اليها روحها و ريحانها 468، 468 |
| قل جاء الحق و زهق الباطلقل جاء الحق و | لا تيئسوا من روح الله.ان روح الله قريب446،167 |
| قل جاء الحق و زهق الباطل ان الباطل كا ن زهوقا .194 | نفخت فيک من لدني روح الصدق5، 72 |
| زوج :اصح زوجتی | ولا تيئس من روح الله 39، 172، 195، 540 |
| رب اصح زوجتي هذه | يلقى الروح على من يشاء |

| سبحك الله ورافاك 412، 554 |
|---|
| سبيل :انفقوا في سبيل الله ان كنتم مسلمين492 |
| لن يجعل الله للكافرين على المؤمنين سبيلا218 |
| ولتستبين سبيل المجرمين 176، 179، 194 |
| ست :يقضيٰ امره في ست |
| سجدا :خروا على الاذقان سجدا605 |
| خروا له سجدا |
| يخرون سجدا ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين264 |
| سجلنا : كتاب سجلناه من عندنا |
| السجن :رب السجن احب الي مما يدعونني اليه79 |
| سحر :افتاتون السحر و انتم تبصرون539 |
| ان هذا الا سحر يؤثر |
| وان يروا آية يعرضوا ويقولوا سحر مستمر 59، 590 |
| يقولوا سحر مستمر |
| سحق :فسحقهم تسحيقا |
| قد بعدوا من ماء الحياة فسحقهم تسحيقا377 |
| سخرة :رب احفظني فان القوم يتخذو نني سخرة578 |
| سو :انا نكشف السر عن ساقه |
| انت منی و سرک سری وانت مرادی و معی 162 |
| سرک سری74، 200، 295، 315، 371، 408، 544، |
| 603 |
| هذا هو الوعد كالسر المرموز |
| سعى الله الله الله الله الله الله الله الل |
| شكر الله سعيه |
| السفهاء: سيقول السفهاء ما ولهم قل الله اعلم 683 |
| قالوا أ نومن كما آمن السفهاء66 |
| سفينة :وكل هالك الا من قعد في سفينتي602 |
| سفينة و سكينة |
| السفيه: لا يصدق السفيه الاسيفة الهلاك |
| سكينة :سفينة و سكينة562 ، 562 |
| سلاسل :وانا اعتدنا للكافرين سلاسل و اغلالا 683 |

| 684 | وانبتنا فيها من كل زوج بهيج |
|---------------|----------------------------------|
| 198 ،128 | زوجنا کھا |
| م تمسسه نار58 | زیت :یکاد زیته یضیء ولو ل |
| 370 | زيد :قتل خيبة وزيد هيبة |
| 219 | زيدته الروائح |
| 635 | زينب : لا تقتلوا زينب |

س

| ساء: انا اذا نزلنابساحة قوم فساء صباح المنذرين.306 |
|--|
| سائل : آيات للسائلين |
| ساجدين :فاذا سويته فقعوا له ساجدين 167 |
| ساحر :انما صنعوا هو كيد ساحر |
| انهم ما صنعوا هو كيد ساحر |
| قالوا ساحر كذاب |
| وان هذان لساحران يريدان ان يخرجاكم |
| سار :طوبي لمن سن و سار |
| الساعة :ارنى زلزلة الساعة 475، 520 |
| اريك زلزلة الساعة521، 529، 540، 552، 611 |
| رب لا ترنى زلزلة الساعة |
| زلزلة الساعة |
| يريكم الله زلزلة الساعة 520، 521، 552 |
| السبت :الذين اعتدوا منكم في السبت601 |
| سبحان الذي اسرى بعبده ليلا 63، 543 |
| سبحان الله تبارك وتعالى زاد مجدك295، 301، |
| 542 |
| سبحان الله وبحمده سبحان الله العظيم 25، 674،675 |
| سبحان الله |
| سبحان الله انت وقاره |
| سيجانه و تعال عما يصفون 66، 407 |

| انا نرى تقلب وجهك في السماء188 | سلام :ثم يرد اليك السلام307 |
|---|---|
| انه نازل من السماء ما يغنيك | سلام على ابراهيم |
| اني معك في السماء والارض | سلام على امرك صرت فائز ا365 |
| تعهد و تمكن في السماء | سلام عليك جعلت مباركا |
| رب اغفر وارحم من السماء | سلام عليك ياابراهيم |
| فو رب السماء والارض انه لحق | السلام عليك |
| قال ربك انه نازل من السماء ما يرضيك518 | سلام عليك57، 547 |
| قل لى الارض والسماء قل لى سلام249 | سلام عليكم طبتم فادخلوها |
| لك درجة في السماء | سلام عليكم طبتم 295، 404، 410، 432، 553، 553 |
| مظهر الحق والعلاء كان الله نزل من السماء110 | السلام عليكم |
| نازل من السماء و نزل من السماء | سلام قولا من رب رحيم 276، 301، 306، 350، 410، |
| نريد ان ننزل عليك آيات من السماء196 | 605 ، 503 ، 499 ، 463 ، 443 ، 411 |
| نقلب في السماء | سلام ياابراهيم85 |
| والسماء معك كما هو معي | سلام614 |
| والسماء والطارق19 | سلاما سلاما سلاما |
| وانه نازل من السماء ما يرضيك534 | قل لي الارض والسماء قل لي سلام249 |
| ياتيك رجال نوحي اليهم من السماء | قلنا یا نار کونی بردا و سلاما |
| ينادي مناد من السماء | قلنا یا نار کونی بر دا و سلاما علی ابراهیم39 |
| ينصرك رجال نوحي اليهم من السماء535 | سلسلة :واما نرينك بعض الذي نعدهم للسلسلة 357 |
| يوم تاتي السماء بدخان مبين616 | السلطان :حكم الله الرحمٰن لخليفة الله السلطان.196 |
| السموات:ان السموات والارض كانتا رتقا ففتقنهما . | حكم الله الرحمٰن لخليفة الله المغل السلطان |
| 562 ،399 ،302 ،296 ،199 ،70 | سلطان القلم |
| ان ربى رب السموات والارض | سلط : رب سلطني على النار518 |
| معك جند السموات والارضين197 | سلمان :انت سلمان ومنى يا ذا البركات 515، 516 |
| وحي من رب السموات العليٰ | سلمان منا اهل البيت |
| يسبح له من في السموات ومن في الارض413 | سليم حامد مستبشرًا |
| سمع :سمع الدعاء | سليمان :ففهمناها سليمان85 |
| سمع الله انه سميع الدعاء75 | سم :اذا جاء افواج و سم من السماء478 |
| ربنااننا سمعنا مناديا ينادى للايمان | السماء: اذا جاء افواج و سم من السماء478 |
| قد سمع الله | الارض والسماء معك كما هو معى 249، 542 |
| وقالوا ما سمعنا بهذا في آبائنا الاولين302 | اصلها ثابت و فرعها في السماء45 |
| | |

| خاتم النبيين | وما سمعنا بهذا في ابائنا الاولين |
|---|--|
| سُيِّرَت : ولو ان قرآنا سيرت به الجبال59 | ويقولون انا سمعنا بهذا من الاولين682 |
| سيرة :خذ ها ولا تخف سنعيدها سيرتها الاولى219 | انت منى بمنزلة سمعى |
| خذها ولا تخف سنيعدها سيرتها | سميت :سميتك المتوكل |
| سيغفر | سميتك المتوكل 37، 196، 203، 294، 542 |
| سيغلبون :غلبت الروم في ادني الارض وهم بعد غلبهم | سن :طوبي لمن سن و سار161 |
| سيغلبون417، 417 | سُنّة:اطلع الله على همه وغمه ولن تجد لسنة الله |
| وهم من بعد غلبهم سيغلبون 633 ، 540 | تبديلا |
| سيف :اخترطنا سيفه | لن تجد لسنة الله تبديلا21 |
| لا يصدق السفيه الا سيفة الهلاك | سَنَة: بعد سنة واحدة |
| سيقلب الامر وما كانوا على الغيب مطلعين319 | سنين :ثمانين حولاًاو تزيد عليه سنينا5 |
| سيقول: سيقول السفهاء ما ولهم قل الله اعلم 683 | سهام: ان المنايا قد تطيش سهامها 573 |
| سيقول العدو لست مرسلا | ان المنايا لا تطيش سهامها672،573،478 |
| سينالهم غضب من ربهم616، 623 | سهولة :اني انا الرحمٰن ساجعل لك سهولة في امرك |
| سیهدی :ان معی ربی سیهدین 37، 79، 139، 196، | 432 |
| 222 • 216 | ساجعل لك سهولة في كل امر 434، 554 |
| سيهدى | الم نجعل لك سهولة في كل امر82 |
| قل ان معی ربی سیهدین | ولنجعل لک سهولة في كل امر514 |
| قل ان هدي الله هو الهدي وان معي ربي سيهدين | السهيل البدرى |
| 546 (199 (71 | سوء: اصرف عنك سوء الاقدار584 |
| کلا ان معی ربی سیهدین | اللهم اصرف سوء هذا الرؤ يا عني |
| سيهزم :سيهزم الجمع و يولون الدبر 23، 590، 660 | يتربصون عليك الدوائر عليهم دائرة السوء 158، |
| ام يقولون نحن جميع منتصر سيهزم الجمع ويولون | 304 |
| الدبر | سواء عليهم ء انذرتهم ام لم تنذر هم لا يؤمنون515 |
| سيهزم فلا يرى | سوف :سوف يعطيك ربك فترضي 408، |
| سيولد لكم الولد و يدنيٰ منكم الفضل 172،163 | ولسوف يعطيك فترضى |
| | من قام للجواب وتنمر فسوف يرى انه تندم و تذمر |
| *, | 330 |
| س | سيؤتى له الملك العظيم و يفتح على يده الخز ائن682 |
| | سيبدى الأمر و ننسفن نسفا |
| شائل :الا ان نصر الله قريب في شائل مقياس42 | سيد :صل على محمد وآل محمد سيد ولد آدم و |

| 294 | شاب: كشاب مسلوخة عند وعظ معطل665 |
|---|--|
| شفاء: وان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنافاتوا | شاتان تذبحان |
| بشفاء من مثله | الشافى :بسم الله الشافى |
| شفتيك :يا احمد فاضت الرحمة على شفتيك 73، | الشاكرين :اليس الله عليما بالشاكرين 200 |
| 558 | فكن من الشاكرين |
| شفيع الله | شان :شانک عجیب و اجرک قریب |
| شكر: شكر الله سعيه | 542 |
| ان شكرتم لازدينكم | كل يوم هو في شان85، 620 |
| على شكر المصائب | ما احسن شانک |
| شهادة :قل عندى شهادة من الله فهل انتم مسلمون .37 | يسئلونك عن شانك |
| قل عندى شهادة من الله فهل انتم تؤمنون407 | شانئك: ان شانئك هو الابتر 219، 220، 424، 580، |
| لاتقبل منهم شهادة | 631 |
| شهيدا :وجئنا بك على هؤ لاء شهيدا69 | شاهت الوجوه 270، 276، 472، 664، 664، 664 |
| قل كفي بالله شهيدا بيني و بينكم504 | شاهد :انا ارسلناه شاهدًا و مبشرًا و نذيرًا119 |
| شواظا :انا ارسلنا اليك شواظا من نار | ربنا فاكتبنا مع الشاهدين |
| شوكتي :والله اني غالب و سيظهر شوكتي602 | هذا شاهد نزاع43 |
| | - |
| شئت: اعمل ما شئت فاني قد غفرت لك84، 297 | شج و :فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك84، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربک لايؤمنون حتىٰ يحكموک فيما شجر بينهمم |
| شئت: اعمل ما شئت فاني قد غفرت لك84، 297 | شج و :فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك84، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربک لايؤمنون حتىٰ يحكموک فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك84، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك84، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك84، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربك لايؤمنون حتى يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 84، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 84، 28، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر :فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 428، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر بينهمم |
| ششت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 428، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر بفلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 428، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر بفلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر بينهمم |
| شفت: اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 428، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر بينهمم |
| عملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر بينهمم |
| عدد اعمل ما شئت فانى قد غفرت لك 428، 297 اعملوا ماشئتم انى غفرت لكم | شجر بينهمم |

| صالح :انه عبد غير صالح67 | الم تعلم ان الله على كل شيء قدير69 |
|--|--|
| صبر :الفتنة ههنا فاصبر كما صبر اولوالعزم82، 38 | والله خير من كل شيء |
| 546 ‹318 ‹317 ‹306 ‹296 ‹195 ‹69‹ | وان من شيء ٍالا عنده خزائنه |
| واستعينوا بالصبر والصلوة67 | ولا نبقى لك من المخزيات شئيا493 |
| واصبر على ما يقولون66 | ولا يصلح شيء قبل اصلاحه66 |
| فصبر جميل | يبدى لك الرحمٰن شئيا |
| صدق الله ورسوله 65، 296، 302 | شيبا :انه سيجعل الولدان شيبا |
| صدقت الرؤيا | شيعة :الحق بشيعة موسىٰ ورضى الله به قولا 585 |
| صدقنا الرؤيا انا كذالك نجزي المتصدقين463 | الشيخ :انت الشيخ المسيح الذي لا يضاع وقته |
| الفتنة والصدقات | 550 <318 |
| لا تخف صدقت قولىلا تخف صدقت قولى | انت الشيخ المسيح و اني معك ومع انصارك 304 |
| الصديق :وعلمت ان الصديق اعظم شانا و ارفع مكانا. | ما ضل الشيخ وما غوى |
| 210 | الشيطان :تالله لقد ارسلنا الى امم من قبلك فزين لهم |
| ان الصديق والفاروق وعثمان كانوا من اهل الصلاح | الشيطان |
| 209 | ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه319 |
| صراط :انک على صراط مستقيم. 62، 74، 302، 321 | الشياطين :هل انبئكم على من تنزل الشياطين 37، 540 |
| انك لمن المرسلين على صراط مستقيم398 | |
| صوت :سلام على امرك صرت فائز ا 365 | |
| الصفا :ان الصفا والمروة من شعائر الله653 | ص |
| الصفة :اصحاب الصفة وما ادراك ما اصحاب الصفة | |
| 40 | الصابرين :ان الصابرين يوفيٰ اجرهم بغير حساب.130 |
| صل :وصل على محمد | صادق:ان الله مع الذين اهتدوا وهم صادقون557 |
| صل على محمد وآل محمد سيد ولد آدم198 | ان الله مع الصادقين |
| صل على محمد و آل محمد سيد ولد آدم و خاتم | اني انجي الصادقين |
| النبيين | رب فرق بين صادق و كاذب 532، 556، 625 |
| صلى الله عليك وعلى محمد661 | قل اني من الصادقين |
| انا اعطيناك الكوثر فصل73، 334، 395، 440، 440، | قل هاتوا برهانكم ان كنتم صادقين |
| 558 • 514 | قل ياايها الكفار انى من الصادقين551 |
| الصلاح :ان الصديق والفاروق وعثمان كانوا من اهل | و انبئوني من مثل هؤلاء ان كنتم صادقين |
| الصلاح | صافيناه ونجيناه من الغم |
| صلحاء: يصلون عليك صلحاء العرب وابدال الشام | الصاعقة :اني انا الصاعقة |

| الطارق :والسماء والطارق | 129 |
|--|--|
| طبتم :سلام عليكم طبتم ا منين404، 410، 432، 535، | صلواة :اقم الصلوة لذكري |
| 553 | صلوتک خيرو ابقيٰ. ان صلوتک سکن لهم630 |
| سلام عليكم طبتم فادخلوها | صلواة العرش الى الفرش 466، 469، 553 |
| الطعام :يطعمون الطعام على حبه مسكينا و يتيما 437 | واستعينوا بالصبر والصلوة |
| طعمة :ربنا لا تجعلنا طعمة للقوم الظالمين684 | صنيعة :وانه صنيعة احسان الحضرة و مطية تبليغ |
| طغيانهم :اني رأيت عصيانهم وطغيانهم123 | الناس |
| طفلى :برق طفلى بشير | الصمد :قوة الرحمٰن لعبيد الله الصمد |
| طلع البدر علينا من ثنية الوداع | الصهر :الحمد لله الذي جعل لكم الصهر والنسب .30 |
| طمث :يريدون ان يروا طمثك | الصواب : فقلت اني ارى الصواب في تعظيم الالهام |
| طهرني :رب اذهب عني الرجس و طهرني تطهيرا23 | 580 |
| طوبي :فطوبيٰ لمن وجد و راي559 | صورة: فقد سرنى فى هذه الصور صورة |
| فطوبي لمن سنّ و سار | ` |
| ركل وركىٰ فطوبىٰ لمن وجد و را ى369 | ض |
| طول الله عمرك441 طول الله عمر ك | |
| طيب :احل له الطيبات | ضاقت الارض بما رحبت 382، 560 |
| طيب مقبول الرحمن | ضال :مات ضال هائما |
| وما كان الله ليتركك حتى يميز الخبيث من الطيب | ووجدك ضالا فهدى |
| 53 | ضر:ان يمسسك بضر فلا كاشف له الا هو89 |
| طيبة :رب هب لى ذرية طيبة | :ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة مزجاة |
| لنحيينك حيوة طيبة | 570 |
| الطير: يا جبال اوبي معه والطير 373، 377، 550 | ضرب :ضرب الله اشد من ضرب الناس271 |
| | ضروب :واني اجرد نفسي من ضروب الخطاب176، |
| ظ | 196 |
| | ضلال :بل الذين كفروا في ضلال مبين199 |
| | ضيف: قل لضيفك انى متوفيك.قل لاخيك انى |
| الظالم: وقيل بعدا للقوم الظالمين | متوفيک89 |
| ويعض الظالم على يديه | |
| ظفر :ظفر مبين | b |
| ظفر من الله و فتح مبينظفر من الله و فتح مبين | |
| ظفر و فتح من الله | طار: انت الذي طار الحروجه 594 ، 592 |

| العالم: انا سننذر العالم كله |
|---|
| نعلم الامر وانا لعالمون |
| العالمين :اني فضلتك على العالمين99 |
| الحمد لله رب العالمين |
| قل ان صلوتی و نسکی و محیای و مماتی لله رب |
| العالمين |
| و آخر دعونا ان الحمد لله رب العالمين494 |
| واني فضلتك على العالمين |
| وما ارسلناك الا رحمة للعالمين 408,64، 547 |
| و آتاني مالم يؤت احد من العالمين562 |
| عام: انا نجد الوارثين في كل عام يتزايدون391 |
| العامة :من الناس و العامة |
| :لا تطا قدم العامة قدم النبي |
| عامل :قل اعملوا على مكانتكم انى عامل |
| 551-547-294 |
| يا داود عامل بالناس رفقا وّ احسانا |
| عباد : ادع عبادى الى الحق |
| ان اللَّه مع عباده يواسيك |
| قل لعبادي انني امرت وانا اول المؤمنين175 |
| و اذا سالک عبادی عنی فانی قریب64 |
| ولم يبق الهموم لنا فانا توكلنا على رب العباد 663 |
| يجتبى من يشاء من عباده |
| يدعون لك ابدال الشام وعباد الله من العرب100 |
| عبد :اليس الله بكاف عبده48،200، 273، 200، 373، |
| 691 ، 582 ، 550 ، 547 ، 399 |
| ان كنتم في ريب مما ايدنا عبدنا فاتوا بكتاب من مثله . |
| 10444404446 |
| انه عبد غير صالح |
| عبد القادر رضى الله عنه465 |
| يا عبد القادر اني معک اسمع و ارى |
| يا عبد الله اني معك |



| عابر : كن في الدنيا كانك غريب او عابر سبيل 197 |
|---|
| عاج :ربنا عاج |
| عادة :قد جرت عادة الله انه لا ينفع الاموات الا الدعاء |
| 339 |
| عادى :انه كريم تمشى امامك وعادى من عادى 366 |
| انه كريم تمشى امامك وعادي لك من عادي |
| 408،441،554 |
| عسى الله ان يجعل بينكم وبين الذين عاديتم مودة |
| 321 <308 |
| من عادى وليا فقد اذنته للحرب |
| ومن عادي وليا فقد بارزته للحرب |
| من عادى وليا لى فكانما خر من السماء 623 |
| عارض: اشراق العارض بعد اصلاح العارض437 |
| عاصم : لا عاصم اليوم الا الله |
| مالهم من الله من عاصم |

| عبيد :قوة الرحمٰن لعبيد الله الصمد | صلواة العرش الى الفرش 466، 469، 553 |
|--|---|
| عثمان :واظهر ربي ان الصديق والفاروق وعثمان | يحمدك الله من عرشه37، 196،38، 203، 239، |
| كانوا من اهل الصلاح209 | 407 •316 •294 |
| عجبا :أكان للناس عجبا 63، 195، 295، 544 | عرض :ان هذا القرآن عرض على اقوام فما دخل فيهم |
| ام حسبتم ان اصحاب الكهف والرقيم كانوا من | 656 |
| آياتناعجبا | عزيز :امر من الله العزيز الاكرم409 |
| ساكرمك اكراما عجبا400،378،376 | اني مع الله العزيز الاكبر 254، 658 |
| سننجيك سنعليك سنكرمك اكراما عجبا | تنزيل من الله العزيز الرحيم |
| 608 ‹550 ‹441 | حبا من الله العزيز الاكرم |
| عجل :عجل جسد له خوار 186، 200 | قل ان الله عزيز ذو الاقتدار افلا تؤمنون482 |
| عجّل عجّل | العسر :بعد العسر يسر |
| عجيب :ذالك فضل الله وفي اعينكم عجيب551 | عسعس :والموت اذا عسعس |
| 682 · | عسىٰ: عسى الله ان يجعل بينكم وبين الذين عاديتم |
| شانک عجيب و اجرک قريب 52، 197، 408 | مودة |
| قل هو الله عجيب48، 65، 85، 169، 172، 195، 408، | عسى ان تكرهوا شئيا وهو خير لكم 218، 307، 318 |
| 559 | عسى ان يبعثك ربك مقاما محمو دا126،156، 345 |
| العدا :يعصمك الله من العدا ويسطو بكل من سطا | عسى ربكم ان يرحمكم |
| 550 | وعسىٰ ان تحبوا شيئًا وهو شرلكم وعسىٰ ان تكرهوا |
| العدو :انا تجالدنا فانقطع العدو و اسبابه 275، 276 | شيئا وهو خير لكم 318،70 |
| الله عدو الكاذب وانه يوصله الى جهنم573 | العشاق انى مع العشاق |
| عدو لی و عدو لک | ع شقک قائم ووصلک دائم621 |
| عدوانا :يا مسيح الخلق عدوانا | عشيرتك :وانذر عشيرتك الاقربين198 |
| العذاب: امم حق عليهم العذاب | العصابة: اللهم ان اهلكت هذه العصابة فلن تعبد في |
| وقت الابتلاء ووقت الاصطفاء ولا يرد وقت العذاب | الارضا |
| 218 | عصوا : ذالك بما عصوا وكانوا يعتدون 373، 380، |
| العرب :يدعون لك ابدال الشام وعباد الله من العرب | 560 ،499 ،441 ،409 |
| 100 | عطاء غير مجذو ذ |
| يصلون عليك صلحاء العرب وابدال الشام129 | اني انا الله ذوالجود والعطاء594 |
| عرش :ان ذاالعرش يدعوك562 | عظيم :وقالوا لو لا نزل على رجل من قريتين عظيم 62 |
| انت منى بمنزلة عرشى427، 441، 442، 469، 548، | عفا الله عنك لم اذنت لهم |
| 620 | عفت :عفت الديار محلها و مقامها 432، 433، 556، 433 |
| تصلى عليك الارض و يحمدك الله عن عرشه .129 | , J , J , |

| عمانوايل: اسمه عمانوايل238 | عفت الديار كذكرى503 |
|---|--|
| عمر :ع مر91 | عفونا :انا عفونا عنك561 |
| رب لا تضيع عمرى و عمرها | عقب :ايتها المرء ة توبي توبي فان البلاء على عقبك |
| زاد الله عمرك | 128،108 |
| طول الله عمرك | انقلب على عقبيه598 |
| نزيد عمركنيد عمرك | عقل :ذو عقل متين |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون | علاج :هذا علاج الوقت والنربسي |
| 547 •539 •302 •199 •70 | علم :الله ولى حنان علم القرآن |
| عمره الله على خلاف التوقع | الرحمٰن علم القرآن |
| عميق :ياتون من كل فج عميق | علم الدرمان572 |
| 623 6565 6541 6246 639 | علمک مالم تعلم |
| ياتيك من كل فج عميق39، 163، 195، 281، 295، | علمني ما هو خير عندك |
| 574 < 565 < 540 < 535 < 482 < 465 < 395 < 301 | علمه عند ربي لا يضل ربي ولا ينسي 598 |
| عناية الله حافظك 44، 84، 307، 308 | كل بركة من محمد عُلَيْكِ فتبارك من علم و تعلم |
| عناية الله حافظه | 555 ‹36 |
| عند :عند ذالك اوشك الرداى | قل الله اعلم وما اوتيتم من علمه الا قليلا683 |
| عندى حسنة هي خير من جبل 524، 558 | وعلمك مالم تعلم |
| عندى شهادة من الله | وعلمكم ما لم تكونوا تعلمون |
| عندى معالجات | العلى :انه هو العلى العظيم |
| ان الذين آمنوا ان لهم قدم صدق عند ربهم 499 | العُليٰ :انا نبشرك بغلام مظهر الحق والعليٰ554 |
| برزما عندهم من الرماح | اني انا الرحمٰن ذوالمجد والعليٰ256، 257، 271، |
| ترى نصرا من عند الله 418، 418 | 382 < 309 |
| كبر عند الله موت هذا الرجل | مظهر الحق والعلى كان الله نزل من السماء 110، |
| عهدا :افاتخذتم عند الله عهدا فلن يخلف الله425 | 588 ،319 ،149 ،144 |
| العوام :يا ايها العوام اتبعوا الامام | وحي من رب السموات العليٰ |
| عيسى ا:ان مثل عيسى عند الله كمثل آدم683 | على :كتاب الولى ذو الفقار على58 |
| انت اشد مناسبة بعيسي ابن مريم و اشبه الناس143 | على ٰ:علىٰ اصوله القديم512 |
| انت عيسى الذي لا يضاع وقته | على شكر المصائب |
| اني جاعلک عيسي ابن مريم | على مشرب الحسن |
| انی خلقتک من جوهر عیسی وانک و عیسیٰ من | عليما :اليس الله عليما بالشاكرين |
| جوهر واحد | عليك بركات وسلام |
| | |

| غريب :كن في الدنيا كانك غريب او عابر سبيل 197 |
|---|
| غريم: وتلزمك المصائب ملازمة الغريم580 |
| غضب: اذا غضبت غضبت 371، 441، 441، 549 |
| ان الذين يصدون عن سبيل الله سينالهم غضب 271 |
| 6164 |
| حل غضبه على الارض |
| سينالهم غضب من ربهم |
| غضبت غضبا شديداغضبا شديدا |
| الغفار: انى مع الغفار اتيك بغتة |
| غفرت :اعمل ما شئت فاني قد غفرت لك84 |
| اعملوا ماشئتم اني غفرت لكم |
| الغفور :بسم الله الغفور الرحيم |
| غلام :اصبر مليا ساهب لک غلاما زكيا 277 |
| انا نبشرك بغلام حسين29 |
| انا نبشرك بغلام حليم |
| بشرى لک يا غلام احمد |
| ساهب لک غلام زکیا |
| غلبت الروم في ادني الارض وهم بعد غلبهم سيغلبون |
| 682 ،441 ،420 ،417 |
| غلبة :لك الفتح ولك الغلبة415 |
| واجعل لي غلبة في الدنيا و الدين662 |
| غليظ :ولو كنت فظا غليظ القلب لا نفضوا من |
| حولک59 |
| غم :اني منجيك من الغم84، 295 |
| اطلع الله على همه و غمه |
| اطلع الله على همه وغمه ولن تجد لسنة الله تبديلا |
| 211 |
| رب نجني من غمي |
| صافيناه ونجيناه من الغم85، 297 |
| نجيناك من الغم189 |
| ننجيك من الغم |
| 1 |

| فزع عيسيٰ ومن معه |
|---|
| يا عيسى سأريك آياتي الكبراي |
| العيد:العيد الاخر تنال منه فتحا عظيما586 |
| اليوم يوم عيد |
| بشرني ربى وقال مبشرا ستعرف يوم العيد |
| والعيداقرب201 |
| عين :الرحمة على الثلاث العين وعلى الاخر يين554 |
| نزلت الرحمة على ثلاث . العين وعلى الاخر يين 227 |
| اصنع الفلك باعيننا ووحينا |
| انك باعيننا سميتك المتوكل |
| ترى اعينهم تفيض من الدمع 40، 197، 541 |
| ذالك فضل الله وفي اعينكم عجيب. 306، 551، 682 |
| فتوكل على الله واصنع الفلك باعيننا و وحينا196 |



| غاسق الله 374، 375، 374 |
|---|
| الفاشية :يوم تاتيك الغاشية يوم تنجو كل نفس 261 |
| الغافلين :وترى الغافلين يخرون على المساجد200 |
| الغالب :الا ان حزب الله هم الغالبون |
| غالب :والله غالب على امره |
| وانه غالب على امره ولكن اكثر الناس لا يعلمون406 |
| رب اجعلني غالبا على غيري |
| غثم غثم غثم له دفع اليه من ماله دفعة |
| غدا :آتيک غدا |
| ولا تقولن لشئى انى فاعل ذالك غدا |
| غرست :اذكر عليك نعمتي غرست لك بيدي .428 |
| غرست كرامتك بيدى 63، 195، 295 |
| غرست لک بیدي و رحمتي وقدرتي 72، 199 |
| غرست لک قدرتی بیدی |

| ننجيهما من الغم |
|---|
| و نجيناك من الغم و فتناك فتونا |
| يخرج همه و غمه دوحة اسماعيل507 |
| ينجيك من الغم وكان ربك قديرا 645 |
| الغيث :هوالذي ينزل الغيث من بعد ما قنطوا 79، 297 |
| وانها غيث من الله291 |
| غير :افلا يتدبرون امرك ولو كان من عند غير الله .93 |
| ان الصابرين يوفيٰ اجرهم بغير حساب130 |
| انه عبد غير صالح67 |
| اني انا الله فاعبدني ولا تستعن من غيري306 |
| رب اجعلني غالبا على غيرى |
| عطاء غير مجذوذ |
| فان المهدي يهدي الى امور لا يهدي اليها غيره 204 |
| :قل لو كان الامر من عند غير اللَّه لوجدتم فيه اختلافا |
| كثيرا142، 561، 561، 561، 561، 561، 561، 561، 561 |
| قل لو كان من عند غير الله لوجدوا فيه اختلافا كثيرًا |
| 305 |
| لا يقبل عمل مثقال ذرة من غير التقوى 503، 547 |
| وخرقوا له بنين وبنات بغير علم |
| وعد غير مكذوب628 |
| ومن يبتغ غير الاسلام دينا لن يقبل منه |
| ومن يبتغ غيره لن يقبل منه |
| يموت بغير مرض |
| يوم تبدل الارض غير الارض189 |
| غيض الماء غيض الماء |
| غيض الماء و قضى الامر 276، 275 ، 276 |
| |
| , j |
| |
| |
| الفئتان :اذا التقى الفئتان |
| |

| 257 •256 | ظفر من الله و فتح مبين |
|--|--|
| فرعها :اصلها ثابت و فرعها في السماء45 | العيد الاخر تنال منه فتحا عظيما |
| فرعون :ان فرعون و هامان وجنودهما كانوا خاطئين | فتح الولى فتح |
| 451 | فتح فتح |
| ونري فرعون و هامان و جنودهما | فتح و ظفر |
| فريا :لقد جئت شيئًا فريا57 | فتحنا عليك ابواب الدنيا |
| فزع عيسى ومن معه | قد جاء وقت الفتح والفتح اقر ب 162، 172 |
| فشل :انت مخلوق من مائنا القديم و هم من الفشل | قد جاء كم الفتح |
| 165 | كل الفتح بعده |
| انت من مائنا وهم من فشل | لك الفتح ولك الغلبة |
| فصل :ان يومى لفصل عظيم | نصرمن الله و فتح قريب 351، 521، 632 |
| جئت فصل الفتح | وبشر الذين آمنوا ان لهم فتح |
| واذا جاء نصر الله وتوجهت لفصل الخطاب305 | يوم الاثنين و فتح الحنين |
| وسانزل وان يومي لفصل عظيم | فتنا :فتنا بعضهم من بعض |
| فصل ّ:انا اعطينك الكوثر فصل ربك | ونجيناك من الغم و فتناك فتونا72 |
| 558 514 440 439 395 334 73 | فتتقنا :ان السماوات والارض كانتا رتقا ففتقنهاما |
| فضل:ان فضل الله لآت | 562 |
| ان يومي لفضل عظيم | فتنة :الفتنة ههنا فاصبر كما صبر اولوالعزم82، 38 |
| انه فضل ربى انه كان بى حفيًا | 546 :318 :317 :306 :296 :195 :69 |
| جاءك النور وهو افضل منك | الفتنة والصدقات |
| دنى منك الفضل | الا انها فتنة من الله ليحب حبا جما69 |
| ذالك فضل الله وفي اعينكم عجيب. 306، 551، 682 | كبرت فتنة |
| رب ارحمني ان فضلک و رحمتک ينجي من | فحان ان تعان و تعرف بين الناس 53، 179، 197، 295، |
| العذاب | 315 |
| سيولد لكم الولد و يدني منكم الفضل 172،163 | فج :ياتون من كل فج عميق.39، 246، 541، 565، 623 |
| فضل من لدنا | ياتيك من كل فج عميق39، 163، 195، 281، 295، |
| فضل يسير | 574 • 565 • 540 • 535 • 482 • 465 • 395 • 301 |
| قل هذا فضل ربي | فخذا :ترى فخذا اليما |
| كان فضل الله عليك عظيما | الفرج :ياتيك الفرج549 |
| لا راد لفضلهلا راد لفضله | الفرش :صلواة العرش الى الفرش 466، 469، 553 |
| لو لا فضل الله ورحمته على لا لقى راسى282 | فرض :ان الذي فرض عليك القرآن لرادك الى معاد |
| | |

| 80:75:48 | ما انت بفضله من مجانين |
|--|---|
| فهم: ففهمناها سليمان | وان يردك بخير فلاراد لفضله |
| فيل :الم تر كيف فعل ربك باصحاب الفيل 399، | فضلناک على ماسواک602 |
| 653 ،626 ،621 ،560 ،482 ،441 ،401 | و انى فضلتك على العالمين،، ،، 295 |
| | و فضله قوم متشاكسون |
| " | ولقد كرمنا بني آدم و فضلنا بعضهم |
| ق | يولد لك الولد ويدني منك الفضل164 |
| | فظا :ولو كنت فظا غليظ القلب59 |
| القائم: التا القائم على نفسه | فعال :ان ربک فعال لما يريد75، 126، 128، 174، |
| قاب :دني فتدلي فكان قاب قوسين او ادني54، 542 | 408 |
| قابل :انت قابل ياتيك وابل | انه فعال لما يريد |
| قاتلهم الله انلَى يؤفكون | فعال لما يريد |
| قادر :قادر على الاجتماع والاجماع والجمع 659 | فعل :قل اتعجبون من فعل الله |
| عبد القادر رضى الله عنه | الم تر كيف فعل ربك باصحاب الفيل 399، 401، |
| يا عبد القادر | 653 |
| يا عبد القادر اني معك | قل ما فعلت الا ما امرني الله |
| یا عبد القادر انی معک اسمع و اری73، 199 | فقط :اني مع الرسول فقط437 |
| انا مقتدرون وانا قادرون | الفلق :قل اعوذ برب الفلق من شر ما خلق65 |
| القاديان :انا انز لناه قريبا من القاديان 63، 649 | الفلك : اذا عزمت فتوكل على الله واصنع الفلك |
| قال :قال اني اعلم مالا تعلمون | باعيننا ووحينا |
| قال ربك انه نازل من السماء ما يرضيك . 518، 569 | اصنع الفلك باعيننا ووحينا545،409 |
| قال لاخوف عليكم لاغلبن انا و رسلي320 | اصنع الفلك باعيننا ووحينا و قم و انذر175 |
| وبشرني ربي وقال مبشرا ستعرف يوم العيد 201 | فتوكل على الله واصنع الفلك باعيننا و وحينا196 |
| لنهلكنكم قال لا خوف عليكم | فوق: الفوق معك والتحت مع اعدائك308، 319، |
| اذ قال ربك اني جاعل في الارض خليفة304 | 345 |
| قالت ياليتني مت قبل هذاقالت ياليتني مت قبل هذا | فوق حميد |
| قالوا :وقالوا اني لک هذا | ترزقون من فوقكم ومن تحت ارجلكم429 |
| وقالوا ان هذا الا اختلاق | ان الذين يبايعونك انما يبايعون اللُّه يد اللُّه فوق ايدهم |
| قالوا اتجعل فيها من يفسد فيها | 545 4196 |
| قالوا ان التفسير ليس بشيء | وانى جاعل الذين اتبعوك فوق الذين كفروا 301 |
| قالوا ان هذا الا اختلاق 195، 295، 302، 321، 554، | وجاعل الذين اتبعوك فوق الذين كفرا الى يوم القيامة |

| وقالوا لات حين مناص | 561 |
|---|--|
| وقالوا لست مرسلا | قالوا ان هذا الا قول البشر |
| وقالوا لو لا نزل على رجل من قريتين عظيم | قالوا ان هذا لمكر مكرتموه في المدينة 296 |
| 497 • 296 • 62 | قالوا ان هو الا افك افترى316 |
| وقالوا ما سمعنا بهذا في آباء نا الاولين302 | قالوا انى لک هذا |
| وقالوا متىٰ الوعدا163 | اذا جاء نصر الله الست بربكم قالوا بلى74 |
| وقالوا من ذاالذي يشفع عنده | قالوا تاللُّه تفتئوا تذكر يوسف حتىٰ تكون حرضا130 |
| قبس :لعلى آتيكم منها بقبس او اجد على النار هدى | قالوا ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين305 |
| 422 | قالوا ساحر كذاب219 |
| قبل :تاللُّه لقد ارسلنا الى امم من قبلك فزين لهم | قالوا سيقلب الامر وما كانوا على الغيب مطلعين301، |
| الشيطان | 319 |
| فاجاءها المخاض الي جذع النخلة قالت ياليتني مت | قالوا لست مرسلا |
| قبل هذا وكنت نسيا منسيا | قالوا لنهلكنك |
| قال ياليتني مت قبل هذا 57 | قالوا لولا نزل على رجل من قريتين عظيم547 |
| يموت قبل از ثمانيه | قالوا ما سمعنا بهذا في آبائنا الاولين302 |
| قالت ياليتني مت قبل هذاقالت ياليتني مت قبل هذا | قالوا من ذاالذي يشفع عنده هيهات هيهات لما |
| 0. 3 | • |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 537، 537 | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 537، 537 | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547، ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547، 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | قالوا كتاب ممتلى من الكفر والكذب |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547 549 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | قالوا كتاب ممتلى من الكفر والكذب |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547، 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | قالوا كتاب ممتلى من الكفر والكذب |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | توعدون |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 547، 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | قالوا كتاب ممتلى من الكفر والكذب |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | قالوا كتاب ممتلى من الكفر والكذب |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 547 539 ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه | لوا كذاب ممتلى من الكفر والكذب |
| لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون 199، 302، 539 319 | قالوا كتاب ممتلى من الكفر والكذب |

| فربناه نجيا | قد جاء الدين من النصرة ثم سيعود من النصرة437 |
|---|--|
| قريب :الا ان روح الله قريب 295، 301 | قد جاء وقت الفتح والفتح قريب 169، 172 |
| الا ان نصر الله قريب في شائل مقياس42 | قد جاء كم الفتح |
| الا ان نصر الله قريب | قد جرت عادة الله انه لا ينفع الاموات الا الدعاء .339 |
| 540 ،301 ،295 ،195 ،63 ،42 ،39 | قد افلح من زكها و قد خاب من دسها 621، 623 |
| الرحيل ثم الرحيل والموت قريب640 | قد سمع الله |
| ان حبى قريب انه قريب مستتر 287، 307 | قدرتي :غرست لک بيدي رحمتي و قدرتي72 |
| ان حبى قريب مستتر | غرست لک قدرتي بيديعرست لک |
| ان نوری قریب172،164،163 | قدم : لا تطا قدم العامة قدم النبي |
| انا انزلناه قريبا من القاديان 54، 296، 302، 549، 549، | وبشر الذين آمنوا ان لهم قدم صدق541 |
| انما نؤخرهم الى اجل مسمى اجل قريب305 | قدير :اء نت لا تعرفين القدير609 |
| بل موتک قریب | انى انا ربك القدير المبدل لكلماتي353 |
| ثمانين حولاً او قريباً من ذالك 5،149، 301، 318 | الم تعلم ان الله على كل شيء قدير69 |
| شانک عجیب و اجرک قریب | ظلموا وان الله على نصرهم لقدير |
| 542 | و کان ربک قدیرا |
| قد جاء وقت الفتح والفتح قريب 169، 172 | قذف في قلوبهم الرعب628 |
| نصر من الله و فتح قريب 229، 351، 521، 632 | قرآن :ان الذي فرض عليك القرآن لرادك الى معاد |
| واذا سالک عبادی عنی فانی قریب64 | 257 <255 |
| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 | ان هذا القرآن عرض على اقوام فما دخل فيهم656 |
| | |
| قرية :انه آوى القرية | الخيركله في القرآن |
| قرية :انه آوى القرية | الخير كله في القرآن |
| | الخيركله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون672 | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخيركله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | الخير كله في القرآن |
| حرام على قرية اهكناها انهم لا يرجعون | النحير كله في القرآن |

| قل بل ملة ابر اهيم حنيفا | قل اعملوا على مكانتكم 294، 304، 547، 551 |
|---|--|
| قل تربصوا الاجل واني معكم من المتربصين 181 | قل اعوذ برب الفلق من شر ما حلق65 |
| قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم | قل الحمد لله الذي اذهب عنى الحزن 176 |
| 176 | قل الله اعلم وما اوتيتم من علمه الا قليلا683 |
| قل جاء الحق و زهق الباطل ان الباطل كا ن زهوقا35، | قل الله ثم ذركل شيء502 |
| 538 (194 | قل الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون،،، 295، 399، |
| قل جاء الحق و زهق الباطل 308، 323، 626 | 618 |
| قل جاء كم نور من الله 85، 296، 545 | قل الله ثم ذر في غيه يتمطى307،287 |
| قل رب انی اخترتک علی کل شیء319 | قل الله حافظه84 |
| قل رب زدنی علماقل رب زدنی علما | قل ان افتريته فعلى اجرام شديد |
| قل عندي شهادة من الله فهل انتم تؤمنون 407، 482 | قل ان افتريته فعلى اجرامي37، 38، 194، 295، 302، |
| قل عندي شهادة من الله فهل انتم مومنون96،79،37، | 547 |
| 561 ،539 ،451 ،316،292 ، | 547 قل ان الله عزيز ذو الاقتدار افلا تؤمنون |
| قل عندي شهادة من الله فهل انتم مسلمون37، 196، | قل ان صلوتی و نسکی و محیای و مماتی للّٰه رب |
| 539 | العالمين |
| قل كفي بالله شهيدا بيني و بينكم | قل ان كنتم تحبون الله فاتبعوني |
| قل لاخيك اني متوفيك | ، 294، 292، 198، 179، 177، 158، 142، 62، 448، 37 |
| قل لضيفك اني متوفيك89 | 547 |
| قل لعبادي انني امرت وانا اول المؤمنين175 | قل ان معی ربی سیهدین |
| قل للمؤمنين يغضوا من ابصارهم64 | قل ان وعد الله حق |
| :قل لو كان الامر من عند غير الله لوجدتم فيه اختلافا | قل ان هدى الله هو الهدى 302، 325 |
| كثيرا | قل ان هدى الله هو الهدى وان معى ربى سيهدين |
| قل لو كان البحر مدادا لكلمات ربى لنفد البحر 142 | 546 (199 (71 |
| قل لو كان من عند غير الله لوجدوا فيه اختلافا305 | قل انما انا بشر مثلكم يوحى الى انما الهكم 70، 199، |
| قل لى الارض والسماء قل لى سلام249 | 546 ‹546 ‹357 ‹296 |
| قل ما ازیدلکم من امری | قل اني امرت لكم فافعلوا ما تؤمرون623 |
| قل ما لک حیلة | قل اني امرت وانا اول المومنين 158، 179، 194، 194، |
| قل ما يعبؤ بكم ربى لو لا دعاء ُكم 15، 503 | 538 |
| قل ما فعلت الا ما امرني الله | قل انى من الصادقين |
| قل هاتوا برهانكم ان كنتم صادقين 37، 46، 296 | قل انی نذیر مبین |
| قل هذا فضل ربى | قل ا ي و ربي انه لحق 287، 305، 307، 552،552 |
| | |

| قمر :ياتي قمر الانبياء و امرك يتاتي 168، 172، 174، | قل هو الله احد |
|---|---|
| 561 | قل هو الله اعجب العجيبين |
| ياتيك قمر الانبياء و امرك يتاتى 165، 200 | قل هو الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون295 |
| يا قمر يا شمس انت مني وانا منك | قل هو الله عجيب48،65، 169، 172، 195، 295، |
| ترىٰ نسلاً بعيدًا ابناء القمر308 | 559 •544 •408 •297 |
| قنطوا :هو الذي ينزل الغيث من بعد ما قنطوا79 | قل ياايها الكافرون لا اعبد ما تعبدون66 |
| قنن :وانت تسكن قنن الجبال و اني معك في كل | قل ياايها الكفار انى من الصادقين 303، 306، 551 |
| حال | قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا292 |
| قوا:قوا انفسكم450 | قل ياخذك الله |
| قوس : دنیٰ فتدلی فکان قاب قوسین او ادنیٰ54، 296، | قل يوحٰي الى انماالهكم اله واحد |
| 542 < 321 | وانذر قومك وقل اني نذير مبين305 |
| قول :ان هذا الا قول البشر | وقل اعملوا على مكانتكم294،37 |
| سلام قولا من رب رحيم 276، 301، 306، 350، 410، | وقل رب ادخلني مدخل صدق |
| 605 ،503 ،499 ،463 ،443 ،411 | وقل ان افتريته فعلى اجرامي |
| فقل لهم قولا ميسورا | وقل اني نذير مبين |
| قول الحق الذي فيه تمترون 77، 296، 547 | وقل رب ادخلني مدخل صدق |
| يقولون ان هذا الا قول البشر واعانه عليه قوم آخرون. | وقل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا292 |
| 406 | وقلنا یا نار کونی بردا و سلاما295 |
| قوم: احفظني فان القوم يتخذو نني سخرة578 | يسئلونك احق هو قل اي و ربي انه لحق552 |
| اريحك ولا اجيحك واخرج منك قوما530 | فقل لهم قولا ميسورا |
| ان القوم يقتلونني اي ارادوا قتلي657 | قلنا يا ارض ابلعي ماء ك وياسماء اقلعي388 |
| انا ارسلنا احمد الى قومه فاعرضوا | فقلنا یا نار کونی بردا سلاما |
| انذر قومك وقل اني نذير مبين305 | قلنا يا نار كوني بردا و سلاما 32، 295،39 |
| انذر قومک | قل ّ: قلّ ميعاد ربك 485، 491، 494، 562 |
| انك من المامورين لتنذر قوما ما انذر ابائهم209 | القلم: جف القلم بما هو كائن |
| انهم قوم ورثوه | قلوب : سنلقى في قلوبهم الرعب 38، 85، 294، 431 |
| اني مرسلك الى قوم مفسدين239 | لهم قلوب لا يفقهون بها انرت مكانك662 |
| رب احفظني فان القوم يتخذونني سخرة578 | قلى ؛ ما ودعک ربک وما قليٰ82 |
| ربنا افتح بيننا و بين قومنا بالحق37 | قليلا :قل الله اعلم وما اوتيتم من علمه الا قليلا 683 |
| ربنا لا تجعلنا طعمة للقوم الظالمين486 | قم :ياايها المدثر قم فانذر |
| قوم متشاكسون | اصنع الفلك باعيننا ووحينا و قم و انذر175 |
| | |

| كاد ان يعرف بين الناس | لتنذر قوما ما انذر ابائهم194، 178،35 |
|--|---|
| فكاد ان يعرف بين الناس | ما ارسل نبي الا اخز لي به اللُّه قوما لا يومنون533 |
| كاذب :الله عدو الكاذب وانه يوصله الى جهنم573 | ما كان الله ليغير ما بقوم حتىٰ يغيروا ما بانفسم553 |
| ان یک کاذبا فعلیه کذبه وان یک صادقا یصبکم | و قطع دابر القوم الذين لا يؤمنون502،501 |
| 682 | واعانه عليه قوم آخرون |
| رب فرق بين صادق و كاذب 532، 556، 625 | وانذر قومك وقل اني نذير مبين305 |
| ليعلمن الله المجاهدين منكم وليعلمن الكاذبين 255 | ولا يرد عن قوم يعرضون521 |
| لعنة الله على الكاذبين | ولتدعو قوما آخرين |
| واني لاظنه من الكاذبين | وما كان الله ليغير ما بقوم حتىٰ يغيروا ما بانفسم553 |
| كارهون :بل آتيناهم بالحق فهم للحق كارهون66، | يقولون ان هذا الا قول البشر واعانه عليه قوم آخرون . |
| 407 | 406 |
| كاشف :ان يمسسك بضر فلا كاشف له الا هو89 | قوة :قوة الرحمٰن لعبيد الله الصمد |
| كاف: اليس الله بكاف عبده 20، 48، 69، 72، 200، | قوى :انه قوى عزيز |
| 691 ،582 ،550 ،547 ،546 ،499 ،441 ،399 ،373 | انّ ربى قوى عزيزا |
| كافر: انا اعتدنا للكافرين سلاسل و اغلالا و سعيرا | قياما :الذين يذكرون الله قياما و قعودا601 |
| 683 | قيامة : واذا هلك الدجال فلا دجال بعده الى يو م |
| رب لا تذرعلي الارض من الكافرين ديارا576 | القيامة |
| قل ياايها الكافرون لا اعبد ما تعبدون66 | وجاعل الذين اتبعوك فوق الذين كفرا الى يوم القيامة |
| لن يجعل الله للكافرين على المؤمنين سبيلا. 218، 304 | 80،75،48 |
| واللَّه متم نوره ولو كره الكافرون 301 | قيل :قيل ارجعوا الى الله فلا ترجعون66 |
| والله موهن كيد الكافرين ،، 296 | قيل استحوذوا فلا تستحوذون |
| كافى :بسم الله الكافى | قيل بعدا للقوم الظالمين |
| كان :انا انزلناك وكان الله قديرا | واذا قيل لهم آمنوا كما آمن الناس66، 545 |
| فبراه الله مما قالوا وكان عند الله وجيها48 | واذا قيل لهم لا تفسدوا في الارض 65، 407، 536 |
| كان الله بكم رء وفا رحيما | قيّوم:يا حيُّ يا قيّوم برحمتك استغيث279 |
| كان حقا علينا نصر المؤمنين | |
| كان ربك قديرا 316،295،316 | ک |
| كان فضل الله عليك عظيما | |
| وكان وعدًا مفعولاً498،409 | |
| من دخله کان آمنا | كائن : جف القلم بما هو كائن |
| من كان في نصرة الله كان الله في نصرته618 | بل هي حقائق اوحيت الي من رب الكائنات291 |

| واذا جاء وعد الحق اهذا الذي كذبتم | وكان من الملبس |
|--|---|
| كابت398 | ومن كان لله كان الله له |
| كذبوا بآياتنا وكانوا بها يستهزء ون 126، 305 | ينجيك من الغم وكان ربك قديرا645 |
| كذاب المهين. 364 | دنى فتدلى فكان قاب قوسين او ادنى54 |
| وقالوا كذاب اشر | وكان امر الله مفعولا |
| كرامة : غرست كرامتك بيدى63 | وكان امرا مقضيا |
| كرامة جليلة قد جاء وقتها | وكان حقا علينا نصر المؤمنين |
| كرب : ينجيك من كربك502 | و كان ربك قديرا 84، 295، 295، 316 |
| الكرة :رددنا اليك الكرة الثانية | وكان فضل الله عليك عظيما |
| نرد اليك الكرة الثانية | وكان من الملبس |
| كرم الجنة دوحة الجنة | كبر :كبر عند الله موت هذا الرجل418 |
| كرمنا :ولقد كرمنا بني آدم وفضلنا 85، 296، 316 | كبرت فتنة495 |
| کریم :ان ربی کریم قرین616 | كبير :رجل كبير |
| ان الذين اتقوا والذين آمنوا لهم مغفرة و رزق كريم | كتب :كتب الله لاغلبن انا ورسلى84، 297، 317، |
| 433 | 539 ، 503 ، 449 ، 443 ، 441 ، 4401 ، 349 |
| انا الودود الكريم | كتب الله على نفسه الرحمة |
| انه كريم تمشى امامك 366، 444، 441، 554 | كتبت للذين امنوا رحمة وكتبت لك رحمة570 |
| اني مع الله الكريم | كتاب :انني في الكتاب مسطور 429 |
| بسم الله البر الكريم | تلك آيات الكتاب المبين |
| كلام افصحت من لدن رب كريم 290، 558، 558 | حم تلك آيات الكتاب المبين |
| لا يهد بناؤك و تؤتىٰ من رب كريم622 | ان القرآن كتاب الله. كتاب الصادق |
| الكفار:قل ياايها الكفار انى من الصادقين551 | كتاب الله الرحمٰن |
| الكفر :ائمة الكفر | كتاب الولى ذو الفقار على 58، 198، 296 |
| كففت :اذ كففت عن بني اسرائيل518 | كتاب سجلناه من عندنا |
| كففت عن بنى اسرائيل | كثور :انى مع كثرة رزقك |
| كفي ٰ:انا كفيناك المستهزئين | كثر الدعاء لبقاء ك |
| 407 •316 •308 •303 •294 •194 •37 | كذب: كذب عليكم الخبيث |
| قل كفي بالله شهيدا بيني و بينكم504 | ان یک کاذبا فعلیه کذبه وان یک صادقا یصبکم |
| كفى هذا | بعض الذي يعدكم |
| كفيناك المستهزئين | قالوا كتاب ممتلي من الكفر والكذب176 |
| كل :استجيب في هذه الليلة كل ما دعوت517 | من اظلم ممن افترى على الله كذبا 195، 295 |
| | |

| كلمة :اذا جاء نصر الله والفتح و تمت كلمة ربك 54 | اعطيتك كل النعيم |
|--|--|
| تمت كلمة الله | ان الله على كل شيء قدير |
| و تمت كلمة ربك هذا الذي كنتم به تستعجلون 302 | ان الله معي في كل حال620 |
| كلمات :انا رادوها اليك لا تبديل لكلمات الله 128 | انی حاشر کل قوم یاتونک جنبا320 |
| اني انا ربك القدير لامبدل لكلماتي353 | اني مع الرحمٰن في كل حالة |
| زوجنا كها لامبدل لكلماتي | اني مع الله في كل حال601 |
| فسيكفيكهم الله ويردها اليك لاتبديل لكلمات الله. | كل الفتح بعده |
| 126 | كل امر مبدل |
| قل لو كان البحر مدادا لكلمات ربى لنفد البحر 142 | کل امری کمل |
| لا مبدل لكلمات الله 37، 43،88، 194، | كل بركة في هذا |
| لا مبدل لكلماته 538،297،84 | كل بركة من محمد ?فتبارك من علم و تعلم 35، |
| ويردها اليك لاتبديل لكلمات الله126 | 555 - 538 - 194 |
| كما :انا مهلكوا بعلها كما اهلكنا اباها181 | كل مقابر الارض لا تقابل هذه الارض600 |
| اني مستخلفك اكراما كما جرت سنتي239 | كل مكذب جاء |
| فاستقم كما امرت | كل من عليها فان |
| الفتنة ههنا فاصبر كما صبر اولوالعزم | كل واحد منهم ثلج |
| واذا قيل لهم آمنوا كما آمن الناس66، 545 | كل هالك الا من قعد في سفينتي |
| والسماء معك كما هو معي | كل يوم هو في شان 85، 297، 351، 620 |
| كمثل :ان مثل عيسىٰ عند الله كمثل آدم683 | كلكم ذاهب |
| كمثلك در لايضا ع218، 239، 304، 318، 431، | كلهم كانوا ملعونين |
| 550 | انهم كلهم كالاعمىٰ |
| ما كان لبشر ان ينطق كمثلي مرتجلا291 | من خدمک خدم الناس کلهم |
| ياتي عليك زمن كمثل زمن موسىٰ 366، 408,557، | كل لك ولامرك596 |
| 558 | کلا ان معی ربی سیهدین |
| كمل :كل امرى كمل417 | شرفنا بكلام منا614 |
| كمل الله اعزازك441 ،420 ،420 | كلاب :يموت و يبقى منه كلاب متعددة108 |
| اكمل الله كل مقصدى | كلب يموت على كلب |
| كن :امتني في المحبة والوداد. وكن في هذه لي | كلما احببت احببت احببت |
| والمعاد | كلام: افصحت من لدن رب كريم 290، 508، 558 |
| انما امرك اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون | الكلم: اليه يصعد الكلم الطيب |
| 560 | كلم :فكلمه من كل باب و لن ينفعه الا هذا الدواء 339 |
| | |

| انت وقاره فكيف يتركك | انما امرنااذا اردنا شيئًا ان نقول له كن فيكون 256، 271 |
|---|--|
| رب ارنى كيف تحى الموتىٰ | انما امره اذا اراد شيئا ان يقول له كن فيكون. 176، 406 |
| فكيف يتر كك | انی معک فکن معی اینما کنت 194 |
| • | كن في الدنيا كانك غريب او عابر سبيل197 |
| J | كن لله جميعا ومع الله جميعا |
| • | كن مع الله حيثما كنت |
| لا :رجال لا تلهيهم تجارة ولا بيع عن ذكر الله73 | انی معک فکن معی |
| الاتخافوا ولاتحزنوا | فكن من الشاكرين |
| احسب الناس ان يتركواان يقولوا آمنا وهم لا يفتنون | كنت :كنت كنزا مخفيا فاحببت ان اعرف 70، 199، |
| 130-357 | 541 |
| ان الذين لا يلتفتون عليك لا يلتفتون الى الله | يا نبى الله كنت لا اعرفك |
| ان الله لا يضر | كنتم خير امة اخرجت للناس198، 194 |
| ان المنايا لا تطيش سهامها | كنتم خير امة اخرجت للناس و افتخار للمؤمنين39، |
| ان ربي لا يضل ولا ينسى | 295 |
| انا الله لا اله الا انا الله الا انا الله الا اله الا انا الله الا اله الا اله الا اله الا اله الا ال | وكنتم على شفا حفرة من النار فانقذكم منها63 |
| انت الشيخ المسيح الذي لا يضاع وقته 318، 550 | كنزا :كنت كنزا مخفيا فاحببت ان اعرف70، 199 |
| انت عيسيٰ الذي لا يضاع وقته | الكنيف :لو لا فضل الله ورحمته على لا لقى راسى في |
| انت منى بمنزلة لا يعلم الخلق | هذا الكنيف |
| انت منى بمنزلة لا يعلمها الخلق | الكوثر :انا اعطيناك الكوثر 395، 439، 558 |
| اني انا الرحمٰن لا يخاف لدي المرسلون 481 | انا اعطيناك الكوثر فصل لربك وانحر514، 73 |
| اني انا الرحمٰن لا يخزي عبدي ولا يهان621 | كونى :فقلنا يا نار كونى بردا |
| اني انا الله فاعبدني ولا تستعن من غيري306 | قلنا یا نار کونی بر دا و سلاما 32، 39 |
| انى انا ربك القدير لامبدل لكلماتي | كونى بر دا وسلاما |
| اولئك قوم لا يشقىٰ جليسهم | كيد :ان الله موهن كيد الكافرين 261 |
| رب لا تذرني فردا وانت خير الوارثين، 37، 196 | و الله موهن كيد الكافرين |
| سواء عليهم ء انذرتهم ام لم تنذرهم لا يؤمنون515 | ان کیدکن عظیم |
| لا يضل ربي ولا ينسى | انما صنعوا هو كيد ساحر |
| فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر | انهم ما صنعوا هو كيد ساحر |
| 309 | ولكيد الله اكبر |
| قال اني اعلم مالا تعلمون | كيف :الم تركيف فعل ربك باصحاب الفيل |
| قالوا لنهلكنك قال لاخوف عليكم لاغلبن انا و | 653 |
| | |

| لا تقوموا ولا تقعدوا الا معه | رسلى |
|--|---|
| لا تكلمني في الذين ظلموا انهم مغرقون526 | قد جرت عادة اللَّه انه لا ينفع الاموات الا الدعاء . 339 |
| لا تنقطع الاعداء الا بموت احد منهم614 | كل مقابر الارض لا تقابل هذه الارض600 |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة الله | كمثلك در لايضاع، ،، 431، 433، 438، 550 |
| لا تيئسوا من خزائن رحمة ربى | لا ابقى لك في المخزيات ذكرا 371 |
| لا تيئس من روح اللهلا تيئس من روح الله | لا اله الا انا فاتخذني وكيلا 399، 401 |
| لا تيئسوا من روح اللهلا تيئسوا من روح الله | لا اله الا هو يعلم كل شيء 287، 307، 320 |
| لا راد لفضلهلا راد لفضله | لا تبق لي من المخزيات ذكرا |
| لا عاصم اليوم الا الله | لا تثريب عليكم اليوم |
| لا علاج ولا يحفظ618 | لا تثريب عليكم اليوم يغفر الله لكم |
| لا مبدل لكلمات الله،،، 19، 294، 301 ، 305، 317، | 605 -557 -550 -321 -200 -172 -169 |
| 541 | لا تحاط اسرار الاولياء 74، 200 |
| لا مبدل لكلماتهلا مبدل لكلماته | لا تحزن ان الله معنا |
| لا نبقى لك من المخزيات452، 492، 493، 496، | لا تخاطبني في الذين ظلموا انهم مغرقون 317، 408 |
| 562 | لا تخف السنة الجاهلين |
| لا ياتي عليك يوم الخسران 438، 438 | لا تخف ان الله معنا 575، 576 |
| لا يرد عن قوم يعرضون 552، 552 | لا تخف انك انت الاعلى 11,84، 297، 549 |
| لا يرى الله الا من نفي عن ارادات الدنيا كلها 654 | لا تخف انني معک |
| لا يسئل عما يفعل وهم يسئلون65، 195، 303، 408، | لا تخف انى لا يخاف لدى المرسلون 482، 551 |
| 498 | لا تخف صدقت قولى |
| لا يصدق السفيه الا سيفة الهلاك | لا تذرعلي الارض من الكافرين ديارا576 |
| لا يعافيك اللهلا | لا تذروه جارية |
| لا يقبل عمل مثقال ذرة من غير التقوى 503، 547 | لا تردوا موردا الا معي |
| لا يمسه الاالمطهرون 70، 296، 409، 546 | لا ترني موت احد منهم |
| لا يموت احد من رجالكم | لا تصبون الى الوطن فيه تهان و تمتحن652 |
| لا يوافيك الله | لا تصعر لخلق الله ولا تسئم من الناس 197، 535، 541 |
| لا يهد بناؤك و تؤتيٰ من رب كريم622 | لا تطا قدم العامة قدم النبي |
| لاتخف انك انت الاعلى 549،297،84،11 | لا تعجبيين من امرى |
| لاتقبل منهم شهادة | لا تقتلوا زينب |
| لا يد الا يدىلا يدى | لا تقدر على هذا النضال |
| لوى عليه (او) لا ولى عليه 160 | لا تقف ما ليس لك به علم 67، 545 |
| | |

| هذا هو الترب الذي لا يعلمون | لهم قلوب لا يفقهون بها |
|--|--|
| اني معزك لامانع لما اعطىٰ | واذا قيل لهم لا تفسدوا في الارض65 |
| يا عبدى لا تخف | وان تعدوا نعمة الله لا تحصوها |
| يا نبى الله كنت لااعرفك | وانه غالب على امره ولكن اكثر الناس لا يعلمون.406 |
| اتى امر الله فلا تستعجلوه | احق الله امري ولا تنفكا من هذه المرحلة600 |
| الحق من ربك فلا تكونن من الممترين | اريحك ولا اجيحك واخرج منك قوما530 |
| 181-179 -146 | اللَّه يعلينا ولا نعلى525 |
| ساريكم آياتي فلا تستعجلون 606، 606 | ولا تيئس من روح الله39، 172، 195، 295، 540 |
| فلاتحزن على الذي قالوا ان ربك لبالمرصاد550 | ولا تحزنوا وانتم الاعلون |
| فلاتكفروا ان كنتم مؤمنين | و لا تخاطبني في الذين ظلموا 67، 317، 408، 545 |
| فلا شك انه آية من الايات | و لا تخف السنة الجاهلين |
| فلا و ربك لايؤمنون حتىٰ يحكموك فيما شجر | و لا تصعر لخلق الله و لا تسئم من الناس40، 197، |
| 309 | 541 6535 |
| قل اتى امر الله فلا تستعجلوا | ولا تعجبوا ولا تحزنوا وانتم الاعلون 211، 216 |
| نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين209 | ولا تقولن لشئ اني فاعل ذالك غدا37 |
| واذا هلك الدجال فلا دجال بعده الى يو م القيامة 310 | ولا تكلمني في الذين ظلموا انهم مغرقون526 |
| لات :لات حين مناص | ولا تهنوا ولا تحزنوا 69، 75، 546 |
| نصرت وقالوا لات حين مناص53، 57 | ولا راد لفضله |
| وقالوا لات حين مناص | ولا نبقى لك من المخزيات ذكرا 452، 493، 494، |
| لبثت :لقد لبثت فيكم عمرا من قبله افلا تعقلون | 562 ،496 |
| 547 (539 (302 (199)70 | و لا يخفي على الله خافية66 |
| لسان: ولا تخف السنة الجاهلين | ولا يرد عن قوم يعرضون551، 552 |
| لست :ساخبره في آخر الوقت انك لست على الحق | ولا يصلح شئي قبل اصلاحه66 |
| 388 | ولا يكاد يبين |
| سيقول العدو لست مرسلا | ولا يمسه الاالمطهرون |
| ويقولون لست مرسلا407 | وعد الله ان وعد الله لا يبدل516 |
| يقول العدو لست مرسلا | ولا تخاطبني في الذين ظلموا |
| لعل العلك باخع نفسك الايكونوا مومنين 67، 545 | ولا تهنوا ولا تحزنوا 69، 75، 546 |
| لعلى آتيكم منها بقبس او اجد على النار هدى422 | و لا يخفي على الله خافية66 |
| لعنة الله على الذي كفر635 | ولا يصلح شيء قبل اصلاحه |
| لعنة الله على الكاذبين99، 400 | وينظرون اليك وهم لا يبصرون |
| | |

| لن ابرح الارض الى الوقت المعلوم 559،338، 612 | لعنة الله على من كفر635 |
|--|--|
| لن تجد لسنة الله تبديلا | لك :لك الفتح ولك الغلبة |
| لن ترضى عنك اليهودو لاالنصاري | لک خطاب العزق |
| لن تنالوا البر حتىٰ تنفقوا مما تحبون434 | لك درجة في السماء 451، 498، 539، 550 |
| لن نؤمن لک حتى نوى الله جهرة | لك رحمة |
| لن يجعل الله للكافرين على المؤمنين سبيلا. 218، 304 | لک نری آیات و نهدم ما یعمرون 497، 498، 539 |
| لن يخزيهم الله | قل لو كان البحر مدادا لكلمات ربى لنفد البحر142 |
| ومن يبتغ غير الاسلام دينا لن يقبل منه | زوجنا كها لامبدل لكلماتي |
| يا مسيح الخلق عدوانا لن ترى من بعد موآ دنا وفسادنا | لكم البشرى في الحيواة الدنيا 619، 619 |
| 346 | ادعوني استجب لكم 175، 536، 556 |
| اللهم ان اهلكت هذه العصابة فلن تعبد | اعملوا ماشئتم اني غفرت لكم |
| افاتخذتم عند الله عهدا فلن يخلف الله عهده425 | انما يريد الله لكم اليسر |
| لو:رب اشعث اغبر لو اقسم على الله لابره581 | انی امرت لکم |
| لو اقسم على الله لابره | الحمد لله الذي جعل لكم الصهر والنسب30 |
| ولو ان قرآنا سيرت به الجبال59 | سيولد لكم الولد و يدني منكم الفضل 172،163 |
| لو لا الا كرام لهلك مقام.340، 344، 553، 690، 600 | قل اني امرت لكم فافعلوا ما تؤمرون623 |
| لو لا الامر لهلك النمر | لا تثريب عليكم اليوم يغفر الله لكم وهو ارحم |
| لو لا فضل الله ورحمته على لا لقى راسى282 | الراحمين |
| لو لا ك لما خلقت الافلاك525، 556 | لكم البشرى في الحيواة الدنيا 619، 619 |
| وقالوا لو لا نزل على رجل من قريتين عظيم62 | وعسىٰ ان تحبوا شيئًا وهو شرلكم70، 318 |
| فبمارحمة من الله لنت لهم.ولو كنت فظا غليظ القلب | وعسىٰ ان تكرهوا شيئا وهو خير لكم307 |
| 59 | اليوم اكملت لكم دينكم219 |
| قل لو كان الامر من عند غير اللَّه لوجدتم فيه اختلافا | لِمَ :عفا الله عنك لم اذنت لهم 164 |
| كثيرا | لم:لم يبق الهموم لنا فانا. توكلنا على رب العباد663 |
| لو كان الايمان معلقا بالثريا لنا له296، 302، 58، 198، | لم يكن الذين كفروا من اهل الكتاب والمشركين |
| 451 - 295 | منفكين |
| افلا يتدبرون امرك ولو كان من عند غير الله لوجدوا | والذين آمنوا ولم يلبسوا ايمانهم بظلم84 |
| 93 | يكاد زيته يضيء ولو لم تمسسه نار |
| قل لو كان الامر من عند غير الله لوجدوا321 | لما :فلما تجلى ربه للجبل |
| قل لو كان من عند غير اللَّه لوجدتم فيه اختلافا كثيرا . | فلما تجلى ربه للجبل جعله دكا 72، 82، 200 |
| | |
| 561 | لن :فكلمه من كل باب ولن ينفعه الاهذا الدواء33 |

| ما انت بفضله من مجانين |
|--|
| ما اهلک الله اهلک |
| ما بقى لهم هم بعد ذالك |
| ما ترى في خلق الرحمٰن من تفاوت401 |
| ما رمیت اذرمیت و لکن الله رمی |
| 538 (194(104) (35) |
| ما ضل الشيخ وما غوى |
| ما كان الله ان يعذبهم وانت فيهم 273 |
| ما كان الله ليعذبهم وانت فيهم344،72،38 |
| ما كان الله ليتركك حتى يميز الخبيث من الطيب |
| 409 •319 •315 •302 •295 •197 |
| ما كان الله ليغير ما بقوم حتىٰ يغيروا ما بانفسم553 |
| ما كان لبشر ان ينطق كمثلى مرتجلا291 |
| ما كان لنفس ان تموت الا باذن الله 349، 425، 476 |
| ما كان له ان يدخل الا خائفاما كان له ان |
| ماكنا معذبين حتى نبعث رسولا623 |
| ما لهم من الله من عاصم |
| ما ننسخ من آية او ننسها نات بخير منها 214، 576 |
| ما وقفت موقفا اغيظ من هذا |
| ما هذا الا تهديدالاحكام |
| ما ياتيهم الا بغتة |
| ما ينطق عن الهوى ان هو الا وحي يوحي 309، 321 |
| ما و دعک ربک و ما قلی 623،620، 623 |
| وقالوا سيقلب الامر وما كانوا على الغيب مطلعين. 319 |
| وما سمعنا بهذا في ابائنا الأولين 85، 316 |
| وما كان الله ليعذبهم وانت فيهم |
| ها (موصوله) وعلمک مالم تعلم 408 |
| و آتاني مالم يؤت احد من العالمين562 |
| اریک ما اریک و من عجائب ما یرضیک |
| اريک ما يرضيک |
| اعمل ما شئت فاني قد غفرت لک |

| والله يعصمك من عنده و لولم يعصمك الناس.179 |
|---|
| والله ينصرك من لولم ينصرك الناس179 |
| و لو القى معاذيره |
| ولو ان قر آنا سيرت به الجبال |
| لواء : لواء الفتح |
| لوى عليه (او) لا ولى عليه |
| ليس :ليس الذكر كالا نثىالذكر كالا نثى |
| ليس لاحد ان ير دما اتى |
| ياتي على جهنم زمان ليس فيها احد |
| قالوا ان التفسير ليس بشيء |
| لا تقف ما ليس لک به علم |
| ياتي على جهنم زمان ليس فيها احد 340، 341، 345 |
| اليس الله بكاف عبده 20، 48، 69، 72، 200، 373، |
| 691 ،582 ،550 ،547 ،546 ،499 ،441 ،399 |
| اليس الله عليما بالشاكرين |
| اليس هذا بالحق |
| ليلا :سبحان الذي اسرى بعبده ليلا63 |
| خلقت لک ليلا ونهارا |
| ليلة :انا انزلناه في ليلة القدر |
| استجيب في هذه الليلة كل ما دعوت517 |
| امدوا ليلة ازهى الليالي |
| لين : ارض الله لينة و ملك لين690 |

| 599 | ما (نافيه) قل ما فعلت الا ما امرنبي الله |
|------------|--|
| 482 | قل ما ازید لکم من امری |
| , 533ء 550 | ما ارسل نبي الا اخز ي به اللُّه قوما لا يومنون |
| 570 | ما انا الا كالقر آن وسيظهر على يدي ماظهر . |
| 308، 319 | ما انت ان تترك الشيطان قبل ان تغلبه |

| كل امر مبدل | اعملوا ماشئتم اني غفرت لكم428 |
|---|---|
| لا مبدل لكلماته 538،297،84 | انه نازل من السماء ما يغنيك |
| لا مبدل لكلمات الله | انی اریک ما یرضیک |
| مت :قال ياليتني مت قبل هذا57 | سيقول السفهاء ما ولهم قل الله اعلم683 |
| قالت ياليتني مت قبل هذا | الفارق وما ادرك ما الفارق439 |
| مت ايها الخوان | فضلناک على ماسواک602 |
| متشاكسون :قوم متشاكسون | قال ربك انه نازل من السماء ما يرضيك . 518، 569 |
| وفضله قوم متشاكسون | ما اصابك فمن الله |
| المتصدقين :ان الله يجزى المتصدقين570 | ما احسن شانک |
| صدقنا الرؤيا انا كذالك نجزي المتصدقين 463 | واتل عليهم ما اوحي اليك من ربك541 |
| متع :متع الله المسلمين ببركاتهم | واجعل لك انوار القدوم واعطيك ما يدوم 379 |
| متقون :مثل الجنة التي وعد المتقون430 | واعطيك ما يدوم |
| متقين :واعلم ان العاقبة للمتقين 198 | وانه نازل من السماء ما يرضيك |
| المتواترة :الانعامات المتواترة | و جدتک ما و جدتک |
| متوفى :انى متو فيك ورافعك الى 48، 75 | ماء: انت من مائنا وهم من فشل |
| قل لاخيك اني متوفيك89 | يا ارض ابلعي ماءك غيض الماء و قضى الامر 276 |
| قل لضيفك اني متوفيك89 | مات ضال هائما |
| يا عيسى اني متوفيك و رافعك الي80، 179 | مادة :فيك مادة فاروقية |
| المتوكل :انك باعيننا سميتك المتوكل489 | مارن :سناخذه من مارن او خرطوم 304، 319 |
| سميتك المتوكل | ماش : انبی معک وماش مع مشیک161 |
| متى :وقالوا متىٰ هذا الوعد | المامورين :انك من المامورين لتنذر قوما ما انذر |
| مثقال : لا يقبل عمل مثقال ذرة من غير التقوى547 | اباؤهم209 |
| مثل :ان كنتم في ريب مما ايدنا عبدنا فاتو ا بكتاب من | مانع: منعه مانع من السماء |
| مثله | مبارك :انت مبارك في الدنيا والاخرة |
| ان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنا فاتوا بكتاب من | جعلت مبار کا |
| مثله | رب اجعلنی مبارکا حیثما کنت76 |
| ان مثل عيسىٰ عند الله كمثل آدم683 | رفعت وجعلت مباركا84 |
| جزاء سيئة بمثلها | مبارک ومبارک و کل امر مبارک يجعل فيه83 |
| قل انما انا بشر مثلكم يوحي الى انما الهكم 70، 199، | مبله: وانت منى مبدء الامر |
| 546 • 546 • 357 • 296 | مبدل :اني انا ربك القدير لامبدل لكلماتي353 |
| كمثلك در لايضاع218، 239، 304، 318، 431، | زوجنا كها لامبدل لكلماتي |
| | |

| آدم | 550 ،438 ،433 |
|--|---|
| صلى الله عليك وعلى محمد661 | ما كان لبشر ان ينطق كمثلي مرتجلا291 |
| كل بركة من محمد الميالية فتبارك من علم و تعلم | مثل الجنة التي وعد المتقون |
| 555-194 | ان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنافاتوا بشفاء من |
| محمد رسول الله والذين معه اشداء على الكفار73 | مثله |
| وصل على محمد وآل محمد سيد ولد آدم198 | وانبئوني من مثل هؤلاء ان كنتم صادقين 73 |
| وصل على محمد | یاتی علیک زمن کمثل زمن موسیٰ |
| محموم | 558،557،406،366 |
| المحوِّفة :البيت المحوِّفة ملئت من بركات 165 | مثنى و ثلاث و رباع 684 |
| محونا نار جهنم | المجاز :انك انت المجاز |
| محيط :اني مع الرسول محيط | مجانين :وما انت بفضله من مجانين 203 |
| محیای : ان صلوتی و نسکی و محیا <i>ی</i> و مماتی للّٰه | المجاهدين :ليعلمن الله المجاهدين منكم255 |
| رب العالمين | مجلود :عطاء غير مجذو ذ 318، 301، 318 |
| محى :انا محييك | مجرم :اتفرون مني وانا من المجرمين منتقمون406 |
| المخاض :فاجاءها المخاض الى جذع النخلة56، | وامتازوا اليوم ايها المجرمون276، 410، 550، 558، |
| 225 | 561 |
| المخزيات: لا تبق لي من المخزيات ذكرا 568 | ولتستبين سبيل المجرمين 176، 179، 194، 294 |
| لا نبقى لك من المخزيات ذكر ا452، 492، 493، | وليست الحكومة تارك المجرمين580 |
| 562 (496 | مجنون :جاهل او مجنون |
| مخلوق :انت مخلوق من ماء نا القديم و هم من الفشل | فبشر وما انت بنعمة ربك بمجنون |
| 165 | محبة: امتنى في المحبة والوداد . وكن في هذه لي |
| المدثر :ياايها المدثر قم فانذر | والمعاد663 |
| مدخل :وقل رب ادخلني مدخل صدق38 | و القيت عليك محبة مني 199،،72، 296، 296 |
| المدينة :ان هذا لمكر مكرتموه في المدينة 62، 547 | و القيت عليك محبة مني ولتصنع على عيني72 |
| وقالوا ان هذا لمكر مكرتموه في المدينة296 | محبوبين :انت منى بمنزلة محبوبين |
| انت مدينة العلم | محدث :انت محدث الله |
| مذكر :انما انت مذكر وما انت عليهم بمسيطر67 | محسنون: ان الله مع الذين اتقوا هم محسنون 395، |
| مواد : المواد حاصل | ، 558 ، 552 ، 547 ، 499 ، 441 ، 418 ، 417 ، 406 ، 398 |
| موادك حاصل | 569 |
| مرادتک حاصل | محل: عفت الديار محلها و مقامها 433، 433 |
| انت مرادی و معی | محمد عُلِيلًا :صل على محمد وآل محمد سيد ولد |
| | |

| كفيناك المستهزئين | مرتجل ا:ما كان لبشر أن ينطق كمثلي مرتجلا 291 |
|---|---|
| انهم كانوا يكذبون باياتي و كانوا بي من المستهزئين. | مود :من رد من مطبعه فلامرد له |
| 198 | موزا :اصبر سنفرغ يا موزا102 |
| مسرف :ان الله لا يهدي من هو مسرف كذاب 551 | موسلا :سيقول العدو لست مرسلا319 |
| مسرور :اني معک يا مسرور630 | وقالوا لست مرسلا |
| مسعود : ان المسيح الموعود الذي يرقبونه والمهدي | ويقولون لست مرسلا407 |
| المسعود الذي ينتظرونه | يا احمد جعلت مرسلا |
| مسلم : رب توفني مسلما والحقني بالصالحين 563 | المرسلون :اني انا الرحمٰن لا يخاف لدى المرسلون |
| قل عندي شهادة من الله فهل انتم مسلمون37، 196، | 481 |
| 539 | انى لا يخاف لدى المرسلون 331، 344، 539، 549 |
| المسلمين :متع الله المسلمين ببركاتهم73 | لا تخف انى لا يخاف لدى المرسلون551 |
| مسلوخة : كشاب مسلوخة عند وعظ معطل 665 | واني لا يخاف لدي المرسلون407 |
| مسُّ: ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة570 | مرصاد : ان ربک لبالمرصاد550،308 |
| مسكينا :يطعمون الطعام على حبه مسكينا و يتيما .437 | فلا تحزن على الذي قالوا ان ربك لبالمرصاد550 |
| مسيح:اعجاز المسيح | موض: اذا مرضت فهو يشفى |
| ان المسيح الموعود الذي يرقبونه والمهدى 209 | من هذه المرض الذي هو ساري |
| انا انزلناه للمسيح الموعود | يموت بغير مرض |
| انا جعلناك المسيح ابن مريم 176، 179 | مرموز: هذا هو الوعدكالسر المرموز240 |
| انت اشد مناسبة بعيسى ابن مريم و اشبه الناس143 | مريم :يا مريم اسكن انت و زوجك الجنة55 |
| انت الشيخ المسيح الذي لا يضاع وقته 318، 550 | مزق : ومزق اعدائک و اعدائی426 |
| انت المسيح الذي لا يضاع وقته | نمزق الاعداء كل ممزق196، 21، 217، 306، 550 |
| انت الشيخ المسيح و اني معك ومع انصارك 304 | المساجد :يخرون على المساجد 172، 550 |
| انت منى المسيح ابن مريم | مستبشر :سليم حامد مستبشر |
| انك انت منى المسيح ابن مريم | مستجاب: دعاء ک مستجاب378، 378 |
| جعلك المسيح ابن مريم | المسترد: انت معي وانا معك ولا يعلمها الا |
| جعلناك المسيح ابن مريم | المسترشدون |
| الحمد لله الذي جعلك المسيح ابن مريم | المستعجلين :قل اتى امر الله فلاتكن من المستعجلين |
| 549;539;408;196 | 200 |
| يا مسيح الخلق عدوانا 225، 263، 346 | مستقرا :ح سنت مستقرا ومقاما482 |
| مسيو:مسير العرب 477 | المستهزئين :انا كفيناك المستهزئين37، 194، 294، |
| مسيطر :انما انت مذكر وما انت عليهم بمسيطر67 | 407 |

| ان الله مع عباده يواسيك | مشارق :و اوحي الي ربي انه سينصرني حتىٰ يبلغ |
|---|---|
| ان الله معك. ان الله يقوم اينما قمت 241 | امري مشارق الارض ومغاربها260 |
| ان الله معنا | مشرب : سلمان منا اهل البيت على مشرب الحسن |
| ان الله معي في كل حال | 314 |
| اني مع الاسباب آتيك بغتة | مشركين :ان احد من المشركين استجارك فاجره |
| اني مع الإفواج آتي | 515 |
| انى مع الافواج آتيك بغتة 242، 256، 257، ،، 320، | لم يكن الذين كفروا من اهل الكتاب والمشركين64 |
| ·514 ·501 ·463 ·457 ·454 ·451 ·441 ·425 ·· ·333 | مشي :اني معک و ماش مع مشيک161 |
| 614 537 . 528 | المصائب:على شكر المصائب |
| اني مع الأكرام | واني ارى بعض المصائب تنزل334 |
| انى مع الامراء آتيك بغتة | و تلز مك المصائب ملازمة الغريم580 |
| اني مع الجيش آتيك بغتة | مصالح العرب مسير العرب |
| اني مع الذين هم يهتدون | مصلح :انت ترى كل مصلح و صادق 532، 556 |
| اني مع الرحمٰن اتيك بغتة | مصلى :فاتخذوا من مقام ابراهيم مصلى83، 297 |
| اني مع الرحمٰن ادور486 | و اتخذوا من مقام ابر اهيم مصلي |
| اني مع الرحمٰن في كل حالة | مطبع:من رد من مطبعه فلامرد له296،66 |
| اني مع الرسول اجيب | مطلعين:وما كانوا على الغيب مطلعين319 |
| اني مع الرسول اقوم 321، 328، 344، 377، 378، 440، | المطهرون : لا يمسه الاالمطهرون |
| 639 ،604 ،598 ،488 | مظهر :انا نبشرك بغلام مظهر الحق والعلى554 |
| اني مع الرسول اقوم و افطر و اصوم410، 559 | مظهر الحق والعلى كان الله نزل من السماء |
| اني مع الرسول اقوم و اقصدك واروم417 | 588 ،319 ،149 ،144 ،110 |
| اني مع الرسول اقوم واروم ما يروم 487، 613 | مظهر الحق والعلى |
| اني مع الرسول اقوم والوم من يلوم 488، 498 | مظهر الحي |
| 612 | مع :ان الله مع الذين اتقوا |
| اني مع الرسول اقوم ولن ابرح الارض الى الوقت . 381 | «395«379«325«320«307«287«275«271«249«215«177 |
| اني مع الرسول فقط437 | ، 558 ، 552 ، 547 ، 499 ، 441 ، 418 ، 417 ، 406 ، 398 |
| اني مع الرسول محيط | 569 |
| اني مع الروح اتيك بغتة | 635 (622 (601 |
| اني مع الروح معك و مع اهلك 442، 550 | ان الله مع الذين اهتدوا وهم صادقون558 |
| اني مع العشاق | ان الله مع الذين هم يتقون502 |
| اني مع الغفار اتيك بغتة | ان الله مع الصادقين595 |
| | |

| 257 | اني مع الله العزيز الاكبر 254، 658 |
|--|---|
| معاذير: ولو القي معاذيره | اني مع الله الكريم |
| معالجات :عندى معالجات | اني مع الله في كل حال |
| معذب : انه معذبهم لو لم يكونوا تائبين 106 | اني مع الله |
| وما كنا معذبين حتى نبعث رسولا 623، 623 | اني مع كثرة رزقك |
| معزك :اني معزك لامانع لما اعطى97 | اني معک اينما تذهب و تسير |
| معلقا :الثريا :لوكان الايمان معلقا بالثريا لنا له | انی معک حیث ما کنت وانی ناصرک177 |
| 451 ،295 ،198 ،58 ،302 ،296 | اني معک ذکرتک فاذکرني |
| ولو كان الايمان معلقا بالثريا | اني معك في الدنيا والآخرة635 |
| معمر الله | اني معك في السماء والارض635 |
| معين :اني معين من اراد اعانتك 161، 371، 407، 614 | انی معک فی کل حال |
| مغرقون :لا تخاطبني في الذين ظلموا انهم مغرقون | اني معک في کل موطن |
| 408 < 317 | اني معک و کن معي اينما کنت |
| ولا تكلمني في الذين ظلموا انهم مغرقون526 | انی معک فکن معی |
| مغرم :ام تسئلهم من خرج فهم من مغرم مثقلون 545 | اني معک فکن معي اينما کنت 194 |
| المغل: حكم الله الرحمٰن لخليفة الله المغل السلطان | اني معک ومع اهلک ومع کل من احبک467 |
| 682 | اني معک و مع اهلک هذه63 |
| مغفرة :ان الذين اتقوا والذين آمنوا لهم مغفرة و رزق | اني معک و مع اهلک 357، 378، 393، 431، 486، |
| كريم | 632 |
| مغلوب :اني مغلوب فانتصر | انى معك يا ابراهيم 616، 620، 624، 630، 633، 634 |
| رب انی مغلوب فانتصر | اني معک يا ابن رسول الله |
| مفعولا :وكان امر الله مفعولا | انى معك يا امام رفيع القدر |
| وكان وعد الله مفعولا | انی معک یا مسرور |
| مقابر: كل مقابر الارض لا تقابل هذه الارض600 | انی معک اسمع و اری |
| نقلوا الى المقابر | انی معکم اسمع و اری |
| مقام: اراد الله ان يبعثك مقاما محمودا 521، 558 | انی معکما اسمع واری |
| حسنت مستقرا ومقاما | كن لله جميعا ومع الله جميعا |
| عسیٰ ان یبعثک ربک مقاما محمو دا 126،156، 345 | معك جند السماوات والارضين |
| عفت الديار محلها و مقامها 432، 433، 556 | معاد :امتني في المحبة والوداد. وكن في هذه لي |
| فاتخذوا من مقام ابراهيم مصلي 297،85، 549 | و المعاد |
| لو لا الا كرام لهلك المقام | ان الذي فرض عليك القرآن لرادك الى معاد 255، |
| | |

| ملحق :انت بنا ملحق | لو لا الا كرام لهلك مقام.340، 344، 553، 590، 600 |
|--|--|
| ملعونين :كلهم كانوا ملعونين | مقام لا تترقى العبد فيه بسعى الاعمال |
| ملعونين اينما ثقفوا اخذوا | و اتخذوا من مقام ابر اهيم مصلى |
| ملك:ارض الله لينة و ملك لين690 | وما منا الا له مقام معلوم |
| سيؤتيٰ له الملك العظيم و يفتح على يده الخزائن 682 | مقبول :انه طيب مقبول الرحمان |
| يؤتى له الملك العظيم | طيب مقبول الرحمٰن |
| ملكت :اني ملكت الشرق و الغرب412 | المقدر :قرب اجلك المقدر |
| ممزق:نمزق الاعداء كل ممزق196، 21، 217، 306، | مقصد :اكمل الله كل مقصدى417 |
| 550 | مكان :انرت مكانك |
| المنلوين :انا اذا نزلنابساحة قوم فساء صباح المنذرين | انهم ينادون من مكان بعيد |
| 306 | اني انرت مكانك تنزيل من الله العزيز الرحيم320 |
| الملوك :تحفة الملوك590 | قل اعملوا على مكانتكم 294، 304، 547، 551 |
| يتبرك بثيابك الملوك والسلاطين194 | مكان اليم |
| ملة :قل بل ملة ابراهيم حنيفا509 | واني لهم التناوش من مكان بعيد657 |
| مليك :في مقعد صدق عند مليك مقتدر 249 | وسع مكانك ياتون من كل فج عميق246 |
| مماتي :قل ان صلوتي و نسكي و محياي و مماتي للله . | وسع مكانك |
| | |
| 513 | :وعلمت ان الصديق اعظم شانا و ارفع مكانا210 |
| 513 الممترين :الحق من ربك فلا تكونن من الممترين | :وعلمت ان الصديق اعظم شانا و ارفع مكانا210 مكذب :كل مكذب جاء570 |
| | |
| الممترين :الحق من ربك فلا تكونن من الممترين | مكذب : كل مكذب جاء |
| الممترين :الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 179، 181، 198 | مكذب :كل مكذب جاء |
| الممترين :الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198 · 181 · 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء |
| الممترين :الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198 · 181 · 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 179، 181، 189 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء مكذب: كل مكذب جاء غذرنى والمكذبين فذرنى والمكذبين مكر: ان هذا لمكر مكرتموه فى المدينة مكر اولئك هو يبور |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء مكذب: كل مكذب جاء غذرنى والمكذبين فذرنى والمكذبين مكر: ان هذا لمكر مكرتموه فى المدينة مكر اولئك هو يبور مكروا ومكر الله والله خير الماكرين وقالوا ان هذا لمكر مكرتموه فى المدينة 296. |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء مكذب: كل مكذب جاء غذرنى والمكذبين فذرنى والمكذبين مكر: ان هذا لمكر مكرتموه فى المدينة مكر اولئك هو يبور مكروا ومكر الله والله خير الماكرين وقالوا ان هذا لمكر مكرتموه فى المدينة مكين: انك اليوم لدينا مكين امين |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 المعترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين انفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 198، 181، 179 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين 176 ممتلى: وقالوا كتاب ممتلئ من الكفر والكذب 176 مَن ّان الله قد من علينا | مكلب: كل مكذب جاء مكدب: كل مكذب جاء فذرنى والمكذبين فذرنى والمكذبين مكر: ان هذا لمكر مكرتموه في المدينة مكر اولئك هو يبور مكروا ومكر الله والله خير الماكرين 219 مكروا ومكر الله والله خير الماكرين 296 وقالوا ان هذا لمكر مكرتموه في المدينة مكين: انك اليوم لدينا مكين امين انك اليوم لدينا مكين امين . 26، 28، 179، 292، 202 الملا نكة زاني ارى الملا ئكة الشداد فزل ملك من الملا ئكة وهو اعلى الملا ئكة. |
| الممترين: الحق من ربك فلا تكونن من الممترين 198، 181، 179 198، 181، 199 نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | مكذب: كل مكذب جاء |

| من اعرض عن ذكرى نبتليه بدرية فاسقة ملحدة362 | منفكين : لم يكن الدين كفروا من أهل الكتاب |
|--|--|
| من خدمک خدم الناس کلهم | والمشركين منفكين64 |
| من دخله كان آمنا | منقلب: وسيعلم الذين ظلموا اي منقلب ينقلبون 407 |
| من ذا الذي هو اسعد منك | منور الله |
| من ر د من مطبعه فلامر د له | مهتدون :اولئك لهم الامن وهم مهتدون345 |
| من عادى وليا فقد اذنته للحرب 549 | المهدى :ان المسيح الموعود الذي يرقبونه والمهدي |
| من عادي وليا فقد بارزته للحرب683 | المسعود الذي ينتظرونه209 |
| من عادي وليا لي فكانما خر من السماء623 | فان المهدي يهدي الى امور لا يهدي اليها غيره204 |
| من قام للجواب وتنمر فسوف يري انه تندم و تذمر | مهلک : انا مهلکو بعلها |
| 330 | مهيجة :الحرب مهيجة |
| من كان في نصرة الله كان الله في نصرته618 | مهین :و بشرت ان البلاء ير د على عدوي الكذاب |
| من هذا الذي هو مهين 37، 303، 539 | المهين |
| وقالوا اتجعل فيها من يفسد فيها | اني مهين من اراد اهانتڪ27، 158، 161، 173، 189، |
| وقالوا من ذاالذي يشفع عنده | 614 ، 606 ، 539 ، 407 ، 371 ، 194 |
| ومن كان لله كان الله له62 | من هذا الذي هو مهين |
| ومن يبتغ غير الاسلام دينا لن يقبل منه | موآدنا بيا مسيح الخلق عدوانا لن تري من بعد موا دنا |
| | |
| ومن يبتغ غيره لن يقبل منه | 346 |
| ومن يبتغ غيره لن يقبل منه | 346 موت :اعجبني موتكم |
| | موت :اعجبني موتكم595 |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنى موتكم |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنى موتكم |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنی موتکم بل موتک قریب تحویل الموت رب لاترنی موت احد منهم |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنی موتکم بل موتک قریب تحویل الموت رب لاترنی موت احد منهم الرحیل ثم الرحیل والموت قریب |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنى موتكم بل موتك قريب بل موتك قريب تحويل الموت (ب لاترنى موت احد منهم الرحيل ثم الرحيل والموت قريب كبر عند الله موت هذا الرجل |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنى موتكم بل موتك قريب بل موتك قريب تحويل الموت (ب لاترنى موت احد منهم الرحيل ثم الرحيل والموت قريب كبر عند الله موت هذا الرجل 418 لا ترنى موت احد منهم 475 |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت :اعجبنى موتكم بل موتك قريب بل موتك قريب تحويل الموت (ب لاترنى موت احد منهم الرحيل ثم الرحيل والموت قريب كبر عند الله موت هذا الرجل لا ترنى موت احد منهم الموتیٰ :اکرام تسمع به الموتیٰ |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | 595 موت :اعجبنى موتكم 125 بل موتك قريب 279 تحويل الموت 513 (ب الاترنى موت احد منهم 640 الرحيل ثم الرحيل والموت قريب 37 كبر عند الله موت هذا الرجل 418 418 475 475 160 180 170 180 18 190 18 190 18 190 18 190 18 190 19 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 190 10 |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت: اعجبنى موتكم بل موتك قريب بل موتك قريب تحويل الموت رب لاترنى موت احد منهم الرحيل ثم الرحيل والموت قريب كبر عند الله موت هذا الرجل 418 لا ترنى موت احد منهم الموتى :اكرام تسمع به الموتى الموتى :اكرام تسمع به الموتى رب ارنى كيف تحى الموتى مودة: عسى الله ان يجعل بينكم وبين الذين عاديتم |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت: اعجبنی موتکم بل موتک قریب بل موتک قریب تحویل الموت رب لاترنی موت احد منهم 640 الرحیل ثم الرحیل والموت قریب کبر عند الله موت هذا الرجل 418 الموتی موت احد منهم 475 الموتی : اکرام تسمع به الموتی الموتی : اکرام تسمع به الموتی رب ارنی کیف تحی الموتی مودة: عسی الله ان یجعل بینکم وبین الذین عادیتم مودة |
| يجتبى اليه من يشاء من عباده | موت: اعجبنى موتكم بل موتك قريب بل موتك قريب تحويل الموت رب لاترنى موت احد منهم الرحيل ثم الرحيل والموت قريب كبر عند الله موت هذا الرجل 475 الموتى : اكرام تسمع به الموتى الموتى : اكرام تسمع به الموتى رب ارنى كيف تحى الموتى مودة: عسى الله ان يجعل بينكم وبين الذين عاديتم موردا: لا تردوا موردا الا معى |

| فالنارموعدهم | الحق بشيعة موسىٰ ورضى الله به قولا 585 |
|--|--|
| قلنا یا نار کونی بردا و سلاما | ياتي عليك زمن كمثل زمن موسىٰ408 |
| محونا نار جهنم | موطن :اني معک في کل موطن632 |
| يكاد زيته يضيء ولو لم تمسسه نار | مواطن :ينصرك الله في مواطن84 |
| نازل :قال ربك انه نازل من السماء ما يرضيك . 569 | موعود :ان المسيح الموعود الذي يرقبونه 209 |
| انه نازل من السماء ما يغنيك | انا انزلناه للمسيح الموعود 435 |
| نازل من السماء و نزل من السماء | انا خلقنا الانسان في يوم موعود172 |
| الناس :احسب الناس ان يتركواان يقولوا آمنا357،130 | فالنار موعدهم |
| اشجع الناس | في النار موعدهم |
| امراض الناس وبركاته | مومنون :قد ابتلى المؤمنون |
| ان الناس كانوا باياتنا يجحدون | قل عندي شهادة من الله فهل انتم مومنون196،79،37، |
| انت اشد مناسبة بعيسي ابن مريم و اشبه الناس143 | 561 ،539 ،451 ،316،292 ، |
| تلطف بين الناس وترحم عليهم66 | مؤمنين :قل انى امرت وانا اول المومنين |
| فحان ان تعان و تعرف بين الناس 53، 179، 197، 295، | 538 ،409 ،294 ،276 ،194 ،179 ،158 |
| 315 | قل لعبادي انني امرت وانا اول المؤمنين175 |
| فكاد ان يعرف بين الناس | وامرت من الله وانااول المؤمنين176 |
| من الناس و العامة | توكلوا عليه ان كنتم مومنين618 |
| من خدمک خدم الناس کلهم | فلا تكفروا ان كنتم مومنين545 |
| و اجعل افئدة كثيرة من الناس تهوى الى660 | لعلك باخع نفسك الا يكونوا مومنين67 |
| والله ينصرك و لو لم ينصرك الناس179 | موهن :والله موهن كيد الكافرين72 |
| واماما ينفع الناس فيمكث في الارض11 | ميعاد :قل ميعاد ربك 485، 562 |
| وتلك الايام نداولها بين الناس65 | |
| وضعنا الناس تحت اقدامك | •• |
| ولا تصعر لخلق الله ولا تسئم من الناس535 | ن |
| ولنجعله آية للناس و رحمة منا 72 | |
| ينجى الناس من الامراض | نۇخور :انما نۇخرھم الى اجل مسمى305 |
| اكان للناس عجبا195،65 | انما نؤخرهم الى اجل مسمى |
| اني جاعلک للناس اماما | نات :ما ننسخ من آية او ننسها نات بخير منها214 |
| بصائر للناس84 | ناخل: سناخذه من مارن او خرطوم 304، 319 |
| فيه بركات للناس | نار :اجرت من النار425 |
| كنتم خير امة اخرجت للناس | رب سلطنى على النار518 |
| | |

| نبلو : لنبلونگم | ناصر :انی معک حیث ما کنت و انی ناصر ک177 |
|--|---|
| لبى :انت تربيٰ في حجرالنبي | انی ناصرک |
| ما ارسل نبي الا اخزي به الله قوما لا يومنون533، | واني انا الرحمٰن ناصر حزبه |
| 550 | ناظرين :اني من الناظرين615 |
| يا نبى الله كنت لا اعرفك | ليكون آية للناظرين |
| ياايها النبي اطعموا الجائع والمعتر | نافذا :امرت نافذا |
| النبيون: تلقاها النبيون 368، 440، 441، 540 | نافعا :واجعل لى نافعا هذه التجارة662 |
| نتوفي : واما نرينك بعض الذي نعدهم او نتوفينك | نافلة : انا نبشرك بغلام نافلة لك554،519 |
| 633 ،38 | انا نبشرك بغلام نافلة لك نافلة من عندى500 |
| نثني عليك الخير والبركة | ناكل :انا نرث الارض ناكلها من اطرافها |
| نجد الوارثين في كل عام يتزايدون 391 | 559،409،408،389،385 |
| نجزى :صدقنا الرؤيا انا كذالك نجزى المتصدقين | نال : لناله رجل او رجال من ابناء الفارس198 |
| 463 | الثريا :لو كان الايمان معلقا بالثريا لنا له296، 302، 58، |
| انا كذالك نجزى المحسنين | 451 ، 295 ، 198 |
| نجعل الم نجعل لك سهولة في كل امر82 | نبا من الله الذي يعلم السر و اخفيٰ352 |
| نجعل دارهم مملوة من الارامل والثيبات107 | نبتلي : من اعرض عن ذكري نبتليه بذرية فاسقة ملحدة |
| لنجعل لک سهولة في كل امر | 262 |
| لتجعل لک شہو تہ قی کل امر | 362 |
| ولنجعله آية للناس و رحمة منا | 302 نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء |
| | |
| ولنجعله آية للناس و رحمة منا | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء |
| ولنجعله آية للناس و رحمة منا | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم ثم نبتهل |
| 72 ولنجعله آیة للناس و رحمة منا 629 النجم :انت منى بمنزلة النجم الثاقب 79 نجنى :رب نجنى من غمى | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء 176 كم ثم نبتهل |
| ولنجعله آية للناس و رحمة منا | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم ثم نبتهل |
| 72 ولنجعله آية للناس و رحمة منا | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم ثم نبتهل |
| 72 | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء 176 كم ثم نبتهل |
| 72 | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء کم ونساء نا ونساء 27 ثم ثم نبتهل |
| 72 | نبتهل :قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء 176 |
| 72 | نبتهل : قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء 176 |
| 72 | نبتهل : قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء 176 |
| 72 | نبتهل : قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم ثم نبتهل |
| 72 | نبتهل : قل تعالوا ندع ابناء نا وابناء كم ونساء نا ونساء كم ثم نبتهل |

| نريد ان ننزل عليك اسرارا من السماء306 | النخلة :فاجاء ه المخاض الى جذع النخلة57 |
|---|---|
| نزل :مظهر الحق والعلى كان الله نزل من السماء | فاجاء ها المخاض الى جذع النخلة |
| 588 •319 •149 •144 •110 | هز اليك بجذع النخلة تساقط عليك رطبا جنيا .32 |
| نازل من السماء و نزل من السماء | نداول :وتلك الايام نداولها بين الناس48، 65، 195، |
| نحن نزلناه و اناله لحافظون84 | 545 6524 |
| نزل به جبيز | ناير :وقل اني ناير مبين |
| نزل ملك من الملائكة وهو اعلى الملائكة 657 | النربسي :هذا علاج الوقت والنربسي337 |
| نزلت الرحمة على ثلاث، العين وعلى الاخريين227، | نرث : انا نرث الارض ناكلها من اطرافها |
| 583 | 559،409،408،389،385 |
| نزلت لک | نرد اليك الكرة الثانية172 |
| نزلت لک ولک نری آیات553 | نردها على النصاري |
| نزلنا على هذا العبد رحمة | انا نرده اليک تفضلا عليک131 |
| وان كنتم في ريب مما نزلنا على عبدنا26 | نَري ٰ: انا نرى تقلب وجهك في السماء188 |
| وبالحق انزلناه و بالحق نزل59 | لن نؤمن لک حتى نرى الله جهرة74 |
| وقالوا لو لا نزل على رجل من قريتين عظيم62 | هل نوى جزاء الاحسان الاالاحسان600 |
| نزید :نزید عمرک | ئُرى : انا سنريهم آ يه من آياتنا |
| نزید فی رحمتک و صدقک ووفاء ک570 | نرى آيات و نهدم ما يعمرون451 |
| نسف: سيبدى الأمر و ننسفن نسفا278 | نري فرعون و هامان و جنودهما ما كانوا يحذرون |
| نسلاً :ترىٰ نسلاً بعيداً | 550 < 306 |
| نسم :سنسمه على الخرطوم | نزلت لک ولک نری آیات553 |
| نسكى :قل ان صلوتي و نسكى و محياي و مماتي للّٰه | واما نرينك بعض الذي نعدهم او نتوفينك 38، 295، |
| رب العالمين | 633 |
| نسيا :قالت ياليتني مت قبل هذا وكنت نسيا منسيا 56، | واما نرينك بعض الذي نعدهم للسلسلة السماوية |
| 57 | 357 |
| نشرح :الم نشر ح لک صدرک82 | سنريهم آياتنا في الآفاق و في انفسهم306، 345، 551، |
| النصارى :ان النصارى حولو االامر | 630 |
| نردها على النصاري | و نريهم آياتنا في الآفاق |
| ولن ترضي عنك اليهود ولاالنصاري38، 203 | و نريهم جزاء الفاسقين |
| نصب :له نصب و عذاب | نريهم آياتنا في الآفاق |
| نصر :الا ان نصر الله قريب195،63،39 | نرید :نرید ان نعزک و نحفظک308 |
| اذا جاء نصر الله الست بربكم قالوا بلي74 | نريدان ننزل عليك آيات من السماء196 |
| G 1 3 1 1 1 3 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | نريدان ننرل عليك آيات من السماء |

| وان تعدوا نعمة الله لا تحصوها | اذا جاء نصر الله والفتح وانتهى امرالزمان |
|--|--|
| اذكر نعمتي التي انعمت عليك | 294،199،38 |
| نعيت ان الله مع الصادقين | لقد نصر كم الله ببدر وانتم اذلة |
| نعيد :خذ ها ولا تخف سنعيدها سيرتها الاولى219 | نصر من اللَّه و فتح قريب 229، 351، 521، 632 |
| النعيم: اعطيتم كل النعيم | نصر من الله و فتح مبين |
| نفخت :نفخت فيك من لدني روح الصدق | نصرك الله |
| 296 ‹72 ‹55 | نصركم الله نصرا مؤزرا |
| فاذا سويته ونفخت فيه من روحي | وكان حقا علينا نصر المؤمنين |
| نفس:اخترتک لنفسي | ولقد نصركم الله ببدر وانتم اذلة432 |
| انت القائم على نفسه | ترى نصرا من عند الله |
| انت وجيه في حضرتي اخترتک لنفسي | ترىٰ نصرا عجيبا |
| 441 ،407 ،371 ،315 ،295 ،197 ،179 ،162 ،52 | اذا نصر الله المؤمن جعل له الحاسدين في الارض65 |
| 542 ،498 ،442 | الا ان نصر الله قريب في شائل مقياس42 |
| اني اجرد نفسي من ضروب الخطاب 176، 196 | ظلموا وان الله على نصرهم لقدير |
| تاتيك الغاشية يوم تنجو كل نفس بما كسبت 261 | وانه على نصرهم لقدير276 |
| سنريهم آياتنا في الآفاق و في انفسهم 551، 630 | نصرت بالرعب55، 57، 566 |
| ظن المؤمنون بانفسهم خيرا | نصرت وقالوا لات حين مناص 53، 57، 543 |
| قوا انفسكم | نصرتک من لدنی |
| كتب الله على نفسه الرحمة | نصلى :نحمدک و نصلى 38، 197، 294، 553 |
| لعلك باخع نفسك الا يكونوا مومنين67، 545 | النضال :انك لا تقدر على هذا النضال207 |
| ماكان لنفس ان تموت الا باذن الله 426، 476 | نظر:نظرت الى المحموم |
| واستيقنتها انفسهم | نظرنا اليك |
| وجحدوابها واستيقنتها انفسهم | نعد انا نرينك بعض الذي نعدهم |
| وما كان اللَّه ليغير ما بقوم حتىٰ يغيروا ما بانفسم 553 | و اما نرينك بعض الذي نعدهم او نتوفينك38، 295، |
| يا ايتها النفس المطمئنة ارجعي الى ربك راضية75 | 633 ،606 ،513 ،496 |
| يوم تاتيك الغاشية يوم تنجو كل نفس بما كسبت | و اما نرينك بعض الذي نعدهم للسلسلة السماوية |
| 261 | 357 |
| النفوس:الامراض تشاع والنفوس تضاع289 | نعزك :انا نريد ان نعزك ونحفظك308 |
| نفعل ما نشاء فلا تكونن من الممترين | نعلم الامر وانا لعالمون |
| نفي : لا يرى الله الا من نفى عن ارادات الدنيا كلها654 | نعمة: واما بنعمة ربك فحدث |
| نقلب في السماء | يتم نعمته عليك |
| | |

| الواحد : لمن الملك اليوم لله الواحد الفهار 4/5، 552 |
|--|
| الوارثين :انا نجد الوارثين في كل عام يتزايدون 391 |
| رب لا تذرني فردا وانت خير الوارثين37، 196 |
| واقع :ان خبر رسول الله واقع616 |
| والله او الله اني غالب و سيظهر شوكتي602 |
| والله لولا الاكرام لهلك المقام |
| وبعزتي :وبعزتي وجلالي انك انت الاعلىٰ 211 |
| وجد :ركل وركىٰ فطوبىٰ لمن وجد و را ى 369، 551 |
| فطوبي لمن وجد وراي |
| و جدتک ما و جدتک |
| ووجدك ضالا فهدى9 |
| ولو كان من عند غير الله لوجدوا فيه اختلافا كثيرا .93 |
| قل لو كان الامر من عند غير الله لوجدتم فيه اختلافا |
| كثيرا |
| J. |
| ير |
| وجه :انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه :انا نرى تقلب وجهك في السماء188 |
| وجه : انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه : انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه : انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |
| وجه: انا نرى تقلب وجهك في السماء |

| نقلوا الى المقابر |
|---|
| النكاح :فبشرى لك في النكاح |
| نكشف السر عن ساقه |
| نگرم :سننجیک سنعلیک سنکرمک اکر اما عجبا . |
| 608 6550 4441 |
| نلقى :سنلقى في قلوبهم الرعب 38، 85، 431، 431، 431 |
| النمر : لو لا الامر لهلك النمر |
| نمزق الاعداء كل ممزق196، 21، 217، 306، 550 |
| ننجى :ننجيهما من الغم |
| ننجيك من الغم |
| سننجيک سنعليک 441، 650، 608 |
| ننزل عليك اسرارا من السماء550 |
| نسفن :سيبدى الأمر و ننسفن نسفا278 |
| نهدم ما يعمرون |
| لک نری آیات و نهدم ما یعمرون |
| نری آیات و نهدم ما یعمرون 451 |
| ولک نری آیات و نهدم ما یعمرون539 |
| نوح :یا نوح اسر رؤیاک220 |
| نوحي :ياتيك رجال نوحي اليهم من السماء 574 |
| ينصرك رجال نوحي اليهم من السماء 39، 195، |
| 623 |
| نور :نور |
| قل جاء كم نور من الله |
| يريدون ان يطفئوا نور الله بافواههم 38، 84، 196، 294 |
| يريدون ان يطفئوا نورك |
| اشرقت الارض بنورربها |
| وتفتح على يده الخزائن وتشرق الارض بنورربها .306 |
| ان نورى قريب |
| نور الدین |
| نور الله:يريدون ان يطفئوا نور الله بافواههم38، 84، |
| 294 (196 |
| |

| الى الوقت المعلوم | امتنى في المحبة والوداد |
|--|---|
| ينصركم الله في وقت عزيز | الودود :اني انا الودود الكريم |
| وقع واقع و هلك هالك | الوداع |
| وقود: فاتقوا النار التي وقودها الناس الحجارة 357 | طلع البدر علينا من ثنية الوداع |
| وقى:فوقاهم الله من شر ذالك اليوم 225 | ودع :ما ودعک ربک وما قلی82 |
| وكيلا :لا اله الا انا فاتخذني وكيلا 399، 401 | ورث:انهم قوم ورثوه |
| ولد:سيولد لكم الولد ويدني منكم الفضل 163 ، 172 | وزر :وضعنا عنک وزرک الذي انقض ظهرک74، |
| انت مني بمنزلة ولدي | 630 |
| انه سيجعل الولدان شيبا | وسع :وسع مكانك 395،41، 541، 624، 624 |
| وُلد :صل على محمد و آل محمد سيد ولد آدم198 | وسع مكانك ياتون من كل فج عميق246 |
| صل على محمد وآل محمد سيد ولد آدم و خاتم | وصل :عشقك قائم ووصلك دائم621 |
| النبيين | وضع :وضعنا عنک وزرک الذي انقض ظهرک74، |
| ولى :الله ولى حنان علم القرآن | 630 |
| من عادي وليا لي فكانما خر من السماء623 | وضعنا الناس تحت اقدامك |
| والله وليک و ربک | الوطن :لا تصبون الى الوطن. فيه تهان و تمتحن652 |
| يا ولى الله كنت لا اعرفك 242، 426 | وعد :ان وعد الله اتىٰ |
| لوى عليه (او) لا ولى عليه | ان وعد الله لآت |
| وهب :فارتدا على اثارهما و وهب له الجنة23 | واذا جاء وعد الحق اهذا الذي كذبتم181 |
| ويل :ويل لهذه الامرأة و بعلها | وعد الله ان وعد الله لا يبدل |
| ويل لهم اني يوفكون | وعد غير مكذوب628 |
| ويل لک ولافکک594 | وقالوا متىٰ الوعد163 |
| ويل لكل همزة لمزة 585، 588 | وكان وعد الله مفعولا |
| | وعظ :كشاب مسلوخة عند وعظ معطل665 |
| • | وفي :وفي الله اجرك ويرضى عنك ربك |
| ٥ | 318 (196 |
| | وقار :سبحان الله انت وقاره |
| ها انی اثرتک | وقت :اخره الله الى وقت مسمى 516، 556 |
| هاتوا :قل هاتوا برهانكم ان كنتم صادقين37، 46، 296 | رب اخر وقت هذا |
| هارون :انت منى بمنزلة هارون | قد جاء وقت الفتح والفتح قريب169 |
| هامان :اوقد لي يا هامان لعلى اطلع الى الله موسى 68 | وقت الابتلاء ووقت الاصطفاء218 |
| ان فرعون و هامان و جنودهما كانوا خاطئين 451 | ولن ابرح الارض الى الوقت المعلوم . 410، 559، 612 |
| | |

| بشرى لك في هذه الايام | اوقد لي يا هامان546 |
|--|--|
| واجعل لي نافعا هذه التجارة | ونري فرعون و هامان و جنودهما306، 550 |
| هذه تذكرة من شاء اتخذ الى ربه سبيلا 212، 217 | هب :رب هب لي ذرية طيبة |
| هُز اليك بجذع النخلة تساقط عليك رطبا جنيا32 | هدى :امم يسرنا لهم الهدئ 150، 303، 551 |
| هزموا :فجيء بالحق فهزموا | قل ان هدى الله هو الهدى وان معى ربى سيهدين |
| هزوا :ان يتخذونك الا هزو 1961، 296، 307، 317، | 546 (199 (71 |
| 407 | قل ان هدى الله هو الهدى |
| هل :هل اتاك حديث الزلز لة 527، 530، 552 | لعلى آتيكم منها بقبس او اجد على النار هدى422 |
| هل اتى على الانسان حين من الدهر53، 295 | لياتينكم منى هدى |
| هل انبئكم على من تنزل الشياطين540،37 | ووجدك ضالا فهدى |
| هل نرى جزاء الاحسان الا الاحسان600 | هو الذي ارسل رسوله بالهدي و دين الحق37، 194، |
| هلك : اذا هلك الدجال فلا دجال بعده الى يو م | 538 •521 •520 •409 •317 • 302 •301 • 294 •231 |
| القيامة | هدية :اني مرسل اليكم هدية |
| لو لا الاكرام لهلك مقام 340، 553، 600،590 | هذا الباس ما صنع الله في هذا الباس 374 |
| لو لا الامر لهلك النمر | قل هذا فضل ربي |
| وقع واقع و هلك هالك | هذا الثناء لي |
| والله لولا الاكرام لهلك المقام598 | هذا الذي كنتم به تستعجلون 54، 407، 540، 542، |
| هَمّ: اطلع الله على همه و غمه216 | 561 ،558 |
| اطلع الله على همه وغمه ولن تجد لسنة الله تبديلا | هذا تاويل رؤيا ي من قبل وقد جعلها ربي حقا38 |
| 211 | هذا شاهد نزاع |
| ما بقى هم بعد ذالك | هذا علاج الوقت والنربسي |
| هموم: ولم يبق الهموم لنا فانا توكلنا على رب العباد | هذا فضل ربي |
| 663 | هذا من رحمة ربك.37، 294، 301، 308، 315، 539 |
| همزة :ويل لكل همزة لمزة588،565 | هذا هو الترب الذي لا يعلمون 146 |
| يخرج همه و غمه دوحة اسماعيل507 | هذا هو الكتاب الذي الهمت حصة منه291 |
| هنّاک اللّٰه | هذا هو الوعد الحق |
| هو :هو الذي اخرج مرغميك فخضر دعواك660 | هذا يوم عصيب |
| هو الذي ارسل رسوله بالهدي و دين الحق36، 194، | هذا يوم مبارك |
| 538 •521 •520 •409 •317 • 302 •301 • 294 •231 | اليس هذا بالحق |
| هو الذي امشاكم في كل حال | هذان :وان هذان لساحران يريدان ان يخرجاكم652 |
| | |
| هو الذي ينزل الغيث من بعد ما قنطوا 79، 297 | هذه :احق الله امري ولا تنفكا من هذه المرحلة600 |

| ياابراهيم :انا اخرجنا لك زروعا يا ابراهيم283 | ان شانئك هو الابتر |
|---|---|
| انت معى وانا منك ياابراهيم | انهم ما صنعوا هو كيد ساحر |
| انت معي يا ابراهيم | جاءك النور وهو افضل منك120 |
| انت منى يا ابراهيم320، 616، 620، 624، 630، 633، | عسى ان تكرهوا شئيا وهو خير لكم218 |
| 634 | من ذاالذي هو اسعد منك |
| سلام ياابر اهيم85 | والسماء معك كما هو معى |
| ياابراهيم اعرض عن هذا | هو مؤتمن |
| يا احمد : بوركت يا احمد وكان مابارك الله فيك . | هو مؤمن |
| 542 | هو منی بمنزلة توحیدی و تفریدی12 |
| يا احمد اجيب كل دعائك الا في شركائك 21، 240 | يعصمك الله من عنده وهو الولى الرحمٰن 371 |
| يا احمد اسكن انت و زوجك الجنة55، 295، 315، | اذا مرضت فهو يشفى |
| 542 | هيهات :هيهات هيهات لما توعدون 3، 303، 539 |
| يا احمد بارك الله فيك 35، 178، 194، 194، 294، | وقالوا من ذاالذي يشفع عنده هيهات هيهات |
| 538 | |
| يا احمد جعلت مرسلا | ی |
| يا احمد فاضت الرحمة على شفتيك 39، 73، 264، | <u> </u> |
| 558 · 541 · 315 · 295 | |
| يا احمد يتم اسمك ولا يتم اسمى 39، 197، 295 | يا آدم : يا آدم اسكن انت و زوجك الجنة55، 295، |
| بشرى لک يا احمدى | 542 •315 |
| يا احمدي انت مرادي ومعي179، 239، 295، 408، | يا ايها :قل ياايها الكافرون لا اعبد ما تعبدون66 |
| 498 | قل ياايها الكفار انى من الصادقين 303، 306، 551 |
| یا ارض :یا ارض ابلعی ماء ک غیض الماء و قضی | يا ايها العوام اتبعوا الامام |
| الامر | ياايها المدثر قم فانذر |
| قلنا يا ارض ابلعي ماء ک وياسماء اقلعي388 | ياايها الناس اتقوا ربكم الله خلقكم591 |
| يا امام :اني معك يا امام رفيع القدر | |
| | يا أيها الناس أعبدوا ربحم الذي خلفكم 484،391،484 |
| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 | يا ايها الناس اعبدوا ربكم الذي خلقكم 484، 672،591 قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا 292 |
| ` | يا ايها الناس اعبدوا ربحم الدى حلفحم 6/2،591،484 قل ياايها الناس انى رسول الله اليكم جميعا 292 ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر و جئنا ببضاعة مزجاة |
| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 | قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا 292 |
| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب | قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا 292 ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة مزجاة |
| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب 229 يا جبال إيا جبال اسجدى معه والطير | قل ياايها الناس اني رسول الله اليكم جميعا 292 ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة مزجاة 570 |
| يا اهل المدينة جاء كم نصر من الله و فتح قريب229 يا جبال :يا جبال اسجدى معه والطير 373، (393، 441، 499، 491) | قل ياايها الناس انى رسول الله اليكم جميعا 292 ياايها العزيز مسنا واهلنا الضر وجئنا ببضاعة مزجاة 570 ياايها النبى اطعموا الجائع والمعتر |

| يا داود عامل بالناس رفقا وّ احسانا82، 91 | قلنا یا نار کونی بردا و سلاما علی ابراهیم39 |
|---|---|
| یا ذات البر کات : انت سلمان ومنی یا ذا البر کات | يا نبي الله كنت لا اعرفك 507، 557 |
| 516 : 515 | يا نوح اسر رؤياك |
| يا رفيق :يا حفيظ يا عزيز يا رفيق404 | يا ولى :يا ولى اشفني |
| يا سماء : قلنا يا ارض ابلعي ماء ك وياسماء اقلعي 388 | يا ولى الله كنت لا اعرفك 249، 426 |
| يلس : يس انك من المرسلين على صراط مستقيم 562 | يا يحيٰ خذ الكتاب بقوة |
| يس والقرآن الحكيم انك لمن المرسلين398 | ياتى :فاصبر حتى ياتى الله بامره 268، 271 |
| يا شمس :يا قمر يا شمس انت مني وانا منك541 | ياتي على جهنم زمان ليس فيها احد 340، 341، 345 |
| يا عبد :يا عبد الرافع اني رافعك الى97 | ياتي عليك زمان مختلف بازواج مختلفة149 |
| يا عبد القادر | ياتي عليك زمن كمثل زمن موسىٰ366، 408,557 |
| يا عبد القادر اني معك | 558 |
| يا عبد القادر اني معک اسمع و اري 72، 199 | ياتى قمر الانبياء 168، 172، 174، 308، 319، 561، 561 |
| يا عبد الله اني معك | ياتي نصر الله |
| يا عبدى لا تخف | سياتي عليك زمن الشباب |
| يا عزيز :يا حفيظ يا عزيز يا رفيق404 | لیاتینکم منی هدی |
| يا عيسى الله عيسى الله متوفيك و رافعك الى 80، | ياتيك :ياتيك الفرج549 |
| \$\cdot 594\cdot 548\cdot 316\cdot 296\cdot 264\cdot 179 | ياتيك تحائف كثيرة |
| يا عيسىٰ سأريك آياتي الكبراي | ياتيك رجال نوحي اليهم من السماء |
| يا غلام احمد: بشرى لك يا غلام احمد423 | ياتيك قمر الانبياء و امرك يتاتي 165، 200 |
| يا قم ر يا شمس انت مني وانا منك 500، 502، 541 | ياتيك من كل فج عميق39، 163، 195، 281، 295، |
| ياقيُّوم:يا حيُّ يا قيّوم برحمتك استغيث279 | 574 |
| یا لیتنی : قالت یالیتنی مت قبل هذا و کنت نسیا منسیا. | ياتيك نصرتي |
| 56 | انت قابل ياتيك وابل |
| يا ليتني اتخذت مع الرسول سبيلا | ياتون :اني حاشر كل قوم ياتونك جنبا320 |
| يا موزا :اصبر سنفرغ يا موزا102 | اي ياتون الى الله حنيفا |
| يا مويم اسكن انت و زوجك الجنة 55، 295، 542 | ياتون من كل فج عميق39، 246، 295، 301، 395، |
| يا مسرور :اني معکيا مسرور630 | 623 ،574 ،565 ،541 ،535 ،465 |
| يا مسيح :يا مسيح الخلق عدوانا 225، 263، 346 | يبايعون :الذين يبايعونك انما يبايعون الله134 |
| 7 | ان الذين يبايعونك انما يبايعون الله يد الله فوق. 196، |
| يا مسيح اللَّه عدوانا | ال العلق يبايعون العلايبايعول العديد العدوق. 190. |
| يا مسيح الله عدوانا | 545 |
| _ | |

| يجتبي من يشاء من عباده | يبدى لک الرحمن شيئا |
|--|--|
| يجتبى اليه من يشاء 176، 195، 296، 303 | يبصرون :ينظرون اليك وهم لا يبصرون62 |
| يجتبى من يشاء | يبعثك :اراد الله ان يبعثك مقاما محمودا521 |
| يجحدون :ان الناس كانوا باياتنا يجحدون 215 | يبقى :يموت و يبقى منه كلاب متعددة108 |
| يجعل :انه سيجعل الولدان شيبا | ويبقيك |
| عسى الله ان يجعل بينكم وبين الذين عاديتم مو دة | يبور :ومكر اولئك هو يبور217،212 |
| 321 •308 | يبين او لا يكاد يبين |
| لن يجعل الله للكافرين على المؤمنين سبيلا. 218، 304 | يتيم: يطعمون الطعام على حبه مسكينا و يتيما و اسيرا |
| مبارك ومبارك وكل امر مبارك يجعل فيه8 | 437 |
| يجوح:ان هذا الرجل يجوح الدين | يتامي':اني اجعل نساء هم ارامل و ابناء هم يتاميٰ123 |
| يجيء الحق و يكشف الصدق | يتبرك بثيابك الملوك والسلاطين194 |
| يجيب :افمن يجيب المضطر اذا دعاه | يتخلون: احفظني فان القوم يتخذونني سخرة578 |
| يحبون :يحبون ان يحمدوا بما لم يفعلوا66 | ان يتخذونك الا هزوا196، 296، 303، 317، 407 |
| يحبون ان تدهنون66 | يتخطفوا :يريدون ان يتخطفوا عرضك357 |
| يحسنون :ان الله مع الذين اتقوا والذين هم يحسنون | يتربصون عليك الدوائر عليهم دائرة السوء |
| الحسنيٰ | 304 4158 |
| والله شديد العقاب. انهم لا يحسنون | يترك : احسب الناس ان يتر كوا66,552 |
| يحمد :يحبون ان يحمدوا بما لم يفعلوا66 | انت وقاره فكيف يتركك304 |
| تصلى عليك الارض و يحمدك الله عن عرشه .129 | فكيف يتركك |
| يحمدك الله من عرشه37، 19،38، 203، 239، 294، | وما كان الله ليتركك حتى يميز الخبيث من الطيب |
| 407 • 316 | 542 ،409 ،319 ،315 ،302 ،295 ،197 ،53 |
| يحمدك الله ويمشى اليك63، 296، 407، 441، | يتزايدون :انا نجد الوارثين في كل عام يتزايدون391 |
| 543 | يتق :انه من يتق اللُّه و يصبر فان اللُّه لا يضيع اجر |
| يحمدك من عرشه | المحسنين |
| يحمل :ان الله يحمل كل حمل | يتقون :ان الله مع الذين هم يتقون502 |
| ليحمله رجلليحمله رجل | يُتم :يا احمد يتم اسمك ولا يتم اسمى295 |
| يحى :واعلموا ان الله يحى الارض بعد موتها62 | يريدون ان لا يتم امرك والله يابي الا ان يتم 385،409 |
| فخلقت آدم ليقيم الشريعة و يحي الدين315 | يتم نعمته عليك 37، 429،301، 539 |
| يحي الدين و يقيم الشريعة 55، 542، 562 | يتمطى :قل الله ثم ذره في غيه يتمطى 307،287 |
| يحيى ٰ:انا نبشرك بغلام اسمه يحيىٰ626 | يفتى :يظهرك الله ويثني عليك556 |
| | |
| يخرج: يخرج همه و غمه دوحة اسماعيل507 | يجتبي :يجتبي اليه من يشاء من عباده79 |

| وان هذان لساحران يريدان ان يخرجاكم652 | ثم يرد اليك السلام |
|--|---|
| يخرون :يخرون سجدا. ربنا اغفر لنا انا كنا خاطئين | لا يرد عن قوم يعرضون 552 ، 521 |
| 264 | ليس لاحد ان ير دما اتىٰ |
| يخرون على الاذقان 305، 557،550 | و بشرت ان البلاء يرد على عدوى الكذاب المهين |
| يخرون على الاذقان سجدا ربنا اغفرلنا321 | 364 |
| يخرون على المساجد550 ،172،156 | وان يردك بخير فلاراد لفضله |
| يخسو :يجيء الحق و يكشف الصدق و يخسر174 | ولا يرد وقت العذاب |
| يخطف :يكاد البرق يخطف ابصارهم536، 558 | ويردها اليك لاتبديل لكلمات الله126 |
| يخوفون :ويخوفونك من دونه196،84،37 | يرد عليك وانت من الغافلين |
| يخوفونک من دونه | یرضی :اریک ما اریک ومن عجائب ما یرضیک |
| يخوفونك من دونه ائمة الكفر297 | 622 |
| يد:يد الله بالجلال والجمال | اریک ما یرضیک |
| يد الله فوق ايدهم | انه نازل من السماء ما يرضيك533، 534 |
| لا يد الا يدى | انی اریک ما یرضیک535 |
| يدافع: ان الله يدافع عن الذين آمنوا684 | في الله اجرك ويرضى عنك ربك318 |
| يدخل: ما كان له ان يدخل الا خائفا | قال ربك انه نازل من السماء ما يرضيك . 518، 569 |
| يدع:فليدع الزبانية605 | ويرضى عنك ربك ويتم اسمك |
| ان ذا العرش يدعوك562 | يرفع :يرفع الله ذكرك 39، 295، 542 |
| يدعون :يدعون لك ابدال الشام وعباد الله من العرب | يرفع من يشاء و يضع من يشاء |
| 100 | يروا :يريدون ان يروا طمثك325 |
| يدني اسيولد لكم الولد و يدني منكم الفضل63 | يرى الله بک سبيله |
| يدور : الرحى يدور و ينزل القضاء552 | يريب :اني اذيب من يريب |
| الرحى تدور و ينزل القضاء | يريد :وان هذان لساحران يريدان ان يخرجاكم652 |
| يدوم:واعطيك ما يدوم559 | يريدون ان يطفئوا نور الله549،308،84 |
| يذل:يعز من يشاء و يذل من يشاء | يريدون ان لا يتم امرك واللَّه يابيٰ الا ان يتم امرك |
| يربيكم :اتقنط من رحمة الله الذي يربيكم في الارحام | 554 (409 (385 |
| 575 | يريدون ان يتخطفوا عرضك |
| يرحم :عسى ربكم ان يرحمكم 63، 294، 547 | يريدون ان يروا طمثك |
| يرحمك ربك ويعصمك من الناس198 | يريدون ان يطفئوا نور الله بافواههم 38، 196، 294 |
| يظل ربک عليک و يغيثک و ير حمک68 | يريدون ان يطفئوا نورك |
| يرد :ان البلاء يرد على عدوى الكذاب المهين364 | يريدون ان يقتلوك يعصمك الله307 |
| | |

| يصفون :سبحانه و تعالى عما يصفون66، 407 | يريكم الله زلزلة الساعة 520، 521، 552 |
|--|---|
| يصالح: يضع الحرب و يصالح الناس 313 | يزداد: اليزدادوا حسنا مع حسنك |
| يصلح :ولا يصلح شيء قبل اصلاحه66 | اليزيديون :اخرج منه اليزيديون141 |
| يصلح الله جماعتي ان شاء الله تعالىٰ651 | يسئل: لا يسئل عما يفعل وهم يسئلون 65، 195، 303، |
| يصلون عليك صلحاء العرب وابدال الشام129 | 498 408 |
| يضو:ان الله لا يضر418 | يسئلونك احق هو قل اي و ربي انه لحق128، 521، |
| يضربون وجوههم اين المفر | 552 |
| يضع :يرفع من يشاء و يضع من يشاء | يسئلونك عن شانك |
| يضع الحرب و يصالح الناس | يسبح له من في السماوات ومن في الارض من413 |
| يطرح بين يدىع | يستنبئونك احق هو461 |
| يطعمون الطعام على حبه مسكينا و يتيما437 | يسو: انما يريد الله لكم اليسر585 |
| يطهر:انما يريد الله ليذهب عنكم الرجس اهل البيت و | بعد العسر يسر72 |
| يطهركم تطهيرا | امم يسرنا لهم الهدئ |
| يظل :يظل ربک عليک و يغيثک و ير حمک68 | انی اعززت و اکرمت و یسرنی قولک انی علمت |
| يظهر :يظهرك الله ويثني عليك556 | 662 |
| ما انا الا كالقر آن وسيظهر على يدي ماظهر570 | يسر الله وجهك وينير برهانك |
| هو الذي ارسل رسوله بالهدي و دين الحق ليظهره | يسطو:يعصمك الله من العدا ويسطو بكل من سطا |
| على الدين كله37، 194، 194،231 ،302،301 ، 317، | 558 (550 (369 |
| 538 (521 (520 (409 | 369، 360، 550، 558 يسير :فضل يسير |
| يعبؤ :قل ما يعبؤ بكم ربى لو لا دعاء ُكم15 | يشاء: يجتبى اليه من يشاء من عباده |
| يعتدون :ذالك بما عصوا وكانوا يعتدون373، 380، | يجتبى اليه من يشاء 176، 195، 296، 303 |
| 560 | يجتبي من يشاء من عباده |
| يعرض :وان يروا آية يعرضوا ويقولوا سحر مستمر .58 | يرفع من يشاء و يضع من يشاء |
| لا يرد عن قوم يعرضون552 و 552 | يلقى الروح على من يشاء 533، 554 |
| يعز من يشاء و يذل من يشاء176 | يشهد :اني صادق اني صادق و يشهد الله لي560 |
| يعصرون :ثم يغاث الناس ويعصرون341 | اني صادق صادق و سيشهد الله لي 367 |
| يعصم: وان لم يعصمك الناس فيعصمك الله68 | وجعلوا يشهدون عليه ويسيلون اليه كماء منهمر 287، |
| و لو لم يعصمك الناس يعصمك الله304 | 320 ‹307 |
| ويريدون ان يقتلوك يعصمك الله307 | يصب :ان يک كاذبا فعليه كذبه وان يک صادقا |
| يعصمك الله من العدا ويسطو بكل من سطا369، | يصبكم |
| 558 ,550 ,49 ,409 | يصعد:اليه يصعد الكلم الطيب |
| | |

| يغيروا :ان الله لا يغير ما بقوم حتىٰ يغيروا 260، 261، | يعصمك الله من عنده ولو لم يعصمك الناس316 |
|---|---|
| 409 | يعصمك الله من عنده وهو الولى الرحمٰن371 |
| وما كان الله ليغير ما بقوم حتىٰ يغيروا ما بانفسم 553 | يعصمك الله من عنده وان لم يعصمك احد198 |
| يفتح :سيؤتيٰ له الملك العظيم و يفتح على يده | يعصمك الله ولو لم يعصمك الناس441،441 |
| الخزائن | ويعصمك من عنده وان لم يعصمك الناس198 |
| يفرح :يومئذ يفرح المؤمنين216 | يعض :يعض الظالم على يديه |
| يفعل:لا يسئل عما يفعل وهم يسئلون 65، 195، 303، | يوم يعض الظالم على يديه |
| 498 408 | يعض الظالم على يديه ويوثق |
| يحبون ان يحمدوا بما لم يفعلوا66 | يعطى: الله يعطيك جلا لك |
| يقبل: لا يقبل عمل مثقال ذرة من غير التقوى547 | ولسوف يعطيك فترضى |
| ومن يبتغ غير الاسلام دينا لن يقبل منه | يعظمك الملائكة |
| ومن يبتغ غيره لن يقبل منه | يعقلك ربك بالكتاب والحكمة166 |
| يقتل: ان القوم يقتلونني اي ارادوا قتلي657 | يعلم : انت معي وانا معك ولا يعلمها الا |
| ويريدون ان يقتلوك يعصمك الله307 | المسترشدون |
| يقضي امره في ست | انت منى بمنزلة لا يعلم الخلق 161، 165 |
| يقول :يقول العدو لست مرسلا304 | انت منى بمنزلة لا يعلمها الخلق،، 302، 315، 371، |
| والصبر على ما يقولون66 | 469 ·442 ·441 ·427 ·407 |
| يقولون ان لک هذا | انه غالب على امره ولكن اكثر الناس لا يعلمون406 |
| يقولوا سحر مستمر | انه معك وانه يعلم السر وما اخفى287 |
| يقولون ان هذا الا اختلاق408 | انه يرى الاوقات ويعلم مصالحها176 |
| يقولون ان هذا الا قول البشر واعانه عليه قوم آخرون . | لا اله الا هو يعلم كل شيء 287، 307، 320 اله اله |
| 406 | الله يعلم وانتم لا تعلمون |
| يقولون انا سمعنا بهذا من الاولين | ليعلمن الله المجاهدين منكم وليعلمن الكاذبين 255 |
| يقولون انى لک هذا | نبأ من الله الذي يعلم السر وما اخفيٰ352 |
| يقولون لست مرسلا407 | هذا هو الترب الذي لا يعلمون146 |
| يقيم :يحي الدين و يقيم الشريعة 55، 542، 562 | يعلى:اللَّه يعلينا ولا نعلىٰ525 |
| فخلقت آدم يقيم الشريعة و يحي الدين198، 302، | یعمرون :ولک نری آیات و نهدم ما یعمرون539 |
| 315 | يغاث :ثم يغاث الناس ويعصرون341 |
| يكاد :يكاد البرق يخطف ابصارهم 536، 858 | يغضوا :قل للمؤمنين يغضوا من ابصارهم64 |
| يكاد زيته يضيء ولو لم تمسسه نار 58، 198، 296 | يغفر لک الله ما تقدم من ذنبک و ما تاخر657 |
| ولا يكاد يبين | یغیث :بظل ربک علیک و یغیثک و یرحمک68 |
| | |

| 408 • 315 | يكذبون باياتي و كانوا بي من المستهزئين198 |
|---|--|
| ينادون : انهم ينادون من مكان بعيد | يكرمك الله اكراما عجيبا582 |
| ينادى مناد من السماء | يكشف :يجيء الحق و يكشف الصدق174 |
| ربنااننا سمعنا مناديا ينادى للايمان 40، 197، 541 | يكفى:فسيكفيكهم الله |
| ينبد: لينبذن في الحطمة | فسيكفيكهم الله. ويردها اليك لاتبديل لكلمات 126 |
| ينجى :انه ينجى اهل السعادة | يكلئك الله |
| ينجى الناس من الامراض | يكون: اذا اردت لشيء ان تقول له كن فيكون 164 |
| رب ارحمني ان فضلک و رحمتک ينجي من | انما امرنااذا ارادنا لشيء ان نقول له كن فيكون 271، |
| العذاب | 305 |
| ينجيك من الغم وكان ربك قديرا | انه معذبهم لو لم يكونوا تائبين |
| ينجيك من كربك | ليكون آية للناظرين |
| ينزل :الرحى يدور و ينزل القضاء552 | ليكون آية للمؤمنين |
| ينزل ما تعجب منه | لعلك باخع نفسك الا يكونوا مومنين67، 545 |
| ينزل منزل المبارك | كذالك ليكون آية للمؤمنين85 |
| ينصر :ينصرك الله من عنده | يلعبون :قل الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون38، 65، |
| ينصرك الله في مواطن | 538 (399 (195 |
| ينصرك الله من عنده 39، 195، 295، 541 | قل الله ثم ذرهم في خوضهم يلعبون 545، 597، 618 |
| ينصرك رجال نوحي اليهم من السماء 39، 195، | يلقى الروح على من يشاء 533، 554 |
| 623 | يمسسك :ان يمسسك بضر فلا كاشف له الا هو |
| ينصركم الله في دينه | 89 |
| ينصركم الله في وقت عزيز | يمسه : لا يمسه الاالمطهرون |
| ينصره الملائكة | يمشى :يحمدك الله ويمشى اليك، 440، 441 |
| ينطق :ما كان لبشر ان ينطق كمثلي مرتجلا 291 | يموت :يموت بغير مرض |
| ينظرون :ينظرون اليك وهم لا يبصرون62، 296، | كلب يموت على كلب |
| 547 •317 •304 | يموت قبل از ثمانيه |
| ينقطع :زاد مجدك ينقطع اباءك و يبدء منك 53، | يموت قبل يومي هذا |
| 542 | يموت و يبقى منه كلاب متعددة108 |
| ينقطع اباءك ويبدء منك | يمكث :واماما ينفع الناس فيمكث في الارض. 11، 506 |
| ينقلبون : وسيعلم الذين ظلموا اي منقلب ينقلبون . 407 | يمكر :واذيمكربك الذي كفر68 |
| ينير :يسر الله وجهك وينير برهانك172 | ويمكرون ويمكر الله والله خير الماكرين 38، 150 |
| يهتدون :اني مع الذين هم يهتدون | يمكرون ويمكر الله والله خير الماكرين301، 303، |
| | |

| اليوم يوم عيد | يهزم :سيهزم الجمع و يولون الدبر |
|---|--|
| كل يوم هو في شان 85، 297، 351، 620 | يهلك بعد وجودها وتجسمها218 |
| يوم الاثنين و فتح الحنين | اليهود :ولن ترضى عنك اليهود ولاالنصاري 38، 203 |
| لا ياتي عليك يوم الخسران | يوتى ابيؤتى له الملك العظيم 306، 551 |
| يوم تاتي السماء بدخان مبين 504، 554، 616، 619 | يواسيك :ان الله مع عباده يو اسيك376 |
| يوم تاتيك الغاشية يوم تنجو كل نفس بما كسبت | يوثق : يعض الظالم على يديه ويوثق |
| 261 | يوسف: انظر الى يوسف و اقباله 163، 172، 198 |
| يوم تبدل الارض غير الارض | اني لاجد ريح يوسف لولا ان تفندون . 442، 560، 657 |
| هذا يوم عصيب | اني اجد ريح يوسف لو لا ان تفندون419 |
| هذا يوم مبارك | قالوا تالله تفتؤا تذكر يوسف حتّى تكون حرضا130 |
| انا خلقنا الانسان في يوم موعود | يۇفكون : قاتلهم الله انى يۇفكون303 |
| يوم يجيء الحق | يوقي : ان الصابرين يوفّي اجرهم بغير حساب130 |
| يوم يعض الظالم على يديه | يولد لک الولد ويدنى منک الفضل164 |
| يومئذ تحدث اخبارها بان ربك اوحى لها527 | يولون :سيهزم الجمع و يولون الدبر 23، 590، 660 |
| يومئذ يفرح المؤمنين | يوم :اليوم اكملت لكم دينكم219 |
| وسانزل وان يومي لفصل عظيم | اليوم يوم البركات623 |
| | |

الهامات

فار سے 1_1 ايام بلا صادق آں باشد کہ ایام بلا می گزارد ہامجت باوفا...... 255 آرزو اے بساتر رز و کہ خاک شد اے بیا آرزوکہ خاک شدہ آ فریبنده اے بساخانہ دشمن کہ تو وہرال کردی خدائے ذوالحلال آ فرینند ہ زمین وآ سان 77 اے عمی بازی خویش کردی مراافسوس بسیار دادی 90 آ مدن عيد مبارك بادت امےم دسلامت سلامت برتوا ہم دسلامت آید آن روزے کم شخلص شود..... اہم یم اهر.....ا مبارك مادت المصريم كويسلي بازمي آيد..... احد زمان _اس زمانے کا احمہ احمر مقبول **ابوان کسری** : تزلزل درابوان کسرای فیآد 503 ازیخ آل محمداحس را: تارک روز گارمی پینم 140 از خدایا بندم دان خدا...... اعلام: دولت اعلام بذريجه الهام افسوس صدافسوس الااب دشمن نادان وبراه: بترس ازتيغ بران محمد 185 بالابالا: الم منكريا مارابالابالا امن :امن است در مقام محبت سرائے ما بحسن قبولئ دعا بنگر که چهزود دعا قبول می کنم 93 امن است درمکان محبت سرائے ما 553،456،428 بخ ام که وقت تو نز دیک رسید و پائے محمدیاں برمنار بلندتر محکم : برمقام فلک شده یارب _گرامیدے دہم مدارعجب 327 انشاءالله خير وعافيت خوش باش كه عاقبت نكوخوا بد 419 ىدورانش رسولان ناز كردند انوار : بروئ من انوارسعادت بتافت 221 برسرسه صد شارای کاررا 165

| برطاني _ي |
|---|
| سلطنت برطانية تا هشت سال |
| سلطنت برطانية ثافت سال |
| قوت برطانية انهشت سال |
| 4 |
| برمقام فلک شده مارب گرامیدے دہم مدار عجب 327 |
| بروئے من انوار سعادت بتافت |
| بروئے من انوار ہاہتافت |
| بستسال |
| نفرت وفتح وظفرتا بست سال |
| بسترعيش |
| אָן |
| :بلاءدمشق |
| بلاءنا گبانی |
| رة بلا |
| رسیدہ بود بلائے دلے بخیر گزشت 573،434 |
| صادق آں باشد کہ ایام بلا۔ مے گزار دبامحت باوفا 255 |
| تېمىن مرد مال بيايدساخت |
| پائے محمدیاں |
| بخرام کہونت تو نز دیک رسیدو پائے محمدیاں برمنار بلندتر محکم |
| انتاد |
| پایخمن |
| کیے پائے من مے بوسیدومن گفتم حجراسودمنم |
| لپیپاشده بهجوم |
| پیت برقبله مے کنندنماز |
| |
| • |
| |
| |

| خدائے من قدمم را ند بررہ داؤد | شبت است برجریده عالم دوام _م ا |
|--|---|
| خىرو | ثبت است برجریده عالم دوام ما |
| چودورخسروی آغاز کردند_مسلمان رامسلمان باز کردند | شد جہان عثق بروے آشکار |
| 562،514 | جهنم : سرانجام جابل جهنم بود 560،391 |
| د بدبه خسر ویم شد بلند_زلزله درگورنظامی قکند 632 | چ ودورخسروی آغاز کردند مسلمال رامسلمال باز کردند |
| خلاف واختلال | 562.514 |
| سلطنت برطانية ناغت سال بعدازان باشدخلاف واختلال | چەزود دعا قبول مى كنم |
| 651 | |
| خوش | |
| خوش آ مدی، نیک آ مدی | |
| خوش باش كه عاقبت نكوخوا مد بود | |
| انشاءالله خيروعا فيت خوش بأش كه عاقبت نكوخوامد بود 419 | الامصل ويتسرب ومبني |
| خوش وخرم باش | حاليا مصلحت وقت درال مينينم |
| خوش باشی | حجراسود کیا برم میان می ^{م گفتر جی این منم} |
| | برور کور کیے پائے من مے بوسیدومن گفتم حجراسودمنم 29 |
| : ۾ کِابا ٿي خُوش با ٿي | الرم المرابع الترابع الترابع الترابع المرابع |
| | ولم مے بلزز دچویاد آورم مناجات شوریده اندر حرم 341 |
| | منا جات شوريده اندر حرم |
| 1-9 | حسن بیان |
| | حق اولا دوراولا د |
| داؤد : خدائے من قدم را ند برره داؤد | حنيف ميخ |
| واغ بجرت | خدا |
| دېدبې خسر ويم شد بلند_زلزله درگورنظا می فکند 632 | وست تودعائے تو ترخم زخدا |
| وخت كرام | خداابررمت بباريدياني |
| وخرز نیک آگاہی شاں خوروز چندیں سال 685 | خداتراازعیوب منزه و باتو موافقت کرد |
| در کلام ت وچیزیاست که شعراءرا دران دخلے نیست. 558،508 | منه دل در تعمهائے دنیا گرخداخواہی کہ مےخوامد 162 |
| وست تو دعائے تو ترحم زخدا | خدا باماست |
| | , , , |
| | خدائے ذوالحلال آفرینند ه زمین و آسان 77 |

| روشن شدنشانهائے من | وشمن ناوال |
|---|--|
| روژن شدنشانهائے من روئے پاک | الااب دشمن نادان وبراه - بترس از نیخ بران محمد 185 |
| کجابیندول ناپاک روئے پاک حضرت را | وعا |
| ر ہا گوسفندان عالی جناب | بحسن قبولئ دعا بنگر که جهزود دعا قبول می کنم 93 |
| ربگرائے عالم جاودانی شد | دست تو دعائے تو ترحم زخدا |
| زابد | ول |
| طريق زېدوتعبدندانم اے زاہر | ولم مے بلزز د چویاد آورم مناجات شوریده اندر حرم 341 |
| ز درگاه خدام دے بصداعز از ہے آید | رسيدمژ ده كهآ ل ياردل پيندآ مر |
| زرچنده حيدرآ باد | کجاببینددل نا پاک روئے پاک حضرت را 162 |
| زلزله در گورنظا می فکند | منہ دل در تعمہائے دنیا گرخداخواہی کہمےخواہد 162 |
| د بدبه خسر ويم شد بلند_زلزله درگورنظامی قکند 632 | هر گزنمیردآ نکه دلش زنده شد بعثق |
| زن بادآ ں فرزند | ونيا : دنياباميدقائم |
| | منہ دل در تعقمہائے دنیا گرخداخواہی کہمےخوامد 162 |
| س_ش | دورخسروی |
| | چودورخسر وي آغاز كردند_مسلمان رامسلمان باز كردند |
| / | 5624514 |
| ساقیا آمدن عیدمبارک بادت | دولت اعلام بذريعه الهام |
| سال دیگررا که مے داند حساب تا کجارفت آل که باما بودیار | رحمت حق |
| 332 | رد بلا |
| سپردم بتوماییه وخولیش را تو دانی حساب کم وبیش را 673 میسیده حذ | رسيد |
| سرانجام جابل جہنم بود | رسیده بود بلائے دلے بخیر گزشت 573،434 |
| سرائے | رسيد مژوه كهآن ياردل پيندآ مد |
| امن است درمقا م محبت سرائے ما | رسيدمژ ده كهايام غم نخوامد ماند |
| امن است در مکان محبت سرائے ما | رسيدمژ ده كهايام نوبهارآ مد |
| سعادت : بروئے من انوار سعادت بتافت 221 | رسيدمژ ده كه د يوارازميال برخاست |
| سلامت برتواےم دسلامت | روزگار :ازیپئے آ ل محمداحس را۔ تارک روزگاری بینم 140 |
| سلطان عبدالقادر | مباش ایمن از بازی روز گار |
| سلطنت برطانية تا مثت سال | روز نقصان برتونیاید |
| سلطنت برطانية تلفت سال | |

| گرفضارا عاشقے گردداسیر بوسدآ ن زنجیررا کز آشنا 255 | شخصے پائے من بوسیدومن گفتم که سنگ اسود منم 29 |
|--|--|
| عالم | شدر ااین برگ وباروشخ وشاب 653 |
| ربگرائے عالم جاودانی شد | شد جہان عشق بروے آشکار |
| شبت است برجریده عالم دوام _م ا | شعراءرادرال دخلخ نيست |
| عروتی | در کلام تو چیزیاست که شعراءرا دران دخلے نیست 508 |
| هر چه باید عروتی را ہمال سامال کنم | شکارمرگ |
| عثرت | تنخ وشاب |
| می خوابد زگارمن تهید ستان عشرت مهیه | شدرترااین برگ و باروشخ وشاب 653 |
| مخشق | |
| شد جہان عثق بروے آشکار | ص-ط-ظ |
| هر گزنمیرد آنکه دلش زنده شد بعثق | |
| عمايين | . القريق إن العراد المركز العربية المنا المركز المر |
| نصف ترانصف عماليق را | صادق آن باشد کهایام بلا _ مے گزارد بامحبت باوفا 255 |
| عمرنا پائىدار | صحت : آ ثار صحت |
| مکن تکیه برعمرنا پائیدار | تاغود صحت |
| عمى | صعب منالذ به قدمکشر کار برای درجه می می است. |
| ائے می بازی خولیش کردی ۔مراافسوس بسیاردادی 90 | مخالفت قوم کثیر کارےاست صعب |
| عيدمبارك | طریق زیدوتعبدندانم اے زاہد |
| آمدن عيدمبارك بادت | |
| ساقيا آمدن عيدمبارك بادت | نفرت وفتح وظفر تابت سال |
| عيسى | , c |
| مبارک بادت اے مریم کوئیسٹی بازمے آید | 3-3 |
| غرنوی | |
| 7 | عاقبت |
| ف ق ل | ت ب ب انشاءالله خيروعافية خوش باش كه عاقبة نكوخوامد 419 |
| | خوش باش که عاقبت نکوخوامد بود |
| , L 🖏 | عاشق |
| فتح وظفر | |

| المعلى ا | مباش ایمن از بازی روز گار | نصرت وفتخ وظفر تابست سال |
|---|--|--|
| المن است درمقام محبت برائد کرد کیشن پدر کیگورد دو اولول نیست 383 است درمقام محبت برائے با 385 مرکبان محبت برائے اللہ | مجموعه فتوحات | فرزند |
| المن است درمكان مجت برائي المن المن المن المن المن المن المن المن | محبت | فرزنددلبند گرامی ارجمند |
| المن است درمكان مجت برائي المن المن المن المن المن المن المن المن | امن است درمقام محبت سرائے ما | زن بادآ ن فرزند که چنین پدرے بگزردواوملول نیست 383 |
| الله المعالمة المعال | | فلك |
| قبله: پشت برقبله عيندناز الناد و النا | عالة محمولية محمولية | برمقام فلک شده یارب-گرامیدے دہم مدارعجب 327 |
| قد کیان خودرائیٹر اے قدر اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ الل | الااے دشمن نادال و بےراہ۔ بترس از تینے بران محمد 185 | قادیان : نزول درقادیان |
| قوت برطانية تا بشت سال 165 افقاد من المحادث ا | محمديان | قبله : پشت برقبله م كنندنماز |
| الم الرسم من الرازة و الم دور دال چنيل كنند الله المنافرة و المنا | بخرام كهوقت تونز ديك رسيدو پائے محمدياں برمنار بلندتر محكم | |
| النه المناد الم | افناد | |
| الفت قوم كثيركار است صعب الموات المو | | |
| ان النجار النج | از پئے آں محمداحسن را تارک روز گار مے بینم | |
| 634 79 ازخدایا بندم دان خدا 483 79 ازخدایا بندم دان خدا 483 مرک : آبوئ مرگ 40 446 شارا مرگ : آبوئ مرگ 446 446 شارا مرگ : آبوئ مرگ 446 540 مریم : مبارک بادت اے مریم کی کیسٹی بازے آبد مریم نیسٹی بازے آبد مریم دریم نیسٹی بازے آبد مریم نیسٹی بازے آبد | | |
| حَرُوا لِهِ ذَكَّارُ رَوَا يَوَانُ كَرِي فَقَادَ | مردان خدا | |
| كد من خوا بدنگار من جهید ستان عشرت | | |
| 327 مریم: مبارک بادت اے مریم کوئیسی بازے آید | | |
| حضارا عاشة گردداسير بوسدآ ن زنجيرراكز آشا 255 گوسفند : رېا گوسفندان عالى جناب 162 مسلمان رامسلمان بازكردند 162 مسلمان رامسلمان بازكردند 162 چودورخسروى آغاز كردند مسلمان رامسلمان بازكردند 162 مصفاقطره بايدكمة گوېر شود پيدا 162 مصفى عنيف يح مضف 162 مصفى عنيف يح مضفى 162 مصفى 162 مصفى 162 مصفى 162 مصفى 163 مصفى 163 مصفى 164 مصفى 165 مصفى 16 | | کہ مے خواہدنگار کی جہد ستان عشرت |
| المعند : ربا گوسفند : ربا گوسفند ان عالی جناب | مریم : مبارک بادت اے مریم کوئلیٹی بازے آید 684 متنا | |
| المسلمان بازكر دند | | |
| چودورخسروی آغاز کردند مسلمان رامسلمان باز کردند | آیدآ ل روزے که محلص شد | |
| مسيح: حنيف ميخ : منيف ميخ : منيف ميخ | | توہر :مصفا قطرہ باید کہتا تو ہر سود پبیدا 162 |
| مصفاقطره باید که تا گوهر شود پیدا | | |
| مصلحت وقت اليامصلحت وقت درال عينم | | |
| حاليا مصلحت وقت درال مے بينم | | م-ن |
| مايي معنى ديگر نه پينديم ما | | |
| | | 1 |
| ا چيرد) وقاليه و قيل از الحزال شاب احيال ا 575 مقام او ميل از راه سفر پيدورا کي رسولال نار بر ديد | · · | • • • • • • • • • • • • • • • • • • • |
| | مقام او • یک از راه حقیر ـ بدوراس رسولان ناز کردند | پردې دومانيه ويان را تو دان ساب اويان را |

| ن فرت وفتح وظفر تابست سال441،422،419 | مقام محبت |
|--|---|
| نصف ترانصف عماليق را | امن است درمقام محبت سرائے ما |
| نگار : می خوامدنگار من حبید ستان عشرت را، | مكان محبت |
| نماز : پشت برقبلد مے کنندنماز | امن است در م کان محبت سرائے ما 553،456،428 |
| نیک :خوش آ مری، نیک آ مری | كمن تكيه برغمرنا پائيدار |
| دختر نیک آگاہی شاںخوروتر چندیں سال 685 | ملوك : تخفة الملوك |
| | مناجات |
| و-ه-ي | : دلم می بلرز و چول یاد آور دم مناجات شوریده اندر حرم 341 |
| | مثار |
| وتت | بخرام كهوقت تونزديك رسيدو پائے محمدياں برمنار بلندتر محكم |
| وتت رسيد | ا في از |
| بخرام که وقت تو نز دیک رسید | منزل : تو در منزل ما چو بار بار آئی |
| حاليا مصلحت وقت درال مے بينم | منہ دل در تعمہائے دنیا گرخداخواہی کہ مےخواہد 162 |
| ۾ چه بايدنوعروي راڄال سامال کنم | ےخوامدنگارمن تهیدستان عشرت را |
| ۾ گرنمير دآ نکه دلش زنده شد بعثق | ے گزارد بامحبت باوفا |
| ۾ کِها با ثَی خُوْل با ثَی | نزول درقادیان |
| یکے پائے من مے بوسیدو من سکھتم کہ حجرا سودمنم 29 | نثان :روشن شدنشا نهائے من |

اردو الهامات

| آخر | ĩ |
|--|---|
| آ خرتو حیدکی فتح ہے | , |
| آ خری گھڑی | |
| ہاری آخری گھڑی | آب |
| آ دى | آبزندگی |
| تین بڑے آ دمیوں میں سے ایک کی موت | خون سے مردول کے کو ہستان کے آب روال |
| ریاست کابل میں قریب بچاس ہزار کے آ دمی مریں گے 595 | ناليان خوں کی چلیں گی جیسے آب رود بار |
| لا کھوں آ دی تہ و بالا کر دول گا | آپ |
| مبارک وه آ دمی جواس درواز ه کےراه سے داخل ہو 292 | آپ کی تلاش میں ایک شخص بازار میں پھرر ہاہے689 |
| ہزاروں آ دئی تیرے پرول کے پنچے ہیں 594 | آپ کے ساتھ انگریزوں کا زمی کے ساتھ ہاتھ تھا323 |
| آريول كابادشاه آيا | آپ کے لڑ کا پیدا ہؤ ا ہے |
| آ سان | میرے خیال میں ہے آپ کی توجہ کا اثر ہے |
| آ سان ایک مثلی جرره گیا | بادشاه وفت پر جو تیر چلاوے اس تیرہے وہ آپ مارا جاوے 424 |
| آ سان پرد کیضے والوں کوایک رائی کے برابرغم نہیں ہوتا323 | آ تش فشال |
| ا کنان پرد سے وا نول والیک راق کے برابر م بین ہوما | 4/0 |
| ا عن پردیسے والوں والیک راہ کے برابر بین ہومانسسسہ 325 آسان سے بہت دودھا تراہے ، محفوظ رکھو | ۲۰۵۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰ |
| | آ فار |
| آسان سے بہت دودھاتراہے، محفوظ رکھو | |
| آسان سے بہت دودھاتر اہے ، محفوظ رکھو | آ ثار اور تیرے آ ثار میں برکت دول گا آ ثار زندگی |
| آسان ہے بہت دودھاتر اہے ، محفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آ ثار اورتیرے آ ثاریٹن برکت دوں گا آ ثارزندگی یا تاروندگی آ ثار صحت یا 159 |
| آ سان ہے بہت دودھاتر اہے، محفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آ ثار اورتیرے آ ثاریٹن برکت دوں گا آ ثارزندگی یا تاروندگی آ ثار صحت یا 159 |
| آ سان ہے بہت دودھاتر اہے بمحفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آثار 157 157 160 157 528 152 390 159 آخ 159 آخ 159 591 159 592 159 593 159 594 159 |
| آسان سے بہت دودھاتر اہے ، محفوظ رکھو آسان سے دودھاتر اہے ، محفوظ رکھو آسان سے گئی تخت اتر ہے آسان ٹوٹ پڑ اسارا آسان ٹوٹ پڑ اسارا آسانی تا ئیدیں ہمارے ساتھ ہیں | آثار 157 |
| آ سان ہے بہت دودھاتر اہے بمحفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آثار اور تیرے آثار میں برکت دوں گا اور تیرے آثار میں برکت دوں گا 528 آثار شرحت آثار شرجی ہوگ آثار شرجی ہوگ 591 592 آثار شرجی ہوگ 593 390 591 591 592 آثار شرکت عوبی میں تقریر کے تہمیں قوت دی گئ 300 آثار شرکت عالی ارباب شرکت شرخان کے قرابتی کاروپیر آثا ہے 44 آثار خابی ارباب شرکت شرخان کے قرابتی کاروپیر آثا ہے |
| آسان سے بہت دودھاتر اہے بمخفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آثار 157 16 أثار 16 أثار شير _ آثار شيل بركت دول گا 528 390 390 آثار شي مي موگ آثار شيمي موگ آثار شيمي موگ 591 290 290 آثار شيمي توت دی گئ 290 آثار شيمي توت دی گئ 30 آثار شيمي توت دی گئ 30 آثار شيمي توت دی گئ 31 آثار شيمي شيم دي شيمي شيمي شيمي شيمي شيمي شي |
| آسان ہے بہت دودھاتر اہے بمحفوظ رکھو آسان سے دودھاتر اہے بمحفوظ رکھو آسان سے کئی تخت اتر ہے آسان ٹوٹ پڑاسارا آسان ٹوٹ پڑاسارا آسانی تا ئیریں ہمارے ساتھ ہیں آگرتمام لوگ منہ پھیرلیں تو میں زمیں کے بنچے سے یا آسان کے اور سے مدد کرسکتا ہوں دیکھ میں آسان سے تیر ہے لئے برساؤں گا | آثار اور تیرے آ ثاریس برکت دوں گا اور تیرے آ ثاریس برکت دوں گا آ ثار ندگی آ ثار تحت آ ثار تحی ہوگی آ تی جابی میں تقریر کر قیمیں توت دی گئی 290 آ تی عربی میں تقریر کر قیمیں توت دی گئی 1 تی جابی الرباب محمد شکرخان کے قرائق کارو پیر آ تا ہے 1 تی جیشرف دکھائیں گے ہم 332 آ تی مبارک دن ہے 593 |
| آسان سے بہت دودھاتر اہے ، محفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آثار آثار اور تیرے آثار ٹین برکت دوں گا آثار شریحی آثار شریحی آثار شریحی آثار شریحی آثار شریحی بوگ آثاری بوگ <t< th=""></t<> |
| آسان ہے بہت دودھاتر اہے بمحفوظ رکھو ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آثار اور تیرے آ ثاریس برکت دوں گا اور تیرے آ ثاریس برکت دوں گا آ ثار ندگی آ ثار تحت آ ثار تحی ہوگی آ تی جابی میں تقریر کر قیمیں توت دی گئی 290 آ تی عربی میں تقریر کر قیمیں توت دی گئی 1 تی جابی الرباب محمد شکرخان کے قرائق کارو پیر آ تا ہے 1 تی جیشرف دکھائیں گے ہم 332 آ تی مبارک دن ہے 593 |

| میں اپنی چیکارد کھلاؤں گا۔اپنی قدرت نمائی سے148،81 | آ فاق |
|---|--|
| ميں تختيجا ٹھا وَں گااورا پني طرف بلالوں گا | اورآ فاق میں تیرےنام کی خوب چیک دکھاوے282 |
| ا پنے رب کریم کواکیلامت چھوڑ و | آنت |
| اتنے میں طاقت بالااس کو کتائج کر لے گئی | ا <i>س پرآ فت پڑ</i> ی، <i>آ فت پڑ</i> ی469 |
| الھو! نمازیں پڑھیں اور قیامت کانمونہ دیکھیں556 | آ فتول اور مصيتبول كے دن ہيں |
| اثر :ان لوگوں پراثر بہت کم پڑے گا | كَيْ آ فتين اورمصيبتين ہم پر نازل ہو گئی ہیں531 |
| اجپها موجائے گا | آگ |
| احسانات : جناب الہی کے احسانات کا درواز ہ کھلاہے | ۔ ت آگ ہے ڈروجو کہ نا فرمانوں کے لیے تیار ہے |
| ות | آ گ ہے ہمیں مت ڈرا۔ آ گ ہماری غلام بلکہ غلاموں کی غلام |
| احمدِ زمان اس زمانه کااحمدٌ | 324 |
| احر_غزنوی | آوائن |
| احرمقبول | آ وبلبل چلین که وقت آیا |
| برتر گمان ووہم سے احمد کی شان ہے | آ کل جرائیل ہے فرشتہ بشارت دینے والا |
| غلام احمة قادياني | |
| غلام احمد کی ہے | , |
| احياء | , |
| ہزارسالہ موت کے بعد جواحیاء ہوا ہےاں میں انسانی ہاتھ کا دخل | |
| نېين | اب |
| افتيار: اس نے مجھاپ لئے اختيار کرليا ہے16 | ۔ ب اب توامن اور برکت کے ساتھا پنے گا وَں میں جائے گااور میں |
| اداسی | ، ب روا می ارد روات می مطالب ما رواندین منتبطی گیر بھی یہاں لا وَل گا |
| اس دن سب براداس چھاجائے گی | ب جنازه جا کر پڑھیں گے |
| خدا کی طرف ہے سب پراداس چھا گئی | |
| ارادت مند | ابراتیم ایرانیم تخریران م |
| ایک ارادت مندلد ہیا نہیں ہے | اےابراہیم تھے پرسلام میں زاراہیم تھے مرسلام |
| اراده | میں نے ابرا ہیم کوقو م بنایا |
| خداتعالی کاارادہ ہے کہ تیری تو حید پھیلا دے148 | ا پنی این قدرت نمانی سے تجھ کواٹھا وَل گا |
| خدا کا بیارادہ نہیں کہ تجھے مشکلات میں ڈالے594 | ا پی کندرت کمان سے بھوا ھا ون ہ آ سان حملے کرے گا تھینج کرا بنی کثار |
| خدانے ارادہ کیا ہے کہ تیرانام بڑھاوے | ا علی سے برہے ہی خرا پی نیاز |
| میں نے ارادہ کیا ہیکہ تمہاری ایک اور شادی کروں30 | اورین کی میں بھر پر پوری سرون ہیں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ارجمثار | میں اپنی جماعت کورشیا کے علاقہ میں ریت کی مانندد یکھا ہوں 691 میں اپنی جماعت کورشیا کے علاقہ میں ریت کی مانندد یکھا ہوں 691 |
| فرزند دلبند گرامی ارجمند | |

| اے میرے قا درخدا اس پیالہ کوٹال دے | از لی ابدی خدا |
|--|--|
| بيوى پھر گئی۔اس کومر تد ہونا کہتے ہیں | اے ازلی ابدی خدا بیڑیوں کو پکڑ کے آ |
| بیمیری کتاب ہےاس کوکوئی ہاتھ نہ لگا دے مگر وہی جومیرے خاص | ויט |
| خدمت گارېي | الله تعالیٰ نے مجھے کہاہے کہاں کو پؤمو669 |
| میں اس زمانہ کے لئے تجھے گواہ کی طرح کھڑا کروں گا | ال پرآفت پڑی، آفت پڑی |
| استقامت ميں فرق آگيا | ال پہے میری سچائی کا سبحی دارومدار |
| اسشنٹ سرجن | اس پيال کونال د ب |
| اسلام | ان تحرير کا جواب کشي |
| ' پھرایک دفعہ ہندو مذہب کا اسلام کی طرف زور کے ساتھ رجوع ہوگا | اس دن سب پراداس چھاجائے گی563،496،491 |
| 247 | ال روز میں ان پروتم کروں گا |
| تمام دینوں میں سے اسلام ہی سچادین ہے | ال روز تیرے لئے فتح نمایاں ظاہر ہوگی |
| ۔ جودعا ئیں آج قبول ہوئیں ان میں قوت اور شوکت اسلام بھی ہے | اس زمانه میں کوئی معرفت الی اور کوئی محبت الی تیری معرفت اور |
| 595 | محبت کے برابر نہیں |
| سب حرب لوث جائیں گے مگراسلام کا آسانی حربہ | ب بے بروبریں |
| قریب ہے کہ سب ملتیں ہلاک ہوں مگراسلام | اس سفر میں کچھ نقصان ہوگا اور کچھ موغم پیش آئے گا121 |
| اسکر یوطی | ال شخص کی دختر کلال کے نکاح کے لئے سلسلہ جنبانی کر 125 |
| ملاوا يېودااسكر يوطى ہے | ال شخص کی سرشت میں نفاق کی رنگ آمیزی ہے |
| يبودااسكر يوطي | اس(اعجازاحدی) کاکوئی مقابله نہیں کرسکے گا |
| يېودااسكر يوطى | ال کاغوث محمدنا مرکھا گیا |
| اَک برس یا پانچ چارزیاد و ما چار پانچ کم | اس کا نام عمنوائیل اور بشیر مجھی ہے |
| | اس کا نتیجہ خت طاعون ہے جو ملک میں تھلے گی607 |
| اسیر اسیرولکورمنگاری <u>بخش</u> گا | اس کے کا آخری دم ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ا بیرون ورسنگاری کاموجب ہوگا | اس کو بلیگ ہوگئی |
| | اس کو مقدس روح دی گئی ہے اور وہ رجس سے پاک ہے 109 |
| اسے ایک ملک عظیم دیا جائے گا | اس کی پاک رحمتیں اس طرف متوجہ ہیں |
| • | اس کے ساتھ فضل ہے جواس کے آنے کے ساتھ آئے گا110 |
| افسوس صدافسوس | اس مکان میں بیوائیں ہی بیوائیں رہ جائیں گی675 |
| افسوسناك خبرآئي | اس نثان کام عابیہ ہے کہ قرآن شریف خدا کی کتاب548،77 |
| لا ہورے ایک افسوسناک خبر آئی | اس نے احپھا ہونا ہی نہیں تھا |
| اقبال کے دن آئیں گے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ال نے مجھاپے لئے اختیار کرلیا ہے |
| | ال وقت تمام بياری جاتی رہی |
| | 0 : 0 ; 0 : 4 1 = 70 |

| ان | اگر |
|--|---|
| ان شهروں کو دیکی کررونا آئے گا | ا گرتمام لوگ منہ چھیرلیں تو میں زمین کے بنچے سے یا آسان سے |
| ان علاء نے میرے گھر کو بدل ڈالا | اوپر سے مدد کرسکتا ہول |
| ان کو کہد دوانہوں نے رخی بہت اٹھایا ہے | اگرچا ہوں تواس دن خاتمہ |
| ان کو کہددے کہ میں عیسیٰ کے قدم پر آیا ہول | اگرخدااییانه کرتا تو دنیامیں اندھیر پڑجا تا552،64 |
| ان کی دیواروں پرغضب الٰہی نازل ہوگا | ا گرمیخ ناصری کی طرف دیکھا جائے تو معلوم ہوگا کہاس جگہاس |
| ان کی لاش کفن میں کپیٹ کرلائے | ہے برکات کم نہیں ہیں |
| ان کے گھر بیواؤں سے بھر جا ئیں گے | اگر میں چاہوں تو مریم کو ہلاک کردوں |
| ان لوگوں پراثر بہت کم پڑے گا | ا گروہ جھوٹا ہے تو جلد مرجائے گا |
| انالله ہمارا بھائی اس دنیا ہے چل دیا | اگریہ جڑ رہی سب کچھ رہاہے |
| انبیاء بنی اسرائیل | اگر چەلوگ تحقیے چھوڑ دیں پر میں نہیں چھوڑ وں گا148 |
| تو مجھ سے ایسا ہے جیسے انبیاء بنی اسرائیل | اللداكبر |
| انقال | پیفداکا کام ہے،اللہ اکبر |
| ىيە دۇ، يەبوگا، يەبوگا اور چرانقال بوگا258 | الله تعالى : نيز ديكھئے خدا تعالى |
| انجام تیرے لئے ہوگا | الله تعالى اس كوسلامت ركھنانہيں جا ہتا |
| انشاءالله نتعالى | اللّٰد تعالیٰ نے مجھے کہا ہے کہاس (صاحبز ادہ مرزامبارک احمہ) کو |
| بعد گياره انشاء الله تعالى | 669 |
| انہوں نے کہاہے کہآنے والا یہی ہے یا ہم دوسرے کی راہ تکیں | اس نے مجھےا پنے لئے اختیار کرلیا ہے |
| 114 | وہ فرما تا ہے کہ میں چوروں کی طرح پوشیدہ آؤں گا 514 |
| اوتار :برجمن اوتار سے مقابله کرنا احیمانہیں531 | بعد گياره انشاءالله تعالى |
| اور | مجھے تواللہ تعالیٰ نے میری جماعت ریت کے ذروں کی طرح دکھائی |
| اور آفاق میں تیرے نام کی خوب چیک دکھاوے282 | ہے |
| اوران کو جوشبهات کی زنجیروں میں مقید ہیں | اس عاجز کا نام الله تعالی نے سلطان العلم رکھا ہے |
| اور تیراذ کرباند کرول گا | المتحان |
| اور تیری دعوت کودنیا کے کناروں تک پہنچادے گا112 | ایک امتحان ہے بعض اس میں پکڑے جا 'میں گےاور بعض حچھوڑ |
| اور تیری ذریت کو بڑھائے گا | دئے جائیں گے |
| اور تیری ساری مرادیں تھے دے گا | امنة الحفيظ |
| اور تيري محبت دلول ميں ڈ الول گا | اميد |
| اور تیری نسل کثرت سے ملکوں میں چھلیے گی | امید بھاری |
| اورتیرے آ ثارمیں برکت دول گا | امیدے بڑھ کرفائدہ ہؤا |
| اور تين كوچار كرنے والا ہوگا | المين الملك ج سنكي بهادر |

| ایک ارادت مندلد هیانه میں ہے | اور چوہوں کی طرح میرے نبی کی حدیثوں کو کتر رہے ہیں 143 |
|---|--|
| ایک امتحان ہے بعض اس میں بکیڑے جائیں گے595 | اور خدا کی مہرنے کتنا بڑا کا م کیا |
| ايک اور بلا بريا ہوئی | اورخوا تین مبار کہ جن میں سے تو بعض کواس کے بعد111 |
| ايك اورخوشخبري587 | اورعلوم ظاہری وباطنی سے پر کیا جائے گا |
| ايك اور قيامت برپا ٻوئي | اور مجھے آگ ہےمت ڈرا کیونکہ آگ جماری غلام بلکہ غلاموں کی |
| ایک بڑانشان اس کے ساتھ ہوگا | غلام ہے۔۔۔۔۔۔ |
| ایک دانه کس سے کھانا | اور میں اپنی فعمتیں تجھے پر پوری کروں گا |
| ایک دم میں دم رخصت ہؤا | اور بعد تيرے خاندان کا تجھيبي ابتداءقرار دياجائے گا149 |
| ايك زكى غلام تحجّه ديا جائے گا | اور میں تیری ذریت کو بڑھا ؤل گا |
| ايك عزت كاخطاب | اولاد کے ساتھ ملائم سلوک کیا جائے گا |
| ايک عورت مرگنی | اولوالعزم |
| ایک کلام اور دولژ کیاں | وه اپنے کا موں میں اولوالعزم ہوگا |
| ایک معامله کی عقده کشائی ہوشیار پور میں ہوگی647،106 | وه اولوالعزم ہوگا 131، |
| ایک موئیٰ ہے میں اس کوظا ہر کر دوں گا | اولياءالله سے خالفت رکھنااس کا نتیجہ |
| ایک وباپڑے گی | اک |
| ايك ہفتة تك ايك بھى باقى نہيں رہے گا | اک جھپک میں بیز میں ہوجائے گی زیروز بر454 |
| ايك ہولنا ك نشان | اک ضیافت ہے بڑی اے غافلو کچھ دن کے بعد |
| ایک ہی گردش سے ہوجا کیں گے مٹی کاڈھیر | ۔ یہ ہے ہم بہ ہی ہے۔ وہ معنوں کے بعد |
| اے | اک نمونه قهر کا موگاه ه ربانی نشان |
| اے اہراہیم! تجھ پرسلام | اکتیں ماہ تک ان پرایک شخت مصیبت پڑے گی 103 |
| اےازلی ابدی خدا! پیڑیوں کو پکڑ کے آ | اکیلا |
| ا نے ازلی ابدی خدا! مجھے زندگی کا شربت پلا600 | ا پیغ اپنے رب کریم کواکیلامت چھوڑ و |
| اےخدا اس پیالہ کوٹال دے | میں اکیلا ہوں اور خدامیرے ساتھ ہے |
| اے سیف! اپنارخ اس طرف پھیر لے | ین بودر در د |
| اے عبدالکیم! خداتعالی تختیے ہرا یک ضررہے بچاوے572 | |
| اے تمارت! مفت میں تو تھک گئی | آپ کے ساتھ انگریزوں کا نرمی کے ساتھ ہاتھ تھا |
| ايلوگو! تمھارے ساتھ خدا کا نورآیا | الل بيت |
| اےمظفر! تجھ پرسلام | اےمیرےاہل بیت خداتمہیں شرہے محفوظ رکھے |
| اےمظفر! تجھ پرسلام ہوکہ خدانے تیری بات س کی571 | ایام بهار : دی خبر مجھ کو که وه دن ہول گے ایام بہار |
| اے میرے اہل ہیت! خداتمہیں شرہے محفوظ رکھے591 | ایمان کے ساتھ نجات ہے |
| اےمیرے قادرخدا !اس پیالہ کوٹال دے | ایک |
| | |

| بدی کابدلہ بدی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | |
|---|---|
| برباوی آفکن | |
| عموماً قادیان میں سخت بر بادی اَقَکن طاعون نہیں آئے گی | <u> </u> |
| برتر گمان و وہم سے احمد کی شان ہے | |
| براطوس یا پلاطوس | باتیں |
| بركت | ن ک خدانے تیری ساری با تیں پوری کردیں |
| اور تیرے آثار میں برکت دول گا | تر آن شریف خدا کی کتاب اور میرے مند کی باتیں ہیں |
| بادشاہ تیرے کپڑوں سے برکت ڈھونڈیں گے 157 ،258،238، | بادشاه |
| 555<264 | باوشاہ تیرے کپڑوں سے برکت ڈھونڈین گے 157 ،258 ،258 ، |
| تیرا گھر برکت ہے بھرے گا | 555,264 |
| تیرے کلام میں جو تیرے منہ سے نکلتا ہے برکت رکھی جاتی ہے | بادشاه وقت پر جو تیر چلاو ہے اس تیر سے وہ آپ مارا جائے 424 |
| 168 | بین مجھے برکت دوں گا یہاں تک کہ بادشاہ تیرے کپڑوں سے میں مجھے برکت دوں گا یہاں تک کہ بادشاہ تیرے کپڑوں سے |
| میں تجھے برکت دوں گااور بہت برکت دوں گا259 | برکت دهونڈین گے 8،157،112،8 نوعونڈین گے |
| میں تھے برکت دوں گا یہاں تک کہ باوشاہ تیرے کپڑوں سے | ۔ خدابا دشا ہوں اورامیر وں کے دلوں میں تیری محبت ڈالے گا 112 |
| برکت ڈھونڈیں گے 555،264،258،238،157،112،8 | آريون کا بادشاه آيا |
| خدا تیری برگتیں اردگر دیھیلا دےگا | قادر ہے وہ بادشاہ ٹوٹا کا م بناوے |
| قومیں اس سے برکت پائینگی | بارگاه |
| برکت علی صحبتیا ب ہوجائے گا | ئىدىن قادرىپەدە بارگاەڻو ئا كام بناوے |
| برجمن اوتارے مقابله کرنااچھانبیں556،531 | ارد در به در ب ما در ارد |
| اريت | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| بڑےچھوٹے کئے جا تمیں گے | آپ کی تلاش میں ایک شخص بازار میں پھرر ہاہے689 |
| کئی چھوٹے ہیں جو بڑے کئے جا ئیں گےاور کئی بڑے چھوٹے کئے | باغ د غرب وچې د د |
| جا کیں گے بین بیں کروں گا | ب - په باغ اسلام ټم تم کودیتے ہیں |
| بس نېيں کروں گا | بالاربا |
| میں حیرت ناک کام دکھلا ؤں گااور بسن بیں کروں گا451 | مضمون بالار ہا |
| إست | بالفعل نهيس |
| بت ويك روپيه آنے والے بين | ب ٹالہ :راستہ بٹالہ والا خطر ناک ہے |
| بسرّعيش | بجل مراجع المراجع ا |
| بشارت | کون کہہ سکتا ہےاہے بکل آسان سے مت گر260 |
| م ميند. سو تجھے بشارت ہو کہا يک و جياوريا ک لڑ کا تجھے ديا جائے گا 109 | بخت بیداری |
| • | آج ہماری بخت بیداری |

| بہت تھوڑے دن رہ گئے ہیں | بثارت دی کهاک بیٹا ہے تیرا |
|---|--|
| بہت سے حادثوں کے بعد تیراحا دیثہ ہوگا | بثير |
| بہت سے سلام میرے تیرے پر ہول | بثير |
| بہت لوگ خیال کرتے ہیں کہ عورتیں ان کی کنیز کیس ہیں 675 | اس کا نام عنموائیل اور بشیر ہے |
| بهر | دوسرا بشير شخصين ديا جائے گا |
| بېتر ہوگااورشادی کرلیں | بشيرالدوله561،537،533،510 |
| سب سے بہتر اور تیز تر وہ ملوار ہے | بحد |
| بے ہوثی | يە بوگا، يە بوگا، يە بوگا بعداس كے تمہاراوا قعہ بوگا |
| پہلے بیہوثی پھرغشی پھرموت | بعد گياره انشاءالله تعالى |
| بيتالله | ېلا |
| يچاره | ايك اور بلا برپا مونگي |
| وه بیچاره فوت ہو گیا | بلانازل ياحادث يا |
| بيعت | بلائے د ^ش ق |
| جو شخص تیری پیروی نہیں کرے گااور تیری بیعت میں داخل نہیں ہو | بلائے نا گہانی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| گاوه جېنمى ہے | بليل |
| بیار بہت ہی چیخیں مار تا ہے | آ وَبِلْبِلْ چِلِينِ كِدُوتَ آيا |
| 03% | بندگان خدا |
| ان کے گھر بیواؤں سے جھر جائیں گے | وہ ہندگان خدا کو بہت صاف کرر ہاہے |
| اس مکان میں بیوا ئیں ہی بیوا ئیں رہ جا ئیں گی675 | بگالہ |
| بيوی پھر گئی اس کومر تد ہونا کہتے ہیں | پہلے بنگالہ کی نسبت جو کچھ تھم جاری کیا گیا تھااب ان کی دلجوئی ہوگ |
| יילט | 508 |
| اےاز لی اہدی خدا ہیڑیوں کو پکڑ کے آ | بنی اسرائیل |
| بے نیازی کے کام ہیں ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | تو مجھ سے ایبا ہے جیسے انبیاء بنی اسرائیل112 |
| | بھولیں گے نغموں کوا پنے سب کبوتر اور ہزار |
| | <i>ې</i> ھونىچال |
| <u> </u> | پ بھونچال آیا اور بڑی شدت سے آیا561،554،553،457 |
| | , |
| پاپ: زمین پاپ اور گناه سے بھر گئی | ہم وہ تمام بو جھے بھوسے اتار لیں گے جس نے تیری کمرتوڑ دی ۔ 148 |
| پاس | بہار: پھر بہارآئی تو آئے گئے کے آنے کے دن525 |
| تم پاس ہو گئے ہو | بهت |
| | |

| چربهارآنی خدا کی بات چرپوری ہوئی456،466،506،506،506 | ياس ہوجائے گا |
|--|--|
| پھر بیزندہ ہوئی ہے مرمرکر | پىياشدە جىم |
| پھوٹ: کیس بیر پھوٹ کا ثمرہ ہے | یاک |
| يها ژگرااورز لزله آيا | • اس کی پاک رحمتیں اس طرف متوجہ ہیں |
| پېلى زندگى | پاک محمد مصطفی نبیوں کا سردار 548،324،296،77 |
| زندگی ہآ رام ہوجانا پہلی زندگی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خوبصورت پاکٹر کا تیرامہمان آتا ہے109 |
| پہلے | لا ہور میں ہمارے پاکمبرموجود ہیں |
| ﴾، پہلے بنگالہ کی نسبت جو کچھ عظم جاری کیا گیا تھااب ان کی دلجوئی ہوگ | لا ہور میں جمارے پاک محت ہیں |
| 562:508 | پیواری |
| ىبلے بيہوثى پھر غش پھر موت | ما جھے خان کا بیٹااور شمس الدین پٹواری ضلع لا ہور |
| پغير | يْلُ پْنْ گُلُّ |
| آج ہمارے گھر میں پیغیمر علیاتہ آئے ،آگئے | پچاس |
| پیالہ | • پ میں پچاس یا ساٹھ اور نشان د کھلا ؤں گا |
| اے خدااس پیالہ کوٹال دے | پچاس |
| میری پرستش کی جگہ میں ان کے پیا لےاور ٹھوٹھیاں143 | . پ ریاست کابل میں قریب بچاہی ہزار کے آ دمی مریں گے 595 |
| پیرِمن پیرِمن | پچیس فروری کے بعد جانا ہوگا |
| ن خاکسار پیپرمنث | يرندك |
| ى. پىشگونى | پ ہوش اڑ جا ئیں گےانسال کے پرندوں کےحواس454 |
| توحق کے ساتھ نازل ہؤ ااور تیرییا تھ نبیوں کی پیشگو ئیاں پوری | پر خدا کارخم ہے کوئی بھی اس ہے ڈرنہیں |
| ري يا <u>ن</u> يونين مونين | پلاطون: براطون یا پلاطون |
| ۔۔۔ گورنر جزل کی پیشگوئیوں کے پوراہونے کاونت آ گیاہے 285 | پلیگ :اس کو پلیک ہوگئی |
| يە پىشگونى كى آخرى حدى – | پناہ : خدا کی پناہ میں عمر گز ارو |
| پيٺ پيٺ گيا | څار |
| | چىك د كھلا ۇن گاتم كواس نشان كى پىنچ بار552،556 |
| | خدااس کو پٹی ہار ہلا کت سے بچائے گا570 |
| ت | پنج قدرت |
| | سب د نیا پنجہ قدرت احدیت میں مقہوراورمغلوب ہے89 |
| تاعود صحت | / ¢ |
| 665 | پھرا یک دفعہ ہندو ندہب کااسلام کی طرف رجوع ہوگا247 |
| تازونشان_تازونشان كادهكه | پھر بہارآئی تو آئے گئے کے آنے کے دن556،556 |
| | |

| میں تختیے عزت دوں گا اور تیری حفاظت کروں گا | تبليغ |
|---|---|
| میں نے تختے بھیجا تا مجرم نیکوکاروں سے الگ ہوجا ئیں497 | میں تیری تبلیغ کوزمین کے کناروں تک پہنچاؤں گا260 |
| وہ تجھے رد کرتے ہیں مگر میں تجھے خاتم الخلفاء بناؤں گا 453 | مجلی |
| ہم نے تختیے خالص دوئتی کے ساتھ چن لیا | قهری مجلی ہوگی |
| بشارت ہو کہا یک وجیہ اور پاکٹر کا تجھے دیا جائے گا 109 | ہری تالی بھی خاص سے اترا خدا تعالیٰ جلی خاص سے اترا |
| تخفي لوگ چھوڑ دیں پر میں نہیں چھوڑ ول گا148 | <u> </u> |
| تحفیة الملوک590 | ب ایک زکی غلام تخیجے دیا جائے گا |
| تخت | اليك رئ على المبعد ديا جائے اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ الل |
| آسان سے کی تخت اتر ہے | و طدا او دوارم پی ده به کار کاین کرمی میں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| نخ | يرا هذا يرح ان ن عرا ان و ااوروه به بهت برح د ع گا |
| ا وہ لڑ کا تیرے ہی تخم سے تیری ہی ذریت ونسل ہوگا109 | تیری ساری مرادیں مجھے دے گا 238،148،112،77 |
| تسپر بھی وہ وار نکلا | رن حارل فراد یا جادی است |
| تضرعات | خدا تھے غیر معمولی عزت دےگا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| سومیں نے تیری تضرعات کوسنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خداتعالی نے تھےاجھے خاندان میں پیدا کیا ہے |
| تغريير | فداكى رحمت كرخزان تحجيم ديئ كئي |
| تو مجھ سے ایسا ہے جیسے میری تو حیداور تفرید | سوقدرت اوررحمت اورقربت کا نشان تحقیر دیاجا تا ہے 109 |
| نقد برمبرم ہے اور ہلاکت مقدر | فتح وظفر کی کلید تخصِی ماتی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| تقوى ايك ايسادرخت ہے جس كودل ميں لگا ناچا ہے497 | فضل اوراحیان کا نشان تخیے عطا ہوتا ہے |
| تلوار :سب سے بہتراور تیزتر وہ تلوار ہے | لوگ تخیخ نہیں بچائمیں گے پر میں تخیے بچاؤں گا148 |
| فرشتوں کی کھینچی ہوئی تلوار تیرے آ گے ہے556،536،531 | موت کے بعد میں پھر تختے حیات بخشوں گا137 |
| خ | ميدان ميں فتح تختيے خدادے گا |
| آجتم عربی میں تقریر کرو | مين تخجيه اثفاؤل گااورا پني طرف بلاؤل گا |
| تم پاس ہو گئے ہو | میں تجھےالی بزرگی دوں گا جس ہےلوگ تعجب کریں گے 401 |
| تم ظاہر لفظ اور ابہام پر قائع ہو | میں تجھےا کیکا ذب کی موت کی خبر دیتا ہوں593 |
| تم کووہ کرناچاہئے جومیں نے فرمایا ہے91 | میں تجھے برکت دول گااور بہت برکت دول گا259 |
| تمام | میں تجھے برکت دول گا یہاں تک کہ بادشاہ تیرے کپڑوں سے |
| اس میں تمام دنیا کی بھلائی ہے | برکت ڈھونڈین گے 555،264،258،238،157،112،8 |
| تمام حوادث اورعجا ئبات دکھلانے کے بعدتمہارا حادثہ496،457 | میں مجھے پھر بھی یہاں لاؤں گا |
| تمام دنیا کے لئے ایک | میں تجھے رحمت کا ایک نشان دیتا ہوں |
| تمام دنیامیں سے ایک | میں تجھے زمیں کناروں تک عزت کے ساتھ شہرت دوں گا149 |
| تمام دینوں میں سے اسلام ہی سچا دین ہے | میں تجھےعزت دوں گا اور بڑھاؤں گا |
| | |

| • • • • • • • | |
|---|---|
| تو كلمة الازل ہے پس تو مثایاتہیں جائے گا | تمام عجائبات قدرت دکھلانے کے بعد تمہارا حادثہ 563 |
| تو مجھ سےالیا ہے جیسےانبیاء بنی اسرائیل | زی کروزی کرو که تمام نیکیوں کا سرزی ہے |
| تو مجھ سے ایباہے جیسے میری تو حیداور تفرید | تمهارا |
| تو مجھ سےالیا ہے جیسے میری تو حید | تمام حوادث اورعجا ئبات قدرت دکھلانے کے بعدتمہارا حادثہ ہوگا |
| تو مجھے سے اور میں تجھ سے ہول | ·496·457 |
| تو مجھے میں اور تمام مخلوق میں واسطہ ہے | تہارانام ہے علی باس |
| تو مغلوب ہوکرمغلوبوں کی طرح حقیر ہوکر غالب آئے گا۔ 148 | تمہاری |
| تومیری طرف سے نذریہے | نې ک تمهاري عقده کشانی ہوشيار پور ميں ہوگی647،106 |
| تواب : حیلےسب جاتے رہےاک حضرت تواب ہے455 | فتح ہے تمہاری |
| توحير | نځ بے تمہاری، تمہارے نام کی |
| آ خرتو حید کی فتح ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | یں نے ارادہ کیا ہے کہ تہماری ایک اور شادی کروں 30 |
| تو مجھ سے ایباہے جیسے میری تو حیداور تفرید | وہ دن آتے ہیں کہ خداتمہاری مدد کرے |
| تومجھ سے ایہاہے جیسے میری تو حید | بیخدا تعالیٰ کافضل ہےاور تہاری آئھوں میں عجیب |
| خداتعالی کاارادہ ہے کہ تیری تو حید پھیلادے | تہارے |
| توضيح مرام | ب سیستر میں تمہارااور تمہارے دفت کا کیچھ نقصان ہوگا118 |
| عة وبالا | تهارےنام کی |
| لا كھوں انسانوں كونة و بالا كردوں گا | ہوں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ؠڿڔۜ | بريت د چې د چې چې د چې والا کړيم |
| بی ایی حالت میں تجد کی بجائے لیٹے پڑھ لیا کرو675 | ، ر پ ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، ، |
| تيرا تيرا | آج تم عربی میں تقریر کروتمہیں قوت دی گئی |
| میر اور تیراذ کر بلند کرول گا | اے میرےاہل ہیت خدامتہ ہیں شرہے محفوظ رکھے591 |
| بشارت دی کداک بیٹا ہے تیرا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خداتمهبین سلامت رکھے |
| بہت ہے حادثوں کے بعد تیراحادیثہ ہوگا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | دوسرالشرتمهين دياجائے گا |
| ب سے معنی ہے۔ اسٹیر صفحہ میں ہے۔ تیرا خدا تیرے اس فعل سے راضی ہؤ ااوروہ تھے بہت برکت دے گا | کیاشک ہے ماننے میں تمہیں اس سے کے |
| 8 | میں تنہیں بھی ایک معجز ہ دکھاؤں گا |
| تیرا گھر برکت سے بھر دے گا | تز |
| خداتعالی تیرے چیرہ کو فلا ہر کرے گا | تواس سے نکلااوراس نے تمام د نیا ہے جھے کوچن لیا |
| خدا نیرادوست ہے اس کے صلاح ومشورہ سے چل 433 | تواس کو قبول کر لے |
| خدانے ارادہ کیا ہے کہ تیرانام بڑھاوے | تو جہان کا نور ہے |
| خوبصورت یا ک لڑکا تیرامہمان آتا ہے | توحق کے ساتھ نازل ہؤ ا |
| میں تیرے صبر سے خوش ہؤ ااور تیراصبر مجھے پیند ہے672 | تو خدا کاوقار ہے لیں وہ مجھے ترک نہیں کرے گا258 |
| | · |

| تیرے کلام میں جو تیرے منہ سے نکلتا ہے برکت | وه حسن واحسان میں تیرانظیر ہوگا |
|--|--|
| تیرے لئے میرانام چیکا | ىيەبوگا، پەبوگا، پەبوگا اور پھر تىرادا قىيەبوگا563 |
| تىرے لئے ایک نز انتخفی تھا | تيري |
| میں تیرے ساتھ اور تیرے پیاروں کے ساتھ ہوں630 | سىر تىرى خوش زندگى كاسامان ہوگيا558،524 |
| ہرایک شاخ تیرے جدی بھائیوں کی کاٹی جائے گی111 | تيرى دعا قبول کی گئی |
| ہزاروں آ دمی تیرے پروں کے نیچے ہیں | تیری دعوت کود نیا کے کناروں تک پہنچاد سے گا112 |
| بیز مین تیری اور تیرے مریدوں کی ہے | تیری ذریت کو بڑھائے گا |
| تين | تىرى ذريت منقطع نېيں ہوگى112 |
| اورتين كوچاركرنے والا ہوگا | تیری ساری مرادیں تجھے دےگا 238،148،112،77 |
| تین بکرے ذخ کئے جا کیں گے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔501 | تىرى عاجزا نىدا بىن اس كوپىندآ كىن |
| تین بڑے آ دمیول میں سے ایک کی موت | تىرى عزت اور جان سلامت رہے گی |
| تین میں ہےایک پرعذاب نازل ہوگا | تىرى محبت دلول مىں ڈالول گا149 |
| | تىرى نىل بېت ہوگى |
| å b | تىرى نىسل كىژت سے ملكول مىں تھيلے گى |
| ٹ۔ث | تیری نماز وں سے تیرے کام افضل ہیں685 |
| | د کیچه میں تیری دعا ؤں کو کیسے جلد قبول کرتا ہوں |
| تھوٹھیاں | میں تجھےعزت دوں گا اور تیری حفاظت کروں گا |
| میری پرستش کی جگه میں ان کے پیا لےاور ٹھوٹھیاں143 | میں تیری جماعت کے لئے تیری ہی ذریت سے ایک شخص قائم |
| نوٹا کام | كرون گا |
| قادر ہے وہ بادشاہ ٹوٹا کام ہناوے | میں تیری عمرکوبھی بڑھاؤں گا 624 |
| تا در ہے وہ بارگاہ ٹو ٹا کا م ہناوے بنابنایا تو ڑدے577،272 | میں تیری کسل کوجڑ ہے معدوم نہیں کروں گا624 |
| | ہےرودرگو پال تیری است گیتا میں کھی ہے |
| من نیموی کشید سالگا حسین نیموی کشید سالگا | ہے کرشن رودر گو پال تیری انتقی گیتا میں موجود ہے 344 |
| حسین ٹیپووں کے شرسے بچایا گیا | ہے کرشن رودر گو پال تیری مہما گیتا میں ککھی گئی ہے312 |
| ع چربہارآئی تو آئے گئے کے آنے کے دن556،525 | تيرب |
| * | اورآ فاق میں تیرےنام کی خوب چیک دکھاوے282 |
| ا تواب ما در خواب در | تیری نمازوں سے تیرے کام افضل ہیں685 |
| انہوں نے رنج بہت اٹھایا ہے ثواب بہت ہوگا | تیرے آثار میں برکت رکھ دول گا |
| | تيرے بيان ميں تختي بہت ہے رفق چاہئے |
| 7•, | تيرے ساتھ صلح وآثتی تھیلے گی۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| | تیرے سفر کو تیرے لئے مبارک کر دیا |

| چۇخض كعبە كى بنيا دكوا يك حكمت الىمى كا مسّله | |
|---|--|
| جوشرارت ہے میرے مقابل پر کھڑ اہوگا وہ شرمندہ کیا جائے گا 267 | |
| جوشرىيەوگااس كومى <i>ن</i> دنيامىن بھى عذاب دول گا671 | جب |
| جو کرشن آخری زمانه میں ظاہر ہونے والاتھاوہ تو ہی ہے312 | جب تو دعا كريتو مين تيري سنول گا |
| جولوگ تیری طرف توجنہیں کرتے وہ خدا کی طرف بھی توجنہیں | وہ وعدہ ٹلے گانہیں جب تک خون کی ندیاں جاروں طرف سے بہہ |
| 593 | نه جا کیں |
| جولوگ خدا تعالیٰ کےمقرب ہیں وہ مرنے کے بعد پھرزندہ کئے | چدھر د کھتا ہوں ادھر تو ہی تو ہے |
| جائیں گے | جدی بھائی |
| ان کو جوشبہات کی زنجیروں میں مقید ہیں۔ر ہائی دے گا 144 | ہرایک شاخ تیرے جدی بھائیوں کی کاٹی جائے گی111 |
| میں تجھے رحمت کا ایک نشان دیتا ہوں اس کے موافق جوتو نے مجھ | جس |
| ے انگا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | جس سے تو بہت پیار کرتا ہے میں اس سے بہت پیار کروں گا 513 |
| جبنم | جس کاغلام دیکھوسیج الزمان ہے |
| ۔ جو خض تیری پیروی نہیں کرے گااور تیری بیعت میں داخل نہیں ہو | جس کا نزول بہت مبارک اورجلال الهی کے ظہور کامو جب ہوگا |
| گاوه جہنمی ہے | 111-110 |
| د بلی میں واصل جہنم واصل خان فوت ہو گیا603 | ميں ايك تازه نشان طاہر كروں گا جس ميں فتح عظيم ہوگی 589 |
| كاذب كا خدادتثمن ہےوہ اس كوجہنم ميں پہنچائے گا 574،571 | جماعت |
| میں سوتے سوتے جہنم میں پڑ گیا | مجھےتواللہ تعالیٰ نے میری جماعت ریت کے ذروں کی طرح دکھائی |
| ب | 690 |
| غلام احمد کی جے | میںا پنی جماعت کورشیا کےعلاقہ میں ریت کی مانندد کی شاہوں 691 |
| ج سنگھ بہادر | بیلوگ کہتے ہیں کہ ہم ایک بھاری جماعت ہیں |
| امين الملك ہے۔ سنگھ بہادر | جنازه |
| | جنازه |
| Z-Z | اب جنازہ جا کر پڑھیں گے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔590 |
| 0.30 | <i>3</i> . |
| | جو خردی وی حق نے اس سے دل بیتاب ہے455 |
| ي ار | |
| اورتین کو حیار کرنے والا ہوگا | 595 |
| اسى برس ياپانچ چارزياده ياچار پانچ کم | جو خض تیری پیروی نہیں کرے گاوہ خدااوررسول کی نافر مانی کرنے |
| دوچارماه | والا ہے۔ |
| وہ وعدہ ٹلے گانہیں جب تک خون کی ندیاں چاروں طرف سے بہہ | جو خض تیری طرف تیر چلائے گا میں اس تیرے اس کا م _ت مام کروں گا |
| نه جائيں | 460 |

| جوخبردی وحی حق نے اس سے دل بیتاب ہے | چل ر ہی ہے تیم رحمت کی جود عا کیجئے قبول ہے آج161 |
|---|--|
| وحی حق کی بات ہے ہو کرر ہے گی بے خطا | چک |
| حلقهاطاعت | چىك د كھلا ۇن تم كواس نشان كى چنج بار |
| کوئی درباری میرے حلقہ اطاعت سے گز رنے نہ پاوے 599 | میں اپنی چیکاردکھلا وَل گا۔اپنی قدرت نمائی سے148،81 |
| فنيف مسيح منيف مسيح | چھوٹے: کی چھوٹے ہیں جوبڑے کئے جائیں گے |
| حيات | چودهری رستم علی |
| یں۔ موت کے بعد میں پھر تخھے حیات بخشوں گا | چو لہے : میری عبادت گاہ میں ان کے چو لہے ہیں143 |
| حلےسب جاتے رہےاک حضرت تواب ہے | چونکادینے والی خمر |
| | چو ہوں کی طرح میرے نبی کی حدیثوں کو کتر رہے ہیں143 |
| * 7 | چیف کورف : مثل چیف کورٹ سے واپس آئے گی10 |
| Ċ | <i>حاد</i> ث |
| | : بلانازل ياحادث يا |
| خاتم الخلفاء | حا د ثه |
| وہ کھے رد کرتے ہیں مگر میں کھیے خاتم الخلفاء بناؤں گا 453 | تمام حوادث اورعجا ئبات دکھلانے کے بعد تمہارا حادثہ ہوگا 457 |
| خاکسار پیپرمٹ | عاذ ق طبیب پاتے ہیں تم سے یہی خطاب |
| خاندان | حاضر ہوجا و |
| | |
| تىر بے خاندان كا تجھ يى ابتداء قرار دیا جائے گا149 | خداتعالیٰ کےحضور میںا بنی تمام طاقتوں کےساتھ حاضر ہوجاؤ 134 |
| تیرےخاندان کا تجو سیمی ابتداء قرار دیا جائے گا | خدا تعالیٰ کے حضور میں اپنی تمام طاقتوں کے ساتھ حاضر ہوجاؤ 134 حب کچلہ کونین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد674 |
| خداتعالیٰ نے تجھے اوجھے خاندان میں پیدا کیا ہے30 | هب کچله کونین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالیٰ نے مجھے اندان میں پیدا کیا ہے30 خدا | هب کچله کونین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالی نے مجھے اندان میں پیدا کیا ہے | حب کپلہ کوئین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالی نے مجھے ایجھے خاندان میں پیدا کیا ہے | حب کپلہ کوئین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالی نے مجھے اندان میں پیدا کیا ہے | حب کچله کونین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالی نے تجھے خاندان میں پیدا کیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | حب کچله کونین فولا دیه ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالیٰ نے مجھے اچھے خاندان میں پیدا کیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | حب کچلہ کو نین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالی نے تجھے خاندان میں پیدا کیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | حب کچله کونین فولا دید ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالیٰ نے تجھے اچھے خاندان میں پیدا کیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | حب کچلہ کو نین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالیٰ نے تجھے اچھے خاندان میں پیدا کیا ہے۔ | حب کچلہ کو نین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |
| خداتعالیٰ نے تجھے اچھے خاندان میں پیدا کیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | حب کچلہ کو نین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد |

| خدا کی فیلنگ (Feeling) | خدااس کو پٹے بار ہلا کت سے بچائے گا570 |
|---|--|
| خدا کی مہرنے کتنا بڑا کام کیا | خدااییانہیں جو تجھے چھوڑ دے |
| خدا کے سات نکو کاربندے ہرجگہ پر بیٹھتے ہیں601 | خدابا دشا ہوں اور امیروں کے دلوں میں تیری محبت ڈالے گا 112 |
| خدا کے مقبولوں میں قبولیت کے نمونے اور علامتیں | خدائجّے غیرمعمولی عزت دےگا594 |
| خدا کے وجود کی بہت بڑی نشانی ہے | خدا تعالى ايسےموذي كوجلدتر و نياسے اٹھالے گا |
| خدا نگلنے کو ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خدا تعالی تیرے چپرہ کوظا ہر کرے گا |
| خدانے ارادہ کیا ہے کہ تیرانام بڑھاوے323، 323 | خدا تعالی کاارادہ ہے کہ تیری توحید، تیری عظمت، تیری کمالیت |
| خدانے اس کواچھا کرناہی نہیں تھا | پیمیلاد بے |
| خدانے اسے لیا | خداتعالی حجلی خاص سے اتر ا |
| خدانے تیری ساری باتیں پوری کردیں | خداتعالیٰ کےحضور میں اپنی تمام طاقتوں کے ساتھ حاضر ہوجاؤ 134 |
| خدانے تیرے پردتم کیا | خداتعالی نے تجھے اچھے خاندان میں پیدا کیا ہے 30 |
| د نیامیں ایک نذیر آیا پر دنیا نے اس کو قبول نہ کیا مگر خداا سے قبول | خدانتهين سلامت رکھے |
| كركا | خدا تیرادوست ہے اس کے اصلاح ومشورہ سے چل 433 |
| میں اکیلا ہوں اور خدامیرے ساتھ ہے | خدا تیری بر کتیں اردگر د پھیلا دےگا |
| میں خدا ہوں جس کو چا ہتا ہوں عزت دیتا ہوں | خدا تیری ساری مرادیں پوری کرےگا |
| نورآ تا ہےنورجس کوخدا نے اپنی رضا مندی کےعطر ہے ممسوح کیا 1 - | خدا تیرے دشمن کو ہلاک کرے گا |
| نیکی یہی ہے کہ خدا کے احکام کو پورا کرنا | خدا تیرےسب کام درست کردےگا |
| وہ دن آتے ہیں کہ غداتمہاری مدد کرے | خدا تیرے لئے لڑ کا دے گا |
| وہ کا م جوتم نے کیا خدا کی مرضی کے موافق نہیں ہوگا 561 | خداخوش ہو گیا |
| يلاش خدا كا ہى نام ہے | خداد ومسلمان فريق ميں سے ايک کا ہوگا604 |
| یہ خدا کے کام میں اور لوگوں کی نظر میں عجیب | خدا پچوں کے ساتھ ہے |
| خدائي امتخان | خدات ڈرپھر جو عاہے کر |
| ہےتو بھاری مگر خدائی امتحان کو قبول کر | خداغمگين ہے |
| خدائے عز وجل اس کی عزت رکھے | خدا قاديان ميں نازل ہوگا اپنے وعدہ کے موافق 357 |
| خدایازندگی بخش | خدا کاارادہ ہی نہ تھا کہاس کوا چھا کرے |
| | خدا کافضل خدا کی رحمت |
| خدمت گار پیمیری کتاب ہےاس کوکوئی ہاتھ نہ لگاوے مگر دہی جومیرے خاص | خدا کابیارادہ نہیں کہ تختے مشکلات میں ڈالے594 |
| خدمت گار بین | خدا کی پناه میںعمرگزارو |
| خزائن | خدا کی رحمت کے خزانے تجھے دیئے گئے |
| خزائن اس پر کھولے جائیں گے | خدا کی طرف ہے سب پراداسی چھا گئی |
| فزانه | خدا کی فیلنگ Feeling)) اور خدا کی مہرنے کتنا بڑا کام کیا 555 |
| گران <u>ن</u> ہ | |

| | تیرے لئے ایک خزان پخفی تھا |
|--|--|
| 3 | خدا کی رحمت کے نزانے مجھے دیۓ گئے |
| | خصومت |
| داغ بجرت | ملاً اعلى كےلوگ خصومت ميں ہيں |
| وختر کلال | خطاب |
| ای څخص کی دختر کلاں کے لئے سلسلہ جنبانی کر | ايكىزىتكاخطاب |
| ورياري | عاذ ق طبیب پاتے ہیں تم ہے یہی خطاب |
| کوئی در باری میرے حلقه اطاعت سے گزرنے نہ پاوے 599 | څطرناک (ایک دوائی کےاستعال پرالہام ہؤا" خطرناک ("635 |
| وروناك د كھاور در دناك واقعه | خواب : سونے والوجلد جا گویہ نہ وفت خواب ہے455 |
| פניים | خوا تین مبارکہ : جن میں سے تو بعض کواس کے بعد پائے گا 111 |
| خدا تیرےسب کام درست کردے گا | خواج ی ^ح سن نظامی ابھی بہت دن زندہ رہیں گے649 |
| کیاعذاب کامعاملہ درست ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خوبصورت پاکاڙ کا تيرامهمان آتا ہے |
| יי פروازه | خوپوں کوبھی تو تم نے مسجا بنادیا |
| حد عن جناب الهی کے احسانات کا دروازہ کھلا ہے | خوش زندگی |
| روحانی عالم کا درواز ہ تیرے پر کھولا گیا | تىرى خوش زندگى كاسامان ہو گيا |
| طاعون كادروازه كھولا گيا | خوشحال ہے خوشحال ہے |
| یں مبارک وہ آ دمی جواس دروازہ کے راہ سے داخل ہو 292 | خوشنجرى |
| موت دروازه پر کھڑی ہے | ايك اورخوشخرى |
| ىيەدروازەفضل الرحمان نے كھول ديا ہے | ايکاورخوشنجری |
| دس دن کے بعد موج دکھا تا ہوں | خۇتى وخرى |
| وتثمن | خوثی کا مقام |
| دشمن اور مخالف اس کی نظیر بنانے سے قاصرر ہے گا | خوشیاں منا ئیں گے |
| دشمن کا بھی ایک وار نکلا | خون |
| دىثمن كالبھى خوب وار نكلا | خون سے مردول کے کوہتان کے آبروال |
| وتثمن ہلاک ہوگیا | وہ وعدہ ٹلے گانہیں جب تک خون کی ندیاں چاروں طرف سے بہہ |
| وشمنول سے ملاقات کرتے وفت ملائکہنے تیری مدد کی . 282، 323 | نه جا کیں |
| صبر كرخدا تيرے دخمن كو ملاك كرے گا | ż |
| میرے دشمن ہلاک ہوگئے | خيراورنفرت اور فتح انشاءالله تعالى 621، |
| وعا | خير وخو بي كانشان |
| تيري دعا قبول کي گئي | |
| | |

| خداتعالی ایسے موذی کوجلد تر دنیا ہے اٹھا لے گا | جب تو دعا كري تومين تيري سنول گا |
|---|--|
| د نيامين ايك نبي آيا | جودعا ئیں آج قبول ہیں ان میں قوت اور شوکت اسلام بھی ہے |
| د نیامیں ایک نذیرآ یاپر دنیانے اس کوقبول نہ کیا | 595 |
| 548،324،296،238،148،81 | چل رہی ہے نیم رحمت کی جودعا سیجیح قبول ہے آج161 |
| سب دنیا پنجه قدرت احدیت میں مقہور ومغلوب ہے89 | د کھے میں تیری دعا وَں کو کیسے جلد قبول کرتا ہوں94 |
| وہ دنیا کوچھوڑ جائیں گے | میں تیری ساری دعا کیں قبول کروں گامگر شرکاء کے بارہ میں نہیں 21 |
| وہ دنیامیں آئے گااورا پے مسیحی نفس اورروح الحق کی برکت ہے | ہرایک مکان سے خمر دعا ہے |
| بہتوں کو بیاریوں سے صاف کردے گا | د ل |
| وہ عام دنیا کیلئے ایک نشان ہوگااور خدا کے ہاتھوں سے آسان سے | اور تیری محبت دلوں میں ڈ الوں گا149 |
| بوگا | تقوىٰ أيك اليادرخت ہے جس كودل ميں لگانا چاہئے497 |
| 99 | جو خبر دی وحی حق نے اس سے دل بیتاب ہے |
| دوچارهاه | دل پھيرديا گيا691 |
| دوهبتر الوث كئے | دل كاحليم |
| دونشان ظاہر ہول گے | میں تیرے خالص اور د کی محبول کا گروہ بھی بڑھاؤں گا112 |
| دوشنير | وہ وقت آتا ہے بلکہ قریب ہے کہ خدابا دشاہوں اور امیروں کے |
| دوشنبہ ہے مبارک دوشنبہ | دلول میں تیری محبت ڈالے گا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| دوائے ہمزاد | دلجوئي |
| حب کچله کونین فولاد به ہےدوائے ہمزاد674 | پہلے بنگالہ کی نسبت جو کچھ تھم جاری کیا گیا تھاابان کی دلجوئی ہوگی |
| دوباره زندگی | 508 |
| دوده : آسان سے دود ھاتر اہے محفوظ رکھو | יל |
| נפתן | اس کتے کا آخری دم ہے |
| ووسرا بشيرتمهين ديا جائے گا | ا يک دم مين دم رخصت ، وَ ا |
| آنے والا یمی ہے یا ہم دوسرے کی راہ تکلیں | ومثق : بلائے ومثق |
| وبلي المارك | وديا |
| ۔ ک (البهامات میں دہلی شہرکا نا م لیا گباجہاں سادات میں حضور کی شادی | ۔۔ اس میں تمام دنیا کی بھلائی ہے |
| بوني) | اگرخدااییانه کرتا تو دنیامیں اندھیر پڑجا تا |
| د بلی میں واصل جہنم واصل خان فوت ہو گیا | اناللہ ہمارا بھائی اس دنیاہے چل دیا |
| دی خبر مجھ کو کہ وہ دن ہوں گے ایا م بہار | اور تیری دعوت کو دنیا کے کناروں تک پہنچادے گا112 |
| د کیم | تمام دنیا کے لئے ایک |
| ر میچه د مکیرمین تیری دعا ؤ ل کو کیسے جلد قبول کرتا ہوں | تواس سے نکلااوراس نے تمام دیا ہے تجھ کو چن لیا |
| | جوشريهوگااس کومين د نيامين بھي اورآ خرت مين عذاب 671 |
| | |

| راسته بٹالہ والاخطرناک ہے | دىكىيىن آسان تىرك كئے برساؤل گا 564،538 |
|--|--|
| راہ کو بھولیس گے ہوکر مست و بیخو درا ہوار | د کیوییں ایک نہایت چھپی ہوئی بات پیش کرتا ہوں627 |
| ربالافواج | |
| ربالافواج اس طرف توجه كريكا | ڙ_ ز |
| رب کریم |)_) |
| اپنے رب کریم کواکیلامت چھوڑ و | |
| رچس | ڈ پئی مشنر |
| اس کومقدس روح دی گئی ہےاوروہ رجس سے پاک ہے 109 | محرحسين ڈپٹی کمشنر |
| رحم ت | ڈرومت مومنو |
| اس کی پاک رحمتیں اس طرف متوجہ ہیں | وگری ہوگئی ہے مسلمان ہے |
| رحمت النبی کے چیکے سامان | <i>ذریت</i> |
| رحمت اورفضل کا کلام شکر کا کلام | اور تیری ذریت کو بڑھائے گا |
| میں تجھے رحمت کا ایک نشان دیتا ہوں اس کے موافق جوتونے مجھ | اور میں تیری ذریت کو بڑھا ؤں گا |
| ے مانگا | تىرى ذريت منقطع نېيى ہوگى |
| رستگاری | دہ لڑ کا تیرے ہی تخم سے تیری ہی ذریت نِسل ہوگا 109 |
| اسیروں کی رستگاری کاموجب گا | ذ ^ل يل |
| وهاسيرون كورىتگارى بخشے گا | ذليل انسان كابير اغرق ہوگيا |
| رسول | جوشرارت سے میرےمقابل پر کھڑا ہوگاوہ ذکیل اورشرمندہ کیا |
| رسول الله عليقة بناه گزين ہوئے قلعہ ہند ميں | جائےگا |
| رشيا | و بين ونبيم : وه تخت ذ بين ونبيم هو گا |
| ۔ میں اپنی جماعت کورشیا کےعلاقہ میں ریت کی مانندد میکتا ہوں 691 | زوالفقارعلى |
| رق : تير بيان مين خق بهت بدفق چا ہے | ذکر :اور تیراذ کر بلند کروں گا |
| ر <u>ن</u> ق ريق | |
| ريي ن اس سفر مين تمهاراا ورتمهار ب _ر و فيق كالميجه نقصان هوگا 118 | |
| ر فیقول کو کہد دو کہ مجائب در عبائب کا م دکھلانے کا وقت 553 | |
| ر فیقوں کو کہ دیں کہ عجائب در عجائب کام دکھلانے کا وقت 518 | |
| روح الحق | رات |
| ده روح الحق کی برکت سے بہتوں کو بیاریوں سے صاف کردے گا. | رات جور کھتے تھے پوشا کیں برنگ یاسمن454 |
| 110 | لنگرخانه میں رات کوریا کیا گیا |
| رو حانی عالم کا دروازہ تیرے پر کھولا گیا | راز کھل گیا |

| زمان | رودرگو پاِل |
|---|---|
| :احمرزمان اس زمانه کااحمد | ہے کرشن رودر گو پال تیری استنی گیتا میں موجود ہے، |
| : المرزمان ال زمانية المدر المنطقة المدر المنطقة المدر المنطقة المدر المنطقة المدر المنطقة المدر المنطقة المدر جس كاغلام ديكهوسي الزمان ہے | روْتُن نشان |
| زمانه | روک |
| احمدِ زمان اس زمانه کااحمدٌ | کچھوم سے کیلئے روک اٹھادی جائے گی96 |
| اس زمانه میں کوئی معرفت الہی اور کوئی محبت الہی تیری معرفت اور | پیطریق اچھانہیں اس سے روک دیا جائے |
| محبت کے برابرنہیں | ريا |
| جو کرش آخری زمانه میں ظاہر ہونے والا تھاوہ تو ہی ہے312 | ريا لنگرخانه ميں رات کوريا کيا گيا |
| میں اس زمانہ کے لئے مجھے گواہ کی طرح کھڑا کروں گا | ریاست کابل میں قریب بچاہی ہزار کے آ دمی مریں گے 595 |
| زمين | ری ت |
| اگرتمام لوگ منہ پھیرلیں تو میں زمیں کے نیچے یا آسان کے او پر | ۔ مجھے تواللہ تعالیٰ نے میری جماعت ریت کے ذروں کی طرح دکھائی |
| سے مدد کر سکتا ہوں | ·690 |
| ز مین پاپ اور گناہ ہے بھر گئی | · |
| ز مین پرایک ہی نام بخشا گیا | • |
| زمین به وبالا کردی | j |
| ز مین کے کناروں تک شہرت پائے گا | |
| ز مین میں طوفان ضلالت ہر پاہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | زار بھی ہوگا تو ہوگا اس گھڑی باحال زار |
| سب مسلمانوں کو جوروئے زمین پر ہیں جمع کرو | زېردست نثانوں كے ساتھ ترقى ہوگى606 |
| میراغضب زیبن پر چمڑ کا ہے | ز کی غلام |
| میں تخفیز میں کے کناروں تکعزت کے ساتھ شہرت دوں گا 149 تا دیر میں سرب | زبردست نشانوں کے ساتھ ترتی ہوگی |
| میں تیری تبلیغ کوز مین کے کناروں تک پہنچاؤں گا | יני פין איני. נו <i>נ</i> נג |
| وہ آ سان سےاتر ہے گااورز مین دالوں کی راہ سیدھی کرے گا 144 | زلزله آنے کو ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| بیز مین تیری اور تیرے مریدوں کی ہے | ر ارتما ہے وہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| یہب نشان تیرے لئے زمین پر ظاہر کئے جائیں گے528 | ر الرابة يا، وعاري پر عن اوري عنه ويده ين |
| زندگی گاری سال | |
| زندگی ہآ رام ہوجانا پہلی زندگی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | زلزله سے دیکھتا ہوں میں زمین زمیروز پر |
| زندگی کے آثار | |
| | |
| زندگی کے فیشن سے دور جارپڑے | سخت زلزلهآ يااورآح بارش بھي ہوگي |
| زندگی کے فیشن سے دور جاپڑے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | سخت زلزلد آیا ور آج بارش بھی ہوگی |
| زندگی کے فیشن سے دور جاپڑے زندگیوں کا خاتمہ آٹارزندگی | سخت زلزلد آیااور آج بارش بھی ہوگی |
| زندگی کے فیشن سے دور جاریا ہے۔ زندگیوں کا خاتمہ | سخت زلزلہ آیااور آج ہارش بھی ہوگی |

| سلسله قبول الہامات میں سب سے کپامولوی تھا | اےاز لی ابدی خدا! مجھےزندگی کا شربت پلا600 |
|---|---|
| سب مىلمانوں كو جوروئے زمين پر ہيں جمع كرو490 | اےمظفر تجھے پرسلام۔خدانے بیدکہا تاوہ جوزندگی کےخواہاں ہیں |
| ستائيس كوايك واقعه | موت کے پنچہ سے نجات پاجا ئیں |
| سيائي | تىرى خۇڭ زندگى كاسامان ہوگيا558،524 |
| ال پہ ہے میری سچائی کا سبھی مدار | خدایاز ندگی بخش |
| د نیامیں ایک نذیر آیا پر دنیانے اسکوقبول نه کیااور بڑے زور دنیامیں ایک نذیر آیا پر دنیانے اسکوقبول نه کیااور بڑے زور | دوباره زندگی |
| آ ورحملول سےاس کی سچانی کوظا ہر کردے گا | مریم کی معبودانہ زندگی پرموت آئے گی |
| میری سچائی پر خدا گوائی دیتا ہے | منسوخ شده زندگی |
| ر فی کار ہے ہیں۔ بید ونو ل زلز لے تیری سیائی ظاہر کرنے کیلئے نشان میں | منسوخ شده زندگی |
| سخت | پھر بیزندہ ہوئی ہے مرمرکہ |
| اس کا نتیج پخت طاعون ہے جوملک میں تھیلے گی607 | جولوگ خدا تعالٰی کےمقرب ہیں وہ مرنے کے بعد پھرزندہ ہوجایا |
| اکتیں ماہ تک ان پرایک شخت مصیبت پڑے گی | كرتے ہيں |
| سخت زلزلهآ یااورآ ن بارش بھی ہوگی | ۔ خواجہ حسن نظامی ابھی بہت دن زندہ رہیں گے649 |
| صحن میں ندیاں چلیں گی اور سخت زلز لے آئیں گے564 | بیزندہ آئے گااور فائدہ حاصل کر کے جائے گا686 |
| وه تخت زبين وفهيم موگا | زوال |
| یک بیکاک زلزلہ سے شخت جنبش کھا ئیں گے | مبشروں کا زوال نہیں ہوتا |
| یے بیت کے صورت کے میں ایک تیم کی طاعون تھیلے گی جو پورپ اور دوسرے عیسائی ملکوں میں ایک تیم کی طاعون تھیلے گی جو | زورآ ورحملوں |
| بهت شخت بوگی | اور بڑے ذور آ ورحملوں سے اس کی سچائی خلام کرد ہے گا 81 |
| مرخ | اور پر کرورا ور حول کا کا چی فایم کرد کا |
| • | |
| م رخ ہوجا ئیں گے جیسے ہوشرابا نجبار ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | Ű |
| حب کیلہ کونین فولا دمساوی نصف سرخ۔الہامی ہے674 مرگا | |
| مرنگ | 44 |
| مرکوبی ہےاں کی عزت بچائی گئی | سامان • ، ، نثر ، ، گریر ریس کار |
| سقر | تىرى خوش زندگى كاسامان موگىيا |
| اس سفر میں تمہارااور تمہارے رقیق کا کچھنقصان ہوگا 118 | رحمت الهي کے چيکے سامان |
| اس سفر میں کچھ نقصان ہوگااور ھم ڈیم پیش آئے گا | میں نے ارادہ کیا ہے کہ تمہاری ایک اور شادی کروں۔ بیسب مان ملد خریس کر گا |
| تیرے سفرکو تیرے لئے مبارک کردیا | سامان میں خود ہی کروں گا |
| سلام | سب |
| ا بيم تجھ پرسلام | سبحربے ٹوٹ جائیں گے مگراسلام کا آسانی حربہ 244 |
| اے مظفر تھھ پرسلام571،109 | سب دنیا پنجه قدرت احدیت میں مغلوب ومقہور ہے |
| بہت سے سلام میرے تیرے پر ہول | سب سے بہتر اور تیز تر وہ تلوار ہے جو تیری تلوار335 |

| بثر | سلامت |
|---|--|
| شرآ ئی | الله تعالى اس كوسلامت ركھنانېيى جا ہتا |
| اے میرے اہل ہیت خدا تہمیں شرہے محفوظ رکھے 591 | تیری عزت اور جان سلامت رہے گی |
| حسین ٹیپوؤل کےشرسے بچایا گیا | خداتمهیں سلامت رکھے |
| شرارت | سلامتی |
| جوشر <i>ری</i> هوگااس کومیس د نیامیس بھی اور آخرت میں عذاب دوں گا | آج ہمارے گھر میں پغیبر علیقہ آ گئے ،عزت اور سلامتی 615 |
| 671 | سلامتی کاشنراده |
| شرف | وہ سلامتی کے شنراد ہے کہلاتے ہیں |
| آج ہے بیشرف دکھا ئیں گے ہم | سلسله |
| شري | ان شخص کی دختر کلاں کے لئے سلسلہ جنبانی کر |
| جوشر پر ہوگا اس کو میں دنیا میں بھی عذاب دوں گا671 | سلسله قبول الہامات میں سب سے کیا مولوی |
| شرکاء | سلطان القلم |
| میں تیری ساری دعا ^ن یں قبول کروں گامگر شرکاء کے بارہ میں نہیں 21 | اس عا جز کا نام اللہ تعالیٰ نے سلطان القلم رکھا ہے58 |
| شک | سلطان عبدالقادر |
| بت ویک آئے اس میں شکنہیں | سنتا ہے دیکھتا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ۔ کیا شک ہے ماننے میں تمہیں اس سے کے | سنتاليس سال کي عمر |
| څکا د مرگ | سونے والوجلد جا گویہ نہ وقت خواب ہے |
| شر | سيرها |
| رحمت اور فضل كا كلام شكر كا كلام | كابل سے كاٹا گياا ورسيدها جارى طرف آيا |
| شوخ وشنگ لڑ کا پیدا ہوگا | • |
| قيمره مهند كي طرف سے شكريہ | ش |
| شوكت اسلام | |
| جودعا ئیں آج فبول ہو ئیں ان میں قوت اور شوکت اسلام بھی ہے | • . |
| 595 | ا ثاغ |
| شهادت مخفی | ہرایک شاخ تیرے جدی بھائیوں کی کائی جائے گی111 |
| محرحسین گورنمنٹ پنجاب میں شہادت مخفی، ناانصافی سے بیتیا ہے | شادی |
| 166 | بهتر ہوگااور شادی کر کیں589 |
| ههتير | شادی خان |
| دوشهتر لُوٹ گئے | شادیاں کرتے تھے جوپٹٹیں گے ہوکرسوگوار |
| | میں نے ارادہ کیا ہے کہ تہماری ایک اور شادی کروں30 |

| Ь | شهر |
|---|---|
| | ان شہروں کودیکی کررونا آئے گا |
| طاعون | لا ہور بھی کوئی شہر ہوتا تھا |
| | |
| اس کا متیجہ بخت طاعون ہے جو ملک میں تھلیے گی | شهر ت . ه م کار کار شده در در این |
| اس کو پلیگ ہوگئیطاعون اس جماعت کی قعد اد کو بڑھائے گی | زمین کے کناروں تکشیرت پائے گا معرب محتر : میری ایس کے عزب کی اثبیث میں گا ہے دور |
| طاعون كا دروازه كھولا گيا | میں تخفیز میں کناروں تک عزت کے ساتھ شہرت دوں گا149 قون |
| علوماً تمام لوگ اس جماعت کے طاعون سے محفوظ رہیں گے | شغراده موتریشه |
| عموماً قادیان میں سخت بربادی افکن طاعون نہیں آئے گی | سلامتی کاشنراده |
| یورپ اور دوسرے عیسائی ملکول میں ایک قسم کی طاعون تھیلے گی جو | وہ سلامتی کے ثنم اوے کہلاتے ہیں |
| يهت شخت هوگی | شیرخدا اگریسی دری دارد شده در کری شده و فتر |
| طاقت | لوگ آئے اور دعوٰ ی کر بلیٹھ شیرخدانے ان کو پکڑا شیرخدانے فتح ری |
| ت میں طاقت بالااس کو گھنچ کر لے گئی | پائیپائی |
| ۔ خداتعالیٰ کےحضور میں اپنی تمام طاقتوں کے ساتھ حاضر ہوجاؤ 134 | •. |
| طوفان | ص_ض |
| تواس طوفان کے وقت کشتی تیار کر | |
| ز مین میں طوفان صلالت بریاہے | صاحب شکوه |
| طوفان آيا۔وہی طوفان | وه صاحب شكوه اورعظمت اور دولت ہوگا |
| | صبر کرخدا تیرے دشمن کو ہلاک کرے گا |
| ع | مرتبر کا با صح ت |
| | - آ ثار صحت |
| | تاغورصحت |
| عاجزانداین | صحت اور تندر ستى 425 |
| تيرى عا جزا ندرا ہيں اس کو پسندآ ئيں 595 | مفرصحت |
| عالم كباب | ہم نے تیری صحت کا ٹھیکہ لیاہے؟ |
| عبادتگاہ: میری عبادت گاہ میں ان کے چو لیے ہیں 143 بریمیت | صحن میں ندیاں چلیں گی اور سخت زلز لے آئیں گے 564 |
| عبداللدآئقم | صلح آشتی: تیر ے ساتھ کے وآشتی <u>بھیلے</u> گی |
| عبرالله آتهم كي نبت لينبذن في الحطمة 220 | ضرور کامیا بی |
| عبدالله خان ڈریواساعیل خان | |
| | |

| میں تجھے زمین کے کناروں تک عزت کے ساتھ شہرت دوں گا 149 | عبدالباسط |
|---|--|
| عطر | عبدالحین نہیں مرے گاجب تک وہ (مبارک احمد) پیدا نہ ہو رم |
| جس کوخدانے اپنی رضامندی کے عطر سے ممسوح کیا | عبدالحكيم |
| عظمت | اےعبدالحکیم خدا تعالیٰ تجتیے ہرا یک ضرر سے بچاوے572 |
| خدا تعالی کاارادہ ہے کہ تیری تو حید، تیری عظمت، تیری کمالیت | عبدالقادر |
| پھیلاوے | عبدالكريم |
| وه صاحب شكوه اورعظمت اوردولت جوگا | پیطریق اچھانہیں اس سے روک دیا جائے مسلمانوں کے لیڈر |
| وه صاحب شکوه اورعظمت اور دولت ہوگا | عبدالكريم كو |
| ايك معامله كى عقده كشائى ہوشيار پور ميں ہوگى647،106 | سنتالیس سال کی عمر (آ پ کے بارہ میں الہام)475 |
| علم الدرمان | عبرت بخش سزائين دى گئين |
| علماء | عجائب درعجائب |
| ان علاء نے میرےگھر کو بدل ڈالا | ر فیقوں کو کہددیں کہ عجائب درعجائب کام دکھلانے کا وقت آ گیاہے 118 |
| علوم ظا ہری و باطنی | 318 |
| اورعلوم ظاہری وباطنی سے پر کیا جائے گا | رفیقوں کو کہد دو کہ بچائب درعجائب کا م دکھلانیکا وقت آ گیا ہے . 553 مدہ ہیں |
| على باس | عدو:اعداد پرمشتل الهام |
| تبہارانام ہے علی باس | عذاب |
| عليا بيكم | تین میں سے ایک پرعذاب نازل ہوگا |
| مجر | جونثر <i>ری</i> ہوگا اس کو میں دنیا میں بھی اور آخرت میں عذاب دوں گا |
| 91 | 671 |
| عمر - براطوس | کیاعذاب کامعاملہ درست ہےعربی |
| عمر دراز | |
| خدا کی پناہ میںعمرگز ارو | آج تم عربی میں تقریر کروتمہیں قوت دی گئی |
| سنتالیس سال کی عمر | کیچیو بی میں بولو |
| میں تیری عمر کوبھی بڑھاؤں گا | مجمع میں کچھ عربی فقرے پڑھو |
| عنقریب همیں ایک اور نکاح کرنا پڑے گا | عن المناطقة |
| عنقریبات ایک ملک عظیم دیا جائے گا | آج ہمارے گھر میں پیغیمر علیہ آئے، آگئے، عزت اور سلامتی 615 |
| عنموائيل120 | ا کیسترت کا خطاب |
| اس کا نام عنموائیل اور بشیر ہے | خدا تجھے غیر معمولی عزت دےگا |
| عورصحت | خدائے عزوجل اس کی عزت رکھے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| تاغود صحت | سرکو بی کے لئے اس کی عزت بچائی گئی |
| | |

| ايك زكى غلام تحقيد ياجائے گا | عورت |
|---|---|
| جس کا غلام دیکھوستے الز مان ہے | ايك عورت مرگن |
| غلام احد | بہت لوگ خیال کرتے ہیں کہ عورتیں ان کی کنیز کیں ہیں، کنیز کیں |
| غلام احمدقادیانی (۱۳۰۰) | نہیں بلکہان کی ساتھی ہیں |
| غلام احمد کی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | عورت کی حیال518،509 |
| غلام قادرآ گئے گھر نوراور برکت سے بھر گیا | مردول کو جتنے چا ہوساتھ لے جاؤ گرعور تیں نہ جاویں514 |
| غلب | میں اسعورت کوسر ادوں گا |
| میری فتح ہوئی میراغلبہ | عيد |
| میری فتح ہوئی میراغلبہ ہؤا | عيدتو ہے چاہے کرویا نہ کرو |
| ہاری فتح ہماراغلبہ | مارے <u>لئے عب</u> د کا دن |
| غ وث مجم : اس کاغوث محمہ نام رکھا گیا | |
| | غ |
| ن | |
| | |
| | غازی |
| فاتح الدين | غالب |
| Ë | تومغلوب ہوکرغالب آئے گا |
| حجت قائم ہوجائے گی اور فتح کھلی کھلی ہوگی148 | وہ مسلمانوں کےاس دوسرے گروہ پرتا بروز قیامت غالب رہیں |
| خيراورنصرت اور فتح انشاءالله تعالى | 112 |
| فتخ نمایال | جارا ہی مضمون غالب رہے گا |
| فتخ وظفر کی کلید تخیے ملتی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ىيەدەمضمون ہے جوسب پرغالب آئے گا |
| فتح ہے تمہاری ہمہارے نام کی | غرنوی |
| ميدان ميں فتح تحجے خدادے گا | غثى |
| ميرى فتح ہوئی | پىلے بىپوۋى پھرغنى پھرموت280 |
| میں ایک اور تاز ہ نشان ظاہر کروں گا جس میں فتح تحظیم ہوگی | غضب |
| ماری فتح آئے گی | ن ان کی دیواروں برغضب الٰہی نازل ہوگا112 |
| ہماری فتح ہوئی | میراغضب زمین پرجمر کا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| يالله فتح | غلام غلام |
| فرزنددلبندگرامی ارجمند | صنا اور مجھےآگ سےمت ڈرا کیونکہآگ ہماری غلام بلکہ غلاموں کی |
| فرشتوں کی ھینجی ہوئی تلوار تیرےآ گے ہے | الوركة على المرابعة الماري المرابعة الماري المرابعة الماري المرابعة الماري المرابعة الماري المرابعة المرابعة ا المرابعة المرابعة الم |
| 556-536-531 | |

| قاديان | فروري |
|---|---|
| خدا قادیان میں نازل ہوگا اپنے دعدہ کےموافق358 | تچیس فروری کے بعد جانا ہوگا |
| عموماً قادیان میں تخت بر بادی افکن طاعون نہیں آئے گی | فری میسن |
| غلام احمة قادياني | فری میسن مسلطنہیں کئے جائیں گے کہ اس کو ہلاک کریں |
| قبر | فضل |
| كمبل ميں لپيٹ كرضج قبر ميں ركھ دو | اس کے ساتھ فضل ہے جواس کے آنے کے ساتھ آئے گا 110 |
| قبول | فضل اوراحسان کا نشان تخیے عطا ہوتا ہے109 |
| تواس کو تبول کر لے | ميرافضل تيريز ديك آگيا |
| تيري دعا قبول کي گئي | يه خدا تعالی کافضل ہےاور تمہاری آتھوں میں عجیب |
| جودعا کیجئے قبول ہے آج | ید درواز وفضل الرحمان نے کھول دیا ہے |
| جودعا ئیں آج قبول ہیں ان میں قوت اور شو کت اسلام بھی ہے | فلاں کو پکڑ واور فلاں کو چھوڑ و |
| 161 | فولاد |
| د نیامیں ایک نذیر آیا پر دنیا نے اس کو قبول نہ کیا | حب کچلہ کونین فولا دمساوی نصف سرخ۔الہامی ہے674 |
| 548.324.296.238.148.81 | كپله كونين فولا ديه ہے دوائے ہمزاد |
| د کچه میں تیری دعا وُں کو کیسے جلد قبول کرتا ہوں | فنيم |
| سلسلة قبول الہامات میں سب سے کپامولوی تھا | وه تخت ذ مین ونهیم هوگا |
| قبول ہوگئی نو دن کا بخارٹوٹ گیا | فيشن |
| میں تیری ساری دعا ئیں قبول کروں گامگر شرکاء کے بارہ میں نہیں 21 | زندگی کے فیشن سے دور جاہڑے |
| ہےتو بھاری مگر خدائی امتحان کوقبول کر | |
| قبوليت | *: |
| خدا کے مقبولوں میں قبولیت کے نمونے اورعلامتیں | ا |
| متبولوں میں قبولیت کے نمونے اور علامتیں ہوتی ہیں536 | |
| قدرت | قا در |
| ا پی قدرت نمائی سے تھیےاٹھاؤں گا148،137،81 | اےمیرے قادر خدااس بیالہ کوٹال دے |
| تمام عائبات قدرت دکھلانے کے بعد تمہارا حادثہ | غلام قادرآ گئے گھر نوراور برکت ہے جھر گیا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| سب دنیا پنجه قدرت احدیت میں مقہور اور مغلوب ہے89 | قادر کے کاروبار نمودار ہو گئے کا فرجو کہتے تھیوہ گرفتار ہو گئے 293 |
| سوقدرت اوررحمت اورقربت کا نشان تحقیر دیاجا تا ہے109 - | قادر ہے وہ بادشاہ ٹوٹا کام بناوے |
| قدرت کے دروازے کھلے ہیں | قادرہے وہ بارگاہ ٹوٹا کا م ہناوے |
| قدم | میں قادر جوچا ہتا ہوں کرتا ہوں |
| ان کو کہہ دے کہ میں عیسیٰ کے قدم پر آیا ہوں | وہ قادر ہے جس طور سے حیا ہتا ہے پیدا کرتا ہے |
| | |

| | قرآن شریف |
|--|---|
| كايل | قرآن شریف خدا کی کتاب اور میرے منہ کی باتیں ہیں77 |
| ریاست کابل میں قریب بچائی ہزار کے آ دمی مریں گے 595 | قرآن شریف خدا کی کتاب ہے |
| كابل سے كاٹا گيااورسيدھا ہمارى طرف آيا 403 | قرابتی |
| كاذب | آج حاجی ارباب محملشکرخان کے قرابتی کاروپیدآ تاہے44 |
| کاذب کا غداد شن ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | قربت كانشان |
| میں مجھےایک کاذب کی موت کی خبر دیتا ہوں | سوقدرت اوررحمت اورقربت كانشان تحجيد ياجاتا ہے |
| كافر | قریب |
| كافر جو كہتے تھيوہ گرفتار ہو گئے | ر میں ہے۔ ریاست کابل میں قریب بچای ہزار کے آ دمی مریں گے 595 |
| کا فرجو کہتے تھے وہ نگونسار ہو گئے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | قریب ہے کہ سب ملتیں ہلاک ہوں مگراسلام |
| لبورته | موت قريب |
| بھولیں گے نغموں کواپنے سب کبوتر اور ہزار | وہ دفت آتا ہے بلکہ قریب ہے کہ خدابا دشاہوں اورامیروں کے |
| كامياني | دلول میں تیری محبت |
| ضرور کامیا بی | قلعه بهند |
| معدے کے خلل سے بھی ورم ہوجا تا ہے | رسول الله عليقة بناه گزيں ہوئے قلعہ ہند ميں |
| کپڑے | قبر |
| میں تجھے برکت دول گا یہاں تک کہ بادشاہ تیرے کیڑوں سے | اکنمونه قبر کا ہوگاوہ ربانی نشان |
| برکت ڈھونڈیں گے 8 × 112، 137، 258، 264، 258، 258، 555، | قریب ہے کہ میرا قہرز مین پراترے |
| كتاب | قہرالهی کی عجل ہے593 |
| این نثان کامدعایہ ہے کہ قرآن شریف خدا کی کتاب ہے77 | قهری قبلی ہوگی |
| قر آن شریف خدا کی کتاب ہے | 0 |
| ىيەمىرى كتاب ہےاس كوكوئى ہاتھ نەلگاو كى | قومیں اس سے برکت پائیگی |
| کپلہ | میں نے ابرا ہیم کوقو م بنایا |
| حب کچلہ کونین فولا دمساوی نصف سرخ۔الہامی ہے674 | |
| كچله كونين فولا ديه ب دوائج بمزاد | اٹھونمازیں پڑھیں اور قیامت کانمونہ دیکھیں 507، |
| Z. | ايک اور قيامت برپا هوني |
| کچھآ گ کی چنگاریاں جھے پر پڑیں | قيصره بهند كي طرف سے شكر بي |
| کچھ دنوں کرصبر ہوکر متقی اور بردیار | |
| کچھ عربی میں بولو | |
| کیچھ عرصیکیلئے روک اٹھادی جائے گی | |

| كليسيا | كرشْ |
|---|---|
| كليسياكي طافت كانسخه | جو کرشن آخری زمانه میں ظاہر ہونے والا تھاوہ تو ہی ہے312 |
| کمبل میں لپیٹ کرضبح قبر میں رکھ دو | ہے کرشن رودر گو پال تیری استی گیتا میں موجود ہے 344 |
| نمترین کا بیرا هغرق هوگیا | ہے کرشن رودر گو پال تیری مہما گیتا میں ککھی گئی ہے312 |
| کم ا | كرفني نوث |
| ہم وہ تمام بوجھ تجھ سے اتارلیں گے جس نے تیری کمرتوڑ دی . 148 | کروں گا دوراس ماہ ہےاند حیرا |
| كنيزكين | حشتي |
| بہت لوگ خیال کرتے ہیں کہ عور تیں ان کی کنیز کیں ہیں، کنیز کیں | ز مین میں طوفان صلالت بر پاہے تو اس طوفان کے وقت کشتی تیار کر |
| نهیں بلکہان کی ساتھی ہیں | 134 |
| کھانی دور ہوگئ | کشتیاں چلتی ہیں تاہوں کشتیاں |
| کھل جائیں گے (وجوہ معاش) | کین کا بھی میں میں ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| تحينجي هوئي تلوار | كعب |
| فرشتوں کی تھینی ہوئی ملوار تیرے آگے ہے536،531 | جو خص کعبہ کی بنیا دکوا یک حکمت ا ^ل ہی کا مسئلہ مجھتا ہے وہ بڑا ^{عقل} ند ہے |
| کوئی | 149 |
| آ جکل کوئی نشان طاہر ہوگا | كفن |
| پر خدا کارتم ہے کوئی بھی اس ہے ڈرنہیں | ان کی لاش کفن میں لپیٹ کرلائے |
| کوئی در باری میرے حلقہ اطاعت سے گزرنے نہ پاوے 599 | كفن مين لپيڻا گيا |
| کوئی کشتی اب بچاعتی نہیں اس بیل ہے | كلام |
| یے میری کتاب ہے اس کوکوئی ہاتھ نہ لگاوے525 | ایک کلام اور دولژ کیاں |
| کور یا | تيرے کلام ميں جو تيرے منہ سے نکلتا ہے |
| | رحت اور فضل كا كلام كا كلام |
| ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | کسی کی طرف سے کلام ہے ہمارے دوست چل دیئے |
| کون کہ سکتا ہےائے بی آ سان سے مت گر | كلمة الازل |
| کوئین کوئین کوئین کوئین کوئین کا در این کام کا در این کا در این کام کام کام کام کام کام کام کام | تو كلمة الازل ہے پس تو مٹایانہیں جائے گا |
| کیله کونین فولا دیہ ہے دوائے ہمزاد | كلمة العزيز |
| کئی | كلمة الله |
| کئی آفتین اورمصیبتین ہم پرنازل ہوگئی ہیں 531 | وہ کلمۃ اللہ ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کئی بھاری دشمنوں کے گھر ویران ہوجا ئیں گے608 | كلمة الله غان |
| کئی چھوٹے ہیں جو ہڑے کئے جا کیں گے | كليد |
| کئی نشان ظاہر ہوں گے | فتح وظفر کی کلید تحقیم ملتی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| | • • • • • • |

| , (| کیا |
|--|--|
| U | كيابشراوركياشجراوركيا حجراوركيا بحار |
| | کیا شک ہے ماننے میں تمہیں اس میچ کے |
| لا <i>ث</i> ل | كياعذاب كامعامله درست ہےا گر درست ہے تو كس حد تك . 462 |
| ان کی لاش کفن میں لپیٹ کرلائے | کیالوگ اس ہے تبجب کرتے ہیں |
| لانكھوں | |
| لا کھوں آ دمی تدو بالا کر دوں گا | |
| لا كھوں انسانوں كونة و بالا كردوں گا | |
| لا ہور | |
| لا ہور بھی کوئی شہر ہوتا تھا | گرامی ار جمند |
| لا ہور سے ایک افسوسناک خبر آئی | فرزند دلیند گرا می ارجمند |
| لا ہور میں ایک بے شرم ہے | <i>گرفتار</i> |
| لا ہور میں ہمارے پاک ممبر موجود ہیں | قا در كے كار و بارنمودار ہوگئے كا فرجو كہتے تھيوه گرفتار ہوگئے 293 |
| لا ہور میں ہمارے پاک محت ہیں | كا فرجو كہتے تھے وہ نگونسار ہو گئے جتنے تھے سب ہى گرفتار ہو گئے |
| لدبيانه | 294 |
| ں۔ ایک ارادت مندلد ہیا نہ میں ہے | گمرابی |
| ر الان | وید گمراہی سے بھراپڑا ہے |
| آپ کے لڑکا پیدا ہؤ اہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | گھر |
| خدا تیرے لئےلڑ کادےگا571 | ان علماء نے میرے گھر کو بدل ڈالا |
| خوبصورت پاک لڑکا تیرامہمان آتاہے | ان کے گھر بیواؤں ہے بھر جائیں گے |
| سونخچے بثارت ہو کہا یک وجیہاور پاک لڑ کا مخچے دیا 109 | تىرا گھرىركت سے گھرے گا |
| شوخ وشنگ لڑ کا پیدا ہوگا | غلام قادرآ گئے گھر نوراور برکت سے بھر گیا |
| وہ لڑ کا تیرے ہی تخم سے تیری ہی ذریت ونسل ہوگا109 | گواه |
| لعنت | میں اس زمانہ کے لئے تختے گواہ کی طرح کھڑا کروں گا |
| پلعنت ابھی وزیرآ بادمیں بری ہے | میری سچائی پر خدا گواہی دیتاہے |
| كنگر | گورنر جزل کی پیشگوئیوں کے پوراہونے کاوف ت آ گیا285 |
| لنگرا ٹھا دو۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | گورنمنٹ پنجاب |
| لنگرخانه میں رات کو ریا کیا گیا | محرحسین گورنمنٹ پنجاب میں شہادت مخفی، ناانصافی سے بیچیاہے |
| لواء الفتح يعني فتح كاحبضدًا | 166 |
| لوگ | |
| | |

| وہ نوراللہ ہے مبارک وہ جوآ سان سے آتا ہے109 | لوگ آئے اور دعوی کر بیٹھے شیر خدانے ان کو پکڑا568،324 |
|--|---|
| مېشرون کاز والنهيں ہوتا | لوگ تختے نہیں بچا ئیں گے پر میں تختیے بچاؤں گا148 |
| متردو | لوگ کہتے ہیں کہ ہم ایک بھاری جماعت ہیں148 |
| تمہارے پرحرام ہےکہ کی مکفر اور مکذب یا متر ددکے پیچھونماز | ا گرتمام لوگ منہ پھیرلیں تو میں زمیں کے نیچے یا آ سان کےاو پر ا |
| بِرْهو | ہے مدد کرسکتا ہوں |
| رپاهو. نتنافس | اگر چه تخچے لوگ چھوڑ دیں پر میں نہیں چھوڑ وں گا148 |
| خالفوں میں پھوٹ اورا کیشخص متنافس کی ذلت257،256 | الله و المحارب التحديد الكانور آيا |
| مٹی | بہت لوگ خیال کرتے ہیں کی عور تیں ان کی کنیز کیں ہیں، کنیز کیں : |
| ایک ہی گردش سے ہوجا ئیں گے مٹی کاڈھیر | نېيں بلکهان کی ساتھی ہیں |
| رمٹی نظیف ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | جولوگ تیری طرف توجہ نہیں کرتے وہ خدا کی طرف نہیں کرتے 593 اگریت الاست تا الاست |
| ں ہے۔ یہ ، لا ہور میں ہمارے پاک ممبر موجود ہیں نظیف مٹی کے ہیں 328 | جولوگ خدا تعالی کےمقرب ہیں وہ مرنے کے بعد پھرزندہ ہوجایا ے |
| وسوسنېين رېگا مگرمڻي رېگى | كرتے ہیں 137 |
| مثل چیف کورٹ سے والیس آئے گی | عموماً تمام لوگ اس جماعت کے طاعون سے محفوظ رہیں گے |
| A | کیالوگاس سے تعجب کرتے ہیں |
| مچر ده تیرے مجد کوزیاده کرے گا | ملاً اعلیٰ کے لوگ خصومت میں ہیں ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| · · · /. | میں مختبے ایسی بزرگی دوں گا جس سے لوگ تعجب کریں گے 401 |
| مر میں نے تختے بھیجا تا مجرم نیکو کاروں سے الگ ہوجا ئیں497 | یہ خدا کے کام ہیں اور لوگوں کی نظر میں عجیب |
| ين سے جي مين پر ايوه رون سے ان اوج بين 289 | یدلوگ کہتے ہیں کہ ہم ایک بھاری جماعت ہیں 148 |
| عن المحمد فترات المحمد في ا | |
| مجموعه فتوحات | |
| مجھ میں اور تم میں ایک دن کی معیاد ہے | |
| | (27.02) |
| اور مجھے آگ ہے مت ڈرا کیونکہ آگ ہماری غلام بلکہ غلاموں کی غلام ہے | ماتم كده |
| علام ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | |
| اے ارق اہدی طراحت کے دروں کا سربت کے ذروں کی طرح دکھائی مجھے تواللہ تعالیٰ نے میری جماعت ریت کے ذروں کی طرح دکھائی | مبارک پیریز |
| | آج مبارک دن ہے |
| ئے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | دوشنبه ہےمبارک دوشنبه |
| • | تیرے سفر کو تیرے لئے مبارک کر دیا |
| محبت سریر ۱۰ میلادی کرد. بالادی در | مبارک باد |
| اس ز مانه میں کوئی معردنت الٰہی اور کوئی محبت الٰہی تیری معردنت اور | 10.5 |
| محبت کے برابرنہیں | مبارک سومبارک |

| خون سے مردوں کے کو ہتان کے آبرواں454 | اور تیری محبت دلوں میں ڈ الوں گا |
|--|---|
| مرگ | وہ وفت آتا ہے بلکہ قریب ہے کہ خدابا دشاہوں اورامیروں کے |
| شكارمرگ | دلوں میں تیری محبت ڈالے گا |
| مريم | محفوظ |
| اگر میں چاہوں تو مریم اوراس کے بیٹے کو ہلاک کردوں244 | آ سان سے بہت دود ھاتر اہے، محفوظ رکھو558 |
| مریم کی معبودانہ زندگی پرموت آئے گی | آ سان سے دود ھاترا ہے، حفوظ رکھو524 |
| مسلمان | اے میرے اہل ہیت خداتہ ہیں شرہے محفوظ رکھے591 |
| خداد ومسلمان فریق میں ہے ایک کا ہوگا604 | عموماً تمام لوگ اس جماعت کے طاعون سے محفوظ رہیں گے |
| سب مسلمانوں کوجوروئے زمین پر ہیں جمع کروعلی دین واحد 490 | مجرهسين |
| وہ مسلمانوں کےاس دوسرے گروہ پرتا بروز قیامت | محمد سين دُيني كمشنر |
| غالب رہیں گے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | محد حسین گورنمنٹ پنجاب میں شہاد سے خفی، ناانصافی سے بیتیاہے |
| ڈ گری ہوگئی ہے مسلمان ہے | 166 |
| بيطريق احچيانېيں اس سے روک ديا جائے مسلمانوں کے ليڈر | مفلح مفلح معلم معلم معلم معلم معلم معلم معلم مع |
| عبدالكريم كو يستقد كو يستق | محمود |
| 5 | محموداحم |
| اگرمسے ناصری کی طرف دیکھاجائے | مخالف |
| جس کاغلام دیکھوئی الزمان ہے | دشمن اور خالف اس کی نظیر بنانے سے قاصر رہے گا 205 |
| کیاشک ہے ماننے میں تمہیں اس سے کے | مخالفوں میں پھوٹ اورا کیشخص متنافس کی موت257،256 |
| مسیح ابن مریم رسول الله فوت ہو چکا ہے | وہ جوتیر بخالف ہیں پکڑے جائیں گے |
| مسیح محمدی کمسیح موسوی سے افضل ہے | اولياءالله سے خالفت رکھنااس کا نتیجہ |
| مسيجا | <i>3.</i> 6 |
| خو بول کو بھی تو تم نے مسیحا بنادیا | اگرتمام لوگ منہ پھیرلیں توزمیں کے پنچے سے یا آسان کے اوپر |
| مسيحي نفس | سے مدد کرسکتا ہوں |
| وہ دنیامیں آئے گااوراپے سیحی نفس اورروح الحق کی برکت سے | دشمنوں سے ملاقات کرتے وقت ملائکہنے تیری مددکی . 282، 323 |
| بہوں کو بیاریوں سے صاف کرے گا | وه دن آتے ہیں کہ خداتمہاری مدد کرے گا |
| مشرقی طاقت | مرادين |
| ايك شرقى طاقت اوركورياكى نازك حالت429 | تىرى سارى مرادىس مختے دےگا |
| كوريا خطرناك حالت ميں ہے مشرقی طاقت | خدا تیری ساری مرادیں پوری کرے گا435 |
| مشکل کشا کے ہو گئے مشکل تمام کام | مرد |
| مصيبت | مردوں کو جتنے جا ہوساتھ لے جاؤ مگرعورتیں نہ جاویں514 |
| | |

| مكفر | آ فتوں اور مصیبتوں کے دن ہیں |
|---|---|
| تمہارے پرحرام ہےکہ کی مکفر اور مکذب یا متر د د کے پیچیونماز | ِ كُلِّي ٱ فَتين اور مَصِيبتين ہم پرنازل ہوگئ میں _ ع |
| ىرلەھو | ائتیں ماہ تک ان پرا یک سخت مصیبت پڑے گی103 |
| پ ملا اعلی کے لوگ خصومت میں ہیں | معزصحت |
| ملائم سلوك | مسلح ل ہوجا تیں گےاس خوف سے سب جن والس454 |
| اولاد کے ساتھ ملائم سلوک کیا جائے گا | مضمون |
| ملاتكه | مضمون بالار ہا |
| د شمنول سے ملا قات کرتے وقت ملائکہنے تیری مدد کی . 323، 282 | جارا ہی مضمون غالب رہے گا |
| ملاوا بهو دااسکر پوطی ہے۔ | یہ وہ مضمون ہے جوسب پرغالب آئے گا |
| ملاوا يېودااسکر يوطی ہے | یدہ مضمون ہے جوسب پرغالب آئے گامظفر مظفر |
| | اے مظفر تجھے پرسلام |
| قریب ہے کہ سب ہلتیں ہلاک ہوں مگراسلام | اے مظفر تھھ پرسلام ہو کہ خدانے تیری بات بن لی 571 معرفت |
| | معرفت |
| اس کا نتیجہ تخت طاعون ہے جوملک میں تھیلے گی | ر اس زمانه میں کوئی معرفت الہی اور کوئی محبت الہی تیری معرفت اور |
| اسے ایک ملک عظیم دیا جائے گا | محت کے برابرنہیں |
| منبوخ شده زندگی | محبت کے برابزئیںمعدہ کاخلل معدہ کاخلل |
| منه کا کے | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| موت | مجھی معدے کے خلل ہے بھی ورم ہوجا تا ہے636 |
| اے مظفر تجھے برِسلام۔خدانے بیکہا تاوہ جوزندگی کےخواہاں ہیں | معدوم |
| ىپىلے بيہوشى پھرغشى پھرموت | ملس تنه کی کسل کوچو سده در و مرکه بس کرون کا |
| | الما يرن كوربر مع عدد _ا لما كردن المالية |
| تین بڑے آ دمیوں میں ہےا یک کی موت | میں تیری نسل کو جڑھے معدوم نہیں کروں گا624 معیاد |
| تین بڑے آ دمیوں میں ہے ایک کی موت | معياد |
| | معياد مجھيل اورتم ميں ايک دن کی معياد ہے |
| مخالفوں میں پھوٹ اورا کیشخص متنافس کی موت256 ، 257 | معياد |
| نخالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ شخص متنافس کی موت257،256 مریم کی معبودا نہزندگی پرموت آئے گی | معياد مجھيل اورتم ميں ايک دن کی معياد ہے۔۔۔۔۔۔۔۔مفلح مفلح مفلح مفلح مفلح مفلح مفلح مفلح |
| خالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ شخص متنافس کی موت257،256 مریم کی معبودانہ زندگی پرموت آئے گی | معیاد مجھ بیں اورتم میں ایک دن کی معیاد ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| مخالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ شخص متنافس کی موت256،256 مریم کی معبوداندزندگی پرموت آئے گی | معياد معياد مغلع مفلح مغلل مغلل معلل معلل معلل معلل معلل معلل |
| خالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ مخص متنافس کی موت 257،256 مریم کی معبودانہ زندگی پرموت آئے گی | معیاد جمین اورتم میں ایک دن کی معیاد ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| خالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ شخص متنافس کی موت 244 مریم کی معبودانہ زندگی پرموت آئے گی | معياد جي ين اورتم بين ايك دن كي معياد ہے |
| خالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ خض متنافس کی موت 257، 256 مریم کی معبوداند زندگی پرموت آئے گی | معیاد جھ پیں اور تم بیں ایک دن کی معیاد ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| خالفوں میں پھوٹ اورا کیٹ شخص متنافس کی موت 244 مریم کی معبودانہ زندگی پرموت آئے گی | معياد جي ين اورتم بين ايك دن كي معياد ہے |

| تیرے لئے میرانام چکا555،471 | هبين |
|---|--|
| قریب ہے کہ میرا قہرز مین پراترے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | موج |
| میراانہیں سے پیوند ہے جواعانت اورنصرت میں مشغول میں4 | دس دن کے بعد موج دکھا تا ہوں |
| میرادتمن ہلاک ہوگیا۔ہن اسدالیکھا خدانال جاپیااے 599 | موجود |
| میراغضب زمین پر پھڑ کا ہے | لا ہور میں ہمارے پاک ممبر موجود ہیں |
| ميرافضل تير بيزد يك آگيا | ہ ہور میں ہارے پاک مبر موجود ہیں نظیف مٹی کے ہیں 328 |
| ميرالوڻا ہوامال تحجّے ملے گا | ہ درویں، در گو پال تیری انتی گیتا میں موجود ہے 344 |
| میرانام فتخ وظفر ہے | |
| میری فتح ہوئی میراغلبہ | موذی |
| میری | خدالعالیا یسےموذی کوجلدتر دنیا سے اٹھالے گا |
| میری پرستش کی جگہ میں ان کے پیا لےاور ٹھوٹھیاں143 | موی |
| میری رحمت تحصاکولگ جائے گی | ایک موی ہے میں اس کوظاہر کر دول گا596 |
| میری سچائی پرخدا گواہی دیتا ہے | مولا |
| میری عبادت گاہ میں ان کے چو کیے ہیں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | مجھے یہ بات مولانے بتادی |
| ميرى فتح | ہے سرراہ پر تبہارے وہ جو ہیمولا کریم |
| ميرى فتح هو ئي | مولوي |
| ميري فنتح ہوئی میراغلبہ | سلسلەقبول الہامات میں سب سے کپامولوی تھا |
| ميرى فتح ہوئى ميراغلبه ہؤا | مشى بھر |
| میری مرادیں پوری ہوئیں | آ سان ایک مطی جرره گیا |
| میر ب | كمشوف |
| این نثان کامدعایہ ہے کہ قرآن شریف خدا کی کتاب اور میرے منہ | تم ظاہرلفظاورابہام پر قانع ہو۔اصل حقیقت تم پرمکثوف نہیں ۔149 |
| کی با تیں ہیں | Pop. |
| ان علاء نے میرے گھر کو بدل ڈالا | اور خدا کی مبرنے کتنا بڑا کا م کیا |
| اور چوہول کی طرح میرے نبی کی حدیثوں کو کتر رہے ہیں 143 | مهمان |
| اے میرےاہل ہیت خداتہ ہیں شرہے محفوظ رکھے 591 | بھان خوبصورت یاک ٹرکا تیرامہمان آتا ہے109 |
| اےمیرے قادرخدااس پیالہ کوٹال دے | توبلغورت پاک ره میرا جمان انام |
| بہت سے سلام میرے تیرے پر ہول | |
| جوشرارت سےمیرےمقابل پر کھڑا ہوگاوہ ذلیل اورشرمندہ کیا | ميدان |
| جائے گا | ميدان ميں فتح |
| کوئی در باری میرے حلقہ اطاعت سے گزرنے نہ پاوے 599 | ميدان مين فتح تحقيح خداد ڪاگا |
| میرے خیال میں ہیآ پ کی توجہ کا اثر ہے | מו |
| | |

| میرے دمن ہلاک ہوگئے | میں تھے برکت دوں کا یہاں تک کہ بادشاہ تیرے کپڑوں سے |
|---|---|
| میرے لئے ایک نشان آسان پر ظاہر ہؤا | برکت ڈھونڈین کے 8، 157، 158، 258، 264، 258، 555، 264 |
| میں اکیلا ہوں اور خدامیرے ساتھ ہے | میں تجھے رحمت کا ایک نشان دیتا ہوں اس کے موافق 109 |
| بیمیری کتاب ہےاں کوکوئی ہاتھ نہ لگا دے مگر وہی جومیرے خاص | میں تجھے زمیں کے کناروں تک عزت کے ساتھ شہرت دوں گا 149 |
| خدمتگار ہیں525 | میں تجھےعزت دوں گا اور بڑھاؤں گا |
| میں | میں تجھےعزت دوں گا اور تیری حفاظت کروں گا 258 |
| استخریر کا جواب ککھ اور میں جواب دینے میں تیرے ساتھ ہوں | میں تنہیں بھی ایک معجزہ دکھاؤں گا |
| 380 | میں تیری تبلیغ کوز مین کے کناروں تک پہنچاؤں گا260 |
| اگرچه تخچےلوگ چھوڑ دیں پر میں نہیں چھوڑ وں گا148 | میں تیری جماعت کے لئے تیری ہی ذریت سے497 |
| ان کو کہددے کہ میں عیسیٰ کے قدم پر آیا ہوں149 | میں تیری ذریت کو بڑھاؤں گا |
| ایک موئی ہے میں اس کو ظاہر کر دوں گا | میں تیری ساری دعا ئیں قبول کروں گا21 |
| تو مجھ سیاور میں تجھ سے ہول | میں تیری عمر کو بھی بڑھاؤں گا624 |
| جس سے تو بہت پیار کرتا ہے میں اس سے بہت پیار کروں گا 513 | میں تیری سل کوجڑ ہے معدوم نہیں کروں گا624 |
| ج ^{ۇخ} ض تىرى طرف تىرچلائ گامىن اى تىرسىداس كام تمام كردون | میں تیرے خالص اور دلی محبوں کا گروہ بھی بڑھاؤں گا112 |
| 460 | میں تیرے ساتھ اور تیرے پیاروں کے ساتھ ہوں630 |
| سومیں نے تیری تضرعات کو سنا | میں تیرے مبرسے خوش ہؤ ااور تیراصبر مجھے پسندہے672 |
| لوگ تجھے نہیں بچا ئیں گے پر میں تجھے بچاؤں گا148 | میں چھپ کرآ وں گا |
| میں اپنی جماعت کورشیا کےعلاقہ میں ریت کی مانندد کیتا ہوں 691 | میں چوروں کی طرح پوشیده آؤں گا |
| میں اپنی چیکارد کھلاؤں گااورا پی قدرت نمائی ہے تجھ کواٹھاؤں گا | میں حیرت ناک کام دکھلا وَں گااور بسنہیں کروں گا 451 |
| 548،323،296،238،148،137،81 | میں خدا ہوں جس کو چا ہتا ہوں عزت دیتا ہوں472 |
| میں اپنی فعتیں تجھ پر پوری کروں گا | میں خلیفہ ہول |
| میں اس زمانہ کے لئے تجھے گواہ کی طرح کھڑا کروں گا | میں سوتے سوتے جہنم میں پڑ گیا (ایک ناپاک روح کی آواز (450 |
| ىيں اس عورت كوسز ادول گا | میں ظالم کوذ کیل اور رسوا کروں گا |
| میں اکیلا ہوں اور خدامیرے ساتھ ہے | میں قادر جوچا ہتا ہوں کرتا ہول |
| میں ان کوسز ادول گا | میں نے ابرا تیم کوقوم بنایا |
| میں ایک تازہ نشان طا ہر کروں گا جس میں فتح عظیم ہوگی 589 | میں نے ارادہ کیا ہے کہ تیری ایک اور شادی کروں |
| میں پچاس یا ساٹھدا ورنشان دکھلا ؤل گا | میں نے تھیے بھیجا تا مجرم نیکوکاروں سے الگ ہوجا نیں497 |
| میں تجھےاٹھا وَں گااورا پی طرف بلاوَں گا112 | میں نے تیری تضرعات کوسنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| میں تجھے الیمی ہزرگی دول گا جس ہےاوگ تعجب کریں گے 401 | وہ تجھے رد کرتے ہیں مگر میں تجھے خاتم اختلفاء بناؤں گا 453 |
| میں تجھےا کیکاذ ب کی موت کی خبر دیتا ہوں593 | |
| میں نجھے برکت دوں گااور بہت برکت دوں گا259 | |

| اس کا نتیجہ تخت طاعون ہے جو ملک میں تھیلے گی | (2) |
|---|--|
| نجات | \Box |
| ايمان كے ساتھ نجات ہے | |
| موت کے پنجہ سے نجات | ننى زمين ہوگی اور نيا آسان ہوگا |
| יגיע | ناصرالديننامرالدين |
| تومیری طرف سےنذریہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | نالیاں خوں کی چلیں گی جیسے آب رود بار |
| ، نیامیں ایک نذیر آیا پر دنیانے اس کو قبول نہ کیا مگر خدااسے قبول دنیامیں ایک نذیر آیا پر دنیانے اس کو قبول نہ کیا مگر خدااسے قبول | טי |
| كركا 548،324،296،238،148،81 | اس عاجز كا نام الله تعالى نے سلطان القلم ركھاہے |
| نری کروزی کروکہ تمام نیکیول کا سرزی ہے 323 | اس كاغوث ثمرنام ركھا گيا |
| نزول | اس کا نام عنموائیل اور بشیر ہے |
| جس كانزول بهت مبارك | اورآ فاق میں تیرے نام کی خوب چیک دکھاوے282 |
| ننخم | تہبارانام ہے علی باس |
| عبر کلیسیا کی طاقت کانسخه | تمہارےنام کی |
| نس نس | تیرے لئے میرانام چکا555،471 |
| _ | خدانے ارادہ کیا ہے کہ تیرانام بڑھاوے |
| اور تیری نسل کثرت سے ملکول میں پھیلے گی | ز مین پرایک ہی نام بخشا گیا |
| تیری نسل بهت ہوگی | يلاش خدا كابى نام ہے |
| وہ تیری ہی سل سے ہوگا | 644 |
| | وہ خودنا کا م ہوں گے اور نا کا می میں مریں گے112،12 |
| چل رہی ہے سیم رحمت کی جود عالیجئے قبول ہے آج161 | نې |
| تشان | اور چوہوں کی طرح میرے نبی کی حدیثوں کو کتر رہے ہیں 143 |
| آ جَكُل كُونَى نَثَانَ ظَاهِر مُوكًا | ياك څومصطفے نبيول كا سردار 548،324،296،77 |
| اں نشان کا مدعا ہیہ ہے کہ قر آن شریف خدا کی کتاب اور میرے منہ ب | توحق کےساتھ نازل ہؤ ااور تیریساتھ نبیوں کی پیشگو ئیاں پوری |
| کی ہاتیں ہیں | ہوئیں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اک نشان ہے آنے والا آج سے پچھدن کے بعد | تو مجھے سے ایسا ہے جیسے انبیاء بنی اسرائیل |
| پچاس پاساٹھەنشان اور دکھا ؤں گا | د نیامیں ایک نبی آیا |
| دونشان طاہر ہوں گے | نبی ناصری کے نمونہ پراگرد یکھا جائے تو معلوم ہوگا147 |
| فضل اوراحسان کا نثان تجھے عطا ہوتا ہے | بچيّن |
| کئی نشان ظاہر ہوں گے | نى نىچەخلاف امىد ہے |
| میرے لئے ایک نشان آسان پر ظاہر ہؤا | نتيجه خلاف مراد مؤ ايا نكل |
| میں ایک تازہ نشان طاہر کروں گا جس میں فتح عظیم ہوگی 589 | اولياءالله سے نخالفت رکھنااس کا نتیجہ |

| | مىں پچپاس ياساٹھ اورنشان دڪھلاؤں گا519 |
|---|---|
| , | وہ عام دنیا کے لئے ایک نشان ہوگااور خدا کے ہاتھوں سے آسان |
| | ے بو گ |
| وار | یہ دونوں زلز لے تیری سچائی ظاہر کرنے کے لئے نشان ہیں |
| | پیسب نشان تیرے لئے زمین پر ظاہر کئے جا کیں گے 528 |
| دشمن کا بھی خوب وار فکلا | نظیف مٹی |
| واسطه | رمني الظرف الم |
| تو جھے میں اور تمام کلوق میں واسطہ ہے | رمٹی نظیف ہے لا مور میں ہمارے پاک مجمبر موجود ہیں نظیف مٹی کے ہیں328 |
| | لا اور این ۱۰۰۰ کی تر وروزیل کشیک راست این ۱۵۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰ |
| د ہلی میں واصل جہنم واصل خان فوت ہو گیا | . |
| واقعه | ست اورمین اپنی تبتین تبخه پر پوری کرون گا |
| در دناك د كھاور در دناك واقعہ | |
| ستائيس کوايک واقعہ | اس شخص کی وختر کلاں کے نکاح کے لئے سلسلہ جنبانی کر 125 |
| ىيەدىگا، يەبوگا، يەبوگااور پھرتىرادا قىدەدىگا | عنقریب شہیں ایک اور نکاح کرنا پڑےگا |
| يى يەرگا، يەبوگا، يەبوگا بعداس كے تىمارادا قعە | بیزناح تمہارے لئے موجب بر کت اور ایک رحمت کا نشان ہوگا |
| | 126 |
| وجبيع | نماز |
| سونخچے بثارت ہو کدا یک وجیداور پاکٹر کا نخچے دیا109 | الله و! نمازيں پڑھيں اور قيامت كانمونه ديكھيں556،507 |
| O ³ | نواب مباركة ييكم |
| وتی حق کی بات ہے ہو کرر ہے گی بے خطا | نواب مبارك بيكم |
| פנم | 79 |
| مجھی معدے کے خلل سے بھی ورم ہو جا تا ہے | ا بے لوگو! تمھارے ساتھ خدا کا نور آیا |
| وزيرآ باد | تو جہان کانور ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| یلعنت ابھی وزیرآ بادمیں برسی ہے | غلام قادرآ گئے گھرنوراور برکت سے بھر گیا |
| وموسه | نورالله |
| وسوسہ پڑگیا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | نورآ تا ہے نورجس کوخدانے اپنی رضامندی کے عطر سے مسوح کیا 1 |
| وسوسنهیں رہے گا مگر مٹی رہے گی | وہ نوراللہ ہے مبارک وہ جوآ سان سے آتا ہے109 پر |
| | نگوکار |
| وعاره د بسال ما ما الله مي الأوت | خدا کے سات نکو کار بندے ہرجگہ پر بیٹھتے ہیں601 پر |
| خدا قادیان میں نازل ہوگا ہے وعدہ کےموافق | ئیکی |
| وه وعده ٹلے گانہیں جب تک خون کی ندیاں چاروں طرف 633 | نیکی یہی ہے کہ خدا کے احکام کو پورا کرنا |
| وتت | ., . |
| | |

| وہ دن آتے ہیں کہ خداتمہاری مرد کرے | آ وَبِلْبِلِ چِلِينِ كِهِ وقت آيا |
|---|--|
| وہ دنیا کوچھوڑ جا ئیں گے | اس وقت تمام بیاری جاتی رہی |
| وہ دنیامیں آئے گااورا پنے سیحی نفس اورروح الحق کی برکت سے | بادشاہ وقت پر جو تیر چلاو ہے اس تیرہے وہ آپ مارا جاوے 424 |
| 110 | دشمنوں سے ملاقات کرتے وقت ملائکہنے تیری مدد کی . 282، 323 |
| 110 وه تخت زیمین و نیم ہوگا | رفيقول كو كهه دو كه عجائب درعجائب كام دكھلا نيكاونت553 |
| وہ (خدا کے مقرب) سلامتی کے شنرادے کہلاتے ہیں .556،531 | رفیقوں کو کہددیں کہ عجائب درعجائب کام دکھلانے کا وقت518 |
| وه صاحب شكوه اورعظمت اور دولت ہوگا | تواس طوفان کےوقت میں کشتی تیار کر |
| وه عام دنیا کے لئے ایک نشان ہوگا | سونے والوجلد جا گویہ نہ وفت خواب ہے |
| وہ قا در ہے جس طور سے چا ہتا ہے پیدا کرتا ہے | گورز جزل کی پیشگوئیوں کے پورا ہونے کا وقت آ گیا ہے۔ 285 |
| وہ قیامت کے دن ہول گے | ونت اب نزد یک ہے آیا کھڑا سلاب ہے |
| وہ کا م جوتم نے کیا خدا کی مرضی کے موافق نہیں | وقت کو پالے۔قہرالٰہی کی عجل ہے |
| وہ کلمۃ اللہ ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | وہ وقت آتا ہے بلکہ قریب ہے کہ خدابا دشاہوں اور امیروں کے |
| وہ لڑکا تیرے ہی خم سے تیری ہی ذریت وسل ہوگا109 | دلول میں تیری محبت ڈالے گا |
| وہ مسلمانوں کے دوسرے گروہ پر تا بروز قیامت غالب رہیں 112 | 0.9 |
| وہ نوراللہ ہے۔مبارک وہ جوآ سان سے آتا ہے | کا ذب کا خدادشن ہے وہ اس کوجہنم میں پہنچائے گا574،571 |
| وه وعده ځلےگانېيں جب تک خون کی ندياں چاروں طرف 633 | ميں ظالم كوذ ليل اور رسوا كروں گا اور وہ اپنے ہاتھ كائے گا 270 |
| وہ وفت آتا ہے بلکہ قریب ہے کہ خدابا دشاہوں اورامیروں کے | وہ آسان سے اترے گا اورز مین والوں کی راہ سیدھی کرے گا 144 |
| دلوں میں تیری محبت ڈالے | وه اسیروں کورستگاری بخشے گا |
| یہاں تک کہوہ تیرے کپڑوں سے برکت ڈھونڈیں گے112 | وه اولوالعزم ہوگا 131، |
| وید گمراہی ہے جمرا پڑا ہے | وه اپنے کا مول میں اولوالعزم ہوگا |
| | وہ بندگان خدا کو بہت صاف کررہا ہے |
| | وه يجاِره فوت ہو گيا |
| D | وہ مجھے رد کرتے ہیں مگر میں تھے خاتم الخلفاء بناؤ |
| | وہ تیری ہی نسل ہے ہوگا |
| باتھ | وہ تیرے مجد کوزیادہ کرے گا |
| میں ظالم کوذلیل اوررسوا کروں گااوروہ اپنے ہاتھ کا ٹے گا 270 | وه تين كوچار كرنے والا ہوگا |
| وہ عام دنیا کے لئے ایک نشان ہو گااور خدا کے ہاتھوں سے آسان | وہ جو تیرے خالف ہیں پکڑے جائیں گے |
| 589 | وہ جو کامل پیروی اوراطاعت سے تھو میں محو ہوجائے گاوہ سب |
| ہزارسالہموت کے بعد جواحیاء ہواہے اس میں انسانی ہاتھ کا دخل | بچائے جا ئیں گے |
| نېيں | وه حسن واحسان میں تیرانظیر ہوگا |
| میمیری کتاب ہےاس کوکوئی ہاتھ خدلگا وے | وہ خود نا کا م ہوں گے |

| ہم ملہ میں مرین کے یامدینہ میں | ہاں |
|--|--|
| ہم نے مجھے خالص دوئتی کے ساتھ چن لیا | ہاں میں خوش ہوں |
| ہم نے تیری صحت کا ٹھیکہ لیا ہے؟ | ہاں نہ کر جلدی سے اٹکارا ہے سفیہ ناشناس |
| ہم نے وہ جہاں چھوڑ دیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | باوس |
| ہم وہ تمام یو جھ بتھ سے اتار کیل گے جس نے تیری کمرتوڑ دی ۔ 148 | ۶- پید پندره ماه تک باویه میں گرایا جائے گا |
| آج سے بیشرف دکھائیں گے ہم | _ |
| آنے والا یبی ہے یا ہم دوسر کے راہ تکلیں | ار الله المراج الله الله الله الله الله الله الله ال |
| کئی آفتیں اورمصیبتیں ہم پرنازل ہوگئی ہیں 531 | خداتعالی تخفے ہرایک ضررہے بچاوے خداکے سات کو کاربندے ہر عگہ پر بیٹھتے ہیں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| یہ باغ اسلام ہمتم کو دیتے ہیں | عدا کی ای دو اربد کے برجانہ پر یسے ہیں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| بیلوگ کہتے ہیں کہ ہم ایک بھاری جماعت ہیں | ہرایک مال میں تہبارے ساتھ میں ہوں تیری منشاء کے مطابق 620 |
| ہم وغم | ہرایک طان میں ہمارے میں طان ہوں بیری مشاءے سارہ 2000 ہرایک شاخ تیرے جدی بھائیوں کی کائی جائے گی |
| ا ' اس سفر میں کچھ نقصان ہوگا اور ہم وغم میٹیں آئے گا | |
| Ula | بزار ماریان کرد |
| انالله جارا بھائی اس دنیاہے چل دیا | جولیں گے نغمول کواپنے سب کبوتر اور ہزار |
| جارا حصه دے دو | ریاست کابل میں قریب بچاہی ہزار کے آ دئی مریں گے 595 |
| ہماراہی مضمون غالب رہے گا | ہزار سالہ موت کے بعد جواحیاء ہواہے اس میں انسانی ہاتھ کا دخل بز. |
| ہماری فتح ہماراغلبہ | نېيں |
| ماري | ہزاروں آ دمی تیرے پرول کے نیچے ہیں |
| مهاری آخری گھڑی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ہلاک |
| ہاری نخ آئے گا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | اگر میں چا ہوں تو مریم اوراس کے بیٹے کو ہلاک کر دوں 244 |
| ہاری فتح ہماراغلبہ | خدا تیرے دشمن کو ہلاک کرے گا |
| | د تمن ہلاک ہو گیا |
| اماری نتی آمونی | صبر كرخدا تيرے دشمن كو ہلاك كرے گا |
| ماري فتي | فری میسن مسلط نہیں کئے جائیں کواس کو ہلاک کریں336 |
| هاری قسمت آیت وار | قریب ہے کہ سب مانتیں ہلاک ہول مگرا سلام |
| مارے سرگاری شاللہ ہ | میرے دشمن ہلاک ہوگئے |
| آج ہمارے گھر میں پیغیمر علیقہ آئے | بلاكت |
| آ سانی تائیدین هاریساته مین | خدااس کو پنج بار ہلاکت ہے بچائے گا |
| لا ہور میں ہمارے پاکمبر موجود ہیں | تقدیر مبرم ہے اور ہلاکت مقدر |
| ہمارے دوست چل دئے | E |
| ہارے لئے عید کادن | ا ہم ان گھر میں کچھ حنی طریق پر داخل ہوں گے675 |
| بمزاد : حب کچله کونین فولادیه ہے دوائے ہمزاد674 | = 0.10 % 0.7 0 240% 0 1 |

| ىيەپىشگونى كى آخرى حدىبے | <i>ېندوندېب</i> |
|--|--|
| بەخداتعالى كافضل ہےاورتمہارى آئكھوں میں عجیب | گېرايک د فعه مندوند بې کااسلام کی طرف رجوع موگا247 |
| بي خدا كا كام ب الله اكبر | ہوٹن اڑ جائیں گے انسان کے پرندوں کے حواس454 |
| بیخدا کی وحی ہےاب سوچ لواہ ہوشیار | هوشيار پور |
| ىيىخدا كے كام ہيں اور لوگوں كى نظر ميں عجيب | - يو حلي الله عقده كشائى ہوشيار پور ميں ہوگى |
| بیدرواز ہضل الرحمٰن نے کھول دیا ہے | یک ماندی مصاره می اور بیار پورسی دول میسان می است. تمهاری عقده کشانی هوشیار پورمیس هوگی |
| پیدو گھر بی مر گئے | |
| بیدونوں زلز لے تیری سچائی ظاہر کرنے کے لئے نشان ہیں | ېينې د د کې د نال |
| بیز مین تیری اور تیرے مریدوں کی ہے | ہیضہ کی امدن ہونے واق ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| بیزندہ آئے گااور فائدہ حاصل کرکے جائے گا | ہیں۔ ہیننہ کی آمدن ہونے والی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| بدر ساله برا ابابرکت ہوگا ہے پورا کرو | ہے تو بھاری مکر خداتی المتحان کوفبول کر |
| بیسب بھاگ جا 'میں گےاور پیٹھ پھیرلیں گے | ہے سرراہ پرتمہارے وہ جومولا کریم |
| بیسب نشان تیرے لئے زمین پر ظاہر کئے جائیں گے 528 | ہے ہےرودر گوپال تیری است گیتا میں کھی ہے |
| بیطریق اچھانہیں اس سے روک دیا جائے مسلمانوں کے لیڈر | ہے رودر گو پال تیری است گیتا میں کا تھی ہے 311 |
| عبدالكريم كوعبدالكريم كو | ہے کرش رودر گو پال تیری انتقی گیتا میں موجود ہے344 |
| پلعنت انجھی وزیرآ بادمیں برس ہے | ہے کرش رودر گو پال تیری مہما گیتا میں ^{لکھ} ی گئی ہے312 |
| یاوگ کہتے ہیں کہ ہم ایک بھاری جماعت ہیں148 | |
| يەمىرى كتاب ہےاس كوكوئى ہاتھەندلگاوے525 | , 5 |
| بیزگاح تنهارے لئے موجب برکت اورایک رحمت کا نشان ہوگا | ی |
| 126 | |
| یوہ مضمون ہے جوسب پرغالب آئے گا | يالله |
| ىيەبوگا، پەيوگا، پەيوگا در پھرانقال ہوگا258 | ۔۔ یااللہابشہر کی بلاٹال دے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ىيەبوگا، يەبوگا، يەبوگااور پچرتىرادا قىد بوگا563 | يا الله رحم كر |
| ىيەبوگا، يەبوگا، يەبوگالعداس كےتمہاراوا قعە | يالله فتى |
| يهودا | یاش خدا کا بی نام ہے |
| يبودااسكر يوطي | يك بيك اكزلزله سے تخت جنبش كھا ئينگے |
| ملاوا يېودااسكر يوطى ہے | يں۔ پورپ اور دوسرے عیسائی ملکوں میں ایک قسم کی طاعون تھیلے گی 595 |
| · | |
| | یہ یہ بات آ سان پر قرار یا چکی ہے |
| | ىيە باغ اسلام ہم تم كودىية ميں |
| | ىيە بال علام ، مىم كۆرىپى ، يىن يەرىچەن نىچىن سىچى گا |
| | يه بچرق ^م يل سخ ⁸ |

انگریزی الهامات

| گاڈاز کمنگ بائی ہزآ رمی God is coming by His) |
|---|
| 52 army.) |
| گلوری بی ٹو دس گوڈ میکر اوف ارتھ اینڈ ہیون Glory be to) |
| 77 this God Maker of earth and heaven.) |
| لاكف آف يين (Life of pain)لاكف |
| ہی ہیکٹس ان دی ضلع پیثاور He halts in the Zillah) |
| 92Peshawar.) |
| ووئی کین وہٹ ووئی ول ڈو We can do what We) |
| 50 will do.) |
| وروُ (Word) (Word) (Word) |
| ورڈزا و گوڈ کین ناٹ ایکیچنے (Words of God can |
| 92.78not exchange.) |
| ہی از ود ایوٹور کل انتیمی He is with you to kill) |
| 52 enemy.) |
| ېى شىل بىيك يو (He shall help you) |
| یومٹ ڈووہاٹ آئ ٹولڈ یو You must do what I) |
| 91:82told you) |
| يو به يولو گولوا مرتسر (You have to go to Amristar.) |
| 92 |

| آ ئی ایم کو رکر (I am quarrler) |
|---|
| آئی ایم بائی غیسیٰ (I am by Isa) |
| آئی شیل گِو بواےلارج پارٹی آف اسلام I shall give) |
| 80you a large party of Islam) |
| آئی شیل مبیاپ یو (I shall help you) |
| آئی لویو (I love you)[آئی لویو (I love you) |
| آئی کین وہٹ آئی ول ڈو(I can what I will do) . 30 |
| ا سشنٹ سرجن (Assistant surgean) استثنٹ سرجن |
| اليسوسي اليشن (Association) |
| اے ورڈ اینڈ ٹو گرلز (A word and two girls) |
| 534،505 |
| 25(This is my enemy) دس از مائی انیمی |
| دن ول یو گوٹو امرتسر Then will you go to) |
| 42Amritsar) |
| دوآ ل مین شده بی اینگری بٹ گوڈاز ودیو Though all) |
| men should be angry but God is with you.) |
| 92.78 |
| دى ڈیزشیل کم وہن گا ڈشیل ہملپ یو The days shall) |
| 77come when God shall help you.) |
| فية مان (Fair man) فية الله |

پنجابی اور دیگر زبانور کے الھامات

| عنموائيل 120،110 | پِيُ پِيُّ تَيْ |
|-------------------|---|
| هو شعنا نعسا91،80 | ج توں میرا ہور ہیں سب جگ تیرا ہو |
| پریش91 | والله والله سيرها هو يااولا |
| توپه ياطوپه | ئىن اسدالىكھا خدا نال جاپيااے |
| | ايلي ايلي لما سبقتاني 518،509،199،79،71 |

رؤيا وكشوف

| آدم | ~ |
|---|--|
| سوره العصر کے اعداد سے حضرت آ دم کے ن پیدائش کا انکشاف | , |
| 144 | |
| آدی | آئينہ |
| ایک آ دمی کا آ کر کہنا کہ میرے کان کے نیچے کلی نکی ہے360 | خواب میں آئینہ دیکھنااور رعبناک چیرہ نظر آنا |
| دوآ دمیوں کواپنی دونوں طرف پستولیس لئے کھڑے دیکھنا 403 | آئيني كمالات اسلام |
| و یکھا کہ جماعت کے چندآ دمی کشتی کرہے ہیں 384 | آنخضرت ﷺ کا آئینہ کمالات اسلام کے بارہ میں فرمانا کہ ھذا |
| د يكھا كەچندآ دى سامنے ہيں ايك چادر ميں چندم غ ہيں472 | لى وهذا لاصحابي |
| د یکھا کہ چندآ دمیوں نے پینگ چڑھائی ہے | آئینه کمالات اسلام کے دوران تحریر دود فعہ حضور ﷺ کی زیارت |
| دیکھا کہ میںایک جمکدار چوغہ پہنے چندآ دمیوں کےساتھایک | موئی اور حضوط الطبیعة کا کتاب کی تالیف پراظهار مسرت فرمانا 187 |
| طرف جار ہا ہوں | مجھے حکم ہؤ اہے کہ میں مباہلہ کی درخواست کو کتاب آئینہ کمالات |
| د کیصا کہ میں نے اپنے مقدمہ میں دومعتبر آ دمی حاکم کی طرف بیصیح | اسلام کے ساتھ شائع کروں |
| ين 423 | آب دلال |
| د يكھا كەہمارے باغ ميں كئى ايك آ دى جڑھ لگار ہے ہيں 577 | ایک رات کثرت درود کے نتیجہ میں فرشتوں کا آبز لال کی مثکیں |
| شریف احمد کوخواب میں دیکھا کہ اس نے بگڑی باندھی ہوئی | لانا |
| ہے۔ایک آ دی نے کہاوہ بادشاہ آیا | آ پہمی صالح نتھ |
| آري | مولوی څمرعلی صاحب کورؤیا میں کہا آ پ بھی صالح اور نیک ارادہ |
| یا دیکھا که آریدلوگ خودسرمہ چشمه آریدکو چھپوارہے ہیں 267 | ر کتے تھے ۔ |
| آ سان | آ تمارام |
| اپنے آپ کوخدا میں محو پایا اور نیا آسان اور نئ زمین بنائی 153 ، 152 | دیکھا کہ شیرآ تمارام کے دونوں لڑکوں کواٹھا کرلے گیا ہے 694 |
| بہت سے ستارے آسان پرایک جگدد کھنا | دیکھا کہایک جگہ میں میرے پاس بیٹھے ہیںاور بہت می گفتگومقدمہ |
| تين فرشة آسان سے ظاہر ہوئے | کی بابت ہوئی |
| ديكها كهآسان سے روپيدا تراہے جس پرمعمراللہ لكھا تھا227 | کشف میں انہیں اولا د کے ماتم میں مبتلا دیکھنا |
| عبدالرحمٰن خان خلف نواب مجمعلی خان صاحب کیلئے دعا کرنے پر | آ کھم |
| آ سان پرشالاً جنوباً کی یا دوسنهری ککسرین دیکھنا | آ تھم کے متعلق انکشاف کہ وہ پندرہ ماہ تک ہاویہ میں گرایا جائے |
| كشفى رنگ ميں نئى زمين نيا آسان پيدا كرنا | 1928 |
| آسانی بادشابت | مؤ كدبعذاب تتم كے بارہ ميں تفہيم الهي |
| آ گ | |
| | |

| رؤيا مين بعض عرب، فارس اورابدال الشام كا دكھلايا جانا9 | خواب میں دیکھا کہ آ گ کے پاس کھڑا ہوں اور دامن میرا آ گ |
|--|--|
| ابراهیم بیک،مرزا | میں پڑ گیا مگرآ گ اس کو چھو بھی نہیں گئی424 |
| د يكينا كهابراتيم كهتا ميكه مجھے بهشت سے سلام پہنچاؤ349 | خواب میں دیکھنا کہ گھر میں آ گ لگ گئی ہے |
| احباب | محمود کے کپڑ ول کوآ گ گی دیکھنا |
| د یکھنا کہا گلے سال بعض احباب نہیں ہوں گے 259 | رؤيا مين آگ اوردهوان و يکھنا |
| احرام والے کپڑے | رآ |
| خواب میں دیکھا کہ حضرت امال جان نے احرام والے کپڑے پہنے | ۔ چار پھل دیئے جانا جن میں سے تین آم کے تھے113،112 |
| ين | خواب ميں اپنے ہاتھ ميں آم ديکھنااور چوسنا |
| احسانات خداوندي | آ مین |
| کشف میں ویکھنا کہ زورہے بارش ہورہی ہے۔اوراللہ تعالیٰ کا | كشف ميں حضور كا دعا كرانا اور فرشتوں كا آمين كہنا 23 |
| فرمانا کها گریه قطرے گن سکتے ہوتو | كشفأ دكھلا يا گيا كەاپنے مكان ميں چبوتر ہ كى جگەا يك لمبادالان بن |
| احسن کی ہمشیرہ | حانے پرز مین افتادہ کا آمین کہنا |
| ایک عورت بغمر ۱۸سال دیکھنااورگھر والوں کا کہنا کہ بیاحسن کی | آ تحصين |
| ہشیرہ ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خواب میں شیرعلی نا می فرشته کا حضرت اقدیں کی آئکھیں نکال کر |
| احكام تضاء وقدر | صاف كرنا |
| ، عالم کشف میںاللہ کے حضور بعض احکام قضاء وقدر پیش کرنا اور خدا | گل څمرعیسانی کودیکھنا که آنکھوں میں سرمدلگار ہاہے668 |
| | البرين الشاري الأن الأن الأن الأن الأن الأن الأن الأن |
| تعالیٰ کاان پردستخط کرنا | آ ه نا در شاه کها ل |
| تعالی کاان پردشخط کرنا | |
| احد بیک مرزا | ا هناور شاه مها ن میا رؤیا میس کلها دیکها آه نادر شاه کهال گیا |
| | رؤیا میں کھھاد بکھا آہ نا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بیگ مرزا اوراس کے عزیزوں کے بارہ میں کشف | رؤيا مين لكھاد يكھا آ ہ نا درشاہ كہاں گيا |
| احمہ بیگ مرزا اوراس کے عزیزوں کے بارہ میں کشف | رؤیا میں کھاد کیھا آ ہنا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بیگ مرزا اوراس کے عزیزوں کے بارہ میں کشف | رؤیا میں کھاد کیھا آ ہنا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بيك مرزا اوراس كي عزيزول كي باره ميس كشف | رؤیا میں کھاد کیھا آ ہنا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بيك مرزا اوراس كرزيزول كي باره بيس كشف | رؤیا میں کھاد کیھا آ ہنا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بيك مرزا اوراس عرز يزول كياره بين كشف | رؤیا میں کھاد کیھا آہ نا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بيك مرزا اوراس كي عزيزول كي باره ميس كشف | رؤیا میں کھاد کیھا آ ہنا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بیگ مرزا اوراس کے عزیزوں کے بارہ میں کشف | رؤیا پیس کھاد کھا آ ہنا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بيك مرزا اوراس كرزون كباره مين كشف | رؤیا میں کھاد کھا آہ نا درشاہ کہاں گیا |
| احمد بیگ مرزا اوراس کے عزیزوں کے بارہ میں کشف | رؤیا پیس کلهاد کیها آه ناورشاه کهال گیا |
| احمد بیگ مرزا اوراس کے عزیزوں کے بارہ میں کشف | رؤیا میں کھاد کیھا آہ فادر شاہ کہاں گیا |

| خداتعالى كاايك كاغذ ير "تلك آيات الكتاب المبين" كلها | السلامعليكم |
|---|--|
| ہؤادکھانا | خواب میں کسی کوالسلام علیجم کہنا |
| میں نے اپنے والدصا حب کی شکل پر اللہ تعالی کو دیکھا342 | اسماعظم |
| اللّٰد کے فیوض کا نوری شکل میں آنخضرت ﷺ کے سینہ میں جذب | رب كل شئى خادمك رب فاحفظنى والصرنى والرمنى اسم اعظم ہے 363 |
| 383 | اشتهار |
| اليس الله بكافٍ عبده | ايك اشتهار دكھايا گيا جس پرالمبارك لكھا ہؤ اتھا546 |
| حضرت اقد تَّ كومهر دى گئى جس پر كهجا تھا''اليس الله بكانپ عبد ہ'' | ایک اشتهارد کھایا گیا جس پرغز نیول کا تذ کرہ تھا664 |
| 582 | اعادات |
| ام الالسنه | ں اس کتاب کے بارہ میں مبشر خواب |
| کشف میں سمجھایا گیاعر بی ام الالسنہ ہے | افتي <i>ون</i> |
| امام حسین | قرآن کریم کو پھولوں سےلدے ہوئے درخت کی شکل میں دیکھنا |
| حضرت امام حسين سے رؤيا ميں ملاقات | جس پرلوگوں نے افتیوں کی بوٹی چڑھار کھی ہے362 |
| امام الدين | اقبال |
| دیکھا کہ امام الدین اورمولوی محمد انگریزی میں کچھکام کررہے ہیں . | ایک سفیدورق پرلفظ''اقبال'' لکھادیکھنا |
| 385 | |
| امام على شاه | و اب میں دیکھنا کہان کی طرف سے روپیہ آتا ہے 49 |
| خواب میں امام علی شاہ کے مکان میں جانا | الله |
| اميرخان | حجة الله القادر وسلطان احمر مختار |
| امیر خال مرحوم کی بیوه کی پیشانی پر چیه کاعد دکھنا | الله اكبرالله اكبر |
| انا انزلناه قريبا من القاديان | ر يكھا كەزورىي الله اكبرالله اكبركهدر مامول455 |
| كشف مين مرزاغلام قادرصاحب كابيالفاظ پڙهنا60 | الله تعالى نيز ديكھئے خدا تعالى |
| انالله وانا اليه راجعون | الله تعالى كارؤيا ميں حضور كوكرسى پر بيٹينے كا فرمانا |
| خواب میں حضور کا پڑھنا | رؤيا ميں اپنے تئين ديکھا کہ گويا ميں خود خدا ہوں153،152 |
| انبياعيبم السلام | عالم کشف میں اللہ کے حضور بعض احکام قضاء وقدر پیش کرنا اور خدا |
| كشوف ميں گزشته انبياء سے ملا قات | تعالیٰ کے اس پروستخط کرنا |
| انڈا | کشف میں دیکھا کہ هضور کچہری میں ہیں جہاں اللہ ایک حاکم کی |
| دیکھا کہانڈامیرے ہاتھ سے ٹوٹ گیا | صورت میں کری پر بیٹھا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| انگریز | کشفا دیکھا کہزورہے بارش ہورہی ہے۔اوراللہ تعالیٰ کا فرمانا کہ |
| حضور کا اپنے والد ماجد کے مقدمہ میں ایک انگریز کوچھوٹے بچے کی | اگريەقطرے گن سکتے ہوتو |
| شکل میں دیکھنا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | کشف میں جامن کے پیۃ پرلاالہالااللہ لکھادیکھنا461 |
| | الله تعالیٰ کا در بار |

| حضورکوتین جوان کڑ کے دکھائے جانا | خواب میں ایک انگریز کا A word and two girls کے الفاظ |
|--|--|
| حضور کی پشت میں چو تھےاڑ کے کاحر کت کرنااور پسر چہارم کا عقیقہ | يولنا505 |
| سومواركو بونا | دیکھا کہ محموداحمہ کے ساتھا یک انگریز ہے وہ ہمارے گھرییں داخل |
| فرزندقوی الطاقتین کامل الظاہر والباطن کےعطا کئے جانے کی | ہوگیا ہے517 |
| بثارتا 114،11، | رؤیامیں مولوی محموعلی صاحب کوانگریز کی شکل میں دیکھنا505 |
| مبارك احمد كي روح كاقبل از پيدائش كلام كرنا | گوائی کے لئے ایک انگریز کے حاکم پاس جانا |
| موغو دلڑ کے کے عہد میں میں ایک عالمگیر تباہی کی پیشگوئی جس کا | انگریزی |
| مركز ملك ثنام ہوگا | ي . کشف مين د کيمنا که ايک شخص آپ کا نام آ دها عر بي اور آ دها |
| موعو دلڑ کے کے متعلق وعدہ الہی کہ نو برس تک ضرور پیدا ہوگا 113 | انگریزی میں لکھ رہاہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اكيساكيس | یا تا |
| رؤیا میں مولوی عبدالکریم صاحب کا اکیس اکیس کہنا 491 مجمله | دیکھا کہام الدین اور مولوی مجمد انگریزی میں کچھکام کررہے ہیں. |
| انجيلين | 385 |
| انجیلیں دیکھا کہ تشمیرے کچھ پرانی انجیلیں نکل ہیں | انگشتری |
| ايك لا كه فوج | رؤیا میں دیکھا کہ کوئی سفید کیڑا ہے اس پر کسی نے انگشتری رکھ دی |
| ب یک و طار ن ^{مش} فی حالت میں دیکھنا کہ دو شخص با تیں کررہے ہیں کہ جھےا یک | 457 |
| لا کھ فوج کی ضرورت ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | |
| ا طوق کی روزت ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ا حور دیکھا کہایکٹوکراانگوروں کے ڈبوں کا مجرا آیا ہے423 ان وارسادی |
| | دیھا ندایک و راا ورون شدو بول کا برا آیائے |
| مصلح موعود کی نسبت خواب میں زبان پر جاری ہؤا131 | 0,000 |
| | رؤیا میں ایک بزرگ کا کہنا کہ کسی قدرروز ہے انوار ساوی کی پیشوائی کا دند میں میں |
| | کیلئے ضروری ہیں 18،17 |
| • | الل مکہ ماری کے ایک شاہد کا میں کا ماریک کے ایک میں شاہد کا میں کا میں ان ان کا میں کا میں کا میں کا میں کا میں کا میں |
| | ی به اہل مکہ کوخدا کے گروہ میں داخل ہوتے دیکھنا |
| بادام | 0 3 |
| رؤيا مين ايك درم نقره بشكل بادام دكھايا جانا | رؤیامیں دیکھاایک کاغذ ہاتھ میں ہے جس پراوا ہن لکھاہے 335 |
| تشفی رنگ میں مغزبا دام دکھائے گئے613 | اولا دحفرت اقدس عليه السلام |
| بادشاه | اولاد کے ہارہ میں بشارات |
| خواب میں ایک بادشاہ یا حاکم کا خیمہ لگاہے دیکھنا جس کے محافظ | ا یک لڑ کے کا نام دولت احمد بتایا جانا |
| آپ مقرر ہوئے ہیں ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ا یک لڑے کے متعلق انکشاف جو بہت قریب پیدا ہونے والا ہے |
| رؤيا ميں ابدال الشام، فارس اور عرب بادشا ہوں کا دکھلا یا جانا9 | 113 |
| عالم کشف میں باوشاہ دکھائے گئے جو گھوڑوں پرسوار تھے8 | پانچویں لڑکے کی بشارت جو بطور نا فلہ ہوگا |
| بادل | چوتھے لڑکے کی بابت متواتر الہامات |

| بناليه | دیکھا کہ بادل چڑھاہے |
|--|--|
| دیکھا کہ بٹالہ کوجا تاہوں اورنماز کا وقت تنگ ہےاس واسطےایک ' | بارش |
| حچوڻي سي متجد ميں گيا | خواب میں بارش اور ترشح دیکھنا |
| بالدكي ايك حويلي مين ديكينا كدسياه كمبل پر بيشا هون | د کیمنا کہ بارش ہور ہی ہےاور مینہ برستا ہے |
| بجلي | لیلة القدر میں بارش ہوتے دیکھنا |
| اپنے مکان میں صاعقہ آتے دیکھنا | کشفاُ دیکھنا کہ زورہے بارش ہورہی ہے۔اوراللہ تعالیٰ کا فرمانا کہ |
| خواب میں دیکھنا کہ مدرسہ کے مقام پر بکلی چیک رہی ہے11 | اگریہ قطرے گن سکتے ہوتو |
| چ. | بإزار |
| د یکھنا که حضرت مولا نانورالدین بھیروی کی گود میں ایک بچہ کھیل رہا | رؤیا میں دیکھا کہ قادیان کے بازار میں ہوں اورایک گاڑی پرسوار |
| 213 | بول |
| بحرذ خار | ریل گاڑی میں سوار ہوکر قادیان آنا اور گاڑی بازار قادیان میں |
| ایک بژا بحردٔ خارکی طرح دریاد کیمنا | کھڑی ہونا690 |
| بخارثوث گيا | بإزو |
| خواب میں دیکھا کہ عبدالرحمان کہتا ہے کہ بخارٹوٹ گیا467 | باز و پرکھادیکھٹا کہ میں اکیلا ہوں اور خدامیرے ساتھ ہے 138 |
| بخاري ميں ايک حواله د کھا يا جا نا | ا باغ |
| جبكه دوسر يصفحات صاف دكھائي ديتے تھے | ایک باغ لگایا گیا جس کیالی آپ مقرر ہوئے |
| بخت | ديكھا كەھارك باغ ميں كئي ايك آ دمى جڑھ لگار ہے ہيں 577 |
| ایک خوبصورت مرد کاحضور سے کہنا کہ میں تیرا بخت بیدار ہوں 20 | رؤیا میں دیکھا کہ ایک کشکر باغ کو کاٹنے کے لئے حملہ آور ہؤااور پھر |
| برابين احمديه | دیکھا کہان کے سر ہاتھ یاؤں کٹے ہوئے ہیں185،183 فن |
| کتاب برا مین احدید کا حضور علیقہ کے ہاتھ ایک خوبصورت میوہ بن | خادم فضل دین کو باغ میں دیکھنا |
| 2 | ديكھا كەاپنے باغ سے سروكى ايك بڑى شاخ كائى گئى 403 |
| برنی | دیکھا کہ ہمارے باغ کے قریب نہررواں ہے507 ماغوں ہوں |
| نهایت خوشنما بر فی ایک ژبه میں دیکھنا | باغ اسلام آنخضرت عليقة كافرمانا كديه باغ اسلام تهمتم كودية بين653 |
| بيوى مسجد | بال کے ہوئے |
| اپنے تنین بڑی مسجد میں دیکھنا | ویا میں ایک عورت دیکھنا جو مخالفا نہ رنگ میں ہے اس کے سرکے |
| بزرگ | وروپی میں در سے رہے ہوئے ہیں ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اپنے والدصاحب کے زمانہ وفات کے نز دیک ایک معمر بزرگ | بان تو ن ت ت الترك بين الترك بين الترك |
| سے کشف میں ملاقات | نې ربه خواب مین کاغذ پر بامراد ککھا |
| رؤیامیں دیکھا کہ سیدعبدالقا در جیلانی اور ایک بزرگ نے متجداقصلی | ر ب سی موپ بر بر سامی می در بیشت |
| میں نماز پڑھی اور شرق ہے ایک ستارہ نکلا 16،15 | به جن پر مربی انهمیں دیکھنا |
| | |

| بندوق کی نالی | ہوشیار پورمیں آپ کا ایک بزرگ کی قبر پردعا کرنااورصاحب قبر |
|---|---|
| دیکھا کہزارروں کاسوٹاہا تھ میں ہےاوراس میں پوشیدہ طور پر | بزرگ کا قبر سے نکل کر دوزانو ہوکرآ پ کے سامنے بیٹھنا 648 |
| بندوق کی نالی ہے | بهمم داس، لال |
| ب <i>ۆ</i> ل | ان کی بابت حضور کارؤیا پورا ہونا |
| بنوں کے ایک عیسائی نو جوان گل ٹھرکے لئے آپ کا دعا کرنا6 | ان کے بارہ میں لاتحون کا الہام |
| بنی اسرائیل بنی اسرائیل | خواب میں ان کے قید ہونے کی اطلاع |
| دیکھا کہ میں دریائے نیل پر کھڑا ہوں اور میرے ساتھ بہت سے بنی | بشيراحم |
| اسرائیل میں | دیکھا کہ حضرت اماں جان قر آن شریف آ گےرکھے پڑھتی |
| <i>ېھونچا</i> ل | ہیں۔ جب اولئک پڑھا تو بشیر |
| ديکھا کہ ایک بھونچال آیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | كشف مين فرزندكي بثارت |
| ي په ديه ، بھيڙي | دیکھا کہ بثیراحمد مشرق کی طرف اشارہ کرکر کے کہتا ہے کہ زلزلہاس |
| سري خواب ميں ايک لمبی نالی د کھائی گئی جس پر ہزاروں بھیڑیں لیٹی ہوئی | طرف چلا گيا |
| 15 <i>U</i> | بشيرالدوله |
| ىيە ئېيىمسىن،لالە | دیکھا کہ منظور محد کے ہاں لڑ کا پید ہؤ ااور نام بشیرالدولہ بتایا جانا 510 |
| و تقاری کے امتحان میں ان کی کامیا بی کی بابت رؤیا | بقية الطاعون |
| بهينس | ايك كاغذ ير''بقية الطاعون'' لكصاد كيمنا |
| خواب میں کسی کا کہنا ہے پھر بھینس بن جائے | بجرا |
| بھینے | چندمرغ اورایک بکراد کھنا |
| يــــــــــــــــــــــــــــــــــــ | دیکھا کہ ہمارے مکان میں بکراذئ کیا گیا ہے |
| ، پارشت بهشت | <i>ب</i> ری |
| ایک کتاب دیکھی جس کی اول سطر میں بہشت کا ذکر ہے 419 | کھال اتری بکری کی دورا نیں حامدعلی کے ہاتھ میں دیکھنا 222 |
| ئے۔ خواب میں ہتایا جانا کہ محمود بہشت میں ہے | رؤیامیں بکری کی کھال اتری ہوئی را نمیں دیکھیں |
| ، ؟ | गै |
| خواب میں بہشت ودوزخ کا نظار ہ دیکھایا جانا | ایک بلاسیاه رنگ حمله کرتی هوئی د کھائی گئی |
| بېشتى مقبره | خواب میں سیاہ رنگ کا چوغہ دکھایا گیا۔اس کی جیب سے پر چہ نکلا |
| بېڅتى مقېرە | جس پر''بلانازل ماحادث'' کی عبارت ککھی تھی39 |
| ایک جگه دکھلائی گئی که بیة تیری قبر کی جگه ہوگی اس جگه کا نام بہثتی مقبرہ | ىلى |
| بتايا گيا | خواب میں بلی د کھنا |
| تايا گيا | د کیھا کدایک بلی ہے جو ہمارے پاس کبوتر پر جملہ کرنا جا ہتی |
| المتقون | ہے۔حضور نے اس کا ناک کاٹ دیا ہے اور فر مانا کہ آؤاسے پھانسی |
| المتقون | ديدين |

| البهاماً سكھلانا. | باغ میں جا ندی کی بنی ہوئی قبریں دکھلائی جانا672 |
|---|--|
| خواب میں مرزاغلام قادرصا حب کود کیمنااوران کیلئے دعا کرنا7 | ديڪھا که مقبرہ بہتی ميں ايك قبر كھدواتے ہيں617 |
| خواب میں ایک بیار کتے کے لئے دعا کرنااورزبان پر جاری ہونا | كشفى رنگ ميں وہمقبرہ دكھا يا گيا جس كانام خدا نے بہثتی مقبرہ ركھا |
| "اس كة كا آخرى دم بـ" | <i>ےاورالہام،ؤاکہ</i> کل مقابر الارض لاتقا بل ہذہ |
| میر محمد اسحاق صاحب کی بیاری میں دیکھنا کہ بہت سے مردارخور | الارض |
| جانورلم ڈھینگ ہیں اور پاس ہی ایک مردار پڑا ہے | باِس |
| | ت ۔ خواب میں دیکھنا کہ قادیان بیاس تک پھیلامؤ اہے666 |
| | بتالله |
| y | ني - سند نشداور بيت المقدس دي خواب ميس بيت الله اور بيت المقدس دي خواب ميس بيت الله اور بيت المقدس د |
| • | بيت المقدس |
| پانچ ہزارسپاہی کژن | ميية. حدق خواب مين بيت اللداور بيت المقدر رو يكينا |
| ۔ کشفی حالت میں آپ نے ایک لا کھونے مانگی مگر بتایا گیا کہ پانچ | بيا |
| ہزارسیابی دیاجائے گا | خواب میں دیکھنا کہ حضرت اماں جان سے چوتھا بیٹا پیدا ہوگا 103 |
| ۑؙۑٞ | کچھورق دکھائے گئے جن پر بیپٹوں کے بارہ میں کچھاکھامؤ اتھا 366 |
| دیکھا که آپ اور شرمیت ایک گہرے پانی میں کنارہ کی طرف | يانچويں بيٹے کی بشارت |
| تيرتے جاتے ہيں | يُح ناتھ برجمن |
| ہاتھ میں کسی مخالف کی کتاب دیکھنا اوراسے پانی سے دھونا 404 | انہیں کشفاً اطلاع دینا کہ ایک سال تک مصیبت نازل ہونے والی |
| یر ہاتھ میں کسی مخالف کی کتاب دیکھنا اورائے پانی سے دھونا | 119 |
| پنگ | /s |
| د یکھا کہ چند آ دمیوں نے تینگ چڑھائی ہے | رؤیامیں کئی نے بیروں کا ایک ڈھیر چاریائی پرلا کرر کھ دیا430 |
| 2 4 | خواب میں کسی کا کہنااس شاخ کو ہیری کے پاس لگاد وجومیرے |
| ﴾ کشف میں جامن کے پیۃ پرلاالہالااللہ ککھادیکھیا۔۔۔۔۔۔۔۔۔461 | مکان کے قریب ہے |
| <i>j</i> ę | بيل ذن <i>ح كر</i> نا |
| خواب میں کسی کا کہنا یہ پھر بھینس بن جائے | د کھنا کہ کوئی شخص کہتا ہے کہ یہاں ایک بیل ذیج کریں گے 390 |
| پچاس روپ | يار |
| ن خواب میں دیکھنا کہ کسی صاحب نے بچاس روپے بیسیج ہیں33 | یں۔ رؤیا میں ایک (بیمار) شخص کیلئے دعا کی تو دیکھا کہوہ اٹھ کھڑا ہؤ اہے |
| پردہ کے پیچھے سے آ واز آ نا | 390 |
| رؤیامیں پردہ کے پیچھے ہے آ واز آ نامیں خدا ہوں جس کو چا ہتا ہوں | ایک بیار شخص کیلئے کچھ دوائیس دکھائی گئیں اور الہام ہؤا'' امید سے |
| عزت دیتا ہول | بڑھ کرفائدہ'' |
| پردهٔ غیب سے انبی انا ربک کی آواز آنا93 | حضور کا بیاریاں دورکرنے کیلیے دعا کرنا |
| برسول | حضور کی بیاری میںالٹرتعالی کا آ پکوسجانالٹدو بجمرہ کی دعا ئیں |

| پيپل | خواب میں بتایا گیا که عید کل نہیں پرسوں ہوگی 161 |
|---|--|
| کچلول سے لداہؤ ادرخت دکھایا گیا | پر ندے پکڑ نا |
| چار پھل دے جانا جن میں سے تین آم کے تھے113،112 | كشف ميں آپ كالندن ميں سفيد پرندے پكڑنا147 |
| خواب ميں آم چوسنامعلوم ہؤ اكہوہ نتين کچل ہيں396 | پروانه |
| میر ناصرنواب صاحب کودیکھنا کہایک درخت لائے ہیں جو پھ | خواب میں ایک پروانہ دیا گیا جس میں عدالت سے حیار مقامات |
| دار ہے | كيليّے طاعون كائتكم جارى ہؤاتھا |
| پیمول | رؤیامیں آپوایک پروانیدیا گیا جس پرککھاتھا''عدالت عالیہ نے |
| سورہ فاتحہ کو کا غذیر لکھے ہوئے دیکھنا جو گلاب کے پھولوں سے لداہؤ ا | ات بری کردیا" |
| 42 | پيتول |
| ۔ قرآن کریم کو پھولوں سےلدے ہوئے درخت کی شکل میں دیکھنا | دوآ دمیوں کواپنی دونوں طرف پہتولیں لئے کھڑے دیکھنا 403 |
| جس پرلوگوں نے افتیوں کی بوٹی چڑھارکھی ہے | يک |
| یوشا ک | پادری پگٹ کے متعلق دعااورتوجہ کرنے پر رؤیا دیکھنا 361 |
| حضرت سيرعبدالقادر جيلاني كا آپ وغنسل كرانااورنئ پوشاك پېهنانا | مگور ي |
| 645 | پرن دیکھا کہ پگڑی عصااور چوغہ چوری ہو گیاہے |
| پوژي | دیکھا کہصا جزادہ مرزامبارک احمدصاحب کرسرخ گیڑی پہنائی |
| پ رؤیا میں دیکھنا کہ خدا کہتا ہے کہ میں جب عیسیٰ کوا تارتا ہوں تو پوڑی تھندیں | تن ہے |
| تصنیخ لیتا ہوں | ، حضرت مرزا شریف احمد کوخواب میں دیکھا کہاس نے پگڑی باندھی ِ |
| پياڑ | 3 |
| ا پنے تین ایک پہاڑ پردیکھنا | ہوں ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| پېره داري | پنجاب |
| خواب میں دیکھا کہ میں پہرے کے لئے چھرتا ہوں456 | ينجاب مين طاعون ت <u>صلنه کي اطلاع</u> |
| پاز | دیکھاملائک پنجاب میں سیاہ رنگ کے پودے لگارہے ہیں262 |
| خواب میں پیازد کیفناخواب میں پیازد کیفنا | كشفأ بتايا گيا كه پنجاب مين دليپ سنگه كا آنااس كامقدرنېين 105 |
| پياله | پنجابي |
| ۔۔۔ ایک بار میں نے اور کتے نے ایک ہی بیالہ میں گائے گوشت کھایا تھا. | د کیمنا که مبارکه بیگم پنجابی میں بول رہی ہے |
| 349 | خواب میں دود فعہ پنجا لی مصرعے بتلائے گئے390 |
| خواب میں شربت کا پیالہ بینا | پندره ماه تک باویه پیش گرایا جائے گا |
| <i>چر</i> وبانا | آ تھم کے بارہ میں کشف |
| ۔ خواب میں دیکھا کہ داجہ گلاب سنگھ میرے پیر دیا رہا ہے 438 | ىلنگ |
| پیرهی | مرزاسلطان احمدصاحب كے ساتھ اپنیآ پ کو بلنگ پر بیٹھے دیکھنا |
| ایک نو جوان عورت کو پیڑھی پر بیٹھے دیکھنا | 424,423 |

| ہے جا رجگہ کے لئے طاعون کا حکم جاری کیا گیا 384 | پینے |
|---|---|
| خداتعالى كاايك كاغذر ير تلك آيات الكتاب المبين " لكها | رویا میں دیکھاایک لفافہ ہے جس میں کچھ پیسے ہیں471 |
| بۇ ادكھانا | گھوڑے کاسوار ملاجس نے میرے ہاتھ پر پیسے رکھے364 |
| خطبهالهاميه كاتر جمه سنتے وقت سرخ الفاظ مين''مبارك'' ديكھنا 292 | |
| خواب میںن و ض کھاد کھنا 651 | , |
| خواب میں سیاہ رنگ کا چوغہ دکھایا گیا۔اس کی جیب سے پر چہ لکلا | ٿ ۔ ط |
| جس پر'' بلا نازل یاحادث'' کی عبارت کا ھی تھی | |
| خواب میں فرشتوں کا سبزرنگ میں مسجد کی پیشانی پرخطار یحانی میں | تائي |
| آیات کلھنا خواب میں کاغذ پر بامراد کلھنا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | رؤيا مين تائي صاحبه كود كيفنا |
| خواب میں کاغذ پر بامراد ککھاد کھنا | تالاب |
| دیکھاایک شخص نے نہایت زور ہے تلم چلایا اوراس نے شاہت | کار ب کشفاً دیچنا که رومال تالا ب میں گر گیا ہے |
| الوجوه كاها | مي الروم المروم الم المروم المروم المرو |
| ديكھا كه آسان سے روپياترا ہے جس پر معمو اللّٰه كلھاتھا 227 | مپ مرحه حضرت مرزا شریف احمد کوتپ محرقه ہو گیا تو کشفی رنگ میں دیکھا کہ |
| د یکھا که حضرت مولوی نورالدین صاحب نے حضور کی خدمت | سرت روا مریف بدوی و کارنگ بدوی و مارنگ بدوی و مارنگ بدوی و در است |
| میںایک کاغذ بھیجاہے جس کےحاشیہ پر لکھاہے'' دشمن نہایت | روب <i>کارر ک ہو یا ہے</i> ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اضطراب میں ہے'' | کری آئینه کمالات اسلام کے دوران تحریر دود فعہ حضور علیقہ کی زیارت |
| رؤیاد یکھا کہ بہت سے ہندو ہیں اورایک کا غذیبیش کیا کہ اس پردستخط | ا مینه مالات اسلام کے دوران کر میردود فعہ مسور میں ہے۔ ہونا اور حضور میں کہ کا کتاب کی تالیف پرا ظہار مسرت فرما نا 187 |
| 502 | جوما اور مسور عيه الله من الماه الله الله الله الله الله الله الل |
| رؤیا میں آپ کوا یک پروانہ دیا گیا جس پر کھھا تھاعدالت عالیہ نے | انا على ذهاب به القادرون كي تفيير كشفأ لكهائي جانا |
| اتے بری کردیا | ان على دهاب به العادرون في بير طفا العال جاما 149 ايك اشتهار دكھايا گيا جس پرالمبارك لكھاہؤ القا |
| رؤيا ميں ايک حنائی رنگ کا لکھاہؤ اووور قد گر پڑنا | ایک اشتهار دکھایا گیا جس پرغز نیون کا تذکرہ تھا |
| رؤيا ميں ايک کاغذ دکھايا گيا جس پرعر بي عبارت لکھی ہوئي تھی 489 | ایت سفیدورق پر لفظ' اقبال' کلهادیکهنا |
| رؤیا میں دیکھاایک کاغذمیرے ہاتھ میں ہےجس پر''اوا ہن'' ککھا | ا يك طعيد در ك برنطط النبال ملهاديها |
| 335 | ایک کاغذ دکھایا گیا جس پر پانچ سطرین تھیں |
| رؤيا ميں کھھاديکھا آ ہ نا درشاہ کہاں گيا | ایک کا غذر کھایا گیا جس میں کچھ سطور فاری خط میں ہیں 443 |
| سفيد کاغذ پر' سلطان محرُ' لکھاد کھنا | ايك عمد وهايا نيا ، س يركه ها تعا" (ما رفع ما ما يوسطور فارق خط |
| سورہ فاتحہ کو کا غذیر لکھے ہوئے دیکھنا جو گلا ب کو پھولوں سے لداہؤ ا | آیک تناب دھلائی گن کر چھا ھا لاگف |
| 42 | آیک نتاب دیسی کی کار کے اول منظریں، ہست ہو ترہے 419 کیک کے متعلق کچھ کتب بر تین بار شبع کلھاہؤ او کیفنا 361 |
| عالم کشف میںاللہ کےحضور بعض احکام قضاء پیش کرنااور خدا تعالی | تریاق القلوب کا ایک صفحه د کھایا جانا جس پر کھا تھا''علی شکر |
| کے اس پر د شخط کرنا | - · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| عالم کشف میں چندورق ہاتھ میں دئے گئے جن پر ککھاتھا'' فتح کا | المصائب''خض نے ایک پروانید یا جس پرککھاتھا کہ عدالت |
| | تواب کا ایک <i>کا حالی پروانددیای کی پروها ها</i> که عدرانت |

| رياق البي | نقاره بخځ" |
|--|---|
| الہاما تایا گیا کہ دوائی گرم ختک ہے | قرآن شریف دیکھا جس کی جلد پر سلام قولا من رب رحیم |
| ترياق القلوب | لكها تقا |
| " ترياق القلوب كاايك صفحه د كھايا جانا جس پر لکھاتھا"على شڪو | كاغذ پريكھاد كيمنا'' رڏ بلا'' |
| المصائب"المصائب | کچھورق دکھائے گئے جن پر بیٹوں کے بارہ میں کچھ کھاہؤ اتھا 366 |
| تبع | كشف ميں باز و پر لكھاد ميھنا كەميں اكيلا ہوں اور خداميرے ساتھ |
| ليك كم متعلق ليحه كتب برتين بارتنج لكهابؤ اديكهنا 361 | 138 |
| تصویر | كشف مين تفسير حميني كے صفحات بريكھاد يكھنافىسو ہ نور الدين |
| ۔ یہ کشف میںایک (شخص) کامسکرا کر کہنا کہ دیکھوکیا کہتی ہے تصویر . | بالمعارف الغريبة |
| 88 | كشف ميں جامن كاپية ديكھاجس پرلاالهالاالله ككھانظرآ تاتھا 461 |
| تفييرالقرآن نيزد يكيئ قرآن كريم | كشف ميں ديھنا كەايك شخص آپ كانام آ دھاعر بى اور آ دھا - يىسى ئىسى ئىسى كىلىنىڭ ئىسى ئىسى ئىسى ئىسى ئىسى ئىسى ئىسى ئى |
| انا على ذهاب به القادرون كَيْ نَفْيرَ كَشْفَا لَكُمَا فَي جَانا149 | انگریزی میں کھور ہاہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ک کشف میں حضور کو فسیرالقر آن دیاجانا جے حضرت علی نے تالیف کیا | کشف میں سورہ فاتحہ کود کیھنا کا غذر پر کہھی گئی ہے۔وہ کا غذرگلا ب کے |
| 16 | کھولول سے لدا ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ، کشفاً آپ کو و ما قتلوه و ما صلبوه کی تفییر کا سکھایا جانا146 | کشفی طور پر چندورق و کھائے جانا جن پر I am by Isa کھاتھا |
| کشفی حالت می ^{ں بع} ض حاذ ق طبیبوں کی کتب دکھائی جانا جس میں | 51 |
| طبیب حاذ ق قرشی کی کتاب بھی تھی اورا شارہ کیا گیا کہ یہی تفسیر | مولوی عبدالله سنوری کاایک کاغذ پرد شخط کرانا474 |
| القرآن ہے | تخذ قيصر په |
| تفسر شيني | كتاب تخه قيصره كي بابت كشف |
| سیار ک کشف میںاس کے صفحات پر کھھاد یکھنا فسرہ نورالدین بالمعارف | څټ |
| الغريبة | اللَّه تعالَىٰ كوتخت پر بيٹھے ديکھنا |
| تفيركبير | ديکھا که تخت پر ببیٹھا ہوں اور ساتھ مولوی نو رالدین صاحب بھی |
| میرسیر غیب سے چوغہ زریں ملنا چوغہ کتاب کی شکل میں تبدیل ہو گیا جے | بيٹھے ہیں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| يب يوسركير كته بين | تخت پوش |
| یریر ب ین تقریر | دیکھا کہ میرے تخت پوٹن کے جاروں طرف |
| مريد ديکھا که شهرلندن ميں انگريزي زبان ميں تقریر کرر ماہوں 420 | نمک چناہؤ اہے |
| ویھا کہ ہرمدن یں امریر کاربان یں سریر کر ہا ہوں420 علی گڑھ میں خدا تعالیٰ کے طرف سے تقریر کرنے ہے آپ کاروکا | <i>ڰ</i> ؙڗ |
| عانا | خواب میں بارش اور تر شحرد کھنا |
| • | تر کی |
| تەبنىر رۇيامىن ايك سفيدىتە بند باندھنا مگر بالكل سفيدنېين | تركى حكومت كے اركان كى حالت كشف ميں اچھى نظر نه آنا |
| | 251-250 |
| <i>تهیدستان عشرت را</i> | |

| کی ٹو پی پر بھی پڑے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خواب میں ایک لمبے قد کے خض کے منہ سے حضور کے بارہ میں ان |
|---|--|
| ایک شخص کاحضور کے سرہے جھپٹامار کرٹو پی اتارنا359 | الفاظ كا جارى ہوتا |
| خواب میں دیکھا کہ ایک شخص نے میری ٹو پی پر ہاتھ ماراہے 22 | تيركمان |
| <i>چ</i> ي کي چي کي | خوارزم بادشاہ کی تیرکمان اپنے ہاتھ میں دیکھنااوراس سے ایک شیر |
| خواب میںا میک شخص کا دونوں ہاتھوں سے بھر کرحضور کی جھو لی میں | شكاركرناثكاركرنا |
| رو پیپرڈ النااور پو چھنے پراپنانا م ٹیجی بتانا | 72 |
| | کشف میں آپ کا تیتر جتنے پرندے پکڑ نا |
| <u>ئ</u> | تیجاسنگھ، داجبہ خواب میں راجہ تیجا سنگھ کی موت کے متعلق رؤیا |
| C | خواب میں راجہ تیجا سنگھ کی موت کے متعلق رؤیا |
| | ت يرنا |
| جاكفل | دیکھا کہ آپ اور شرمیت ایک گہرے پانی میں کنارہ کی طرف |
| خواب میں مولوی محمداحسن صاحب کا ایک گانٹھ سوٹھ یا سپاری اور | تيرتے جاتے ہيں |
| جا كفل دينا | اپنے آپ کوہوامیں تیرتے دیکھنا |
| چامن | تيىرىصدى |
| کشف میں جامن کے پیۃ پرلاالہالااللہ ککھاد کیھنا461 | تیسری صدی سے پہلے عیسیٰ کے منتظر مایوں ہوجا نمیں گے 411 |
| چانور | تين پھل |
| ایک جانوردیکھاجس کا قد ہاتھی کے برابرتھا جوجنگل میں جا کر | خواب ميں آ م چوسنامعلوم ہؤ ا كہوہ تين پھل ہيں396 |
| جانوروں کوکھا تا ہے۔ دل میں ڈالا گیا کہ یہی دابۃ الارض ہے 352 مر | تين لؤ کے |
| <i>جرائیل</i> | خواب میں اپنے تین کڑ کے دیکھنا |
| خواب میں جبرائیل کواپنے پاس بیٹھے دیکھنا | خواب میں حضرت اماں جان کے تین نو جوان لڑ کے دیکھنا646 |
| جدی خاندان حضرت اقد ^س | نڈی دل (ملخ) |
| جدی خاندان کے بارہ میں کشوف 123، 123 | خواب میں مشرق سے مغرب کو ملخ جاتے دیکھنا653 |
| 7. | <i>ځن</i> ړ |
| دیکھا کہ ہمارے باغ میں کئی ایک آ دمی جڑھ لگارہے ہیں 577 • • | ايك كورى ٹنڈ ميں چند گھونٹ پانی ديا جانااورالہام'' آ ب زندگی'' |
| جلال الدين بلانوی،حضرت م ^{مش} ی | 485 |
| خواب میں انہیں دیکھنا | <i>ځندا</i> پانی |
| د يُصاكمنْ فَي جلال الدين آگئے ہيں | رؤیاد یکھا کہا یک شخص نے مجھے کوری ٹنڈ میں ٹھنڈا یا نی دیا485 |
| جلساعظم مداہب کے بارہ میں کشف241،240 | ڻوپي |
| جماعت احمربير | رؤيا ميں دريا كا بطور تحفیلُو پی پیش كرنا |
| تفرقه اورفتنول سےانذار | سرخ قطرول والے نشان جس میں سرخ چھینٹے مولوی عبداللہ سنوری |
| 1 | |

| گورداسپور میں دیکھا کہ ایک چار پائی پر بیٹھا ہوں | دیکھا کہ جماعت کے چندآ دمی کشتی کرہے ہیں 384 |
|--|--|
| چالیس روپے | سلسلەكى ترقى كى بابت پىشگو ئيان |
| تشفى طور پرچاليس يا چواليس روپے كاد كھايا جانا 33 | سلسله کی ترقی کے کنیقبر پر بیٹھ کردعائیں مانگنا 413 |
| حا ند کے کلڑ ہے | ظاہر کیا گیا کہ اس جماعت پر بھی اہتلاء آنے والے ہیں213 |
| بہشتی مقبرہ کی سڑک دیکھنا گویاوہ چا ندے ٹکڑے اکٹھے کرنے بنائی | جنازه |
| گئے ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | غنودگی میں دیکھا کہ جنازہ آتا ہے |
| <i>چا ند</i> ی | جنت نيز ديكھئے بہشت |
| • خواب میں بہنتی مقبرہ کے باغ میں جاندی کی بنی ہوئی قبرد کھنا 672 | رؤيامين ايك جنت دكھائى دى اورالہام ہؤ امثل البجنة التبي وعد |
| رؤيا مين ايك درم نقره بشكل بادام دكھايا جانا | المتقون |
| چ <i>ور ا</i> | ts. |
| حضور علیہ کوایک چبوترہ پر کھڑے دیکھنا | ديكها كدايك مرخ جوتااور سنهرى جوتامير بسامنے ركھا گيا422 |
| خواب میں دعا کی کہ ہمارے مکان کے متصل چپوتر ہا کیے لمبادالان | <i>جو</i> تی |
| بن جائے | کیاد بھا ہوں کہ والدہ محمود کے ہاتھ میں ایک جوتی ہے اور مجھ سے |
| كشفأ دكھلا يا گيا كەاپنے مكان ميں چبوتر ہ كى جگيدا يك لمباد الان بن | کہتی ہے ہےآپ کے لئے ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| جائے۔اورز مین افتادہ کا آمین کہنا | خواب میں دیکھا کہ ایک جگہا پنی جوتی جھول گیا ہوں392 |
| مولوی عبدالکریم صاحب سیالکوٹی کوسفید کپڑے پہنے چبوڑے پر | جہلم |
| کھڑے ویکھنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ا اپنے تین جہلم میں ڈپٹی سنسار چند کے کمرہ میں دیکھنا 377 |
| چانک | |
| کشف میں دیکھامبارک احمد چٹائی کے پاس گر پڑا ہے336 | 7. |
| چراغ دین (حضور کےایک خادم) | ا ت |
| د کیمناچراغ یا فجا(فضل الدین) کچھ روپے لایا ہے اور کہتا ہے کہ بیہ | |
| چنده گور داسپور سے لا یا ہوں | <i>چاپیا</i> ں |
| چندولال | خواب میں بہت ی تنجیاں اپنے سامنے پڑی دیکھنا439 |
| رؤيا ميں سننا كه چندولال كى جگه شخ آيا | دیکھا کہآپ کے ہاتھ میں چابیاں ہیں۔ایک صندوق کھولنے کا |
| کری عدالت ہے محروم دیکھنا | اراده ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| چ | چا در |
| خواب مين بصنے چنے اور منقل و كينا | د کھا کہ چاور پرایک چڑا آ کر پیڑھ گیا ہے |
| خواب میں نخو د (چنے) کی دال اور کشکمش کے دانے دیکھنا 611 | دیکھا کہ چند آ دمی سامنے ہیں ایک چادر میں کوئی شے ہے ایک شخص |
| چە كا عد د | نے کہایہ آپ لیں |
| رؤيا ميں امير خال مرحوم کی بيوه کی پيشانی پر چھکاعد دلکھنا 633 | چارپائ ی |
| المجيع المرابع | رؤیا میں کسی نے ہیروں کا ایک ڈھیر چار پائی پر لا کرر کھ دیا430 |

| | ایک شخص کے ہاتھ بڑا چوڑا حچراد کھنا |
|--|--|
| <i>حادث</i> | چهری |
| کشف میں ہلایا گیا کہ ابوداؤد کی حدیث حارث حراث سی ہے | چىرى پر دعائك مستجاب كھادكھا ياجانا |
| 141 | خواب میں اپنے والدصاحب کے ہاتھ میں چھڑی دیکھنا354 |
| حامطی | چھوارے |
| حامدعلی کا کہنا کہ باہرایک ہندودعا کی درخواست کرتا ہے 661 | ایک څخص کاایک روپیداور پانچ چھوارے دینا366 |
| دیکھا کہ حامدعلی اپنا کا م کررہا ہے اور زندہ ہے | چوباره |
| کھال اتری بکری کی دورا نیں حام ^ع لی کے ہاتھ میں دیکھنا 222 - | د یکھا کہ مولوی عبدالکریم صاحب والا چو بارہ گر گیاہے۔ 475،415 |
| حاكم | <u>چوت</u> قابييًا |
| خواب میں آ پ کا اپنے مقدمہ میں دومعتبر آ دمی حاکم کی طرف بھیجنا | خواب میں دیکھنا کہ حضرت امال جان سے چوتھا بیٹا پیدا ہوگا 103 |
| 423 | 194 |
| خواب میں دیکھا کہآ پایک حاکم کی عدالت کے دروازے کے | غیب سے چوغہ زریں ملنا جسے ایک چور لے کر بھا گا566 |
| قريب بليٹھ ہيں | د یکھا کہ پگڑی عصااور چوغہ چوری ہو گیاہے658 |
| د یکھا کہ ایک حاکم آیا ہے اس نے سلام کہااور چلا گیا | چوغہ |
| دیکھا کہ میں نے اپنے مقدمہ میں دومعتبرآ دمی حاکم کی طرف جیھیج | ، خواب میں دیکھا کہایک چغہ ہےوہ الٹاہے جس پرزربفت کا کام |
| 423 | کیا گیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں دیکھنا کہ حضور کچہری میں ہیں جہاںاللہ ایک حاکم کی | خواب میں سیاہ رنگ کا چوغہ دکھایا گیا جس کےلوہے کے بٹن ہیں 39 |
| صورت میں کری پر بیٹھا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | دیکھا کہ گیڑی عصااور چونمہ چوری ہوگیا ہے658 |
| گواہی کے لئے ایک انگریز حاکم کے پاس جانا | دیکھا کہ میںایک چمکدار چوغہ پہنے چندآ دمیوں کے ساتھا یک |
| كاندا كاندا | طرف جار ہا ہوں |
| کشفاً حج کا نظاره دیکھنا | غیب سے چوغدزریں ملنا جھے ایک چور لے کر بھا گا566 |
| حدیث کی تصدیق کفون معرجی می این می تعدید می | چوہے |
| کشف میں حضور علیقہ سے بعض احادایث کی تصدیق678 حیث م | مبارک احمہ کے بستر پر چوہوں کی شکل کے جانور دیکھنا537 |
| حسنین پیرور ما سرخ د طالبه ده عاج د بیده واما | چِيل . |
| کشف میں آنحضورعلیہ ،حضرت علی وحسنین ،اورحضرت فاطمة ان میں انتقاب کا ماہ | حضرت مفتی څخه صادق صاحب بھیروی کےلڑ کے منظوراحمہ کی طرف در حصوبیت |
| الزہراء سے ملاقات کرنا | چيل جھپلتی د <u>ک</u> ھنا |
| حس ینگامی | چيونٽياں |
| حسین گامی سفیرتر کی کے بارہ میں کشف | ناک سے چیونٹیاں نگلتے دیکھنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| حسین گامی سفیرروم کے بارہ میں کشف | |
| حفيرة القدس | ح |
| کشف میں ہلایا گیا کہ حضیرۃ القدس کی سیرا بی قر آن کریم کے پانی | |

| خطر یجانی | ہے ہور ہی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
|--|---|
| خواب میں فرشتوں کا سبزرنگ میں مسجد کی بیشانی پر خطار یحانی میں | غيظ |
| آيات لكھنا | فرشته کا پنانام حفیظ بتانا |
| خطفاری | <u> 2</u> |
| ایک کا غذد کھایا گیا جس میں کچھ سطور فاری خط میں ہیں 443 | خواب میں دو حقے دیکھنا |
| خطيدالهاميه | حنائی رنگ |
| خطبهالهاميه كے موقع پرسرخ الفاظ مين'مبارك'' لكھاد كھنا 292 | رؤياميں ايك حنائي رنگ كالكھاہؤ ادوورقه گريڙنا386 |
| خوارزم | حیات خان ،سر دار |
| خوارزم بادشاه کی تیرکمان اپنے ہاتھ میں دیکھنااوراس سے ایک شیر | ان کے بارہ میں رؤیا |
| شكاركرنا | |
| خوارج | * 7 |
| رؤيا مين خوارج كا گروه ديكينا | Š |
| خوان | |
| رؤيا مين آپ کوايک خوان پيش کيا جانا | خداتعالیٰ نی ز د کیھئےالڈرتعالیٰ |
| کشف میں حضور کا حضرت عیسیٰ کے ساتھ ایک ہی دستر خوان سے | رؤياميں این تنیک دیکھنا کہ گویامیں خودخدا ہوں153،152 |
| كھانا كھانا | رؤیا میں دیکھا کہ میرے خدا کوکوئی گالیاں دیتا ہے |
| خون | عالم كشف ميں الله كےحضور بعض احكام قضاء پيش كرنا اور خدا تعالى |
| ناک سےخون آتے دیکھنا | کےاس پردستخط کرنا |
| خوش لباس | خداتمہاری ساری مرادیں پوری کرے گا |
| حضرت امان جان کوخواب میں خوش لباس میں دیکھنا 201 | كشف ميں ايك فرشته كا كہنا |
| <i>ؿ</i> ٚؠؿ۬ؠ | خداسے ڈرپھر جوچا ہے کر |
| خواب میں ایک شخص نے حضور کی ٹوپی ا تارنے کی کوشش کی اس نے | خواب مين حضور كالشيخ فتح محمر كوجواب |
| کہا خمر ہے۔ | خر پوزه |
| خيمه | ایک خربوز ہ کی شکل کا کچل حضورٌ کا اپنے ہاتھ پر رکھاد کھنا517 |
| خواب میں ایک بادشاہ یا حاکم کا خیمہ لگاہے دیکینا کہاس کے محافظ | خواب ميں آم چوسنامعلوم ہؤ ا كہوہ تين پھل ہيں396 |
| آپ مقرر ہوئے ہیں | b ² |
| رؤیامیں دیکھنا کہ خیمہ پرایک لونگ گراہے | خواب میں سید محمداحسن امرو ہی کا خطر پڑھنا |
| | د يکھا كه دو بندلفا فے ہیں جن میں خط ہیں |
| ر_ڙ_ ز | عالم کشف میں حضور کونوا ب علی څیر حججر کے خط کامضمون بتا دیا گیا تھا. |
| 3-3-3 | 96 |
| | کشف میں پیڈت شیونا رائن کے خطاکا بتایا جانا |

| طاعون كا دروازه كھولا گيا | |
|--|---|
| درودشريف | دابة الارض |
| ایک رات کثرت درود کے نتیجہ میں فرشتوں کاحضور کے مکان میں | طاعون کوجانو رکی شکل میں دیجھنااور بتا یا جانا کہ بیدابۃ الارض ہے ، |
| آ بزلال کی مشکیس لا نا | داغ مفارفت |
| رۇيامىن درود شرىف پۇھنا | دیکھنا کہاس سال ہمارے تین چاردوست داغ مفارفت دے |
| درویش | جا کیں گے |
| فرشندد کیمنا جوکہتا ہے بینان تیرےاور تیرے ساتھ کے درویشوں | والان |
| كيلخ ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خواب میں دعا کی کہ ہمارے مکان کے متصل چبوتر ہ کوا یک لمبا |
| وريا | دالان بن جائے |
| ایک بڑا بحرذ خار کی طرح دریاد کیضا جومشرق سے مغرب کو بہدر ہا | كشفأ دكھلا يا گيا كەاپنے مكان ميں چبوتره كى جگدا يك لمبادالان بن |
| 388 | جائے۔زیمین افتادہ کا آمین کہنا |
| ہ رؤیاد یکھا کہایک بڑادریاہے جس سے شعلے نگلتے ہیں470 | وامن |
| دریائے ٹیل | خواب میں دیکھا کہ آ گ کے پاس کھڑا ہوں اور دامن میرا آ گ |
| ۔ دیکھا کہ میں دریائے نیل پر کھڑا ہوں اور میرے ساتھ بہت ہے بی | میں پڑ گیا مگرآ گ اس کو چھوئی بھی نہیں424 |
| اسرائيل ميں | دان ت |
| دس روپي | خواب میں دانت گرنا |
| بعیدہ امتدالحمید بیگم کے ہاتھ میں د <i>ل روپے دیکھنا</i> | |
| وشمن | داژ ه خواب میں داڑھ کا حصہ پوسیدہ دیکھنا |
| رسالہ نورالحق کے بارہ میں خواب کہ دشمن اس کی نظیرلانے سے قاصر | وجال |
| ر ہے گا | م الشفات كے ذریعہ د جال کی حقیقیت کا انگشاف 179 |
| کاغذ پر ککھاد کھنا کہ دشمن نہایت اضطراب میں ہے569 | ورخت |
| كشف مين ايك دثمن كا دكھلا يا جانا | ى المايول سے لداہؤ ادرخت دکھایا گیا |
| وعا | خواب میں ایک سڑک دیکھنا جس پر کوئی درخت ہے425 |
| آپ پرظام کیا گیا کہ جو بات دعا سے رد کی جائے وہ کسی اور ذریعہ | قر آن کریم کو پھولوں ہےلدے ہوئے درخت کی شکل میں دیکھنا |
| ية بول نہيں کی جانگتی | جس پرلوگوں نے افتیوں کی بوٹی چڑھارکھی ہے362 |
| آپ كاخواب ميں بار بار رب تجل رب تجل كى دعاكرنا 168 | میر ناصرنواب صاحب کود کھنا کہ ایک درخت لائے ہیں جو پھل دار |
| ا کیشخض کی اصلاح کے بارہ میں دعااور کشف679 | 515 |
| بنوں کے ایک عیسائی نوجوان گل محمہ کے لئے آپ کا دعا کرنا اور | فرشتوں کا دیکھنا کہ وہ پنجاب میں سیاہ رنگ کے بودے لگار ہے |
| دعا کرنے کے معاً بعداس کا دل تبدیل ہوجانا | ېيل |
| حامطی کا کہنا کہ باہرایک ہندودعا کی درخواست کرتا ہے 661 | وروازه |
| حضور کا بیاریاں دور کرنے کے لئے دعا کرنا | حضرت عيسلى عليهالسلام كودروازه كى دہليزېږد كيفنا206 |

| دوائی | حضور کی بیاری میں اللہ تعالیٰ کا آپ کوسبحان اللہ و بچمہ ہ کی دعا ئیں |
|---|--|
| ایک بیار محض کے لئے کچھ دوائیں دکھائی گئیں اورالہام ہؤا''امید | البها مَّ سكھلانا25 |
| سے بڑھ کرفائدہ'' | خواب میں مرزاغلام قا درصاحب کوخواب میں دیکھنااوران کے کے |
| حسب الهام'' ترياق الهي' دوائي تياركرنا | لئے دعا کرنا |
| تریاق الی کے بارہ میں الہاماً بتایا گیا کدوائی گرم خشک ہے 660 | خواب میں ایک بیار کتے کے لئے دعا کرنااور زبان پر جاری ہونا |
| ديکھا کہايک صندوق بذريعه بلٹي آيا ہے جس ميں چھوٹی چھوٹی | ''اس کتے کا آخری دم ہے'' |
| شيشان بين | خواب میں ایک کو ٹھے کا برکات کیلئے دعا کرناا ور دوسرے کو ٹھے کا |
| کشف میں دیکھنا کہ فرشتہ منہ میں دوائیں ڈال رہاہے | آ مین کہنا |
| آپ کودوائیوں بھراصندوق دیکھایا جانا | رؤیامیں مولوی عبدالکریم صاحب کود یکھنا،ان سے باتیں کرنااوران |
| נפנש | سے دعا کروانا |
| رؤيامين شخ رحمت الله صاحب كالذيذ شيرين دوده پلانا 383 | ہے دعا کروانا سلسلہ کی ترقی کے لئے قبر پر بیٹھ کردعا ئیں مانگنا |
| حضرت اقدین کا حضرت مولوی نورالدین صاحب کودود ھے کے دو | سید ناصرشاہ صاحب کے متعلق دعا کرنے آپ کواطلاع ملنا کہان |
| گلاس پلانا | ک تبدیلی ملتوی کی گئی |
| دوست | عبدالرحمٰن خان خلف نواب مجمعٰی خان صاحب کیلئے دعا کرنے پر |
| چند دوستوں کے ہمراہ ایک جگد پر جانا | آ سان پرشالاً جنوباً کیک یا دوسنهری ککیرین دیکھنا |
| د کھنا کہاس سال ہمارے تین جاردوست داغ مفارقت دے | کشف میں حضور کا دعا کرانااور فرشتوں کا آمین کہنا۔ جن میں ایک |
| جا کیں گے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | فرشته کانام خیراتی تھا |
| دوشنب _ه | دعاءک مستجاب |
| • د کینا که صاحبزاده مرزامبارک احمدکا عقیقه دوشنبکو ہے 104،103 | حچىرى پريكھادكھا ياجا نادعاء ك مستجاب394 |
| دول ت احمر | وليپ سنگھ |
| ن خواب میں صاحبزادہ مرزامبارک احمد کا نام بتلایا گیا 244 | كشفاً بتايا گيا كهاس كاپنجاب مين آنامقدرنہيں 105 |
| وبلی | وشق |
| ین الہامات میں دہلی شہر کا نام لیا گیا جہاں سادات میں حضور کی شادی بر | و مثق متح کے نزول کی هقت وهوال |
| مونگ | وهوال |
| د یکھا کہ دبلی گئے ہیں تو تمام دروازے بند ہیں | رؤيامين آگ اوردهوان ديکھنا |
| رؤیاد یکھا کہ آپ دہلی گئے ہیں اور پھروا پس آئے ہیں ۔۔۔۔۔494 | دوسعیداو کے : پیدا ہونے کی بابت کشف |
| دیانند، پیدت | دوسنڈ ھے |
| ر پی مدوره پانا | دوسنڈھوں کے سرجیم سے الگ ہوئے دیکھنا |
| د ين مير د ين مير | دو خض |
| دین میں ایک مرقوق کا ظاہر کرنا کہ میرانام دین محمہ ہے 145 | ۔۔ کشفی حالت میں دیکھنا کہ دوخض باتیں کررہے ہیں کہ مجھےایک |
| و بوار | لا کھ فوج کی ضرورت ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| - 1- | |

| رب تجل رب تجل | لشقى طور پرمسجد کی د یوار پرمحمود کا نام ککھاہؤ ادکھا یا گیا131 |
|--|---|
| خواب میں باربارد عا کرنا | خواب دیکھا گویا میرناصرنواب صاحب دیوار بنارہے ہیں348 |
| ربي الاعلىٰ | د کیھوکیا گہتی ہے تصوریتہاری · |
| كشف ميس بلندآ واز سے ربى الاعلىٰ كہا | كشف ميںا يك (شخص) كامسكرا كركہنا |
| رحمت الله | ۇب |
| اپنے دائیں بائیں رحمت اللہ کے نیچ دیکھنا691 | نهایت خوشنما برفی ایک ڈبہ میں دیکھی |
| رحمت الله، مرزا | ۇلى |
| حضورٌ كامير څمداسحاق صاحب كومبجد كے كنوئيں كى منڈير پر بيٹھے | حضرت اقد م کا حضرت مولوی نو رالدین صاحب کودود ھ کے دو |
| د کیمنااورمرزارحت الله کی طرف اشاره کرکے کہنا کہ کہ بڑے مرزا | گلاس پلانااور آپ کااس میں نبات کی ڈلی ہلاتے جانا652 |
| صاحب نے اس کی روٹی بند کر دی ہے ۔ مگر منظور حجد نے اس کور کھ لیا | ومحكس بمينين مانتيكو ويليم |
| ٠٠ | ان کے ہارہ میں پچیس سال پہلے کی خواب |
| رڈ ہلا | ڈھول |
| كاغذ بريكهاد يكينا''رڙ بلا'' | رسل ویب کودیکھنا کہ وہ ہند میں آیا ہے ڈھول بجار ہاہے174 |
| رستم علی خان ،حضرت چو مدری | ۋ ولى |
| انکی نسبت دوخوابین دیکھنا | اپنے تین ڈولی میں ہیٹھے دیکھنااور پھر کسی نے میاں شریف احمد کو |
| رشیدالدین ،حضرت ڈاکٹرخلیفه | ۋولى م ي ں بٹھاديا |
| آپ کے متعلق رویا | ניץ |
| رليارام عيسائى | خواب میں ہزار ہا بھیڑین و نج ہوتی و یکھنا |
| دیکھا کەرلیارام وکیل نے ایک سانپ میرے کاٹنے کیلئے بھیجااور | دیکھا کہ ہمارے مکان میں بکراذ نج کیا گیا ہے614 |
| میں نے تل کروا پس کردیا | د کھنا کہ کوئی شخص کہتا ہے کہ یہاں ایک بیل فرخ کریں گے390 |
| روپيي | |
| سنچیں آپ کا قاضی ضیاءالدین صاحب کوشیرینی لانے کیلئے ایک روپیہ دینا | , |
| | |
| رؤياد يکھا كەقدرتاللەكى بيوى روپۇ ل كى ايك ۋھيرى چيش كرتى | , |
| 484 | راجه بگاب شکھ |
| ' ایک څخص کاایک روپیړاور پاخ چھوارے دینا | خواب میں دیکھا کہ راجہ گلاب شکھ میرے پیر دبار ہاہے438 |
| دیکھا کہ آ سان سے روپیا تر اہے جس پرمغمراللہ ککھا تھا 227 | راجه کرش |
| د کھنا کہ کوئی شخص روپیہ بھیجا ہے | مجھے بتلایا گیا راجہ کرش ایک انسان تھا |
| روپید بینچنے سے قبل کشفی اطلاع | ران |
| غیب ہے روپیدآنا | رؤیا میں کھال اتری ہوئی کمری کی رانیں دیکھنا420 |
| دیکھا کدمیری ہیوی نے ایک روپیہ مجھے دیا کہ یہ تمہارے لئے روپیہ | |

| کشفاً دیکھنا کہرومال تالا ب میں گر گیا ہےاوراس کی تعبیر670 | نذر ہے |
|---|---|
| رويت اللي الله الله الله الله الله الله الله | کٹی شخص نے روپید یا کہ بیسر کارہے کتھے ملاہے392 خواب میں ایک شخص کا دونوں ہاتھوں سے میری جھو کی میں روپہیہ |
| الله تعالی کا در بار | خواب میں ایک شخص کا دونوں ہاتھوں سے میری جھو کی میں روپیہ |
| خداتعالی کا آپ کوایک کاغذ پر تلک ایات الکتاب المبین کلهاوؤ ا | رالنا |
| وكھانا | خواب میں نواب اقبال الدولہ حیر رآ باد کی طرف سے روپیردیے کا |
| د کھانا | وعره |
| ریت | وعدہ صبح کے وقت بیداری میں ہی جہلم سے رو پیپرروانہ ہونے کی اطلاع |
| ۔ ۔۔ اپنی جماعت کورشیا کےعلاقہ میں ریت کی مانندد کھنا691 | 47 |
| مجصاللَّه تعالیٰ نے میری جماعت ریت کے ذروں کی طرح دکھائی | خواب دیکھا که روپیدکی کچھ کی اور شخت مشکلات ہیں444 |
| 690 | خواب میں دیکھنا کہ کسی صاحب نے بچاس روپے بھیجے ہیں33 |
| ر مِل گاڑی | دیکھا کہ خواب میں ایک عورت نے تین روپئے دیے ہیں 614 |
| ریل گاڑی میں سوار ہوکر قادیان آنااور گاڑی بازار قادیان میں | تشفى طور بر چالىس يا چواكىس رو پے كاد كھايا جانا |
| کھڑی ہونا | روح |
| بسروال کے قریب حضور کا فرمانا کہ ریل گاڑی کی آ واز آ رہی ہے | ایک ناپاک روح کو کہتے سننا کہ' میں سوتے سوتے جہنم میں پڑ گیا'' |
| 690 | حضور پرکشفاً کھولا گیا کہ سے کی روح افتراؤں سے پاک ہے۔170 |
| | کشف میں ایک روح کا کہتے سننا کہ ہم نے وہ جہان حچھوڑ دیا |
| | مبارک احمد کی روح کا قبل از پیدائش کلام کرنا |
| ; | روزه |
| | روزہ رؤیا میں ایک بزرگ کا کہنا کہ کسی فدرروزے انوار ساوی کی پیشوائی کے لئے ضروری ہیں |
| زاررو ن کا سوٹا | کے لئے ضروری ہیں |
| د بیصا کہ زارروں کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہےاوراس میں پوشیدہ طور | <i>רפט</i> |
| ريغ نه دورورون ده يرع لا على مهرون ما مي يوم ودورون کې نالي کې ده دورون کې نالي کې دورون کې د د د د د د د د د د د د د د د د د د | ا پنی جماعت کورشیا کےعلاقہ میں ریت کی مانندد کھنا691 |
| | * دیکھا کہزارروں کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہےاوراس میں پوشیدہ طور |
| زاہرین خواب میں مجمع عابدین وزاہدین سے ملاقات | رپر بندوق کی نالی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| | روش بی بی کوخواب میں دیکھنا |
| (,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | روشیٰ روشیٰ |
| خواب دیکھا کہا کیا چغہ ہے جس پرزر بفت کا کام کیا گیا ہے 486 واور | ۔۔ ک کشف میں ظاہر کیا گیا کہ رات کا وقت ہے کوئی کہتا ہے روشنی ہوگئ |
| | • |
| زازلہ خار میں بازان تر تر کا ماہ | 424 |
| خواب میں بڑازلزلہ آتے دیکھنا | ہےروضہ مبارک |
| خواب میں بڑازلزلہ آتے دیکھنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | روضه مبارک |
| خواب میں بڑازلزلہ آتے دیکھنا | . · |

| | طرف چلا گيا |
|--|--|
| سانپ | دیکھا کہ زمین بلنا شروع ہوگئ ہے میں نے رؤیامیں ہی کہا کہا تھو |
| بڑا سانپ دیکھنا جس کی گردن مگھ کی طرح ہے522 | زلزلة يا بـــــــــــــــــــــــــــــــــــ |
| خواب میں سانپ دیکھنا | رؤیاد یکھا کہ زلزلہ آیا ہے |
| خواب میں سانپ قتل کرنا | زلزله کا نظاره دیکھنا |
| دیکھا کہایگ گڑھا قبر کی ماننڈ بچس میں ایک سانپ ہے586 | زلزله آیا دیکینااور خیال کرنا که شاستری کی پیشگوئی غلط ^{نکل} ی4 |
| رلیارام وکیل نے ایک سانپ میرے کاٹنے کے لئے جھیجااور میں | رؤيا مين ديکھا کوئی کہتا ہيزلزله کاايک دھڪا |
| نے اسے تل کرواپس کردیا | נימני |
| ىمانپ پرسوار ہونا | زمین آپ کو ہتلا یا جانا کہ میسلسلدز مین پر محیط ہوجائے گا |
| د کھا کہ سانپ نے ذراع پر کاٹا | عالم كشف مين زيين كا گفتگو كرنا |
| رؤیادیکھا کہ سانپ نے میری ایڑی پر کاٹا ہے | كشفأ دكھلا يا گيا كەاپنے مكان ميں چبوتر ہ كى جگدا يك لمبادالان بن |
| سانڈھ | جانے پرز مین افتادہ کا آمین کہنا |
| دوسنڈھول کے سرجسم سے الگ کئے دیکھنا | دیکھا کہزمین ہلنا شروع ہوگئی ہے |
| سبزرنگ | <i>ڏڻيور</i> |
| خواب میں فرشتوں کا سبزرنگ میں مسجد کی پیشانی پر خطار یحانی میں | خواب میں زنبورد یکھنا |
| آيات کلھنا | رؤیاد یکھا کہ زنبور کیڑے میں بکڑ کرمارتا ہوں532 |
| سياري | كثرت سے زنبور ديكھنا |
| رؤیا میں مولوی محمداحسن صاحب کا ایک گانتھ سونتھ یا سیاری اور | زنده بونا |
| جا اَفل دینا | رؤياميں ديکھا كەمولوي عبدالكريم صاحب زندہ ہوگئے ہيں 523 |
| سیای | زين العابدين، شيخ |
| د يکھاايک ساپي وارنٺ لے کرآيا ہے | آپ کے ہاں بیٹا ہونے کے بارہ میں کشف |
| کشف میںا یک لاکھ فوج مانگنے پر پانچ ہزارساہی ملنے کی خبر 143 | زينه |
| ستاره | دیکھا کہایک مکان ہے اس پر چڑھنے کے لئے لو ہے کازیندلگاہے |
| حفزت مرزا نثریف احمرصا حب کی پیدائش کے وقت ایک ستارہ | 483 |
| و يکھا جس پرمغمراللّه لکھا تھا | رؤيا مين ديکھا کدايك زينه پرچڙھتے ہيں680 |
| خواب میں دیکھا کہ سرسیداحمد کاستارہ قریب غروب ہے 659 | ز پورات |
| بہت سے ستارے آسان پرایک جگدد کھنا | دیکھا کہ سونے کے زیوارت جمع ہورہے میں جو گوالیار کے راجہ نے |
| رؤیامیں دیکھا کہ سیدعبدالقادر جیلانی اورایک بزرگ نے مسجداقصلی | خیرات کے لئے بھیج ہیں |
| میں نماز پڑھی اور مشرق ہے ایک ستارہ نکلا | |
| کشف میں دیکھا کہ ایک بڑاستارہ ٹو ٹاہے | <u> </u> |
| | \cup |

| سفيدن بثد | رؤیاد بکھا کہ بہت سے ہندو ہمارے آ گے بحبدہ کرنے کی طرح جھکتے |
|---|---|
| رؤيا ميں ايک سفيدية بند باندهنا مگر بالکل سفيرنہيں439 | ئ <u>ا</u> ن |
| سفيدگھوڑا | <i>y</i> |
| سفید گھوڑے پراپنے آپ کوسوارد کھنا | خواب میں دیکھنا کہ محمدی بیگم کا سرمنڈ ابؤ اہے |
| سفيدلباس | رؤیا میں ایک عورت دیکھنا جومخالفا نہ رنگ میں ہے اس کے سرکے |
| ديکھا كەمرزاغلام قادرصا حب سفيدلباس پېنے | بال مقراض سے کٹے ہوئے ہیں |
| ميرے ساتھ جارہے ہيں | ليكھرام كامر كثاديكينا |
| سفيدكاغذ | مران ا |
| سفيد کاغذير ''سلطان محمهُ'' لکھاديکينا | خواب میں سراج الحق کودیکینا |
| سفيدكيرا | سرخ جوتا |
| رؤیامیں دیکھا کہ کوئی سفید کپڑا ہےاس پرکسی نے انگشتری رکھ دی | دیکھا کہایک سرخ جوتااور سنہری جوتامیرے سامنے رکھا گیاہے |
| 457 | 422 |
| ، مولوی عبدالکریم صاحب سیالکو ٹی کوسفید کپڑے پہنے کری پر بیٹھے کیاں | سرخ چھینٹوں والانشان |
| و کیمنا 478 | عالم كشف ميں الله كے حضور بعض احكام قضاء پيش كرنا اور خدا تعالى |
| سلام قولا من رب رحيم | كاان پردستخط فرمانا |
| قرآن شریف دیکھا جس کی جلد پرسلام قولامن رب رحیم لکھا تھا | سرمه چیتم آربی |
| 603 | د کھنا کہآ ریدلوگ خوداس کو چھپوارہے ہیں267 |
| سلطان احمد ، مرزا | سرميدداني |
| دیکھا کہ مرزاسلطان احمد کھڑے ہیں اور سرتا پاسیاہ لباس ہے . 448 | ا يک شخص کا حضور سے سرمہ دانی مانگنا668 |
| حضور کا مرز اسلطان احمد صاحب کے ساتھا پنے آپ کو بانگ پر | سرمدلگا نا |
| بيشجه ديكهنا | گل حجمہ عیسائی کود کچھنا کہ آتھوں میں سرمدلگار ہاہے668 |
| سلطان احمدمخثار | مروكا درخت |
| ايك تصوير كـ دائيس بائيس ''حجة الله القا دروسلطان احمر مِتَار'' اديكِهنا | كشفى حالت ميں ديمھا كەسروكى كمبى شاخ باغ كائى گئى اورمكان |
| 88 | كةريب لگائى گئى |
| سلطان روم | مزائيموت |
| سلطان روم کی حالت کے بارہ میں کشف | خواب میں کوئی کہتا ہے'' سزائے موت'' |
| سلمان | سعدی شیرازی، شخ حافظ |
| خواب مين حضور عليلية كافرما ناسلمان منا اهل البيت314 | كشف ميں آپ سے ملاقات |
| سندرداس | سعيده امنة الحميد بيكم |
| ان کی وفات ہے بیل حم وغم کی اطلاع | رؤیا میں ان کے ہاتھ میں دس روپے دیکھنا |
| | |

| <i>⊶</i> >. | |
|--|--|
| سياهجتهم | سنسارچند |
| كشفأ بعض مردول كاسياه جسم ديجينا | اپنے تئیں جہلم میں ڈپٹی سنسار چند کے کمرہ میں دیکھنا377 |
| سیاه پودے | سنسكرت |
| یں پ دیکھا کہ ملائک پنجاب میں سیاہ رنگ کے پودے لگارہے ہیں 262 | کشفی طور پرایک شخص دکھایا گیا جوسنسکرت کاعالم ہے جوکر ثن کا معتقد |
| سياه لباس | 311 |
| دیکھا کہ مرزاسلطان احمد کھڑے ہیں اور سرتا پاسیاہ لباس ہے ۔ 448 | سنهری ککیسر |
| سیاه کپڑے | عبدالرحمان خان خلف نواب محم ^ع لی خان صاحب کیلئے دعا کرنے پر |
| ی پر ر - د یکھا گویا ہولیوں کے دن ہیں اور ہندوسیاہ کپڑے پہنے ہو کی میں | آ سان پر ثالاً جنوباًا یک یا دوسنهری لکیرین دیکھنا |
| مفروف بین | سورہ العصر کے اعداد سے دنیا کی عمر |
| رے یہ سہج رام سررشتہ دار کمشنرا مرتسر کے بارہ میں خواب کہاس نے سیاہ | سوره فانخحه |
| کیڑے پہنے ہیں۔۔۔۔۔ | كشف ميں سورہ فاتحہ كے ساتھ گلاب كاتعلق ديكھنا42 |
| برعباس علی لدهیا نوی کود کھنا کہاں نے سیاہ کپڑے پہنے ہیں | سونف |
| 161 | رؤیا میں کسی شخص نے ہمارے ہاتھ پرسونف رکھ دی483 |
| سيامكبل | |
| يالد کی ایک حویلی میں دیکھنا کہ سیاہ کمبل پر بیٹھا ہوں | مولوی محمداحسن صاحب کاایک گانشه سونشه یا سپاری اور جا کفل دینا |
| سير عبدالقادر جيلا تي | 375 |
| رؤيا مين آپ کا حفزت اقدس کونسل کرانااورنځي پوشاک پېڼانا 645 | سونے کا کنٹھا |
| رؤیا میں دیکھا کہ سیدعبدالقادر جیلانی اورایک بزرگ نے مسجداقصلی | ر میں کے ایک دیکھا کہ ہماری جماعت کے ایک دوست کوسونے کا کنٹھا پہنایا گیا |
| میں نماز پڑھی اور مشرق سے ایک ستارہ نکلا | |
| | 659 |
| | 659 سوال نیز د ک <u>کھت</u> رعصا |
| کشف میں آپ سے ملاقات | سوڻا ني زد م <u>کھئے</u> عصا |
| کشف میں آپ سے ملاقات | سوٹا نی ز دیکھئےعصا دیکھا کہزار روس کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہےاوراس میں پوشیدہ طور |
| کشف میں آپ سے ملاقات سیداحمدخان، سر ان کی موت کے ہارہ میں کشف | سوٹا نی ز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روں کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ سے ملاقات | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روس کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ سے ملاقات ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روس کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ دیکھا کہ حرمت بی بی تائی صاحبہ نے میرے طرف ایک سیاہ سوٹا چلایا اور میں نے اپنی سفید سوٹی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ سے ملاقات سیداحمدخان، سر ان کی موت کے ہارہ میں کشف | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روس کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ دیکھا کہ حرمت بی بی تائی صاحبہ نے میرے طرف ایک سیاہ سوٹا چلایا اور میں نے اپنی سفید سوٹی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ سے ملاقات ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روں کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ سے ملاقات ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روس کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ دیکھا کہ حرمت بی بی تائی صاحبہ نے میرے طرف ایک سیاہ سوٹا چلایا اور میں نے اپنی سفید سوٹی ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ ہے ملاقات ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زارروں کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اوراس میں اپوشیدہ طور پر بندوق کی نالی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| کشف میں آپ سے ملاقات ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | سوٹا نیز دیکھئے عصا دیکھا کہ زار روس کا سوٹا میرے ہاتھ میں ہے اور اس میں پوشیدہ طور پر ہندوق کی نالی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |

| ایک میلے کچیلے کپڑے پہنے ہوئے آ دمی کا آ کرکہنا کہ میرے کان | شادی |
|--|---|
| ك نيچ گلن نكل به به منافق به به منافق به به منافق به به به منافق به به به منافق به | آپ کااپنی شادی کے بارہ میں کشف |
| خواب میںایک شخص کا دونوں ہاتھوں سے روپیہ پھر کرمیری حجمو لی | کشفاً بتایا گیا که آپ کی شادی دلی میں ہوگی646 |
| میں ڈالنا | شادى خان |
| خواب میں ایک شخص کا کہنا کہتم ولی ہو | - حضورٌ کا شادی خاں کو بلا نااوراس کا فوراً کھڑے ہوجانا 484 |
| خواب میں ایک شخص کا کہنا کہ میرانام فتح اورظفر ہے202 | شاسترى |
| خواب میں ایک لمے قد کے شخص کا پوچھنا کہ مرز اغلام احمد کہاں ہے | رى زلزلەآ يادېچىنااورخيال كرنا كەشاسىرى كى پېشگونى غلط ^{نكل} ى4 |
| 13 | شاهت الوجوه |
| خواب میں ایک لمبے قد کے شخص کے منہ ہے آپ کے بارہ میں ''جہید ستان عشرت را'' کے الفاظ لکلنا | دیکھاایک شخص نے نہایت زورت قلم چلایاس نے <i>لکھ</i> اشاہت |
| پید سان سرے را سے انعاظ ملک است میں ہے۔ رؤیا میں دیکھا کہ جماعت میں سے ایک شخص گھوڑے ہے گر گیا ہے | الوجوه |
| | شابسوار |
| 385 د یکھاایگ څخص نے نہایت زور سے قلم چلایااوراس نے شاهت | خواب میں آپ کا ہزاروں شہبواروں کادیکھنا182،181 |
| الوجوه كلها | شرمپت رائے، لالہ ان کی ایک خواب کا ذکر |
| دیکھا کہ جماعت کے چندآ دمی کشتی کررہے ہیں | |
| ديكها كدچندآ دى سامنے ہيں ايك چادر ميں كوئى شے ہاك څخص | دیکھا کہ آپ اورشرمیت ایک گہرے پانی میں کنارہ کی طرف |
| ن کہائیآ پ لے لیں ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | تيرتے جاتے ہيں |
| د یکھا کہ چندآ دمیوں نے پینگ چڑھائی ہے613 | شريف احمد ،حضرت صاحبزاده مرزا |
| د يكھاكدكوني كہتا ہے فلال شخص كى جگدشت آيا ہے | دیکھا کہ حضرت اماں جان قر آن شریف آ گے رکھے پڑھتی |
| ديکھا که ميں نے اپنے مقدمه میں دومعتبرآ دی حاکم کی طرف بھیجے | ہیں۔ جب اولنک پڑھا تو شریف |
| ين عدد الله الله الله الله الله الله الله ال | ان کی نسبت عالم کشف میں کہا کہ اب تو ہماری جگھ بیٹھ اور ہم چلتے |
| یے۔ دیکھا کہ ہمارے باغ میں ٹی ایک آ دمی جڑھ لگارہے ہیں 577 | ہیںخواب میں دیکھا کہ آپ نے گیزی باند تھی ہوئی ہےاورا یک شخص |
| ، یک کہ میں ایک چمکدار چونہ پہنے چندآ دمیوں کے ساتھ ایک | خواب میں دیکھا کہ آپ نے پگڑی باندھی ہوئی ہے اورا یک شخص |
| طرف جار با بول | نے کہا''وہ بادشاہ آیا'' شخص شخص |
| د کھنا کہ کوئی مخض روپیہ جھیجنا ہے | |
| د کیفنا کہ کوئی څخص کہتا ہے کہ یہاں ایک بیل ذیح کریں گے 390 | ایک شخص کا آپ سے سرمہ دانی مانگنا |
| رؤیادیکھا کہایک شخص نے مجھے کوری ٹنڈ میں شنڈایا ٹی دیا485 | ایک شخص کاایک روپیماور پانچ حچوارے دینا |
| رۇيا يىن ايكىشخض كاپوچسا كەكرىن جى كہاں ہيں312 | ایک شخص کے بارہ میں بتایا گیا کہ وہ ایک دم دنیا سے رخصت ہو |
| رؤیا میں ایک شخص کولا وائن کی بوتل دیتا پچس پررسیاں لیٹی ہوئی ہیں | جائے گا اور پیٹ مچٹ گیا شن |
| 525 | ایک شخص کے ہاتھ میں بڑا چوڑا حچیراد مکھنا |
| رؤیا میں کسی شخص نے ہمارے ہاتھ پر سونف ر کھدی 483 | ایک شخص نے ایک بروانہ دیا جس پر لکھاتھا کہ عدالت سے طاعون کا ۔ |
| * | علم جارى كيا ^ع ليا |

| شيرين دودھ | کسی څخص نے روپید یا کہ بیسر کارہے تجھے ملاہے392 |
|---|--|
| رؤيا مين شيخ رحمت الله صاحب كالذيذ شيرين دودھ پلانا 383 | کشف میں ایک (شخص) کا مسکرا کر کہنا کہ' دیکھوکیا کہتی ہے تصویر |
| شیریں روٹیاں | تمهاری'' |
| دوفر شتوں کا شیریں روٹیاں پیش کرنا | كشف ميںايك مدقوق اور قريب المرگ مخض كا ظاہر كرنا كه ميرانام |
| شيشي | دین محمہ ہے کشف میں دیکھنا کہ ایک شخص آپ کا نام آ دھاعر بی اور آ دھا |
| و د يکھا کہايک صندوق بذرايعه بلٹي آيا ہے جس ميں چھوٹی چھوٹی | كشف ميں ديكھنا كەا يك خض آپ كانام آ دھا عربي اور آ دھا |
| شيشيال بين | اگریزی میں لکھ رہا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| رؤيا مين عطر کي شيشي ہاتھ ميں ديھنا | كشف ميں ايك قدآ ورشخص كاكہنا''قرت قرت قرت'' 643 |
| شیونارائن، پیڈت جس کے خط کامضمون مکاشفات میں اللہ تعالیٰ | تشفی حالت میں دیکھنا کہ دو محص باتیں کررہے ہیں کہ مجھےا یک |
| نے ظاہر کردیا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | لا کھونوج کی ضرورت ہے |
| صاعقه | لا کھونی تی صرورت ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اپنے مکان میں صاعقہ آتے دیکھنا | ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| صندوق | کوئی حص کہتا ہے کہاب تک پیچھا کہیں چھوڑ کی |
| دیکھا کہ آپ کے ہاتھ میں چابیاں ہیں۔ایک صندوق کھولنے کا | ستخلير |
| اراده ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | رؤیاد یکھا کہایک بڑادریاہے جس سے شعلے نگلتے ہیں470 |
| · دیکھا کہایک صندوق بذریعہ بلٹی آیا ہے جس میں چھوٹی چھوٹی | ههب ثاقبه |
| شيشاِل بال | آپ کوالہاماً بتایا گیا کہ پینشان آپ کیلئے ظاہر ہؤاہے 162،104، |
| دیکھا کہایک مربع شکل کا صندوق ہے جس میں دوخانے ہیں ایک | شهر |
| غانه میں عورت کی شکل میں موت دیکھنا | كسى شهريين جانا جهال دفت پيش آئي |
| ضياءالدين قاضى كوثى ،حضرت قاضى 669،421 | كى شهريين جانا جهال دفت پيش آئى |
| ان کے بارے میں انکشاف کہ انہیں ابتلاء پیش آئے گا 135 | Č |
| حضرت اقدی کا قاضی صاحب کوایک روپییشیریی لانے کے لئے | د یکھا کہ کوئی کہتا ہے فلال شخص کی جگہ شیخ آیا ہے |
| وينا | شير |
| | دیکھا کہ آتمارام کے دونوں لڑکوں کوشیراٹھا کرلے گیاہے 694 |
| ط-ظ | خوارزم بادشاه کی تیرکمان اپنے ہاتھ میں دیکھنااوراس سے ایک شیر |
| <i>b</i> - <i>b</i> | شكاركرنا |
| | شيريني |
| طاعون | آپ کا قاضی ضیاءالدین صاحب کوایک روپیه شیرین لانے کے لئے دینا |
| ایک شخص نے ایک پروانہ دیا جس پر کھھاتھا کہ عدالت سے طاعون کا | |
| حکم جاری کیا گیا | ش یرعلی :خواب میں ایک فرشته د کھائی دیا جس کا نام شیرعلی معلوم ہوتا |
| پنجاب میں طاعون <u>جھیلنے</u> کی اطلاع | 24 |

| ایک عاشق شخص کی اصلاح کے بارہ میں دعااور کشف 679 | خواب میں اپنے تنین دیکھنا کہ طاعون ہوگئی ہے262 |
|---|---|
| عالم آخرت | خواب میں دیکھا کہ طاعون تو گئی مگر بخاررہ گیا428 |
| رؤیامیں اپنیا یک چچا کود بکھنااورعالم آخرت کےحالات دریافت | د کھینا کہ گویا دارالا مان میں طاعون آگئی ہے259 |
| كرنا | رؤیاد یکھا کہ طاعون کی ترقی ہورہی ہے |
| عباس على لد بهيا نوى،مير | طاعون كي نسبت رؤيا |
| دیکھنا کہانہوں نے ساہ کپڑے پہنے ہیں161 | طاعون کے بھیلنے کے بارہ میں کشف |
| عبدالله خان دُيره اساعيل خان | طاعون کے کیڑے کو ہاتھی کی شکل میں دیکھنا353،352 |
| ان الفاظ کازبان پرجاری ہونااوراسی شام ان کی طرف سے منی | كوئى څخص كېتا ہے كەاب تك پيچھانېيں چھوڑتى528 |
| آرڈرکا آیا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | طاعون كادروازه كھولا گيا |
| عبدالله سنوري ،حضرت مولوي | ایک میلے کپلے کپڑے پہنے ہوئے آ دمی کا آ کر کہنا کہ میرے کا ن |
| آپ کاایک کاغذ پردشخط کرانا | ڪ نيچ گڻي آگل ہےطبيب هافق آق قرشي |
| پ یہ کشف میں مولوی سنوری صاحب کے کرتے پر سرخی کے چھینٹے | 0,0 |
| الريا المعالمين | کشفی حالت میں بعض حاذ قرطبیبوں کی کتب دکھائی جانا جس میں |
| عبدالله غزنوي ،مولوي | طبیب حاذ ق قرش کی کتاب بھی تھی اورا شارہ کیا گیا کہ یہی تفسیر |
| وفات کے بعدانہیں خواب میں دیکھنا | القرآن ہےطلوع عشس |
| كشف مين انبين آنخضور عصله كي شبيه يرد يكفنا674 | |
| عبدالكيم فان، واكثر: كشف مين انهين ديكهنا | مغرب سے طلوع ممس کارؤیا میں ظاہر کیا جانا147 |
| عبدالرحن مدراسي منصرت سيشھ | طو نيٰ |
| سیٹھ صاحب کے روپی سیجنے سے پہلے کشفاً اطلاع ملنا 267 | خواب میں اپنے ہاتھ میں تین پھل دیکھنا جن میں ایک آم،ایک |
| آ پ کاسیٹھ صاحب کو خواب میں دیکھنا | طو ني اورايک اور کھل ہے |
| عبدالرحن،نواب عبدالرحن،نواب | طو |
| خلف نواب مجمعلی خان صاحب کیلئے دعا کرنے پر آسان پر ثالاً جنوباً | مر خواب میں ایک شخص کا کہنا کہ میرانام فتح اور ظفر ہے202 |
| ایک یادوسنهری کثیرین دیکھنا | ظفراحد |
| نیاب دیکھنا کہ عبدالرحمان کہتا ہے کہ بخارٹوٹ گیا | ديکھا ظفراحدميرے پاس آيا ہے |
| عبدالقادر جيلاني،حضرت سيد عبدالقادر جيلاني،حضرت سيد | ظفراحمه کپورتعلوی، حضرت منثی |
| رویا میں آ پ کا حضرت اقد ش کونسل کرانااورنٹی بیشاک پہنانا 645 | آپ کے بارہ میں کشف |
| يت على الناسي ملاقات | |
| عبدالكريم سيالكوثي ،حضرت مولوي | ç |
| خواب میں مولوی عبدالکریم صاحب سے مصافحہ کرنا | |
| د یکھا کہ مولوی عبدالکریم صاحب والا چو بارہ گر گیاہے 4،4 | |
| رؤیاد یکھا کہ مولوی صاحب کی قبر کے پاس تین قبریں ہیں اورایک | عاشق |

| رو یا میں آپ کوروعصا دئے گئے ایک جوآپ کے پاس تھادوسراوہ | پرلال کپڑاڈالا ہے |
|--|--|
| جوهًم ہو گیا تھا | رؤیامیں دیکھا کہ مولوی صاحب زندہ ہوگئے ہیں523 |
| د یکھا کہ پگڑی،عصااور چوند چوری ہو گیا ہے658 | رؤيا ميں مولوی صاحب کااکیس اکیس کہنا |
| عطر | رؤیامیں مولوی صاحب کود کھنا اوران سے دعا کروانا490 |
| رؤیا میں عطر کی شیشی ہاتھ میں دیکھنااوراسے ہاتھوں اور بگڑی پر ملنا | رؤياميں آپ کوسفيد کپڑے پہنے کرسی پر بیٹھے ویکھنا478 |
| 433 | عدالت |
| عقيقه | خواب میں دیکھا کہ آپ ایک حاکم کی عدالت کے دروازے کے |
| خواب مين ديكهنا كه عقيقه پيركو ډوگا | قريب بيٹے ہيں۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| خواب میں دیکھنا کہ مرزامبارک احمد کا عقیقہ دوشنبہ کو ہے104 | خواب میں عدالت و کھنااورا یک مقدمہ ہے 462 |
| علم الترب | خواب میں عدالت میں گرفتاروں کی طرح حاضر ہونا364 |
| على كرم الله وجبه، حضرت | خواب میں ایک پروانہ دیا گیا جس میں عدالت سے جار مقامات |
| رؤیامیں اپنے تیک دیکھنا کہ ملی کرم اللہ وجہ بن گئے ہیں169 | کے لئے طاعون کا حکم جاری ہؤ اتھا |
| كشف مين آنحضور علية كاآپ سے فرمانايا على دعهم | رؤیامیں آپکوایک پروانہ دیا گیا جس پر ککھاتھا''عدالت عالیہ نے |
| و انصار هم | اتے بری کردیا''۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ت کشف میں آپ کا حضور علیقی مصرت علی وحسنین ،اور حضرت | عذابالبي |
| فاطمة الزهراء سے ملاقات كرنا | مجھے دکھایا گیا کہ ملک عذاب الہی سے مٹ جانے کو ہے444 |
| کشف میں حضور کوتغییر القرآن دیا جانا اور بتایا جانا کہاہے حضرت | وب |
| على نے تالیف کیا ہے | عر بوں کے ہارہ میں کشوف |
| على محمدخان آف جبجر، حضرت نواب | عربي . |
| آپ کی بابت رؤیا کہ حالت غم ہے خوثی میں تبدیل ہوگئی98 | کشف میں دیکھنا کہایک شخص آپ کا نام آ دھا عربی اور آ دھا |
| آپ کے بارہ میں حضور کے کشوف | انگریزی میں لکھ رہاہے |
| عالم كشف مين حضور كونوا بعلى مجم جهجر كاخط ملنا | کشف میں سمجھا یا گیا کہ عربی ام الالسنہ ہے |
| عورت | رؤيا ميں ايک کاغذ دکھايا گيا جس پرعر بی عبارت کھھی ہوئی تھی 489 س |
| خواب میںعورت دیکھنا | عربی گھوڑے |
| دیکھا کہایک مربع شکل کا صندوق ہے جس میں دوخانے ہیں ایک | دوعر بی گھوڑے خواب میں دیکھنا |
| خانہ میں موت عورت کی شکل میں ہے | عزيز سلطان |
| ديکھا که خواب میں ایک عورت کو تین روپئے دیئے ہیں614 | دیکھا کہ وزیزنا می لڑکامیرے پاس لایا گیاجس کے باپ کانام |
| رؤیاد یکھا کہ کوئی خادمہ تورت کسی کے گھر کی ہےاور کہتی ہے کہ میری | سلطان ہےعشق البی وسے مند پر ولیاں ایہدنشانی |
| بیوی ایکا یک مرگئی | عشق الهي وسے منه پرولیاں ایہ نشانی |
| رؤیا میں ایک عورت دیکھنا جومخالفانہ رنگ میں ہے اس کے سرکے | خواب میں دود فعہ پنجا بی مصرعے بتلائے گئے390 |
| بال مقراض سے کٹے ہوئے ہیں | عصا |
| | |

| پرظا ہر کرنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | دیکھاایک عورت قریباتیں سال عمرفوت ہوگئی ہے484 |
|--|--|
| آئینه کمالات اسلام کے دوران تالیف دود فعہ حضور علیقیہ کی زیارت | کشف میں دیکھا کہ کوئی عورت حضرت اماں جان کے بارہ میں کہتی |
| مونااورحضور عليلة كاكتاب كى تاليف پراظهارمسرت فرمانا187 | ہے تمہیں کچھ ہوگیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ٱپایک کومېر دی گئی جس ککھاتھا''الیس الله بکانٍ عبره'' 582 | كشفى طور پرايك عورت د كھائي گئي |
| آپ کامسے کے ساتھ ایک ہی پیالہ میں گائے گوشت کھانا 349 | رؤیاد کھھا کہایک عورت قرآن پڑھرہی ہے |
| آپ كاللَّد تعالى كو اپنے والدصاحب كى شكل پرديكھنا342 | رؤياميں کچھنو جوانعورتیں دیکھنا |
| آپ کا قاضی ضیاءالدین صاحب کوایک روپیه ثیرینی لانے کیلئے | عيد |
| ديا ليا. | پیر خواب میں بتایا گیا کہ عید کل نہیں پرسول ہوگی |
| آ پ کاا پنے دائیں بائیں رحمت اللہ کے بچود کیفنا 691 | عيسىٰعليهالسلام،حضرت (نيز ديڪيمسيَّ) |
| آپ کاخواب میں ِباربار رب تجل رب تبحل کی دعا کرنا 168 | ایک بار میں نے اور کتے نے ایک ہی پیالہ میں گائے گوشت کھایا تھا |
| آپ کاخواب میں کشمش کے دانے کھا نا | 349 |
| آپ کا خواب میں گھوڑے پرزین ڈالنا | خواب میں حضور کاان کے ساتھ کھانا کھانا |
| آ پ کارؤیا میں اپنے تئیک دیکھا کہ گویا میں خودخدا ہوں 152 | خواب میں دیکھنا کہ وہ ہمارے مکان میں موجود ہیں119 |
| آپ کار وَیا میں درود شریف پڑھنا | عین بیداری میں علیہ السلام سے ملا قات |
| آپ كافرشتول كوانسانى شكل مين د كيمنا | كشف ميں ايك ہى دسترخوان سے كھانا كھانا |
| آپ کا گواہی کے لئے ایک انگریز کے حاکم کے پاس جانا 258 | عيسائى قوم |
| آ پ کو کچھ گولیاں ملنا جن میں سے کچھ حضرت مولوی نورالدین | کشفاً ظاہر کیا گیا کہ بیز ہرناک ہواجوعیسائی قوم سے دنیا میں پھیل |
| صاحب کواور کچھ حضرت نواب عنایت علی خان صاحب کو دینا . 655 | گئی ہے، حضرت عیسیٰ کواس کی خبر دی گئی ہے |
| آپ کی کشوف میں بعض غوث اور قطب سے ملا قاتیں کرنا 129 | |
| اپنے آپ کوسفید گھوڑے پر سوار دیکھنا | غ |
| ا پے تئین حضور علیقہ کے روضہ مبارک پر کھڑا دیکھنا147 | \mathcal{L} |
| اپنے تین ایک پہاڑ پرد کھنا | <u> </u> |
| ایک مرد کاحضور ہے کہنا کہ میں تیرا بخت بیدار ہوں20 | عازى |
| ایک رات کثرت درود کے نتیجہ میں فرشتوں کا آپ کے مکان میں | مكاشفات مين بار باراس عاجز كانام غازى ركها گيا158 |
| آبزلال کی مثلین لانا | عالب |
| ایک شخص کا آپ ہے سرمہ دانی مانگنا | آپؑ و بتلایا جانا کهالله تعالی میرے فرقه کوسب فرقوں پرغالب |
| ایک حض کے ہاتھ بڑا چوڑا چھراد کھنا | ردن پوه ده این ده |
| ایک فرشته دیکھنا جولوگوں کوآئینہ کمالات اسلام کی طرف بلاتا ہے | غلام احمد قادیانی علیه السلام، حضرت مرزا (نیز' اساءُ' میں |
| 187 | لعل با برفادیای فلیدا عل م، سرت مردار پر ۱۹۶ ین ملاحظه کرین) |
| ایک فرشته کا کهنا که خداتمهاری ساری مرادیں پوری کرے گا | الله تعالى كارؤيا مين حضور كوكري ير بيشيخ كا فرمانا |
| حضرت سيدعبدالقادر جيلانی کا آپ کوشسل کرانااورنگ پوشاک پهڼانا | اللد تعالی کا پیڈت شیو نارائن کے خط کا مضمون مکا شفات میں آپ |

| میں پڑ گیا مکر آ گ اس کوچھو بھی ہمیں گء424 | 645 |
|---|--|
| خواب میں دیکھنا کہ شنخ مہرعلی رئیس کے فرش کوآ گ لگی ہےاور | حضور کا پنے والد ماجد کے مقدمہ میں ایک انگریز کوچھوٹے بچے کی |
| حضورنے بجمائی ہے | شكل ميں ديكھنا |
| خواب میں دیکھنا کہ گھر میں آگ لگ گئی ہے | حضوركا خواب بيس لا راد لفضله پڙهنا |
| خواب میں شیرعلی نا می فرشتہ کا آپ کی آئیسیں نکال کرصاف کرنا | حضورکوچیٹری پریکھادکھایا جانا "دعاء ک مستجاب"394 |
| 24 | خواب میں آپ کا شیر علی نامی فرشتہ سے ملا قات کرنا |
| خواب میںعطر کی شیشی ہاتھ میں دیکھناا ورعطر ہاتھوں اور بگڑی پرملنا | خواب میں آپ کاا ناللہ وا ناالیہ راجعون پڑھنا100 |
| 433 | خواب میں آپ کا دوعر نی گھوڑے دیکھنا |
| خواب میں کھال اتری ہوئی بکری کی دورا نیں حاماعلی کے ہاتھ دیکھنا | خواب میں آپ کاکسی کوالسلام وعلیکم کہنا |
| 222 | خواب میں آپ کے ہاتھ ایک درم نقرہ بشکل بادامی دیاجانا51 |
| خواب میں گھوڑے کا سوار ملاجس نے آپ کے ہاتھ پر پیسے رکھے | خواب میں اپنے شین نثیبی گڑھے میں دیکھنا |
| 364 | خواب ميں اپنے ہاتھ ميں آم ديکھنااور چوسنا396 |
| خواب میں ہاتھ میں کسی مخالف کی کتاب دیکھنااورا سے پانی سے | خواب میں ایک شخص کا دونوں ہاتھوں سے روپید پھر کر حضور کی جھولی |
| دهونا | میں ڈالنا |
| دیکنھا کہ آپ پہرے کے لئے پھرتے ہیں۔ایک شخص کا کہنا کہ | خواب میں ایک فرشته ایک لڑ کے کی شکل میں دیکھنا جو کہتا ہے کہ بیہ |
| آ گے فرشتوں کا پہرہ ہے | نان تیرےاور تیرے ساتھ کیلئے ہے |
| د یکھا کہ آپ شہرلندن میں انگریزی زبان میں تقریر کررہے ہیں | خواب میںایک لمبےقد کے مخص کا پوچھنا کہ مرزاغلام احمد کہاں ہے |
| 420 | 13 |
| دیکھا کہ آپ اورشرمیت ایک گہرے پانی میں کنارہ کی طرف | خواب میں ایک لمبے قد کے خص کے منہ ہے آپ کے بارہ میں |
| تيرتے جاتے ہيں | 'نتهيد ستان عشرت را'' كے الفاظ نكلنا |
| دیکھا کہ آپ کے تخت پوٹن کے جاروں طرف نمک چناہؤ اہے 644 | خواب میں جمرائیل کواپنے پاس بیٹھےدیکھنا743 |
| ديکھا که آپ کیہاتھ میں چاہیاں ہیں۔ایک صندوق کھو لنے کااراد ہ | خواب میں حضور کا بیخ تنین ایک بادشاہ کے دفتر کا محافظ دیکھنا 47 |
| 473 | خواب میں حضور کا شخ فتح محمد کو جواب دینا که'' خداسے ڈر پھر جو |
| د يکھا كه آپ مجدمبارك كے اوپر تخت پر بلیٹھے ہیں 675 | حاہے کر''۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| دیکھا کہانڈا آپ کے ہاتھ سےٹوٹ گیا | خواب میں حضور کامسیح علیہ السلام کے ساتھ ایک ہی برتن میں کھانا |
| دیکھا کہ بٹالہ کوجا تاہوں اور نماز کا وقت تنگ ہےا س واسطے ایک | كھانا |
| حچيوڻي سي متجد ميں گيا | خواب میں حضور کو د فرشتوں کا شیریں روٹیاں پیش کرنا678 |
| د يکھا كەخفورتخت پر بليٹھ ہيں اور ساتھ مولوی بھی بلیٹھ ہيں 675 | خواب مين حضور كاقصيده جناب الهي مين قبول كياجانا685 |
| ديکھا كەدوپياز ہاتھ ميں ہيں۔ پھرايك كوٹھا بياز وں كادڪھا يا گيا | خواب میں دیکھا کہ ایک شخص نے حضور کی ٹو پی پر ہاتھ ماراہے 22 |
| 422 | خواب میں دیکھا کہ راجہ گلاب شکھ میرے پیر دبار ہاہے438 |
| دیکھا کہزارروں کا سوٹا ہاتھ میں ہےاورا س میں پوشیدہ طور پر | خواب میں دیکھنا کہ آگ کے پاس کھڑا ہوں اور دامن میرا آگ |

| جانا | ہندوق کی نالی ہے |
|---|--|
| عین بیداری میں عیسیٰ علیہ السلام سے ملاقات | دیکھا کہ گورداسپورہے آیا ہوں اورایک مضبوط گھوڑے پرسوار ہوں |
| غیب سے چوغہ زریں ملنا چوغہ کتاب کی شکل میں تبدیل ہو گیا جے | 483 |
| تفسر کبیر کہتے ہیں | د کھنا کہ ایک غیبی ہاتھآ پ کومد دریاجا تا ہے168 |
| فرشتدد یکھنا جو کہتا ہے بینان تیرےاور تیرے ساتھ کے درویشوں | رؤيامين فرشتوں كا ^{د د} مولالب ⁶ كہنا |
| ك كي | رؤیاد یکھا کہا کیشخص نے مجھے کوری ٹنڈ میں ٹھنڈا یانی دیا485 |
| فرشتهٔ کا آپ پرمرزاغلام قا در کی شکل میں ظاہر ہونا | رؤياميں ابدال الشام ، فارس اور عرب بادشا ہوں كا دكھلا يا جانا9 |
| فرشة ديکھے جوخوبصورت فاخرہ لباس پہنے ہوئے تھے 679 | رؤياميں آپ کا کشف میں ایک معمار کا مکان بنتے دیکھ کرکہنا |
| قبرکی ما نندایک گڑھے میں مبارک احمد کا ہاتھوڈ النا | "مبارك" |
| کاغذ کاتھیلادیکھاجوروپیہ سے بھراہؤ اہےوہ مجھکوکس نے دیا ہے | رؤيا ميں آپ کوايک جگه دکھلائی جانا كەيەتىرى قبرى جگه ہوگى 498 |
| 423 | رؤیامیں اپنے آپ کو بٹالہ کی ایک حویلی میں دیکھنا کہ سیاہ کمبل پر |
| کتاب براہین احمد یہ کا حضور علیقہ کے ہاتھ میں ایک خوبصورت | بیشے ہیں |
| ميوه بن جانا | رؤیامیں اپنے تیئن دیکھنا کہ علی کرم اللہ وجہ بن گئے ہیں169 |
| كشف مين آنحضور عليه كا آپ سے فرمانايا على دعهم 129 | رؤيا ميں دريا كا آپ كوڻو في بطور تحفه پيش كرنا470 |
| كشف مين آپ كا بلندآ واز سے رني الاعلى كہنا 275 | رؤیامیں دیکھاایک کاغذمیرے ہاتھ میں ہےجس پراوا ہن ککھاہے |
| كشف ميں آپ كاتيتر جتنے پرندے پكڑنا | 335 |
| کشف میں آپ کے بارہ میں فرشتہ کا ہذا رجل یحب رسول | رؤیا میں دیکھا کہ حضور قادیان کے بازار میں ہیںاورایک گاڑی پر |
| اللَّه كَهِنا | سوار بین |
| کشف میںایک فرشته کا کہنا که 'خداتمهاری ساری مرادیں پوری | رؤیا میں دیکھا کہ گھوڑے پرسوار ہوں اور کسی طرف جار ہا ہوں 575 |
| کرےگا''فرشتہ کا کیکھر ام کے بارہ میں پوچھنا کشف میں ایک تو ی شکل مہیب فرشتہ کا کیکھر ام کے بارہ میں پوچھنا | رؤیامیں سعیدہ امتدالحمید بیگم کے ہاتھ میں دس روپے دیکھنا 384 |
| کشف میں ایک قوی شکل مہیب فرشتہ کالکھر ام کے بارہ میں پوچھنا | رؤیا میں کسی شخص کا حضور کے ہاتھ پر سونف رکھنا |
| 190 | رؤیا میں گھوڑے پر سوار ہو کر باغ کی طرف جانا185 |
| كشف ميں باز و پرلكھا ديكھنا كەميں اكيلا ہوں اور خدا ميرے ساتھ | عالم كشف ميں الله كےحضور بعض احكام قضاء پيش كرنا اور خدا تعالى |
| 138 | کااس پرد شخط کرنا |
| كشف ميں جامن كاپية ديكھاجس پرلاالهالااللەلكھانظرآ تاتھا461 | عالم کشف میں با دشاہ دکھلائے گئے جو گھوڑ وں پرسوار تھے8 |
| كشف ميں حضور عليقة سے بعض احادایث کی تصدیق678 | عالم كشف ميں چندورق ہاتھ ميں ديئے گئے جن پر تکھاتھا'' فتح كا |
| کشف میں حضور کا دعا کراناا ورفرشتوں کا آمین کہنا۔جن میں ایک | نقاره بخ" |
| فرشته کانام خیراتی تھا | عالم كثف مين حضور كونوا ب على حجمراً فتجهجر كاخط ملنا |
| کشف میں حضورؑ کا مولوی نورالدین صاحب کودود ہے کہ دوگلاس | عالم کشف میں دیکھنامیرے کل پرکسی نے غیب سے ہاتھ ماراہے |
| پلاپا ــــــــــــــــــــــــــــــــــ | 241 |
| کشف میں حضور کوتفسیرالقرآن دیا جانا جیے حضرت علی نے تالیف کیا | علی گڑھ میں خدا تعالیٰ کے طرف سے تقریر کرنے ہے آپ کاروکا |
| | |

| كشف مين آپ كوقر آن شريف پڙھتے ديكھنا | 16 |
|--|---|
| آپ کوکشفاً گھوڑے پرسوارد کیمنا | كشف مين حضور عليقة ، حضرت على وحسنين ، اور حضرت فاطمة |
| غلام مرتضلی، حضرت مرزا (والد ماجد حضرت اقدس) | الزہراء سے ملاقات کرنا |
| آپ کے زمانہ وفات کے نزدیک ایک معمر بزرگ سے کشف میں | آپ کا کشف میں حضور علیہ ہے ملا قات کرنا |
| ملاقات | کشف میں دیکھا کہ حضور کچہری میں ہیں جہاں اللہ تعالیٰ ایک حاکم |
| خواب میں بتلا یا جانا کہ ان کی وفات کا وقت قریب ہے19 | کی صورت میں کری پر بیٹھا ہے |
| خواب میں ان کے ہاتھ میں چھڑی دیکھنا | کشف میں دیکھنا کہ لندن میں انگریزی زبان میں تقریر کررہے |
| خواب میں آپ کوملائکہ تے مثل کی صورت میں دیکھنا354 | ہیںکشف میں دیکھنا کہ ایک شخص آپ کا نام آ دھاعر بی اور آ دھا |
| غلبت الروم في ادني الارض | کشف میں دیکھنا کہا کی شخص آپ کا نام آ دھاعر بی اور آ دھا |
| خواب میں بیآیت پڑھنا | انگریزی میں لکھ رہاہے |
| غوث وقطب | کشف میں دیلینا کہ فرشتہ منہ میں دوا تیں ڈال رہاہے98 |
| | كشفأ آپ كوو ماقلوه و ماصلبوه كي تفسير كاسكصايا جانا146 |
| کشوف میں غوث اور قطب سے ملاقاتیں | كشفأ فح كانظاره ديكينا |
| ۔ . دیکھا کہ کسی نے آپ کے ل پرغیب سے ہاتھ ماراہے 241 | كشفأ دكھلا يا گيا كەاپنے مكان ميں چبوتره كى جگها يك لمبادالان بن |
| غيب اني انار بك كي آواز آنا | جائے زمین افتادہ کا آمین کہنا |
| نیب سے چوندزریں ملنا جے ایک چور لے کر بھا گا | کشفاً دیکھنا کہزورہے بارش ہورہی ہے۔اوراللہ تعالیٰ کافرمانا کہ |
| غيب سے روپية نا | اگر بیقطرے گن سکتے ہوتو گن لو |
| یب سے مبارک کی آواز آنا | کوئی کہتا ہے کہاں کے آ گے فرشتوں کا پہرہ ہے460 |
| • • • | كے الفاظ كا جارى ہونا |
| • | گورداسپور میں دیکھنا کہ کہ آپ ایک چار پائی پر بیٹھے ہیں23 |
| | لڑ کے کی شکل میں فرشتہ ملاجس نے اپنانا م حفیظ بتایا643 |
| | مرزاغلام قادرصا حب کو گھوڑے پر سوار دیکھنا572 |
| فارى خط | نبض پر ہاتھ رکھنا |
| ایک کا غذر کھایا گیا جس میں کچھ سطور فاری خط میں ہیں 443 | والده محمود کے ہاتھ میں ایک جوتی دیکھنااوران کاحضور سے کہنا کہ یہ |
| الفارق وما ادراك ما الفارق | آپ کیلئے ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| رویا میں حضرت مولوی نورالدین صاحب کا جهری طور پر پڑھنا 439 | غلام احمد کی ہے |
| روپايان عشرت تونون ورامله ين صاحب ه بهري حور پر پر هنا 439 فاطمة الظهر اور ضي الله عنها | کشف میں کسی کا بیالفاظ کہنا |
| قا تمية المنظم اءر في اللد صبح كشف مين حضور عليك ، حضرت على وحسنين ، اور حضرت فاطمة | غلا م قادر،مرزا (برادر حفرت اقدس) |
| الزهراء سے ملا قات کرنا | ' خواب میںان کی بیاری اور شفایا بی کی اطلاع |
| ,, | خواب میں ان کی وفات کی خبر |
| فالوده | فرشته کاحضوریران کی شکل میں ظاہر ہونا |
| دیکھا کہایک خوان آ گے بچھاہؤ اہے جس میں فالودہ ہے 401 | , , , |

| رؤيا مين فرشتون كا"مولا بس" كهنا | Ž |
|---|--|
| فرشتوں کوانسانی شکل میں دیکھنا | خواب میں ایک شخص کا کہنا کہ میرانام فتح اور ظفر ہے202 |
| فرشتدد کیمنا جوکہتاہے بینان تیرے اور تیرے ساتھ کے درویشوں | فتح كانقاره بج |
| كے لئے ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خواب میں حضور کا شِنْح فَتْح مُحرکو جواب دینا که'' خداسے ڈرپھر جو |
| فرشته کا آپ پرمرزاغلام قا در کی شکل میں ظاہر ہونا151 | عا ہے کر'' |
| فرشتے دیکھیے جوخوبصورت فاخرہ لباس پہنے ہوئے تھے 679 | فياً (فضل الدين) |
| کشف میں آپ کے بارہ میں فرشتہ کا کہنا''ھذا رجل یحب | رؤياميں فجا(فضل الدين) كوباغ ميں ديچينا693 |
| رسول الله'' | د کھناچراغ یا فجا کچھرو پے لایا ہےاور کہتا ہے کہ بید چندہ گور داسپور |
| کشف میں ایک قوی شکل مہیب فرشتہ کالیکھر ام کے بارہ میں پوچھنا | سے لا یا ہول |
| 190 | ķ |
| كشف مين حضور كادعا كرانا اور فرشتول كا آمين كهنا 23 | رؤيا مين فو کشميري (فضل نشال)عورت کو بليٹھے ديکھنا 364 . • |
| کشف میں دیکھنا کہ فرشتہ منہ میں دوائمیں ڈال رہاہے98 | فرزىر |
| کوئی کہتاہے کہ اس کے آ گے فرشتوں کا پہرہ ہے460 | ایک فرزندگی بثارت |
| لڑ کے کی شکل میں فرشتہ ملاجس نے اپنانام حفیظ بتایا643 | ایک فرزندگی بشارت فرزندتو ی الطاقتین |
| فرقه | كشف مين ايك فرزندكي بشارت |
| آپٌ کوہٹلایا جانا کہاللہ تعالیٰ میرے فرقہ کوسب فرقوں پر غالب | فرشته |
| 517 | آ ٹھ دس سالہ لڑ کے کی شکل میں فرشتہ کا کہنا کہ خداتمھاری ساری |
| <u>ۆ</u> چ | مرادیں پوری کرےگا |
| وی کشفی حالت میں دیکھنا کہ دوشخص باتیں کررہے ہیں کہ جھےایک الاکو ج کی مضرب میں ہیں۔ | ایک جگه دخلانی گئی که به تیری قبری جگه موگی فرشته زمیس ناپ ر با |
| لا کھوفوج کی ضرورت ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | 498 |
| | ایک رات کثر بے درود کے نتیجہ میں فرشتوں کا آپ کے مکان میں |
| $\ddot{\mathcal{U}}$ | آ ب زلال کی مشکیس لا نا |
| | ايك فرشته د يكينا جولوگول كو نهم مكنيه كمالات اسلام ' كى طرف بلاتا |
| | ب-187 ب |
| .1 1** | • |
| قاديان | ، تین فرشتوں کا آسان سے ظاہر ہونا |
| فادیان دیکھا کہ قادیان ہیا س تک چھیلاہؤاہے666 | • |
| دیکھا کہ قادیان بیاس تک پھیلا ہؤ اہے | تن فرشتوں کا آسان سے ظاہر ہونا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| دیکھا کہ قادیان ہیاں تک پھیلا ہؤا ہے رؤیا میں دیکھا کہ قادیان کے بازار میں ہوں اورایک گاڑی پرسوار ہوں | تین فرشتوں کا آسان سے ظاہر ہونا |
| دیکھا کہ قادیان بیاں تک پھیلاہؤا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | تین فرشتوں کا آسان سے ظاہر ہونا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| دیکھا کہ قادیان ہیاں تک پھیلا ہؤا ہے رؤیا میں دیکھا کہ قادیان کے بازار میں ہوں اورایک گاڑی پرسوار ہوں | تین فرشتوں کا آسان سے ظاہر ہونا |

| کشفی حالت میں طبیب حاذ ق قرشی کی کتاب دکھائی گئی اورا شارہ کیا | ديكها كدسى نے ايك آيت پر ہاتھ ركھا ہے اور كہتا ہے كہ بہ قاديان كا |
|--|---|
| گیا که پهی تفییرالقرآن ہے | نام ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| قرت قرت قرت | رؤيا ميس ديکھا كه جم قاديان گئے ہيں |
| كشف مين قد آ ورخض كاكهنا | قا دیان میں سیر والی گلی میں مہر نبی بخش کا مصافحہ کرنا |
| قسمت | كشف مين قاديان كوايك براشهر ديكهنا |
| حار پانچ مريدون کی قسمت د کھلائی جانا | تشمیر یوں والی گلی سے قادیان میں داخل ہونا168 |
| فطب | قبر |
| • کشوف میں غوث اور قطب سے ملاقاتیں | ا يك جگه د كھلائى گئى كەيەتىرى قبر كى جگه ہوگى _ فرشتەز مان ناپ رېا |
| قطبی | 498 |
| رویا میں حضور علیقہ کا آپ نے طبی نام کی کتاب طلب فرمانا | تين قبرين ديکھنا |
| قلم | ديکھا کەمقىرە بہتتی میں اور قبر کھدواتے ہیں617 |
| ا خواب میں دیکھا کہ ایک قلم لکھنے کے واسطے اٹھائی جس کی زبان ٹوٹی ؟ | رؤیاد یکھا کہ مولوی عبدالکریم صاحب کی قبرکے پاس تین قبریں ہیں |
| بوني ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | اورا یک پرلال کپڑاڈالا ہے |
| د يكهاايك شخص نهايت زورت قلم چلايا اوراس نے شاهت الو جوه كها | قبر پر پیژه کردعا ئیں مانگنا |
| الماء م لكما | قدرت الله |
| ان بو بون کا نا جودلایت ہے آئے ہیں | رؤياد يکھا كەقدرت اللەكى بيوى روپول كى ايك ۋھىرى پېۋى كرتى |
| اپ دری | 484 |
| ي المعلى الماركين كد مكونا | قرآ ن کریم |
| رۇيا مىي ملكەد كۇرىيكود كىھنا | رؤیاد یکھا کہا یک عورت قرآن پڑھرہی ہے |
| | رؤیاد یکھا کہ ایک عورت قر آن پڑھر ہی ہے |
| | 603 |
| | قرآن شریف کی تلاوت کرتے وقت آپ پرکشفی حالت کا طاری |
| | <i>بونا</i> 7 |
| كانن | كثف ميں مرزاغلام قادرصاحب كوقر آن شريف پڑھتے ديھنا. 60 |
| ایک کاغذ دکھایا جس پر پانچ سطرین کھیں | ۔ کشف میں بتلایاجانا کہ قران کریم میں ابن مریم کا ذکرہے 149 |
| ایک کاغذ د کھایا گیا جس میں پچھ سطور فارسی خط میں ہیں 443 | د یکھا کہ حفرت امال جان قر آن شریف آ گےر کھے پڑھتی |
| ایک کاغذ دکھایا گیا جیسا کہ نئ آرڈ رفارم ہوتا ہے اس کے پاس ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ہیں۔ جب اولئک پڑھاتو |
| پندره روپے رکھے ہوئے تھے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ۔ قر آن کریم کو پھولوں سے لدے ہوئے درخت کی شکل میں دیکھنا |
| رؤیاد یکھا کہ بہت سے ہندو ہیںاورا یک کاغذ پیش کیا کہاس پرد شخط - | جس پرلوگوں نے افتیوں کی ہوئی چڑھار کھی ہے362 |
| 502 | کشف میں بتلایا گیا کہ خیسرۃ القدس کی سیرا بی قر آن کریم کے یانی |
| رؤيا ميں ايك كاغذ د كھايا گيا جس پرعر في عبارت لکھی ہوئی تھی 489 | ے بور بی ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| ر وَامِين دِ مَكِيرالَ كَاغَذِ مِي إِراتِيمِ مِين سِرْجِس بِراوا بَين لِكِيرا سِر | 70% |

| 335 |
|--|
| دیکھا کہ حفزت مولوی نورالدین صاحبؓ نے حضور کی خدمت |
| میں ایک کاغذ بھیجاہے جس کے حاشیہ پر کھاہے'' دستمن نہایت |
| اضطراب میں ہے'' |
| مولوي عبدالله سنوري كاايك كاغذ پر شخط كرانا |
| کاغذ کا تھیلا دیکھا جوروپہیے بھراہؤ اہے |
| كبوتر |
| دیکھا کہ ایک بلی ہے جو ہمارے پاس کبوتر پر مملہ کرنا چاہتی ہے 402 |
| کپڑا ایک میلے کپلے کپڑے پہنے ہوئے آ دمی کا آ کرکہنا کہ میرے کان سام |
| ایک ملے کچیلے کپڑے پہنے ہوئے آ دمی کا آ کرکہنا کہ میرے کان |
| ك نيجًا لله نكلي بـ |
| حضرت امال جان کی معیت میں متجدموعود کی طرف جانا مسجد |
| میں ایک عورت بھگوے کپڑے پہنے بیٹی دیکھنا387 |
| خواب میں دیکھا کہ حضرت امال جان نے احرام والے کپڑے پہنے |
| ين |
| دیکھا کہ گویا ہولیوں کے دن ہیں اور ہندوسیاہ کیڑے پہنے ہولی میں |
| مصروف ہیں |
| رؤیاد یکھا کہ زنبور کپڑے میں پکڑ کر مارتا ہوں532 |
| رؤیاد یکھا کہ مولوی عبدالکریم صاحب کی قبر کے پاس تین قبریں ہیں |
| اورایک پرلال کیڑا اڈالا ہے |
| رؤیاد یکھا کہمولوی نورالدین صاحب ایک کپڑ ااوڑ ھے بیٹھےرو |
| رے ہیں۔۔۔۔۔۔۔ |
| رؤیا میں دیکھا کہ سفید کپڑے پر کسی نے انگشتری رکھ دی ہے 457 |
| رؤیا میں مولوی عبدالکریم صاحب کوسفید کیڑے پہنے کرسی پر بیٹھے |
| و کیمنا |
| سررشتہ دار کمشنرامر تسر کو کشف میں دیجھنااس نے سیاہ کپڑے پہنے |
| <u>۳</u> |
| محمود کے کپڑ وں کے آگ لگی دیکھنا |
| میرعباس علی لدهیانوی کودیکھنا که انہوں نے سیاہ کپڑے پہنے ہیں . |
| 161 |
| کتا |
| |

| کلارک، مارٹن | مرزا خدا بخش صاحب کے کرتہ پرلہو کے داغ دیکھنا379 |
|---|--|
| مقدمہ مارٹن کلارک کے بارہ میں بچیس سال پہلے کی خواب 13 | کری |
| کمان | رؤياميں الله تعالی کا حضور کو کرسی پر میطیفے ارشاد کا فرمانا102 |
| خوارزم بادشاہ کی تیرکمان اپنے ہاتھ میں دیکھنااوراس سے ایک شیر | مولوی عبدالکریم صاحب کوکری پر بیشے دیکھنا |
| شكاركرناشكاركرنا | کشف میں دیکھنا کہ حضور کچہری میں ہیں جہاں اللہ ایک حاکم کی |
| تخیاں نیز د کیھئے حابیاں | صورت میں کری پر بدیٹھا ہے |
| تخیاں نیز دیکھئے چابیاں دیکھا کہ آپ کے ہاتھ میں چابیاں ہیں۔ایک صندوق کھو لئے کا | مٹھن لال کوکری پر بیٹھے کا م کرتے دیکھنااور حضور کاایک کاغذیران |
| اراده ہے | ہے دشخط کرانا |
| د يكها كه بهت ي تنجيال مير بسامني پڙي ٻين | كرش |
| كنوال | ایک بارہم نے کرشن تی کودیکھاوہ کا لےرنگ کے تصاور نیلی ناک |
| رؤيا ميں كہنا كدايسے كنوئيس سے دورر بناجا ہے | تختی |
| حضورٌ کامیرمجمداسحاق اورپیرمنظور محمد کومسجد کے کنوئیں کی منڈیر پر | رؤيا ميں ايک شخص کا پوچھنا که کرش جی کہاں ہیں312 |
| بيشجيد كينا 481،480 | كشوف ميں ملاقات |
| كثضا | کشفی طور پرایگ خض دکھایا گیا جوشنسکرت کاعالم ہے جوکرش کا معتقد |
| د کھنا کہ ہماری جماعت کے ایک دوست کوسونے کا کنٹھا پہنایا گیا | 311 |
| 659 | كرم الدين |
| کھال اتری بکری | ديکھا که کرم الدين کو کچھيز اہو گئي ہے۔ |
| کھال اتری بکری کی دورا نیں حامہ علی کے ہاتھ دیکھنا222 | کرنی نوٹ |
| كوشا | رؤیا میں ایک کتاب دی گئی گویاوہ کرننی نوٹ تھے508 |
| خواب میں ایک کو ٹھے کا دعا کرنا اور دوسرے کو ٹھے کا آ مین کہنا 419 | مشتى كرنا |
| د يکھا که دوپياز ہاتھ ميں ہيں۔ پھرايک کوٹھا پياز وں کا دکھايا گيا | دیکھا کہ جماعت کے چندآ دمی کشتی کررہے ہیں384 |
| 422 | كشف قبور |
| کوری شند | ہوشیار پور میں آپ کا ایک بزرگ کی قبر پردعا کرنااورصاحب قبر |
| ۔ رؤیا میں ایک شخص کا آپ کوکوری ٹنڈ میں ٹھنڈا پانی دینا 485 | بزرگ کا قبر سے نکل کر دوزا نو ہوکر آپ کے سامنے بیٹھنا 648 سرو |
| کولا وائن کی بوتل | لشمش |
| رۇيامىن ايكىشخى كولادائن كى بوتل دىتابىچىس پررسيان لىپنى ہوئى مېن | خواب مین نخو د (چنے) کی دال اور تشمش دیکھنا611 |
| 525 | کشمیر |
| کیژا | خواب میں دیکھا کہ داجہ گلاب شکھے، والی تشمیر میرے بیرد بار ہاہے |
| ماعون کے کیڑے کو ہاتھی کی شکل میں دیکھنا353،352 | 438 |
| ع د <u>ي هي هي</u> | ديڪا كه شميرے کچھ پراني انجيلين نكل ہيں360 |
| <i>V</i> . | سمشمیر ی : کشمیریوں والی گلی سے قادیان میں داخل ہونا168 |
| | |

| خواب میں گھوڑے پرزین ڈالنا | ويکھا کہ کچھ کیلے میرے سامنے لائے گئے ہیں216 |
|---|--|
| دیکھا کہ گورداسپورہے آیا ہوں اورایک مضبوط گھوڑے پرسوار ہوں | |
| 483 | |
| رؤیامیں دیکھا کہ گھوڑے پرسوار ہوں اور کسی طرف جار ہاہوں 575 | |
| رؤیا میں گھوڑے پرسوار ہوکر باغ کی طرف جانا 185 | |
| سفیرگھوڑے پرسوارد کھنا | گائے کا گوشت |
| مرزاغلام قادرصاحب وگھوڑے پرسوارد کھنا | رؤیا میں حضور کا ایک بارس ناصری کے ساتھ ایک ہی پیالہ میں گائے |
| گھوڑے کاسوار ملاجس نے میرے ہاتھ پر پیسے رکھے 364 | كا گوشت كها نا |
| گھوڑے ہے گرنا | گڑھا |
| حضرت مولوی نورالدین صاحب کے گھوڑے سے گرنے کے بارہ میں میں نہ | خواب میں پانی کا گڑھاد کیھا جس میں میاں مبارک احمد ڈوب |
| میں کشف خواب میں جماعت میں سے ایک شخص کا گھوڑ سے سے گرنا 385 | گیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| _ | دیکھا کہایگ گڑھا قبر کی مانند ہے |
| گوالیار کاک ناک در تحقیق شرگار کاک نا | دیکھا کہا لیگر طامثل دائرہ کے ہے۔آپ کا تیرنا 365 |
| دیکھا کہ ہونے کے زیوارت جمع ہورہے ہیں جو گوالیار کے راجہ نے | گلابکاپھول |
| خرات کے لئے بھیج ہیں | کشف میں سورہ فاتحہ کود کیھنا کا غذ پر کھی گئی ہے۔وہ کا غذ گلا ب کے |
| تونیند خواب میںایک گوسیندمسلوخ دیکھنا | پھولول سے لدا ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| نواب بین بزار با بھیڑین ذیح ہوتی دیکھنا | گلاب شگهه مهاراج کشمیر |
| واب ین را را د با در این در این در این است. گوشت | خواب میں اس کا حضور کے پاؤل دبانا |
| خواب میں گوشت کا ایک ٹکڑ اد کھایا گیا | گورداسپور ن ب بر ب |
| رؤیایس آپ کا حفرت سے کے ساتھ ایک ہی بیالہ میں گائے گوشت | خواب میں دیکھنا کہ گورداسپور سے آئے ہیں اورا یک مضبوط گ |
| كوانا | گھوڑ نے پرسوار ہیں |
| | د کیمناچراغ یافجا(فضل الدین) کیمهروپلایا ہےاورکہتا ہے کہ بیر میں گے میں میں اور اساسی کیمیروپلایا ہےاورکہتا ہے کہ بیر |
| 1 | چندہ گورداسپورے لا یا ہوں |
| J | وروا پورس ویشا را پایک کاری پریت ین |
| | عمر خواب میں دیکھنا کہ گھر میں آگ لگ گئے ہے189 |
| لا اله الا الله | وب ین دیشا نه طرین۱ کابلان میساد ۱۵۶۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰ |
| كشف ميں جامن كاپية ديكھاجس پرلاالدالاالڈلكھانظرآ تاتھا 461 | تعکری رویا میں شیخ رحمت اللہ کی گھڑی دیکھنا |
| لا راد لفضله | رویایین کا رمین میرن قرن و چینا |
| حضور کا خواب میں لارادلفصلہ پڑھنا | حور ا خواب میں دوعر نی گھوڑے دیکھنا |
| (Life) لانف | واب بیار دو زب ورت دیسا عالم کشف میں ما دشاہ دکھال نر گئے جھوڑ وں برسوار تھے ۔ 8 |

| لونگ (زیور) | ا يك كتاب وكھلا فى گئى جس پر لكھا تھا''لائف''505 |
|---|--|
| رؤیا میں کاغذ کے اندر لیٹاہؤ الونگ دیکھنا | لاَنُفْآ ف پینِ (Life of pain) |
| لوہے کا زینہ | كشف مين بي فقره لكهابؤ ادكها يا جانا |
| دیکھا کہایک مکان ہےاں پر چڑھنے کے لئےلو ہے کازیندلگاہے | لال كيثرا |
| 483 | رؤیاد یکھا کہ مولوی عبدالکریم صاحب کی قبرکے پاس تین قبریں ہیں |
| لاکا | اورایک پرلال کیڑاپڑاہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| آپ کو پانچویں لڑکے کی بشارت جوبطور نافلہ ہوگا 378 | لا <i>بود</i> |
| ۔ آپکوفرزندقوی الطاقتین کامل الظاہروالباطن کےعطا کئے جانے کی | لا ہور بھی کوئی شہر ہوتا تھا (پشیگوئی کا ذکر)676 |
| بثارت | لياس فاخره |
| آپ کی پشت میں چو تھے لڑ کے کاحرکت کرنا | کشفی حالت میں لباس فاخرہ پہننا |
| ایک لڑکے کا نام دولت احمد بتایا جانا | لدن |
| ا کیے لڑے کے متعلق انکشاف کہ بہت قریب ہونے والا ہے 113 | کشف میں اپنے آپ کوایک مقام میں دیکھنا جہاں کثرت سے |
| خواب دیکھا کہ مبارک احمد میرا چوتھالڑ کا فوت ہو گیا ہے 339 | بارشیں ہوتی ہیں اوراس کا نام مقام لدن ہے |
| خواب میں آپ کوتین جوان لڑ کے دکھائے جانا | لعنة اللهعلى الكاذبين |
| دیکھا کہ عزیز نامی لڑکا میرے پاس لایا گیا جس کے باپ کا نام | رؤیا میں ایک عورت دیکھنا جومخالفا نہ رنگ میں ہےاس کے سرکے |
| سلطان ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | بال مقراض ہے کٹے ہوئے ہیں |
| دیکھامنظور څمرکے ہاں لڑ کا پیدا ہؤ اہے | لفافه |
| لڑ کے کی شکل میں فرشتہ ملاجس نے اپنا نام حفیظ بتایا | رؤيامين ديكھاايك لفافد ہے جس ميں کچھ پييے ہيں471 |
| دیکھا کہ شیرآ تمارام کے دونوں لڑکوں کواٹھا کرلے گیاہے 694 | د يكها كه دو بندلفا في بين جن مين خط بين |
| له تب و سب و افتضاح | لبى نالى مى نالى |
| خواب ميس له تب و سب و افتضاح بتاياجانا651 | خواب میںایک لمبی نالی کا دکھلا یا جانا جس پر ہزاروں بھڑیں لیٹی |
| لہوکے داغ | مولی میں |
| مرزا خدا بخش صاحب کے کرنہ پرلہو کے داغ دیکھنا379 | ניגני |
| ليلة القدر | ديکھا که شهرلندن ميں انگريزي زبان ميں تقرير کرر ہا ہوں 420 |
| لیلة القدر میں بارش ہوتے دیکھنا | كشف ميں اپنے تئيل لندن ميں ديکھنا |
| ليمپ | لنگرخانه |
| د یکھا کہ محمود تیز روثنی والالیپ لئے سڑک پر کھڑا ہے 677 | لنگرخانہ کے بارہ میں کشف |
| • | لوکی |
| | و ں دیکھا کہ بڑےمرزاصاحب نےایک بڑی لوئی سیاہ رنگ کی بنوائی |
| <u></u> | 436 |
| ا کشف میں آتمارام کواولا دکے ماتم میں مبتلا دیکھنا | |

| اسلام'' کے ساتھ شائع کروں | مارش کلارک |
|--|---|
| مشخصن لال | مقدمہ مارٹن کلارک کے بارہ میں بچیس سال پہلے کی خواب13 |
| اسے کری پر بیٹھے کام کرتے دیکھنا | مانی |
| مثيل ابن مريم | کشف میں دکھایا گیا کہ ایک ہاغ لگایا گیا ہے جس کے مالی آپ |
| کشف میں بتلایا جانا کہ قران کریم میں مثالی طور پرا بن مریم کے | مقرر ہوئے |
| آنے کا ذکر ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | المبادك |
| آپ پرخلا ہر کیا گیا کہ قرآن شریف اورا حادیث نبویہ میں مثل کمسیح | عالم كشف مين ايك اشتهار دكھايا گيا جس برالمبارك كلھاہؤ اتھا 460 |
| کی خبردی کئی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | مبادک |
| منتل | ٠ خطبهالهاميه كاتر جمه سنتے وقت سرخ الفاظ ميں''مبارک'' كلھاد يكھنا |
| خواب میں حضور کا پنے تنیک ایک بادشاہ کے دفتر کا محافظ دیکھنا۔ دفتر | 292 |
| میں مثلیں پڑی ہیں | غیب ہے آ واز آئی"مبارک" |
| مجمع عابدين و زاهدين | كشف ميں ايك معمار كا مكان بنتے ديكھ كركہنا ''مبارك''445 |
| خواب میں مجمع عابدین وزاہدین سے ملا قات93 | مبارك احد، حضرت صاجزاده 586 |
| محافظ | دیکھا کہصا حبزادہ مرزامبارک احمدصاحب کرسرخ بگڑی پہنائی |
| خواب میں حضور کا اپنے تئیں ایک بادشاہ کے دفتر کامحافظ دیکھنا 47 | گئی <u>ہ</u> ے۔ |
| محل | خواب دیکھا کہ مبارک احمد فوت ہو گیا ہے |
| عالم کشف میں دیکھنامیر مے کل پر کسی نے غیب سے ہاتھ ماراہے | خواب میں پانی کا گڑھاد یکھا جس میاں مبارک احمد غرق ہو گیا |
| 241 | 618 |
| سيدنا مجم مصطفىٰ صلى الله عليه وسلم | ديکھا که مبارک احمد کے بدن پر کچھارزہ ہے |
| آپ علیقیہ کو گھوڑ ہے پر سوار دیکھنا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | رؤیامیں صاحبزادہ مبارک احمر کا کچھ دیر نہ ملنا۔حضرت اماں جان کا |
| آپ علیقهٔ کی رؤیا میں زیارت | کہنا کہ مبارک موجود ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| اللّٰدے فیوض نوری شکل میں آنخضرت علیہ کے سینہ میں جذب | كشف مين پاني مانگنا |
| 383r | کشف میں دیکھا مبارک احمد چٹائی کے پاس گر پڑا ہے 336 |
| زيارت رسول عليقة 694،678،653،516،187 | قبر کی مانندا یک گڑھے میں مبارک احمد کا ہاتھ ڈالنا |
| کشف میں آپ سے ملاقات | مبارکه پیگم، حفزت سیده نواب |
| كشف مين حضور عليلية كود كيمنا | د کھنا کەمبار کەنیگم پنجابی میں بول رہی ہیں |
| کشف میں آنخصور حلیقی ، حضرت علی وحسنین ،اور حضرت فاطمة | ان كے متعلق الهام ہونا''نواب مباركه بيگم'' |
| الزہراء سے ملاقات کرنا | ان کا ستارے ٹوٹنے دیکھنااورایک فرشتہ کا کہنا کہ بید دشمن مرتے ہیں |
| محر مولوي | 615 |
| دیکھا کہام الدین اورمولوی مجمدانگریزی میں کام کررہے ہیں 385 | مبلله مبلله میان نی سرد دسرس |
| مجمداسحاق، حضرت سيدمير | مجھے حکم ہؤا ہے کہ میں مباہلہ کی درخواست کو کتاب'' آئینہ کمالات |

| دیکھا کەمحمود تیزروشنی والالیپ لئے سڑک پر کھڑاہے677 | رؤیامیں دیکھا کہ میاں محمد اسحاق اور صالحہ نی بی بنت منظور محمد کے |
|--|--|
| د یکھا کہ حضرت امال جان قر آ ن شریف آ گے رکھے بڑھتی | نکاح کی تیاری ہور ہی ہے |
| ہیں۔ جب اولئک پڑھا تومحود | ان کی بیاری میں دیکھنا کہ بہت سے مردارخور جانور کم ڈھینگ ہیں |
| محمود کہاں ہے | اور پاس ہی ایک مردار پڑا ہے |
| كشفى طور پرمسجد كى ديوار پرمحمود ككھا ہؤ اد كھايا گيا | میرصاحب کومسجد کے کنوئیں کی منڈیر پر ہیٹھے دیکھنا480،480 |
| محمود کے کپڑوں کوآ گ گی دیکھنا | مجمح حسين بثالوي،ابوسعيد |
| محيط | ان کے بارہ میں کشف |
| آپ کو ہتلا یا جانا کہ بیسلسلہ زمین پر محیط ہوجائے گا | ان کے مکان میں جماعت کے ساتھ نماز پڑھنا |
| مدرسها حمد بيقاديان | ان کے انجام کے بارہ میں کشف |
| خواب میں مدرسہ کے مقام پر بجلی حمیکتے دیکھنا | خواب میں دیکھنا کہانہوں نے کسی امر میں مخالفتحریر چھپوائی ہے |
| مرقوق | 120 |
| کشف میں ایک مرقوق کا ظاہر کرنا کہ میرانام دین محمد ہے 145 | رؤياميں ان کو خاطر داری کا کہنا |
| مل (اناج) | محمد حیات خان ، سر دار |
| اپنتئن پہاڑ پرد کھنا اورا یک قتم کے اناج مدل کے دانے کھانا | ان کے ہارہ میں رؤیا |
| 397 | محمرصا دق بھیروی،حضرت ڈاکٹرمفتی |
| مرد | خواب میں انہیں دیکھنا |
| ۔ رؤیامیں میں ایک مردد یکھنا جس نے کہا کہ میں تیرا بخت بیدار ہوں | خواب میںان کےلڑ کے منظوراحمہ کی طرف چیل جھیٹی دیکھنا 687 |
| 20 | محمطى خان آف ماليركونله، حصرت نواب |
| 02/ | کشف میں آپ سے ملاقات |
| دیکھا کہ مردہ زندہ ہوکر بیٹھا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ان کی نسبت بلااورغم و کیفنا |
| كشفأ لعض مر دول كاسياه جسم ديكهنا يستسم | حضرت اقدس کو کچھ گولیاں ملناجن میں سے کچھ حضرت مولوی |
| مرزاا حدیک : اوران کے عزیزوں کے بارہ میں کشف107 | نورالدين صاحب كواور پجي نواب صاحب كودينا655 |
| ىرغ | مجمع على مولوى |
| ۔ خواب میں دیکھا کہ ایک مرغ میرے بستر پر بیٹھا ہے438 | رؤيا ميں مولوی څرونلی صاحب کا کہنا کہ آپ چلے جائیں 421 |
| د يکھا کہ چندآ دمی سامنے ہیں ایک چادر میں چندمرغ ہیں 472 | انہیں رؤیامیں کہنا کہ آ پہھی صالح اور نیک ارادہ رکھتے تھے 435 |
| رؤياد يكھا كەايك مرغى بولتى ہے۔ان كنتم مسلمين492 | رؤيا ميں مولوی صاحب کوانگریز کی شکل میں دیکھنا505 |
| مي | محمدى بيكم |
| اپنة تنين بروي مسجد مين و يکينا | حضرت امال جان کاخواب |
| پ خواب میں فرشتوں کا سبزرنگ میں مسجد کی پیشانی پر خطرر بھانی میں | خواب میں دیکھنا کہاس کاسرمنڈ اہؤ اہے |
| آيات آسيا | محمود |
| ديكھا كەبٹالەكوجا تاہوںاورنماز كاوفت تنگ ہےاس واسطےايك | خواب میں دیکھنا کہ محمود کو تکلیف پینچی ہے |

| كاغذ برلكهاد كيينا | حپوڻي سي مسجد مين گيا |
|--|--|
| مصلح الدين سعدي شيرازي | د کھنا کہ چھوٹی مسجدے بڑی مسجد تک مسجد ہی مسجد ہے 694 |
| كشف مين آپ سے ملاقات | و کیھنا کہ سجد گرادی گئی ہے |
| مصلح م وجود (خواب میں بیشعرجاری ہونا) | كشفى طور پرمسجد كى ديوار پرمجمود كانا م لكھاہؤ ادكھا يا گيا131 |
| الفخرسل قرب تومعلوم شد | رؤیامیں دیکھا کہ سیوعبدالقا در جیلانی اورایک بزرگ نے متجداقصیٰ |
| معمر الله | میں نماز پڑھی اور مشرق سے ایک ستارہ نکلا 16،15 |
| د یکھا کہ آسان سے روپہیا تراہے جس پرمعمراللہلکھا تھا 227 | ديکھا کہ چھوٹی مسجد کے اوپر تخت پر بدیٹھاہؤ اہوں675 |
| مغز ما وام: کشفی رنگ میں مغز با دام دکھائے گئے | ميك العارف |
| مقاملدن | خواب میں سیدمحمراحسن امروہی کے خط میں بیالفاظ پڑھنا 246 |
| ا است کشف میں اپنے آپ کوایک مقام میں دیکھنا جس کومقام لدن کہتے | مسخ (نیز د ک <u>هه</u> یمیسیٰ) |
| 248 | الله تعالى كافر مانا كمتح بلاتفاوت ايك انسان تقا |
| بیںم قبرهٔ بہثق (نیز دیکھئے بہثتی مقبرہ) | ایک بار میں نے اور سی نے ایک ہی پیالہ میں گائے گوشت کھایا تھا. |
| ایک زمین خریدی جس کانام مقبرہ بہتتی ہے360 | 349 |
| ا يك جگه د كھلانى گئى كەيەتىرى قبرى جگه ہوگى _ فرشتەز مىں ناپ ر ہا | مسیح کی دوسری اور تیسری مرتبه آمد کی خبر |
| ہیاں کا نام بہثتی مقبرہ ہے | کشفاً کھولا گیا کہ سے کی روح افتر اؤں سے پاک ہے170 |
| بہشتی مقبرہ کے باغ میں چا ندی کی بنی ہوئی قبریں دکھلائی جانا۔ 672 | مشرق |
| د يکھا كەمقىرە بېتتى مىں اورقىر كھدواتے ہيں617 | ایک بڑا بحرد خار کی طرح دریاد کھنا جومشرق سے مغرب کو بہدرہا |
| کشفی رنگ میں وہمقبرہ دکھا یا گیا جس کا نام خدانے بہثتی مقبرہ رکھا | 388 |
| 599 | خواب میں ملخ مشرق ہے مغرب کو جاتے دیکھنا653 |
| مقدمه | دیکھا کہ بشیراحمہ مشرق کی طرف اشارہ کر کر کے کہتا ہے کہ زلزلہا س |
| خواب میں دیکھنا کہ ایک مقدمہ ہے | طرف چلاگیا |
| دیکھا کہ میں نے اپنے مقدمہ میں دومعتبرآ دی حاکم کی طرف جھیجے | رؤیا میں دیکھا کہ سیدعبدالقادر جیلانی اورایک بزرگ نے مسجداقصلی |
| 423 | میں نماز پڑھی اور مشرق سے ایک ستارہ نکلا 16،15 پر |
| د کیمنا که ہندوتحصیلدار سے مقدمہ بدل گیا | مشک |
| مقدمه دیوار کے بارہ میں کشف | ایک رات کثرت درود کے نتیجہ میں فرشتوں کا حضور کے مکان میں |
| کمہ | آبزلال کی مشکیس لانا |
| اہل مکہ کوخدا کے گروہ میں داخل ہوتے دیکھنا | خواب میں مثلک سفیدرنگ میں پائی جھرنا |
| مگھ | مصافحہ |
| ایک بڑا سانپ د کیفنا جس کی گردن مگھ کی طرح ہے522 | خواب میں مولوی عبدالکریم صاحب سے مصافحہ کرنا |
| ملائک نی ز د کی <u>ص</u> یحنوان''فرشته | قاديان مين سيروالي كلي مين مهرنبي بخش صاحب كالمصافحه كرنا 353 |
| دیکھا کہ ملائک پنجاب میں سیاہ رنگ کے بودے لگارہے ہیں 262 | مصالح العرب مسير العرب |

| آبزلال کی مشکیس لانا | خواب میں اپنے والدصاحب کوملائکہ تے تمثل کی صورت میں دیکھنا |
|--|---|
| خواب میں اپنے تئیر کسی مکان میں دیکھنا | 354 |
| خواب میں امام علی شاہ کے مکان میں جانا | ىغ (ئەڑى د ل) |
| خواب میں دعا کی کہ جمارے مکان کے متصل چپوتر وایک لمبادالان | خواب میں ملخ مشرق سے مغرب کوجاتے دیکھنا653 |
| بن جائے | منصور |
| خواب میں دیکھنا کہ حضرت عیسیٰ ہمارے مکان میں موجود ہیں 119 | منصور (جس کا ذکرابودا ؤد کی حارث والی حدیث میں ہے) |
| خواب میں مجھ حسین بٹالوی کے مکان میں جماعت کے ساتھ نماز | وه منصور مجھے کشف کی حالت میں دکھایا گیا142 |
| يِرُّ صَا | منظوراحمه (پسرحضرت مفتی محمرصا دق صاحب) |
| دیکھا کہایک مکان ہاس پر چڑھنے کے لئے لوہے کا زیندلگاہے | خواب میں مفتی صاحب کے لڑ کے کی طرف چیل نجیٹی دیکھنا 687 |
| 483 | |
| دیکھا کہ ہمارے مکان میں بکراؤن کے کیا گیاہے | منظور تگه ،حضرت پیر حضورٌ کا میر څمداسحاق اور پیرمنظور څمدکومسجد کے کنو ئیں کی منڈ ریر پر |
| رؤيا ميں اپنے تئين ايک وسيع مڪان ميں ديڪھنا | بيشج د كينا |
| کشف میں ایک معمار کا مکان بنتے دیکھ کرکہنا''مبارک''445 | ۔ دیکھنا کہ منظور محمد کے ہاں لڑ کا پیدا ہوگا اور نام بشیر الدولہ بتایا جانا |
| كشفاً دكھلا يا گيا كها پنے مكان ميں چبوتر ہ كى جگها يك لمبادالان بن | 510 |
| عا <u>خ</u> | رؤیامیں دیکھا کہ میاں محمداسحاق اورصالحہ بی بی بنت منظور محمد کے |
| <i>₽</i> | نکاح کی تیاری ہور ہی ہے |
| حضورًا كومېر دى گئى جس ميں لکھا تھا''اليس الله بكانٍ عبده'' 582 | موقفه |
| مېرعلى، شخ رئيس هوشيار پور) | خواب میں چنے بھنے دیکھنااوران کےساتھ منقہ بھی ہے487 |
| د یکھنا کہ شخ مہر علی رئیس کے فرش کوآ گ لگی ہےاور حصزت اقد س | مو ت |
| نے بچمائی ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | دیکھا کہایک مربع شکل کا صندوق ہے جس میں دوخانے ہیں ایک |
| اہتلاء کے بارہ میں پیشگوئی | عانہ میں موت عورت کی شکل میں ہے |
| | دیکھا کہ دردناک موتوں سے عجیب ترشور قیامت بریاہے443 |
| رؤياميں ميران بخش حجام كاملنااورخوشی خوشی باتيں كرنا483،354، | موی |
| 575 | اس عاجز کوموی کی طرح ایک عالم کی خبر دی گئی92 |
| مينار | دیکھا کہ میں دریائے نیل پر کھڑا ہوں اور میرے ساتھ بہت سے بنی |
| مینار کی فتمیر کے بارہ میں اللہ کا ارشاد | اسرائيل مين |
| مینههه نیز دیکھئے زیرعنوان ہارش | مولابسمولابس |
| د کھنا کہ ہارش ہورہی ہےاورمینہہ برستا ہے | |
| | رؤيايل اپنياييل يك پيجا نود چھنا فرستے کہتے ہیں کہ مولا من492 |
| میں | ر دَيا مِيْن ابنيا يك بَيَّا كود مِكْمنا فرشة كَتِهَ مِين كهُ'مولا بُن' 492 مكان |
| میں میں اکیلا ہوں اور خدامیر ہے ساتھ ہے باز و پر ککھاد کھنا 138 میں تیرا بخت بیدار ہوں (ایک خوبصورت مرد کی شکل میں) 20 | • |

| 244 | میں نے خدا کی مرضی کے لئے اپنی مرضی چھوڑ دی حضرت امال جان |
|--|---|
| دیکھا کەمنظورمحد کے ہاں لڑ کا پید ہؤ ااور نام بشیرالدولہ بتایا جانا 510 | كاخواب ميں كہنا |
| ایک جگه دکھلانی گئی که به تیری قبر کی جگه ہوگی اس جگه کا نام بهثتی مقبرہ | |
| بتايا كيا | 4.4 |
| بتایا گیا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ك |
| میں روپیہ ڈالنااور پوچھنے پراپنا نام طیحی بتانا | |
| خواب میں فرشتهٔ کا اپنانا م حفیظ نیانا | نا درشاه |
| رؤیا میں حضور هیالیہ کا آپ سے قطبی نام کی کتاب طلب فرمانا2 | ''آ ە نادرىثاە كہال گيا'' كھامۇ ادكھايا جانا |
| خواب میں شیرعلی نا می فرشتہ کا حضرت اقدس کی آئکھیں نکال | نارتول |
| كرصاف كرنا | ایک کتاب دیکھی جس کیاول سطر میں بہشت کا ذکر ہے پھر نارنول کا |
| ديکھا کەمردەزندە ہوکر بیٹھا ہےنام پوچھنے پراپنانام نظام الدین بتانا | الله عاب و من ما يورن رين ، حدور رب ورورون و کر ہوايک شهر ہے) |
| 393 | |
| | ناصرشاہ، حضرت سید ان کے متعلق دعا کرنے آپ کواطلاع ملنا کہان کی تبدیلی ملتوی کی |
| 571 | ان کے ان واقع کرتے ہے واقعال ملک کدان کا جدی محول کا ان کا معرف کا ان کا ان کا معرف کا کا ان کا معرف کا کا کا گلگل |
| د يکھا كەكوئى ادنى الارض آيت پرېاتھ ركھ كركہتا ہيكه پية اديان كا | |
| نام ہے۔ | ناصرنواب دېلوي، حضرت مير |
| ئان | خواب دیکھا گویا میرناصرنواب صاحب دیوار ہنارہے ہیں348 |
| د وفرشتوں کاشیریں روٹیاں پیش کرنا | خواب میں دیکھنا کہآ پایک درخت لائے ہیں جو پھل دارہے |
| خواب میںایک فرشتہ کا کہا کہ پیر نان) تیرے لئے اور تیرے | 515 |
| ساتھ کے درویثوں کیلئے ہے | ناک |
| نا تک، باوا | خواب میں حضور کاایک بلی کی ناک کا ٹنا |
| • رؤياميں آپ کااينے آپ کومسلمان ظاہر کرنا | تواب یل صورہ ایک بی کا ت کا تا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ |
| آپ کودود فعه حضور نے کشفی حالت میں دیکھا | ناكى |
| پ مکاشفات میں باواصاحب سے ملاقات | دیکھا کہزارروں کا سوٹاہا تھ میں ہےاوراس میں پوشیدہ طور پر ۔ |
| نبات کی ولی نبات کی ولی | بندوق کی نال ہے |
| : عساق میں حضرت اقدی کا حضرت مولوی نورالدین صاحب کودودھ | خواب میں ایک کمبی نالی کا د کھایا جانا جس پر ہزاروں بھیڑیں ذئ |
| روپین (ت با اور آپ کااس میں نبات کی ڈلی ہلاتے جانا 652 | ہونے کے لئے کیٹی ہوئی ہیں |
| ئىغ نىغ | לי |
| • | خواب میں ایک فرشتہ جس کا نام شیرعلی معلوم ہوتا ہے24 |
| رؤيا مين نبض پر ہاتھ رکھنا | كشف ميں حضور کا دعا كرا نااور فرشتوں کا آمين کہنا۔ جن ميں ايك |
| ي . | فرشته کانام خیراتی تفا |
| ایک نبی سے ملاقات ہونا جواز راہ ہمدر دی کہتا ہے کہاس قدر د ماغی | خواب میں صاحبزاد ہ مرزامبارک احمد کا نام دولت احمہ بتلایا گیا |

| رؤیامیں آپ کے لئے عیسیٰ کا مسئلہ طل ہوجانا336،335 | محنت کیوں کرتے ہو 136 |
|--|--|
| کشف میں دیکھا کہ کوئی عورت آئی اوراس نے کہا کہ آپ کو پچھ | كشوف ميں گزشته انبياء سے ملاقات |
| ہوگیا ہے۔ | نی بخش م ہر(بٹالہ) |
| ہوگیا ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | قادیان میں سیروالی گلی میں مہر نبی بخش کا مصافحہ کرنا |
| نظام الدين | نجفعلى |
| دیکھا کہمردہ زندہ ہوکر بیٹھا ہے پوچھنے پراپنانام نظام الدین بتانا | كشفاً بتايا كيا كه نجف على مخالفت كري كالسلمانية الماء |
| 393 | نخود(چنا) |
| ویکھا کہ مرز انظام الدین کے پاس مرز اسلطان احمد کھڑاہے اور سرتا | خواب میں نخو د (چنے) کی دال دیکھنا611 |
| پاساہ لباس ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | خواب میں بھنے چنے دیکھنا |
| نقاره نقاره | نذر |
| عالم کشف میں چندورق ہاتھ میں دئے گئے جن پر ککھاتھا'' فتح کا | میری بیوی نے ایک روپیہ مجھے دیا کہ بیروپیہ تمہارے لئے نذرہے |
| نقاره بخ." | 370 |
| نقره | نذ برحسین د بلوی مولوی |
| خواب میں آپ کے ہاتھ میں ایک درم نقرہ دیا جانا جس پر''ہاں میں | ان کی موت کی خبرآنے پر''مات ضآل هآئما''زبان پرجاری |
| خوش ہو گیا'' کھا تھا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ۶وڼا |
| کائ | ان کے متعلق انکشاف ان کی گستاخی کااثر دوسروں کے لئے بطور |
| رؤیاد یکھا کہ میاں محمداسحاق اورصالحہ بی بی بنت منظور محمد کے نکاح | نثان ہوجائیگا |
| کی تیاری ہورہی ہے | ننخ |
| نماز | ترياق الهي كانسخه اوراس كي تا ثيربتائي جانا660 |
| خواب میں گھوڑے پرنماز پڑھنا | ز دجام عشق كانسخه االهاماً بتلايا جانا |
| خواب میں مجمد حسین بٹالوی کے مکان میں جماعت کے ساتھونماز | نفرت جہال بیگم جرم حضرت مسیح موعودعلیه السلام 🛚 163 |
| پر هنا | آپ کا حضرت اقدی سے کہنا کہ میں نے خدا کے لئے اپنی مرضی |
| دیکھا کہ بٹالہ کو جاتا ہوں اورنماز کا وقت تنگ ہےاس واسطے ایک ' | چپورژ دی |
| چھوٹی سی متجد میں گیا | آپ کی معیت میں مبجد موعود کی طرف جانا ۔مبجد میں ایک عورت |
| رؤیامیں دیکھا کہ سیدعبدالقا در جیلانی اورایک بزرگ نے مسجداقصیٰ | بھگوے کپڑے پہنے بیٹھی دیکھنا |
| میں نماز پڑھی اور مشرق سے ایک ستارہ نکلا 16،15 | آپ کے ہاتھ میں جوتی دیکھنا |
| نمک | آ پ کود دائيون بھراصندوق د کھايا جانا |
| دیکھا کہ میرے تخت پوٹن کے جاروں طرف | خواب میں آپ کا حضرت اقد س کویہ کہنا کدا گرمیں مرجاؤں تو |
| نمک چنامؤاہے ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | آپ مجھے پئے ہاتھ سیغسل دینا |
| نوراجد، حافظ | د یکھا کہآ پقر آن شریف آ گےر کھے پڑھ رہی ہیں جباولئک |
| آپ کے بارہ میں کشف | پڑھاتو |

| | نورالدين بھيروي،حضرت مولا ناحاجی الحرمين ڪيم |
|--|--|
| , | آ پ کود یکھا کہ جہری طور پرالفارق و ماادراک ماالفارق پڑھ رہے |
| | ين |
| وارنث | آپ کے گھوڑے سے گرنے کے بارہ میں کشف 671 |
| د یکھاایک سیا ہی وارنٹ لے کرآیا ہے | حضرت اقدس کو بچھ گولیاں مانا جن میں ہے کچھ حضرت مولوی |
| والده محمود(حضرت امال جان) ديڪئے نصرت جہال بيگم | صاحب کواور کچھ حضرت نواب عنایت علی خان صاحب کودینا . 655 |
| ورق | د یکھا که تخت پر بیٹھا ہوں اور ساتھ مولوی صاحب بھی بیٹھے ہیں |
| ایک سفیدورق پرلفظ''ا قبال'' لکھاد کھنا | 675 |
| رؤيا ميں ايک حنائی رنگ کا لکھا ہؤ ادوور قد گریڑنا | دیکھا کہ حضرت مولوی صاحبؓ نے حضور کی خدمت میں ایک کاغذ |
| عالم کشف میں چندورق ہاتھ میں دئے گئے جن پر لکھاتھا'' فتح کا | بھیجاہےجس کے حاشیہ پر لکھاہے'' دشمن نہایت اضطراب ہیں ہے'' |
| نقاره بخ | د کھنا کہآ پ کی گود میں ایک بچھیل رہاہے |
| ۔ کچھورق دکھائے گئے جن پر بیٹوں کے بارہ میں کچھکھاہؤ اتھا 366 | كشف مين تفسير سينى كے صفحات پريكھاد كچينافسىرە نور المدين |
| کشفی طور پر چندورق دکھائے جانا جن پر I am by Isa ککھا تھا | بالمعارف الغريبة |
| 51 | کشف میں حضرت اقد میں کا آپ کورودھ کے دوگلاس پلانا652 م |
| وفات نیز د یکھئے موت | نورالحق |
| خواب دیکھا کہ مبارک احمد میراچوتھالڑ کافوت ہوگیا ہے339 | رسالہ نورالحق کے بارہ میں خواب کہ دشمن اس کی نظیر بنانے سے |
| دیکھاایک عورت قریباتیں سال عمر کی فوت ہو گئی ہے484 | قاصرر ہے گا |
| وكوربية ملكه | نٹی زمین نیا آسان ۔ |
| رۇ يامىن ملكەوڭۇ رىيەقىصرە ہندكود كھنا | ئىشقى رنگ مىن نئى زمىن نيا آسان بىدا كرنا |
| ولى | نهج المصلي |
| خواب میں ایک شخص کا کہنا کہتم ولی ہو | دیکھا کہایک کتاب ہے گویامیری ہی ہے جس کا کانام نیج المصلی |
| وه بادشاه آيا | 571 |
| شریف احمد کوخواب میں دیکھا کہاس نے بگڑی باندھی ہوئی | نهر |
| ہے۔ایک آ دمی نے کہاوہ بادشاہ آیا | دیکھا کہ ہمارے باغ کے قریب نہررواں ہے |
| ويب،رسل | نيزه |
| رسل ویب کودیکھنا کہ وہ ہند میں آیا ہے ڈھول بجارہا ہے 174 | نيل |
| | نیل(دریا) دیکھا کہ میں دریائے نیل پر کھڑا ہوں اور میرے ساتھ |
| | بہت سے بنی اسرائیل ہیں |
| D | ن و ض |
| | خواب میں ن و ض ککھاد کھنا |
| هذا رجل يحب رسول الله | |

| 241 | کشف میں حضور کے بارہ میں فرشتہ کا کہنا |
|--|---|
| عطر کی شیشی ہاتھ میں دیکھنا اورعطر ہاتھوں اور پگڑی پرملنا 433 | هذا شاهد نزاع |
| قبر کی ما نندا یک گڑھے میں مبارک احمد کا ہاتھ ڈالنا | حاجی حافظ نوراحمہ کے بارہ میں کشف |
| کھال اتری بکری کی دورا نیں حامظی کے ہاتھود کھنا222 | هذا لي و هذا لاصحابي |
| گھوڑے کا سوار ملاجس نے میرے ہاتھ پر پیسے رکھے364 | خواب میں حضورة الله کاارشا دفر ما نا |
| نبض پر ہاتھ رکھنا | هذا کتاب مبارک |
| والدہ محمود کے ہاتھ میں ایک جوتی ہے اور مجھ سے کہتی ہے ہیآ پ | آئينه كمالات اسلام كي نسبت فرشة كاريارنا |
| آليے <u>ج</u> کيلے <u>ج</u> | بر الم |
| ہاتھ میں کسی مخالف کی کتاب دیکھنااورا سے پائی سے دھونا 404 | ہے۔ ایک شخص کے ہاتھ بڑا چوڑا چھراد یکھنا |
| خواب میں آپ کے ہاتھ ایک درم نقرہ دیا جانا جس پر'' ہاں میں | ایک خربوزه کی شکل کا کھل حضورًا کااینے ہاتھ پررکھادیکھنا517 |
| خوش ہو گیا'' کھا تھا | خواب میں اپنے ہاتھ میں آم دیکھنااور چوسنا396 |
| بائتقی | خواب میںا پیشخص کا دونوں ہاتھوں سے بھر کرمیری جھولی میں |
| ایک جانورد یکھاجس کاقد ہاتھی کے برابرتھاجو بن میں جا کر | روپييڙانان445 |
| جانوروں کو کھا تاہے | روپیدڈ الناخواب میں دیکھا کہ ایک شخص نے میری ٹوپی پر ہاتھ ماراہے 22 |
| ایک ہاتھی دیکھنا جس سےلوگ بھا گے جارہے ہیں421 | ديكھا كە آپ كېهاتھ ميں چابياں ہيں -ايك صندوق كھولنے كاارادہ |
| طاعون کے کیڑے کو ہاتھی کی شکل میں دیکھنا353،352 | 473 |
| ہندے | ديكھا كەانڈامىرے ہاتھ سے ٿوٹ گيا |
| كشف ميں ہندہ دکھائے جانا | ديکھا كەدوپياز ہاتھ ميں ہيں۔ پھرايك كوٹھا پيازوں كا دکھايا گيا |
| مندو | 422 |
| حام ^و علی کا کہنا کہ ہاہرا یک ہندودعا کی درخواست کرنے کے لئے کھڑا | دیکھا کہزارروں کا سوٹاہاتھ میں ہےاوراس میں پوشیدہ طور پر |
| 661 | بندوق کی نالی ہے |
| ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ديكھا كەكونى ادنى الارض آيت پرېاتھ ركھ كركہتا ہيكه بيقاديان كا |
| 311 | نام - ب |
| د کینا که ہندوتحصیلدارہے مقدمہ بدل گیا | د کھنا کہا کی غیبی ہاتھ آپ کو مدود یا جا تا ہے |
| رؤیاد یکھا کہ بہت سے ہندو ہمارےآ گے بجدہ کرنے کی طرح جھکتے | رؤیامیں دیکھاایک کاغذمیرے ہاتھ میں ہےجس پراوا ہن کھاہے |
| ين | 335 |
| رؤیاد یکھا کہ بہت سے ہندو ہیںاورا یک کا غذیبیش کیا کہاس پروشخط بر | رؤیامیں کی شخص نے ہمارے ہاتھ پر سونف رکھدی 483 |
| 502 | سعیدہ امتدالحمید بیگم کے ہاتھ میں دس روپے دیکھنا |
| رؤيا ميں ايك ہندوكا پوچھنا كرثن جى كہاں ہيں312 | عالم کشف میں چندورق ہاتھ میں دئے گئے جن پر ککھا تھا" فتح کا |
| بوشيار <i>پور</i> " | نقاره بح " |
| ہوشیار پور میں آپ کا ایک بزرگ کی قبر پردعا کرنااورصاحب قبر | عالم کشف میں دیکھنامیر مے کل پرکسی نے غیب سے ہاتھ ماراہے |

| لیں آئی ایم بیپی (Yes I am happy) خواب میں آپ کے ہاتھ ایک درم نظرہ دیا جانا جس کی پہلی سطریز' لیں آئی ایم بیپی'' اور دوسری پر'' ہاں میں خوش ہوگیا'' ککھا تھا ۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | رگ کا قبر نے نگل کر دوزا نو ہوکر آپ کے سامنے بیٹھنا 648 یلی (ہندؤوں کا تہوار) یکھا گویا ہولیوں کے دن ہیں اور ہندوسیاہ کپڑے پہنے ہولی میں میروف ہیں |
|---|---|
| حول ہولیا" للھاتھا۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | ی |
| یه بی یرسی اروپیرسی می طرورد دو تا یا بید از ایک فرشته کا کشف میں کہنا) | عبد الله انبی معک شفاً کیک کافذ پر لکھاد کھناعلی دَعُهُمُ و انصار ہم علی دَعُهُمُ و انصار ہم شف میں حضور علیہ کامنے موعود کے لئے فرمانا |

تعبيرالرؤيا

| كے مسلمان ہيں | تعبيرا كرؤيا |
|--|--|
| چنے: کی تعبیر | ٠404 <i>٠</i> 384 <i>٠</i> 324 <i>٠</i> 323 <i>٠</i> 280 <i>٠</i> 228 <i>٠</i> 188 <i>٠</i> 182 <i>٠</i> 181 |
| حجراسود: کا تعبیر | 691،533،512،510،480،474،420 |
| خلیفہ :ایباشخص مرادہے جوارشاداور ہدایت کا کام کرے 54 | آسان |
| داڑھ: كاايك حصه بوسيده ديكھنا | نئ زمین نیا آسان پیدا کرنے کی تعبیر 155،154 |
| دانت : دانت گرنا | آ سانی با دشاهت |
| ورخت | آ سانی بادشاہت سے مراد ہمارے سلسلہ کے برگزیدہ لوگ |
| وشمن | ئيل |
| رشمن گھر میں د کیھنے سے مرا د کوئی مصیبت ہوتی ہے 567 | افواج : لفظ کی تعبیر |
| ومثق : ك لفظ كي تعبير | انڈا: ٹوٹنے سے مرادموت ہوتی ہے 567 |
| دودھ: کی تعبیر | بادل : کی تعبیر |
| روح : کی تعبیر | بارش : برنے کی تعبیر |
| زمین : نئ زمین نیا آسان پیدا کرنے کی تعبیر 155،154 | باغ : كسى كوباغ مين ديكهنا |
| زنبور (جرم الم الم الم الم الم الم الم الم الم ال | بجلى : حبيكنه كي تعبير |
| سانپ | نی اسرائیل: کی تعبیر |
| / | بہار: آنے کی تعبیر |
| مر سر کیلنے کی تدبیر | جمي نس : پيتراور بھينس کي تعبير |
| سرڭ كى كىغىير | بينگن |
| سرمنڈے کی تعبیر | چنےمولی بینگن اور پیاز کی تعبیر |
| سرمددانی | پرندہ : سفیدرنگ کے پرندے بکڑنے کی تعبیر 147 |
| سرمددانی مانگنے کی تعبیر نور مدایت کا طلبگار ہونا ہے 668 | پیاز : کی تعبیرغم ہوتی ہے |
| سفیرنگ : کے پرندے پکڑنے کی تعبیر | پیسے : خواب میں پیسے کسی جھگڑے پر دلالت کرتے ہیں |
| سلطان : کی تعبیر | 471 |
| سورج : مغرب سے طلوع شمس کی تعبیر | جييز (روني كالكرا) |
| شربت : سےمراد کامیا بی ہوتی ہے | جذع (درخت کا تنا) |
| صادق : كَاتْعِير | جذع النخلة اس سےمرادوہ مسلمان لوگ ہیں جوصرف نام |
| | |

| محمود | صاعقه |
|--|--|
| محمود کالفظ خاتمهٔ محمود کی طرف اشارہ ہے | طاعون : کی تعبیر |
| محمود کالفظ غاتمه محمود کی طرف اشارہ ہے | طاعون رنج اور بلاء پر دلالت کرتا ہے 262 |
| وہ امور جن سے خوفناک نتائج پیدا ہوتے ہیں 57 | عبادتگاه |
| م ده | عبادتگاہ سےمرادز مانہ حال کےاکثر مولویوں کے دل ہیں |
| مرده زنده بونے کی تعبیر | جود نیاہے جرے ہیں |
| 438 | عرث <i>عرث</i> |
| عجه | عزيز:اورسلطان كي تعبير |
| مسجد سے مراد جماعت ہوتی ہے | عورت |
| | رؤیامیں عورت کی تعبیرا قبال اور تحمندی ہوتی ہے535،20 |
| مقام ابراتیم سے اطلاق مرضیہ ومعاملہ باللّٰدم اد ہے 68 | عورتوں سے مراد کمز ورلوگ ہو سکتے ہیں |
| مقام لدن کی تعبیر | قائمُ على |
| • | قائم علی خدا کا نام ہےاوراس سے مرادعلومر تبہہے 462 |
| چنے مولی بینگن اور پیازی تعبیر | گلا : كائنے كى تعبير |
| ميرناصر | گھوڑا |
| میر ناصر سے مراد خدائے ناصر ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | گھوڑے پر سواری کی تعبیر |
| نان | گمری |
| نان کی تعبیر که خداهماری جماعت کا آپ متکفل ہوگا 14 | گوشت : غم پردلالت کرتاہے 567 |
| شک | 48 |
| مندو | لال كپڑا: قبر پرلال كپڑا پڑاد كھنا |
| ہندو سے مراداییا شخص ہوتا ہے جود نیا کے غم وہم میں مبتلا ہو | محل |
| میں مبتلا ہو | محل سے مراد دل ہے جو جائے نزول وحلول انوار ہے 241 |
| | |
| | |

اسماء

| احمد جان لدبیا نوی، حضرت منشی | ~ |
|--|--|
| احمالي،سيد | , |
| احمدغزنوی | آ تمارام |
| ارباب محمد لشكرخان | دیکھا کہ آتمارام کے دونوں لڑکوں کوشیراٹھا کرلے گیاہے |
| اسحاق عليه السلام، حضرت | 694 |
| اساعيل عليه السلام، حضرت | آتهم ويکھئےعبداللہ آتھم |
| اصغری بیگم | آ دم عليه السلام 231،144،63،56،56 |
| اظهراحمه،صاحبزاده مرزا | آرڈریمنٹ، جے |
| اعظم بیگ،مرزا(سابق اکسٹراکمشنر) | آرية ماج |
| ا قبال الدوليه نواب | آرىيذب |
| خواب میں دیکھنا کہان کی طرف سے روپیہ آتا ہے 49 | |
| اللَّذِركَها، ملك | (|
| الله بخش تو نسوى | 1 |
| اللَّدونة مها جرقاديان، ماسٹر | |
| اللَّه يارْضِيكيدار،حضرت ميال 670 | ابراہیم علیہالسلام، حضرت 64،65،85،85،85،530،530،530 |
| الدداد، چوېدري | ابرا ہیم سیالکوٹی ، بابو |
| اله دين، مرزا | ابراہیم بیگ،مرزا |
| الهی بخش مالیر کوٹلوی، حضرت 501 | ابوبكرصديق رضى اللهءغنه، حضرت 210،209 |
| البي بخش، بإبو | ابوالفضل272 |
| البي بخش منشى ا كا وَمُنْتِ 325،108،98،87،44 | ابوسعيد عرب 13 |
| امام الدين | ابوطالب |
| امام الدين سيكھوانی، حضرت | الوالحن تبتى |
| امام بی بی (حضور کے جدی شرکاء کی ایک خاتون) 118 | ابولهب |
| امام دین، مرزا 103، 108، 288، 286، 286، 288، 288 | احسن بیگ،مرزا |
| ا مام على شاه | احمدالله نا گپوری، حضرت |
| امتهالحفيظ، حضرت صاحبزادی (دختر حضرت اقدی ً) 416 | احمد بيك، مرزا 396،124،117،108،106 |

| خواب میں ان کے عزیز راجہ تیجا سنگھ کی موت کی اطلاع 5 | امرسنگھ، راجبہ |
|--|--|
| مختاری کےامتحان میں کا میانی کی پیشگی اطلاع 6 | اميرخان |
| بوعلی سینا | اميرعلى شاه،حضرت سيد |
| بوڑے خال، حضرت ڈا کٹر محمہ | ايوب بيگ،حفزت مرزا |
| بهاءالدين | |
| تَحَ مَا تَصْرِبَهُمْنِ | · |
| | |
| پ۔ت۔ث | بافنده، حاجی |
| | بافنده ، حاجی |
| پرتاب شنگهه مهاراحبه شمیر | آپ کودود فعه کشفی حالت میں دیکھنا |
| پرنب،مىٹر(كىشنرامرتىر) | خواب میں انہوں نے اپنے تنین مسلمان ظاہر کیا |
| پگٹ (لندن کاایک پادری) | مكاشفات مين باواصاحب سے ملاقات |
| پيراحضرت اقد س کاملازم | برکت علی |
| پيلاطوس255 | بر ہان الدین بھمی ،حضرت مولانا |
| پینل، ڈاکٹر668 | بریخت،وائٹ(ایک پادری) |
| تا بي (ايك خادمه) | بشم رواس، لاله 11،10،9 |
| تاج الدين،ميان تحصيلدار بٹاله 265 | بشن داس برجمن |
| | بشيراحمدا يم اب، حضرت صاحبز اده مرز 1721 ، 428 ، 428 ، |
| 7. 7. | 664،604،460 |
| <u> </u> | بشيراحمداول |
| | بشيرالدين محمود (نيز ديکھئے محموداحمہ) |
| جعفر بیگ ،مرزا | بشيرثاني |
| جلال الدين بلانوى، حضرت منثى 424، 201 | بقاپوری، حضرت مولوی څمدابرا ہیم |
| جلال الدين منتمس، حضرت مولانا | نی اسرائیلنی اسرائیل |
| جمال الدين،خواجه(انسپکرمدارس جموں وکشمير) 272،265 | بھا گ بھری |
| جمال الدين سيكھواني، حضرت 106 | بھانو (بسراواں متصل قادیان کی ایک مخلص احمدی خاتون) |
| جہاں داد،خواجہ(چیف آف گکھڑ (ضلع راولپنڈی) 253 | 274 |
| چراغ دین (حضرت اقدس کے ایک خادم) 397،356 | بھگت رام |
| چراغ الدين،ميال | مجيم سين، لاله |

| خيراتی (ایک فرشته کانام) | چراغ دین جمونی |
|--|--|
| ジーノー ヴーク | 1 -2 |
| داؤدعليهالسلام،حضرت | h / |
| دلاوربیگ،مرزا | حامد شاه سيالكو ٹي ،حضرت مير |
| دلىپىنگە | عام ^ع لى،حضرت يَشْخ 118،202،166،202،2169، |
| كشفأ بتايا گيا كه پنجاب مين آنااس كامقد زنبين 105 | 692،686،661،650،646،365،277،222 |
| دیانند، پنڈت (ستیارتھ پرکاش کامصنف) | حبيب الله لا مورى ،حضرت قاضى |
| لاله شرمیت کواس کی موت کی اطلاع کرنا | حزقیاه |
| دین محمد ننگروال، حضرت مرزا | حرمت بي بي المعروف تائي صاحبه 665،414 |
| ڈگٹس کیپٹین ایم ویلیم | حسن رضى الله عنه، حضرت |
| ۋوڭى (ۋېچى كېمشىز) | كشف مين حضور عليه ،حضرت على وحسنين ،اور حضرت فاطمة |
| ۋوكى، جان الىگزىندر 595،589،586،402 | الزہراء سے ملاقات کرنا |
| ڈ کسن (ڈپٹی کمشنر ضلع گور داسپور) 265 | حسن نظامی،خواجه |
| ر جب دین،خلیفه | حسين رضى الله عنه، حضرت |
| ر جبعلی، پا دری ما لک مطبع سفیر ہندا مرتسر 44 | كشف ميں حضور خلافية ،حضرت على وحسنين ،اور حضرت فاطمة |
| رحمت الله، ثين في الله عنه في الله عنه الله الله الله الله الله الله الله ال | الزہراء سے ملاقات کرنا |
| رحمت الله،مرزا (حضور کے والدصاحب کے خادم) 480 | حسین کا می سفیر (ترکی) |
| رحیم بخش تلونڈی جھنگلاں،حضرت مولوی | حشمت الله، حضرت ڈاکٹر |
| 688،678،645،640 | حیات خان، سردار (جج) |
| رستم علی خال کوٹ انسپکٹر ،حضرت چو مدری | خدا بخش مرزا 663،480،379،118 |
| ۶693،121،106 | خدا بخش منثقی |
| رسل بابا(امرتسری) | خدیجه(حضرت ام المومنین کاالهامی نام) |
| رشيدالدين،حضرت ڈاکٹرخلیفه | خطرعليه اسلام |
| رضيه بيكم بنت خليفه رشيدالدين | خوشحال چند |
| رليارام عيسائل | خيرالدين سيھواني، حضرت ميال |
| روژن بی بی | خيرالدين لدبيانوي، ثيخ |

| شادی خال، <i>حفر</i> ت منثقی | زارروس 454،377 |
|---|---|
| شاستری | زين العابدين، شيخ |
| شرمپت رائے، لالہ | زينب(ايك خادمه) |
| 288،90،86،33،30،29،11،10،6 | زينب (بنت حضرت مدوخان) |
| ان کے عزیز لا لہ شمبر داس کے نا گہانی قید میں پڑنے کے | زينب بي بي (امليه مولوي عبدالكريم صاحب سيالكوڻي) 501 |
| باره میں اطلاع | |
| پنڈت دیانند کی موت کی اطلاع کرنا | <i>س</i> _ش |
| شريف احمد، حضرت صاحبز اده مرز ا460،405،227،460، | |
| 609.584.465 | ساجده (دختر حضرت پیرسراج الحق نعمانی) 658 |
| خواب میں دیکھا کہ انہوں نے پگڑی باندھی ہوئی ہے584 | سراخ الحق سراخ الحق نعمانی سرساوی، حضرت پیر |
| سثمس الدين | سراج الحق نعمانی سرساوی،حضرت پیر |
| شکرداس، ڈپٹی | |
| شکرالهی موضع نبی پور | 684-681680679674665661656396337670 |
| شهر بانو(سادات کی دادی کی نام) | سرورخان |
| شيث عليه السلام | سرورشاه، حضرت سيدمجر |
| شیرعلی (ایک فرشته) | سعدالله لدهيانوي. 582،580،534،526،،214،213 |
| شيرعلى، حضرت مولا نا | سعدی شیرازی (کشف میں آپ سے ملاقات) 645 |
| شيرځمه د کاندار | سعيدهامتهالمميد بيكم،ا مليه حضرت نواب محملي خان 511،384 |
| شيونارائن، پنڈت (برہموساج لاہور کاایک منتخب معلم) 47 | سلطان احمد، مرز ا 448،423،،4،284،95 |
| | سلطان بیگ |
| ص بض | سلطان محمد |
| 0-0 | سليم پاشا |
| | سلىمان پٹيالوي، قاضى |
| صاحب جان | سندرداس (ان کی وفات کے بارہ میں خواب) 121 |
| صاحب نور کا بلیصاحب نور کا بلی | سنسار چند(ڈیٹی جہلم (|
| صالح آ فندی | سومراج (ایڈیٹرشیر چینک) |
| صالحه بی بی (اہلیہ حضرت قاضی عبدالرحیم) 694 | سهج رام (سررشته دار کمشنرامرتسر) |
| صالحه بی بی (بنت حضرت پیر منظور محمه) | سيداحمة فان كي الين آئى، سر 10، 105، 659، |
| رؤیا میں دیکھا کہ آپ کا نکاح حضرت میر محمد اسحاق سے ہونے کی | ان کی موت کے بارہ میں کشف |

| عبدالحكيم خان ، ڈا كٹر | تياري ہور بی ہے |
|--|--|
| 624،624،571،567،536،531،519 | صدرالدین،مولوی |
| عبدالحکیم کلانوری | صدرالدين،ميال |
| عبدالحكيم كلانورى | صديق حسن خان، نواب بھو پال |
| عبدالرحمٰن | صلاح الدين ايم ايم، ملك 651،533،531،211 |
| عبدالرحمٰن شاكر | ضياءالدين قاضى كوئى، حضرت قاضى 669،421 |
| عبدالرحمٰن مهنة قادياني، حضرت بھائي 677،639 | ابتلاء کے بارہ میں پیشگوئی |
| عبدالرحمٰن حيررآ بادي | |
| عبدالرحمٰن خان مالير كوثلوي | ط-ظ |
| عبدالرحم ^ل ن مدراسی ،حضرت سیشهه | |
| 528،،267،226،225،104 | ٠. ا |
| انہیں خواب میں دیکھنا | طاہراحمد،مرزا۔حضرت خلیفة استارابع 610،609 |
| ان کے بارہ میں آ ثارزندگی کا انہام | ظفراحمد |
| کشف میں انہیں فرشتہ کے مثل میں دیکھنا | ظفرالدين، قاضي |
| عبدالرحمٰن مهر سنگیره ،حضرت ماسٹر 690 ،668 ،658 | ظفراحمه کپورتھلوی،حضرت منتشی 693،688،685،601 |
| عبدالرحلن ہندی۔امرتسری | |
| عبدالرحیم د ہلوی،ڈاکٹر677 | 4 |
| عبدالرحيم ماليركونلوي | |
| عبدالرحيم،حضرت قاضي | |
| عبدالرحيم نير،مولا نا | عائشه بي بي (بنت حضرت مدوخان) 633 |
| عبدالسّارشاه،حضرت ڈاکٹرسید | عباس على لد بهيانوى، مير . 678،66،98،96،94،46،45 |
| عبدالعزيز گليانه،مرزا | ان کود کھنا کہ سیاہ کیڑے پہنے ہیں |
| عبدالعزيز مغل،حضرت ميال 669،660 | عبدالباقى،مرزا |
| عبدالعلى،حضرت حافظ | عبدالحق غزنوىثم امرتسرى،ميال244،243،214 |
| عبدالقادر | عبدالحليم شهيد، مولوي |
| عبدالقادر جيلاني،حضرت سيد599،342،72،16،15 | عبدالحميد |
| میری روح اور سیدعبدالقادر کی روح کوخمیر فطرت سے باہم ایک | عبدالحميد آ ڈیٹر، شخ |
| مناسبت ہے۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔۔ | عبدالحميد (موروپسندھ) |
| کشف میں آپ سے ملاقات | عبداککیم |

| عطامحر،م زا | عبدالكريم حيدرآ بادى، حضرت 579،578 |
|---|--|
| على محمد، ملان ساكن قاديان | عبدالكريم سيالكوڻي،حضرت مولا نا193،277،280، |
| على محمد خان آ في جهجر، حضرت نواب 97،96،95،46 | 472447141541343944367432342894281 |
| آپ کی حالت غم کے بارہ میں خواب | ¢523¢520¢490¢484¢481¢480¢478¢475¢473 |
| على كرم الله وجهه، حضرت | 663،652،576 |
| رؤیامیں اپنے تنیُن دیکھنا کہ علی کرم اللہ وجہ بن گئے ہیں169 | عبداللطيف بېاولپورى،مولوي |
| کشف میں حضور کو تفسیر دیا جانا جسے حضرت علی نے تالیف کیا ہے 16 پیر | عبداللطيف شهيد، حضرت صاحبزاده 568،411،403 |
| عليا بيگم | عبداللطيف تجراتي جكيم |
| عما دالدین، پا دری | عبداللَّدٱ تَقْم |
| عمر فاروق رضى الله عنه، حضرت | 672-222-221-220-211-193-192-191 |
| عنايت على خان،نواب | حق کی طرف رجوع |
| عنايت على شاه لدبيانوى ،حضرت مير 678،646 | عبدالله بوتالوي،حضرت مولوي |
| عيدا صاحب گمهار (موضع كندُ يلا) 663 | عبدالله چکڑالوی،مولوی |
| عيسیٰ | عبدالله خان دُيره اساعيل خال |
| عيسى عليهالسلام، حضرت | عبدالله سنوري، حضرت مولوي 643،106،643، |
| ،137،119،104،99،81،80،66،61،56،33،23،2 | 693،651،648،646،644 |
| 236،207،206،191،170،149،149،148،141 | آپ کے بارہ میں الہام |
| ¢517¢410¢365¢351¢349¢339¢336¢264¢244¢ | سرخی کے چینٹوں کے نشان کے گواہ102 ، 102 |
| اس عاجز پرظاہر کیا گیا کہ بیخا کسارسے کی پہلی زندگی کانمونہ ہے | عبدالله غزنوي،مولوي |
| 61 | خواب میں حضرت اقدس کے دعوی کی تصدیق کی24 |
| ان کو کہد دے کہ میں عیسیٰ کے قدم پر آیا ہوں | عبدالمجيدخان ڪپور تصلوي، حضرت |
| خواب میں حضور کا مسی ناصری کے ساتھ ایک ہی برتن میں کھانا 12 | 672،671، |
| میری ذریت سے ایک شخص ہیدا ہوگا جس کی سیح سے مشابہت ہوگی | عبدالواحدخان ميرهمي |
| 144 | عثمان غنى رضى الله عنه، حضرت |
| كشف مين آپ سے ملاقات | عزيزاحد،مرزاحفرت صاحبزاده |
| | عزيزدين |
| • | عصمت کی بی، حضرت صاحبزادی (دختر حضرت اقدس) |
| ا ع | 648،139،114 |
| - | عطاءالله كيبين |

| مقدمه میں ایک انگریز کوچھوٹے بچے کی شکل میں دیکھنا14 | غفارا کشمیری |
|--|---|
| غلام نبی مصری مولوی | غلام احمدقادیانی،مرزامسیح موعود ومهدی معبودعلیهالسلام |
| غوث محمد | 89.88.85.80.77.64.61.55.40.35 |
| | ،412،288،266،201،99، |
| | بیاریاں دورکرنے کیلئے دعا کرنا |
| ف ف | بباری میں اللہ تعالیٰ نے سجان اللہ و بجمرہ کی دعا ئیں الہاماً |
| | سکھلائیں |
| فاطمة الزهراءرضي الله عنها،حضرت 30،18،16 | الله تعالى كے انعامات پر كتاب لكھنے كی خواہش 677 |
| کشف میں آپ سے ملاقات کرنا | خداتعالی نے الہامات میں میرانام بیت اللّٰدر کھا |
| قة على | خواب میں ایک شخص کا پوچھنا کہ مرزاغلام احمد کہاں ہے1 |
| نْ خُرِي تُنْ عَلَيْ مَا تَنْ عَلَيْهِ مِنْ عَلَيْهِ مِنْ عَلَيْهِ مِنْ عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عَلِي عَلَيْهِ ع | غلام اللَّه، حضرت مرزا |
| 121 | غلام جيلاني |
| غا ــــــــــــــــــــــــــــــــــــ | غلام حسين 124 |
| فجو(غفاراکی بیوی) | غلام حسین مها جر،حضرت ملک |
| فور فضل النساء) | غلام حسین،مرزا(حضور کے جیإزاد بھائی) 124 |
| | غلام قادر سنوری منشی |
| فرغون قرغون قرغون قرغون | غلام قادر،مرزا(حضورٌ کے بڑے بھائی)7،20، |
| فضل البريه على جوز المستحدي عند المحتمد مرزا | ·462·415·337·202·151·91·90·89·60·26·21 |
| فضل الدين بھيروي،حضرت ڪييم | 649،572،480 |
| فضل الدين فجا(حضورًا كے ايك خادم) | خواب میں ان کی بیاری اور شفایا بی کا بتلا یا جانا |
| فضل الرحمٰن بھیروی،حضرت مفتی | آپ کی وفات کے بارہ میں الہام |
| فضل الهي (كوئله كايك صوفي) | انہیں کشفاً گھوڑے پرسوارد کھنا |
| فضل الهي چيڅي رسال، شخ | غلام محمرسيد والا |
| فضل شاه، سیدلا ہوری (برادرسیدناصرشاہ) | غلام محمر منشى |
| فضل شاه،سید (ساکن بثاله) | غلام محمر مبلغ ماريشس، حضرت صوفى |
| فضل کریم ننگلی | غلام مرتضٰی، حضرت (والد ما جد حضرت اقدس) |
| فضل مجمد ہرسیاں والے ،حضرت میاں | 43643934354428842041941741641441346 |
| فنڈل، پادری | 654,643,490 |
| فیض محر،مرزا | خواب میں بتلایا گیا کہان کی وفات کاوفت قریب ہے19 |
| | مة د من وگري کي ايم هي کي کوا |

ليكهرام بپثاوري 658638662466245618661856117..... کشف میں ایک قوی شکل مہیب فرشتہ کالیکھر ام کے بارہ میں قائم على ڈيڻيقائم على ديڻي قدرت الله، م زا...... 667 قرشي، حاذق طبيب ما جھےخان قطب الدين، حضرت حكيم مولوي 657،656 مارٹر، کلارک مبارک احمد پنڈی جری مارك احد، حضرت مرزا (پسرحضرت اقدس) 672,669,618,617,616,600 كرم اللي کرم دین بھیں ،مولوی مبارك على شاه ماركه بيكم،حضرت سيده نواب (دختر حضرت اقدس) ... 244 670.436.431.400.395.375.373..... کلارک، ہنری مارٹن 615,338,277, مقدمہ مارٹن کلارک کے بارہ میں بچیس سال پہلے کی خواب 13 مٹھن لالمثمن اللہ علیہ علیہ 474 كمال الدين، حضرت خواجه 581،422،421،505،286، 675،639 محمد مصطفى صلى اللهعليه وسلم 140-136-122-99-86-82-77-76-73-72-63-61 ¢290¢248¢198¢187¢186¢173¢167¢166¢144¢ 681,678,540,533,515,493,477,474,404 رؤيا مين حضور علينة كود كيفنااو قطبي كتاب كاذكركرنا............ حضور عليلة كروضه مبارك يرايخ شيئ كھڙاديكھنا كشف ميں حضور علي إلى الله على وحسنين ، اور حضرت

| محمرحسن،خلیفه سید(وزبراعظم پٹیاله) 161 | فاطمة الزهراء سے ملاقات |
|---|---|
| محرحسين (ابن حضرت ملك غلام حسين صاحب مهاجر) 692 | کشف میں آپ کی حضور علیہ سے ملاقات |
| محرحسين بٹالوي،ابوسعيد8،31،45،49،69،67،71، | محمدا براہیم بقا پوری، حضرت |
| ،223،205،191،189،174،166،151،120،118 | محمدا براہیم، حافظ |
| ،465،388،361،272،271،270،269،257،247 | محمداحسن امروبی، حضرت سید 140، 345، 325، 365، |
| 607،606،502 | 6504375 |
| محرهسین قریثی | 650،375 محمد احمد (ابن حضرت خليفة استنظام الأول) 213 |
| مرحسین مرہم عیسلی، حضرت حکیم | محمدار شدخان،ارباب |
| محمدخان كپورتھلوى،حضرت خان | محمداسحاق، حضرت سيدمير |
| م محمد حیات خان،سردارنواب(جج) | 569،486،469،463،462،164 |
| ي. محمد دا ؤدخان ، راجه (ابن حضرت راجه مد دخان) 633 | رؤیاد یکھا کہ میاں محمد اسحاق اور صالحہ بی بنت منظور محمد کے نکاح |
| محمد الدين واصل باقى نوليس، حضرت منتى 662،661 | کی تیاری ہور ہی ہے |
| | څماسلم بيگ،مرزا |
| ۶۵۵٬۶63٬ څمد دین کنگروال،مرزا | محمداساغيل (سنوري)محمداساغيل (سنوري) |
| محردین،مولوی | محمراساغيل دېلوي،حضرت دا کٹرسيدمير 163،396،449، |
| محمد رضاطهرانی خبخی ، حاجی شخ | 678-671 |
| محرسعيد | محمرا ساعيل سرساوی، حضرت شيخ |
| محمر سلطان بیگ ،مرزا | محمرا ساعيل سيالكوڻي، حضرت منشي |
| محمد شریف قادیانی، چوہدری | محمرا ساغيل على گڑھی،مولوی |
| محدشريف، عكيم | محمرافضل |
| میر رہے۔ نہ مسلمان جھروی، حضرت ڈاکٹر مفتی 360، 285، 254، 360، | محمافضل خان (سپرنٹنڈ نٹ بندوبست راولپنڈی)44،42 : . |
| 687.677.674.664.663.656.509.425.394 | محما فضل، حضرت منشى |
| محمة عبد الرحمان خانم | محمدالياس غان، راجبه (ابن حضرت راجبه مد دغان) 633 |
| محمد عبدالله بوتالوی، حضرت مولوی | محر بخش منشی (ڈپٹی انسپکڑ بٹالہ) |
| مير عبدالله خان | محمه بخش جعفرزنلي |
| مد عبدالله خان، راجه (ابن حضرت راجه مددخان) 633 | مُحر ^{بخ} شْ ، ثَثْخَ |
| ند شبراللدهان، راجیران صرف راجیمدوهان) ده | محمه بهاءالدين، شخ (مدارالمهام رياست جونا گڑھ) 34 |
| | محر ^ح سن خان ،سید |
| | محمد شن في في من |
| L 160/150 / (*サ/デカ | |

| مكذيب مسٹر(ڈپٹی کمشنر سيالکوٹ) 5 | محماعلی خان |
|---|---|
| ملاوامل، لاليه | محمطی خان اشرف، حضرت چو بدری 669 |
| منصور | محمطی خان مالیرکونلوی،حضرت نواب 174،176،268، |
| منصوراحمه،حضرت صاحبز اده مرز ا 610،609 | 627.577.576.511.424.412.394.384.383 |
| منظور څرلد هيانو ي،حضرت پير 480،481،503،533، | 659،630 |
| 671،637،633،561،537،534 | محمطی شاه ،سید |
| موسیٰ92 | محمد قاسم لاله موسىٰ , حكيم |
| موتىٰ عليهالسلام،حضرت 35،66،217،290،317،350، | مفلح محمد علي علي المسلم 471 |
| 596،558،540،408،373،366 | محمد پوسف بیگ،حضرت مرزا |
| مثھن لال | محمد يوسف، حافظ |
| مهدی حسین، حضرت سیدمیر | محمه يوسف لديها نوى |
| مېرشاه،سيد(بڻاله كايكسيد) | محمه يوسف هوتي، حضرت قاضي 694،436 |
| مهرعلی(برادرشیخ زین العابدین) | محمر يعقوب |
| مېرعلى شاه گولژوى668،353،73 | محمر يعقوب خان، راجه (ابن حضرت راجه مد دخان) 633 |
| مېرعلى، شڅ (رئيس ہوشيار پور) 189،188،118،115 | څړ ، مولوي |
| ميرال بخش | محمدی بیگم 125،125،126،125،108 661،557،533،160،129،126،125،108 |
| | محمدی بیگم (املیه حضرت پیر منظور ثمه) |
| (0) | محموداحمه، حضرت مرزابشيرالدين خليفة المسح الثاني |
| | ٠403٠378٠226٠168٠134-131٠129٠114٠112-109 |
| نادرشاهنادرشاه | ¢521¢517¢506¢503¢494¢491¢462¢458¢447 |
| ناصراحمه،مرزا_حضرت خليفة أسيح الثالث رحمهالله تعالى | 677.675.673.666.650.632.616.615.610 |
| 610،609 | 690 |
| ناصرشاه،حضرت سيد | محمود عالم شاه،حضرت سيد |
| ناصرنواب دېلوي،حضرت مير | مد دخان ، راجبه حضرت |
| 568،567،518،515،488،469،462 | مریم بی بی (اہلیہ حضرت حکیم فضل الدین بھیروی) 356 |
| ناظرحسين كالووال،سيد | مرىم عليهاالسلام، حضرت 32،35،55،35،244 |
| نائك، بإوا 3، 12،5 | 539:517:401: |
| نبی بخش رفو گر، حضرت میال | مسر وراحمه،مرزا_حضرت خليفية المسيح الخامس ايده الله 610 |
| نبی بخش، حضرت صوفی | مسيح ناصري عليه السلام د مي <u>ه</u> يخ ' عيسىٰ عليه السلام' ' |

| نورځمه پنشنر | نمي بخش ،مهر |
|---|--|
| نورمحمد فيض الله چيك، حضرت حافظ 645 ، 678 ، 678 | نجف علی (مولوی مجمد حسین بٹالوی کاانگریزی خوان دوست)118 |
| نورمحر،حفرت ڈاکٹر(مالک کارخانہ بمدم) 328 | نجفی بنتنخ محمد رضاطهرانی |
| | نذیراحر، میجر جزل |
| | نذ رحسين دہلوی،مولوی 69،272،355، |
| 9-0 | نفرت جہال بیگم،حرم حفزت مسیح موعودٌ |
| ہادی بیگ،مرزا(حصرت سیح موعودؑ کے جدامجد) 544 | 43843441643914374435643294103431 |
| بإمان 307،317 | 692 • 674 • 650 • 646 • 600 • 467 |
| مدایت علی، حافظ | آپ کی ایک رؤیا |
| واصل خان دہلوی، حکیم | رؤياميں آپ کا ایک روپیہ حضرت کی نذر کرنا370 |
| وزيرينگھ | محری بیگم کی بابت آپ کا خواب |
| وزيرخال افغان ،ميال | نصيرا حمد ، مرزا |
| وڭۇرىي، ملكە ئىند 650،284،280،252 | نظام الدين،مرزا (برادرمرزاغلام اللّه سيالكوث) 694 |
| ويب،رسل | نظام الدين سيالكو ٹی مسترى |
| | نظام دین،مرزا(حضرت میں موتوڈ کے جدی شریک) |
| ی | 448 • 396 • 117 • 103 |
| | نعمت الله شهبید، حضرت مولوی 501،403 |
| يخيٰ عليه السلام | نعمت الله و لي د ہلوي |
| يىعيا ەغلىيەالسلام | نوح عليه السلام، حفزت |
| لعقوب عليه السلام | نوراحمه، پیخ ڈاکٹر 663 |
| يعقوب بيگ، ڈاکٹر مرز ا 693،479،477،253 | نوراحمامرتسری، حافظ |
| يعقوب على عرفانى الكبير، حضرت شيخ | نوراحمد،حافظ حاجی (امرتسر کے ایک واعظ قر آن) 43 |
| 650-647-429-418-405-158-138-117-89 | نورالدين بهيروى حضرت خليفية المسيح الاول رضى اللدعنه |
| يهودا اسكر يوطي | ¢281¢213¢201¢190¢159¢157¢130¢120¢113 |
| يوسف علىيالسلام 540،419،79 | |
| يوسف على نعماني، خضرت قاضي | 688،677،675،674،670،664،660،655،653 |
| , | نورالدين جموني،حضرت خليفه |
| | نورالدين،ميال |
| | نورعلی،قاری |
| | |

مقامات

| جونا گڑھ | امرتسر 645،611،254،90،44،43،42،21،15،5 |
|---|--|
| چېلم | امریکہ |
| چکوال | ابران |
| حيراآباد | ايثي |
| ومثق | باره مولا (کشمیر) |
| قادیان کواللہ تعالیٰ نے دمشق ہے مشابہت دی ہے 59 | بسراوان (نزدقاديان) |
| وبلي | يگاليگال |
| ڙ ريواساعيل خان | بنول (صوبه سرحد) |
| راولپنڈی | بچوپال |
| روس | بھيره(ضلع سرگودھا) |
| روم | بھیں (ضلع جہلم) |
| سر بهند | ئالەر.667،645،480،438،276،265،94،58،8،5 |
| سرقد142 | 68846704668 |
| سوجان پور(ضلع گورداسپور)647،106 | بہادر حسین (تخصیل بٹالہ) |
| سيالكوك 694،532،445،438،5،6 | ياسياس |
| شاه پور | پيرم پور |
| صيحون (Zion) امريكه | ينجابغاب |
| وب | پنجاب میں طاعون چھیلنے کی خبر |
| على گرھ | كشفا بتايا گيا كه پنجاب مين دليپ سنگه كا آنااس كامقد زنبين |
| فارس9 | 105 |
| فيض الله حيك (ضلع گورداسپور)686،645 | پیٔالہیبالہ |
| تاديان136،94،60،59،29 | تلونڈی جھنگلاں (ضلع گورداسپور)645 |
| ٬277٬265٬261٬253٬248٬246٬168٬141 | تھ غلام نبی (ضلع گورداسپور) |
| 421،405،380،372،358،353،351،327،293 | جاپان |
| ،647،646،643،590،578،453،435،426، | جمول وكشمير |
| 694،690،688،679،670،666،665 | حيد |
| | |

| مریدکے (ضلع گوجرانوالہ) | قلات |
|--|---|
| مسجداقصلي | كابل |
| مسجد فضل | كامو نكے (ضلع گوجرانواليہ) |
| مىجدمبارك | كپورتهله |
| معر | كسولى (ۋىرەدون) |
| ملتان | كشمير |
| مٹھہ ٹواناضلع شاہ پور | كنجرال ضلع گور داسپور |
| كمه مله 503،60 | كندُ يلا (نزدقاديان) |
| اہل مکہ کوخدا کے گروہ میں داخل ہوتے دیکھنا 208 | كوريا |
| نبي پورشلع گورداسپور | گرا ت |
| نواں پنڈ (نز دقادیان) | گاهوا |
| نيل | گواليار |
| وزيرآ باد | گوچرانواله |
| ولايت | گورداسپپور 22، 397، 286، 275، 265، 124، 118، 23، 397، |
| هرسيال والا (نز دقاديان) | 691،670،483،447،436،431،416،411،400 |
| <i>ہندوستان</i> 71،600،564،250،600 | لا بور |
| ہوشیار پور | ¢568¢449¢372¢330¢328¢258¢245¢33¢15 |
| يورپياورپ 595،564،526،402،244،104 | 691 (669 (667 (660 (611 (594 (582 |
| | حبلسه عظم مذا هب لا هور |
| | لا ہور بھی کوئی شہر ہوتا تھا |
| | لدهيانه 678،669،447،136،121،118،45 |
| | لندن |
| | كشف ميں اپنے تنيئ لندن ميں ديکھنا 147 |
| | لنگروال(ضلع گورداسپور)644 |
| | ماريشس |
| | ماليركوثله |
| | مدراس |
| | مدينه |
| | مردان |